58 वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2019-20

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises

(सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन एवं आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित)

(An Organisation of Ministry of MSME, GoI & ISO 9001:2015 Certified)

यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045 (तेलंगाना)

Yousufguda, Hyderabad - 500 045 (Telangana)

विषय सूची

1. संक्षिप्त विवरण 1
1.1 पृष्ठभूमि 1
1.2 निम्समे का घोषणा पत्र 4
1.3 संस्थान के ग्राहक 6
1.4 प्रशासन और प्रबंधन 7
1.5 सांविधिक बैठकें 7
कोष्ठशिकायत प्र 1.6 8
1.7 बौद्धिक विकास सुविधाएँ 8
1.8 विशिष्टता के स्कूल 8
1.9 आधारभूत संरचरना सुविधाएँ 9
1.9.1 अतिथि गृह भवन 10
1.9.2 क्लोज्ड सर्किट कैमेरे 10
1.9.3 खेल कूद सुविधाएँ-- 10
1.9.4 चिकित्सा सुविधा 10
1.9.5 मनोरंजन सुविधाएँ 11
1.9.6 जल परिशोधन संयंत्र (प्लांट .ओ .आर) 11
1.9.7 पार्किंग क्षेत्र 11
1.9.8 वस्त्र धुलाई सुविधा 11
1.9.9 सोलर पैनल 11
1.9.10 कर्मचारियों की संख्या 12
1.10 संगठनात्मक रचना 13
.2नई पहले 14
मंत्री महोदय का निम्समे परिसर में दौरा 2.1/ वृक्षारोपण से संबंधित गतिविधियाँ 14
.3स्कूलों द्वारा घोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम घोषित)और प्रायोजित(........ 15
(एसईडी) उद्यम विकास स्कूल 3.1 15
3.1.1परियोजना वित्तपोषण और प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम 15

उद्यमों में व्यर्थ सामग्री का पुनर्चक्रन .म.ल.सू 3.1.2 17
पीवी ग्रिड से जुडे सौर ऊर्जा संयंत्र प 3.1.3र प्रशिक्षण कार्यक्रम 19
3.1.4 मैसूर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का मूल्यांकन 21
वर्ष 3.1.52019-20 के लिए पीएसी की बैठक 22
3.1.6 टीएमआरईआईएस के शिक्षकों के लिए कला एवं शिल्प प्रशिक्षण 23
3.1.7 एमएसएमई की योजना और संवर्धन 24
3.1.8 राउंड टेबल प्रिंट सर्कल कॉन्क्लेव 2019 25
3.1.9 परियोजना अधिकारियों और फील्ड अधिकारियों के लिए सूक्ष्म उद्यम विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 26
3.1.10 एमएसएमई के लिए ईवेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प- 27
3.1.11 पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (.ए.आई.ई) में वर्तमान आवश्यकता पर कार्यक्रम 29
3.1.12 सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 30
3.1.13 केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य के औद्योगिक विस्तार अधिकारियों को इंडक्शन प्रशिक्षण। 32
3.1.14 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ईकचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण विकल्प- 33
3.1.15 औद्योगिक प्रचार गतिविधि पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम में संकाय 34
3.1.16 राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्डों की एक दिवसीय कार्यशाला समीक्षा बैठक 34
3.1.17 अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य 43
3.2 उद्यम प्रबंधन स्कूल (एसईएम) 44
3.2.1 जीएसटी पर कार्यक्रम 44
3.2.2 सू.म.ल. उद्यमों पर जीएसटी के निहितार्थ पर कार्यशाला 44
3.2.3 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 45
3.2.4 जीएसटी जोल-मेल :, लेखांकन और वार्षिक रिटर्न 45
3.2.5 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 46
3.2.6 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 47
3.2.7 एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम 48
3.2.8 नाइयों के कौशल उन्नयन पर सम्मेलन 50
3.2.9 बौद्धिक संपदा अधिकारों पर संकाय विकास कार्यक्रम 51

3.2.10 एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 52
3.2.11 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन में प्रशिक्षण 53
3.2.12 पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण 53
3.2.13 स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति- 54
3.2.14 निम्समे द्वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण 55
3.2.15 सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट फॉर बिजनेस मैनेजमेंट के लिए कार्यक्रम (एसआईबीएम) 56
3.2.16 अपने व्यवसाय को शुरू करें और बेहतर बनाएं 57
3.2.17 स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति- 58
3.2.18 एक्जिम पर कार्यक्रम 58
3.2.19 एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ 59
3.2.20 स्टार्ट अप सपोर्ट पर प्रशिक्षण 60
3.2.21 एमएसएमई के लिए कानूनी अनुपालन पर कार्यक्रम 60
3.2.22 उत्पाद पहचान और विपणन रणनीतियों पर कार्यक्रम 61
3.2.23 जीएसटी टैक्सेशन फाइलिंग और कोचीन में रिटर्न 62
3.2.24 उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम 62
3.2.25 स्मार्ट काम करने के लिए प्रशिक्षण 63
3.2.26 चिराला में संकाय विकास कार्यक्रम 64
3.2.27 उद्यमियों के लिए विचार उत्पादन 65
3.2.28 उद्यमिता पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम 65
3.2.29 बौद्धिक संपदा अधिकार और एमएसएमई के लिए इसके निहितार्थ 66
3.2.30 युवा प्रबंधकों के लिए नेतृत्व पर कार्यक्रम 67
3.2.31 सोशल मीडिया मार्केटिंग 69
3.3 स्कूल ऑफ एंटरप्राइज एण्ड एक्सटेंशन (एसईई(..... 71
3.3.1 उद्यमिता में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा 71
3.3.2 उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) 71
3.3.3 बांस कारीगरों के साथ परस्पर चर्चात्मक कार्यक्रम (इंटरएक्टिव मीट) 72
3.3.4 प्राथमिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 74

3.3.5 निम्समे संकाय की विदेशी यात्राएंक्षमता निर्माण/ 75
3.3.6 सिंगरेनी कोलियरियों की महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (कौशल विकास कार्यक्रम) 75
3.3.7 कृषि आधारित उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम 76
3.3.8 कृषि और खाद्य उद्यमों की योजना और संवर्धन 78
3.3.9 खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए रणनीतियाँ 78
3.3.10 कौशल विकास कार्यक्रम डीएसटीनिमाट द्वारा प्रायोजित- 79
3.3.11 चिराला में संकाय विकास कार्यक्रम 80
3.3.12 अमरावती में कौशल विकास कार्यक्रम 80
3.3.13 हैदराबाद में संकाय विकास कार्यक्रम 81
3.3.14 विशाखापत्तनम में संकाय विकास कार्यक्रम 82
3.3.15 कृषि और खाद्य उद्यमिता को बढ़ावा देने पर)ToT) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 84
3.4 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 85
3.4.1 प्रशिक्षण के बाद प्रतिबिंब 85
3.4.2 कौशल विकास और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण 87
3.4.3 चरण -I अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उद्घाटन 90
3.4.4 उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण ईडब्ल्यूई)) 91
3.4.5 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का संवर्धन और विकास (पीडीएमएसएमई) 93
3.4.6 माइक्रो एंटरप्राइजेज का प्रचार (पीओएमई) 94
3.4.7 चरण-1 के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों की विदाई 95
3.4.8 द्वितीय चरण आईईडीपी का उद्घाटन 98
3.4.9 नाइजीरिया सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण 99
3.4.10 एसएमई के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीतियां (आईपीएमएसएस) 100
4. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 104
4.1 नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी) 104
4.1.1 एमएसएमई क्लस्टर में नरम और कठिन हस्तक्षेप 104
4.1.2 वैश्विक व्यापार महिलाओं की समग्रता - 105
4.1.3 नैतिक मूल्यों के संचार की तकनीकों पर कार्यक्रम 106

4.1.4 कॉयर क्लस्टर के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 107
4.1.5 ग्रामीण समूहों के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 109
4.1.6 एमएसईएफसी को देरी से भुगतान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 109
4.1.7 एमएसएमई क्लस्टरों में बुनियादी ढांचा विकास 110
4.1.8 विलंबित भुगतान पर कार्यक्रम 111
4.2 बागवानी क्लस्टरों पर परामर्श कार्यशाला 112
4.3 स्फूर्ति क्लस्टर की यात्रा 113
4.4 मोत्कुर इक्कन हैंडलूम क्लस्टर दौरा 115
4.5 कॉयर बोर्ड, कोच्चि में परियोजना संचालन समिति की बैठक 116
4.6 आंध्र प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक 116
4.7 ओडीओपी का दौरा 117
4.7.1 गोरखपुर, महाराजगंज, आजमगढ़ और प्रयागराज की यात्रा 117
4.7.2 कालपी (उरई), सुल्तानपुर और रामपुर की यात्रा 118
4.7.3 बुलंद शहर, रामपुर, फर्रूखाबाजद का दौरा : 119
4.7.4 केवीआईसी के लिए ऑडिट और खातों पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण 119
4.7.5 एमएसएमई विकास के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण में प्रशिक्षण 120
4.7.6 व्यापार इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 120
4.7.7 राज्य केवीआईसी की समीक्षा बैठक कार्यशाला 121
4.7.8 भटिंडा हनी प्रोसेसिंग क्लस्टर, भटिंडा, पंजाब का दौरा 122
4.7.9 होशियारपुर लकड़ी इनले और लाह वेयर क्लस्टर, पंजाब 122
4.7.10 वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उत्तर प्रदेश 122
4.8 ईएसडीपी का समापन 123
4.8.1 कैंपस में जॉब फेयर 124
4.8.2 ईएसडीपी समापन 125
4.9 विभिन्न संस्थानों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर 126
4.9.1 निदेशक संस्थान के साथ समझौता ज्ञ (आईओडी)ापन 126
4.9.2 डीसीएसी के साथ समझौता 127

4.9.3. आईआईएमत्रिची के साथ समझौता- 127
4.9.4 सीआईपेट के साथ समझौता 127
5. अन्य गतिविधियां और अचीन 129
5.1 पर्यावरण पर सम्मेलन 129
5.2 एनआईओएस समिति पर संकाय 131
5.3 एमएसएमई कॉन्क्लेव 131
5.4 बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल ने किया कैंपस का दौरा 132
5.5 दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 133
निम्समे में डेनमार्क के प्रतिनिधियों का स्वागत 5.6 134
5.7 ब्रेकफास्ट मीटींग 135
5.8 राष्ट्रीय कार्यशाला 136
5.9 केटीआर के साथ महानिदेशक की मुलाकात 136
5.10 बिजनेस कार्न्फ्रेंस बूस्टर मीट में महानिदेशक 136
5.11 डीचंद्र शेखर ने निम्समे के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। 137
5.12 राष्ट्रीय उत्सव 137
5.12.1 स्वतंत्रता दिवस का समारोह 137
5.12.2 गणतंत्र दिवस समारोह 138
5.13 परिसर में अन्य गतिविधियाँ 139
5.13.1 आतंकवाद विरोधी दिवस 139
5.13.2 निगरानी लेखा परीक्षा आईएसओ 9001-2015 140
5.13.3 संस्थान परिसर में योग दिवस 141
5.13.4 निम्समे कर्मचारी मनोरंजन क्लब के नए सदस्य 142
5.13.5 निम्समे सहकारी, क्रेडिट सोसायटी 143
5.13.6 परिसर में स्वास्थ्य पहल 143
5.13.7 राष्ट्रीय एकता दिवस 144
5.13.8 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 144
5.13.9 उत्साहपूर्ण उपहार 145

5.13.10 कौमी एकता सप्ताह 146
5.13.11 परिसर में पुस्तक मेला 146
5.13.12 यश से निम्समे कैंपस 147
5.14 विदाई समारोह 148
5.14.1 एस रमा देवी, अधीक्षक 148
5.14.2 जी वीरैय्या, एमटीए 149
5.14.3 श्रीमती के नागमणि, अधीक्षक एस वेंकटेश्वर्लु .और श्री के (लेखा), वरिष्ठ आशुलिपिक.... 149
6. स्वच्छ भारत 151
6.1 स्वच्छता पखवाड़ा 151
6.2 स्वच्छ भारत गतिविधि 152
7. शारीरिक और वित्तीय प्रदर्शन 153
7.1 वित्तीय प्रदर्शन 153
7.2: राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी 154
8. सिटीजन चार्टर और आरटीआई एक्ट 155
8.1 निम्समे चार्टर 155
8.2 सूचना का अधिकार अधिनियम 155
शासी परिषद के सदस्य 8.3 156
कार्यकारी परिषद के सदस्य 8.4 160
प्रमुख 165
उपलब्धियाँ 165
वित्तीय रिपोर्ट 168

चित्र सूची

चित्र 1.1: विभिन्न पड़ाव ...1
चित्र 1.2 : गतिविधियों के दायरे का विस्तारीकरण ...2
चित्र 1.3 : निम्समे का घोषणा-पत्र ...4
चित्र 1.4 : संस्थान की गतिविधियों / सेवाओं का दायरा...5
चित्र 1.5 : विशिष्टता के स्कूल...9
चित्र 1.6 : संगठनमात्मक रचना ...13
चित्र2.1 : श्री प्रतापचंद्र सारंगी, राज्य मंत्री, सू.ल.म.उ .मंत्रालय का निम्समे परिसर का दौरा। ...14
चित्र2.2 : श्री मल्ला रेड्डी, श्रम एवं रोज़गार, फैक्ट्री, महिला और बाल कल्याण तथा कौशल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार का निम्समे परिसर दौरा। ...14
चित्र 2.3 : वृक्षारोपण ...14
चित्र 3.1 : परियोजना वितपोषण और प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम ...15
चित्र 3.2 : सू.ल.म .उद्यमों में अपशिष्ट का पुनर्चक्रण...17
चित्र :3.3 एमएसएमई में कचरे के पुनर्चक्रण के लिए समापन सत्र ...18
चित्र :3.4 सौर पीवी ग्रिड से जुड़े ऊर्जा संयंत्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।...20
चित्र :3.5 सौर पीवी ग्रिड कनेक्टेड पॉवर प्लांट्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम ...21
चित्र 3.6: मैसूर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन...21
चित्र 3.7: 2019-20 के लिए पीएसी की बैठक...23
चित्रॉ 3.8: टीएमआरईआईएस के प्रशिक्षकों के लिए आयोजित कला और शिल्प प्रशिक्षण ...24
चित्र 3.9: एमएसएमई की योजना और संवर्धन...25
चित्र 3.10: राउंड टेबल प्रिंट सर्कल कॉन्क्लेव 2019 ...25
चित्र 3.11: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प ...28
चित्र 3.12: पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन में वर्तमान आवश्यकता पर कार्यक्रम...29
चित्र 3.13: पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन में वर्तमान आवश्यकता पर आयोजित कार्यक्रम का समापन...30
चित्र 3.14: सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम...31
चित्र 3.15: केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के औद्योगिक विस्तार अधिकारियों का अधिष्ठापना प्रशिक्षण...32
चित्र 3.16: एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प...34
चित्र 3.17: अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य ...43
चित्र 3.18: अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य ...43
चित्र 3.19: एमएसएमई पर जीएसटी के निहितार्थ पर कार्यशाला...44

चित्र 3.20: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 45
चित्र 3.21: जीएसटी ऑडिट 46
चित्र 3.22: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 47
चित्र 3.23: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 48
चित्र 3.24: एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यक्रम 48
चित्र 3.25: नाइयों के कौशल उन्नयन पर सम्मेलन 50
चित्र 3.26: बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशिक्षण 52
चित्र 3.27: एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 52
चित्र 3.28: पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण 54
चित्र 3.29: स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति 55
चित्र 3.30: निम्समे द्वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण 56
चित्र 3.31: सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट फॉर बिजनेस मैनेजमेंट) एसआईबीएम (के लिए कार्यक्रम 57
चित्र 3.32: अपने व्यवसाय को शुरू और बेहतर बनाएं 57
चित्र 3.33: एक्जिम पर कार्यक्रम 59
चित्र 3.34: एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ 60
चित्र 3.35: एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ 60
चित्र 3.36: पहचान और विपणन रणनीतियों का समापन 61
चित्र 3.37: उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम 63
चित्र 3.38: स्मार्ट काम करने के लिए प्रशिक्षण 64
चित्र 3.39: उद्यमियों के लिए आइडिया जनरेशन 65
चित्र 3.40: उद्यमिता पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम 66
चित्र 3.41: युवा प्रबंधकों के लिए नेतृत्व पर कार्यक्रम 69
चित्र 3.42: सोशल मीडिया मार्केटिंग 69
चित्र 3.43: उद्यमिता में पीजी डिप्लोमा 71
चित्र 3.44: उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) टीओटी(....72
चित्र 3.45: बांस कारीगरों के साथ परस्पर चर्चात्मक कार्यक्रम 73
चित्र 3.46: प्राथमिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 74
चित्र 3.47: सिंगरेनी कोलियरियों की महिला उद्यमियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम 76
चित्र 3.48: कृषि आधारित उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम 77
चित्र 3.49: कृषि एवं खाद्य उद्यमों की योजना एवं संवर्धन का समापन 78
चित्र 3.50: खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए रणनीतियों का समापन 79
चित्र 3.51: हैदराबाद में संकाय विकास कार्यक्रम 82

चित्र 3.5 2विशाखापत्तनम में संकाय विकास कार्यक्रम 83
चित्र 3.53: कृषि और खाद्य उद्यमिता को बढ़ावा देने के) ToT) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 85
चित्र 3.54: प्रशिक्षण के बाद प्रतिबिंब 85
चित्र 3.55: दीपक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण की रोशनी पर कौशल और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण 88
चित्र 3.56: कौशल विकास और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के लिए समापन सत्र 88
चित्र 3.57: श्री मल्ला रेड्डी, श्रम एवं रोजगार, कारखाने, महिला एवं बाल कल्याण और कौशल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार ने उद्घाटन किया। 91
चित्र 3.58: उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण) ईडब्ल्यूई) 92
चित्र 3.59: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का संवर्धन और विकास) पीडीएमएसएमई(....93
चित्र 3.60: माइक्रो एंटरप्राइजेज का संवर्धन) पीओएमई(....95
चित्र 3.61: चरण-1 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने दी विदाई। 97
चित्र 3.62: द्वितीय चरण आईईडीपी का उद्घाटन 98
चित्र 3.63: नाइजीरिया सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण 100
चित्र 3.64: एसएमई के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीतियां) आईपीएमएसएस(....101
चित्र 4.1: क्लस्टर के लिए प्रशिक्षण 104
चित्र 4.2: युवा अधिकारियों को प्रमाण पत्र 105
चित्र 4.3: वैश्विक व्यापार - महिलाओं की समग्रता 105
चित्र 4.4: नैतिक मूल्यों के संचार की तकनीकों पर कार्यक्रम 106
चित्र 4.5: कॉयर क्लस्टर के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 108
चित्र 4.6: ग्रामीण समूहों के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 109
चित्र 4.7: एएसईएफसी के लिए देरी से भुगतान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 110
चित्र 4.8: एमएसएमई क्लस्टरों में बुनियादी ढांचे का विकास 111
चित्र 4.9: विलंबित भुगतान पर कार्यक्रम 112
चित्र 4.10: बागवानी क्लस्टर पर परामर्श कार्यशाला 112
चित्र 4.11: मोत्कुर इक्कन हैंडलूम क्लस्टर दौरा 115
चित्र 4.12: गोरखपुर, महाराजगंज, आजमगढ़ और प्रयागराज का दौरा 117
चित्र 4.13: हैंड मेड पेपर - कालपी) ओरई(....118
चित्र 4.14: मूनज उत्पाद - सुल्तानपुर 118
चित्र 4.15: मूनज उत्पाद – अमेठी 118
चित्र 4.16: बुबंधर, रामपुर, फारूकी की यात्रा 119
चित्र 4.17: केवीआईसी के लिए ऑडिट और खातों पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण 120
चित्र 4.18: सू.ल.म .उद्यमों के विकास लिए रणनीतिक दृष्टिकोण में प्रशिक्षण 120

चित्र 4.19: व्यापार इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 121
चित्र 4.20: राज्य केवीआईसी की समीक्षा बैठक कार्यशाला 122
चित्र 4.21: एक जिला एक उत्पाद) ओडीओपी(, उत्तर प्रदेश 123
चित्र 4.22: ईएसडीपी का समापन 124
चित्र 4.23: कैंपस में जॉब फेयर 124
चित्र 4.24: जॉब फेयर का प्रेस कवरेज 125
चित्र 4.25: ईएसडीपी समापन 125
चित्र 4.26: निदेशक संस्थान) आईओडी(........ 127
चित्र 4.27: सिपेट के साथ समझौता 128
चित्र 5.1: दीप प्रज्जवलित करते हुए प्रो .एस .रामचंद्रम 129
चित्र 5.2: पर्यावरण पर सम्मेलन 130
चित्र 5.3: एमएसएमई कॉन्क्लेव 131
चित्र 5.4: बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल परिसर का दौरा 133
चित्र 5.5: दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 134
चित्र : 5.6 निम्समे द्वारा डेनमार्क के प्रतिनिधियों का स्वागत 135
चित्र 5.7: श्री डी.चंद्र शेखर निम्समे के निदेशक के रूप में कार्यभार संभालते हुए 137
चित्र 5.8: स्वतंत्रता दिवस का समारोह 138
चित्र 5.9: गणतंत्र दिवस समारोह 139
चित्र 5.10: आतंकवाद विरोधी दिवस 140
चित्र 5.11: निगरानी लेखा परीक्षा आईएसओ 9001-2015 140
चित्र 5.12: परिसर में योग दिवस 141
चित्र 5.13: निम्समे कर्मचारी मनोरंजन क्लब के नए सदस्य 142
चित्र 5.14: निम्समे सहकारी क्रेडिट सोसायटी 143
चित्र 5.15: परिसर में स्वास्थ्य पहल 143
चित्र 5.16: राष्ट्रीय एकता दिवस 144
चित्र 5.17: सतर्कता जागरूकता सप्ताह 145
चित्र 5.18: उत्साहपूर्ण उपहार 145
चित्र 5.19: कौमी एकता सप्ताह 146
चित्र 5.20: परिसर में पुस्तक मेला 147
चित्र 5.21: श्रीमती एस .रमा देवी का सेवानिवृत्ति समारोह 148
चित्र 5.22: श्री जी .वीरैय्या का सेवानिवृत्ति समारोह 149
चित्र 5.23: श्रीमती के नागमणि, अधीक्षक) लेखा (और श्री के .एस वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक 150

चित्र 5.24: श्री का सेवानिवृत्ति समारोह। एस वेंकटेश्वरलू, वरिष्ठ आशुलिपिक 150
चित्र 6.1: स्वच्छता पखवाड़ा 151
चित्र 7.1 : राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी 154
चित्र 7.2 : विभिन्न कार्यक्रमों से प्राप्त आय 154

तालिका सूची

तालिका1. 1: संचालित कुल कार्यक्रमों की संख्या 3
तालिका1. 2: संस्थान के ग्राहक 6
तालिका1. 3: कर्मचारियों की संख्या 12
तालिका 1.4: अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सूची 102
तालिका 1.5: वित्तीय रिपोर्ट 153
तालिका 1.6 : शासी परिषद के सदस्य 156
तालिका 1.7 : कार्यकारी समिति के सदस्य 160

1. संक्षिप्त विवरण

1.1 पृष्ठभूमि

उत्पत्ति: लघु उद्योगों के लिए तैयार की गई तीसरी पंचवर्षीय योजना केबारे में कार्यकारी समूह द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर भारत सरकार ने एक पृथक संस्था की स्थापना करने का निर्णय लिया था। तदनुसार, अक्तूबर में केंद्र सरकार ने 1960 वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के एक विभाग के रूप में नई दिल्ली में "(सीआईईटीआई) केंद्रीय औद्योगिक विस्तार प्रशिक्षण संस्थान"की शुरुआत की।इसका मुख्य उद्देश्य केंद्रीय लघु उद्योग संगठन तथा राज्य सरकारों के उद्योग के विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना था।

चित्र 1.1: विभिन्न पड़ाव

यह संस्थान अंचर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों से जुड़ा रहा ,जिनमें खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र उद्योग विकास संगठन (यूनिडो), यूनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, साइंटिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन (यूनेस्को), अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), कॉमन वेल्थ फंड फॉर टेक्निकल कोऑपरेशन (सीएफटीसी), संयुक्त राष्ट्र बाल शिक्षा कोष (यूनिसेफ), एफ्रो-एशियन रूरल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एएआरडीओ), एआरबी बैंक, घाना, गिझ (जर्मनी) आदि शामिल हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों ने इस संस्थान को लक्ष्यों को अधिक परिणामकारक बनाया है।

- उद्यमिता
- क्लस्टर विकास
- कौशल विकास
- माइक्रो फाइनान्स
- व्यवसाय विकास सेवाएँ
- उपक्षेत्र विकास-

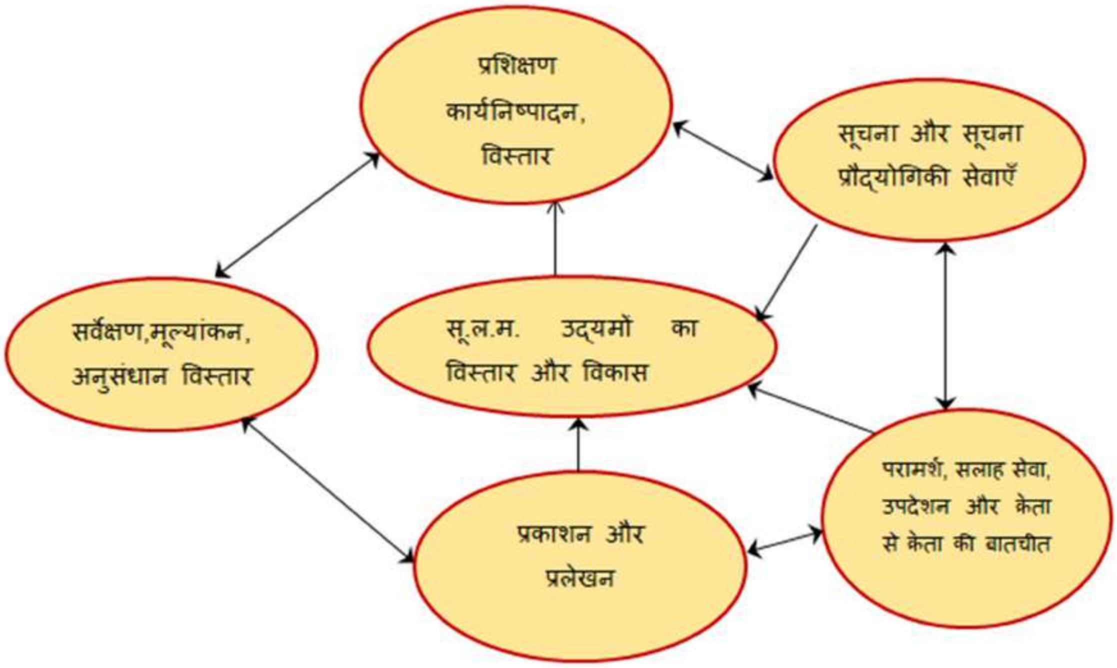

चित्र 1.2: गतिविधियों के दायरे का विस्तारीकरण

संस्थान के कार्यक्रमों को वैश्विक स्तर पर संगत और विशेषज्ञता संबंधी उपलब्धियों के अनुसार आद्यतन किया गया हैं। हर वर्ष विश्वभर से लगभग कार्यकारी 300 संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर विभिन्न क्षेत्रों की विशेषज्ञता और नई संभावनाओं का लाभ हासिल करते हैं। राष्ट्रीय सूक्ष्मलघु और , मध्यम उद्यम संस्थान खास तौर परप्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विस्तार सुविधाओं के बारे में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार्यता प्राप्त है।

निम्नलिखित तालिका में वर्ष से 63-1962वर्ष 2019-20 की अवधि में संचालित कार्यक्रमों तथा उनमें प्रशिक्षित प्रतिभागियों तथा अनुसंधान एवंपरामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या दिखाई गई है।

तालिका 1.1: संचालित कुल कार्यक्रमों की संख्या

क्र.सं .	**गतिविधियाँ**	**संख्या**
1.	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	16,102
2.	प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या	5,40,877
3.	अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएँ	942

प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या में 143 विभिन्न विकासशील देशों के 10,388 अधिकारी शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों को क्रमशः विदेश मंत्रालय, ए.ए.आर.डी.ओ, एससीएएपी, टीसीएस-कोलम्बो प्लान और वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी) के अंतर्गत अधिकारियों को विशेष रूप से संचालित अंतर्राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रमों में शामिल किया गया।

खास तौर पर आवश्यकता के अनुकूल कार्यक्रमों को प्राथमिकता देते हुए संस्थान द्वारा सम्मेलनों, संगोष्ठियों तथा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से विशिष्ट मुद्दों पर समसामयिक विषयों पर ध्यानाकर्षण

1.2 निम्समे का घोषणा-पत्र

आवश्यकता के अनुसार विशेष कार्यक्रमों को प्राथमिकता देते हुए सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विशिष्ट सामयिक विशिष्ट विशिष्ट मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

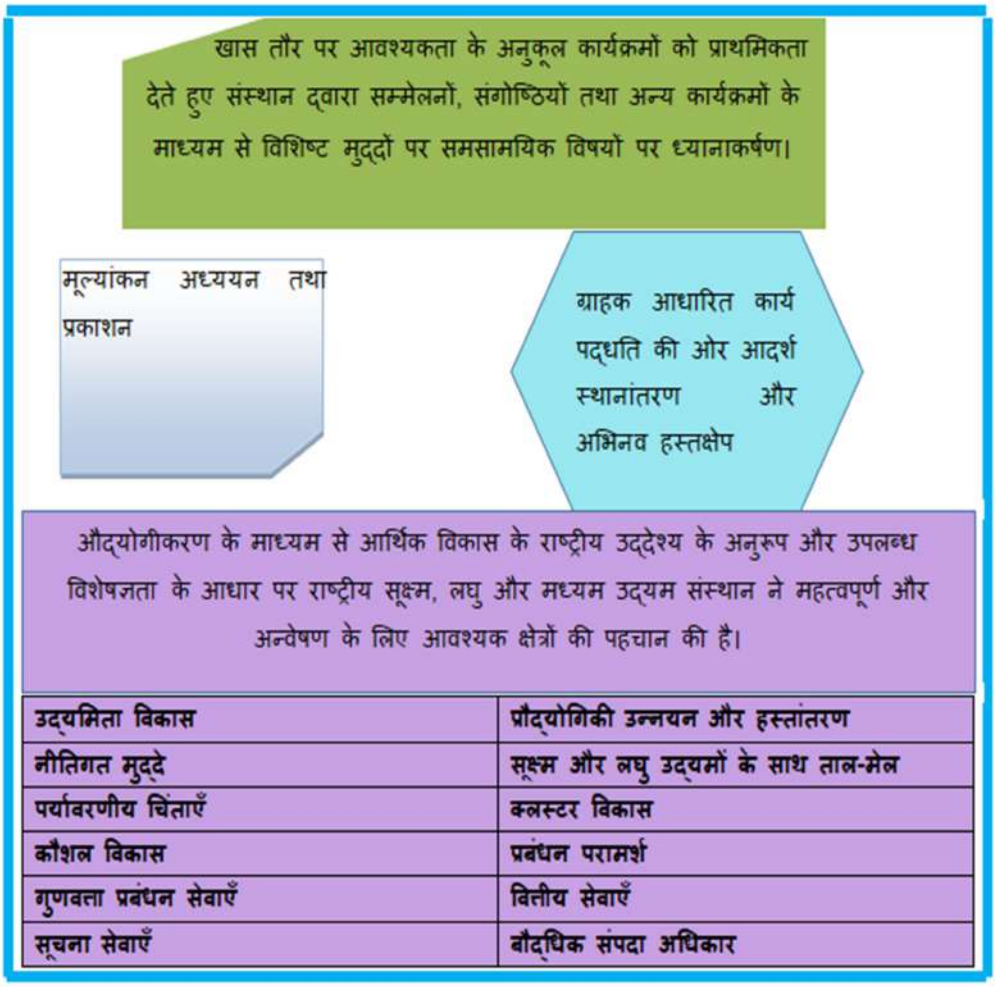

चित्र 1.3: निम्समे का घोषणा-पत्र

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान **(निम्समे)** की गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। संस्थान की गतिविधियाँ खास तौर पर निम्न क्षेत्रों पर केंद्रित होती हैं:

- उद्यम सृजनात्मकता को मज़बूत बनाना
- उद्यम विकास और निरंतरता के लिए बलवर्धन
- उद्यम संबंधी ज्ञान का सृजन विकास और विस्तार ,
- नीतिगत सूत्रीकरण के लिए नैदानिक तथा विकास अध्ययन

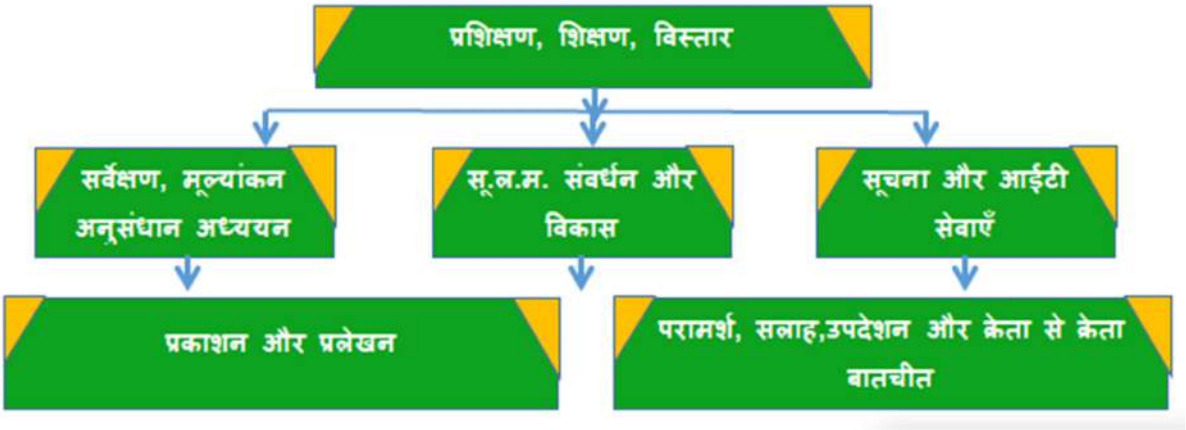

चित्र 1.4 : संस्थान की गतिविधियों / सेवाओं का दायरा

1.3 संस्थान के ग्राहक

तालिका 1.2: संस्थान के ग्राहक

केंद्रीय मंत्रालय / विभाग	राज्य सरकारें
सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय , खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय वित्त मंत्रालय विदेश मंत्रालय कपड़ा मंत्रालय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय कृषि मंत्रालय आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय- मानव संसाधन विकास मंत्रालय रक्षा मंत्रालय ग्रामीण विकास मंत्रालय राष्ट्रीय खनिज विकास निगम हिंदुस्तान पेट्रो.केमिकल्स लि- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा संस्थान एमजीएनआईआरई)	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल । **राज्य बोर्ड / स्वायत्त निकाय** आंध्र प्रदेश भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) सेटविन, हैदराबाद कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) एपीआईटीसीओ
बैंक	**निजी संगठन**
भारतीय रिज़र्व बैंक भारतीय लघु औद्योगिक विकासबैंक सिडबी)) **राष्ट्रीयकृत विभिन्न बैंक** मुद्रा बैंक, केनरा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इलाहाबाद बैंक, आंधा बैंक	उद्योग संघ असोसिएशन फॉर रूरल एण्ड अर्बन नीडी (अरुण) गैप स्किल्स लीडिंग सोल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड हायर गैंग एण्ड एसोसिएट्स रेड्डीज फाउंडेशन रेनबो फाउंडेशन केयर हॉस्पिटल्स हेरिटेज फूड्स लि. अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

अंतर्राष्ट्रीय संगठन
यूनेस्को, यूएनडीपी, फोर्ड फाउंडेशन, जीटीजेड, यूएसएआईडी, यूनिडो, आईएलओ राआईटीईएस, बीएसआईसी, सीएफटीसी, एग्रीकल्च डेवलपमेंट प्रोजेक्टस ऑफ नाइजेरिया, सिडो ऑफ टांझानिया, बैंक - घाना, एआरबी एपेक्स

1.4 प्रशासन और प्रबंधन

संस्था के क्रिया-कलापों का प्रबंधन, प्रशासन, संचालन और नियंत्रण भारत सरकार द्वारा गठित संचालन परिषद के माध्यम से संस्था के नियम और विनियम के नियम क. 22 (क और ख) अनुसार के किया जाता है। संस्था का गठन भारत सरकार द्वारा नियम और विनियम के नियम क्र. 3 के तहत किया गया है।

श्री गिरीराज सिंह, माननीय केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान **(निम्समे)** की संस्था के अध्यक्ष हैं और संचालन परिषद के चेयरमैन हैं। भारत सरकार के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय संस्था के उप-चेयरमैन हैं तथा संचालन समिति के उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी समिति के उप चेयरमैन हैं। भारत सरकार केअपर सचिव, भारत सरकार एवं विकास आयुक्त, (सू.ल.म. उद्यम) संस्थान की कार्यकारी समिति के उप-चेयरमैन हैं। डॉ. संजीव चतुर्वेदी वर्तमान में संस्थान के निदेशक हैं।

संचालन परिषद तथा कार्यकारी समिति के सदस्यों सूची क्रमशः **अनुबंध 1 और 2** उपलब्ध की गई है।

संचालक मंडल संस्था का कामकाज संस्था के निदेशक के माध्यम से चलाता है। निदेशक ही राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के शैक्षणिक और कार्यकारी प्रमुख हैं। वह संचालन परिषद और कार्यकारी समिति के दिशा-निर्देशों के अनुसार कामकाज पूरा करते हैं। संस्था की अकादमिक गतिविधियों का संचालन विशिष्टता के शैक्षिक स्कूलों के माध्यम से किया जाता है। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निदेशक (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स) समग्र प्रशासन और सामान्य प्रशासनिक मामलों के प्रमुख हैं।

1.5 सांविधिक बैठकें

संचालन परिषद (जीसी) और वार्षिक साधारण बैठक (एजीएम)

संचालन परिषद (जीसी) की 12 वीं बैठक आयोजन 03.02.2019 को दोपहर 02.00 बजे नई दिल्ली में श्री गिरीराज सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में किया गया। संचालन परिषद के माननीय अध्यक्ष को निम्समे के महानिदेशक ने वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान द्वारा चलाई गई गतिविधियों संबंधी प्रगति रिपोर्ट की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त संचालन परिषद के मनोनीत सदस्यों की नियुक्ति जैसे अन्य मुद्दों को नोट किया गया

और 2018-19 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति और 2017-18 के लिए लेखा परीक्षित खातों के साथ वार्षिक रिपोर्ट को स्वीकृति प्रदान की गई।

इसी क्रम में 11वीं वार्षिक आम बैठक का भी आयोजन उसी दिन किया गया जिसमें उक्त मुद्दों को वार्षिक साधारण सभा द्वारा अनुमोदित किया गया।

1.6 शिकायत प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय सूक्ष्म , लघु और मध्यम उद्यम संस्थान **(निम्समे)** ने कामकाज में पारदर्शिता लाने और एक प्रभावी सार्वजनिक शिकायत निवारण तथा निगरानी प्रणाली उपलब्ध करने के उद्देश्य से एक शिकायत प्रकोष्ठ और सूचना तथा सुविधा काउंटर की स्थापना की है। जन-शिकायतों की स्थिति संस्थान की प्रशासनिक प्रक्रियाओं के साथ ही नीतियों और शिकायत प्रकोष्ठ की दक्षता और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए बैरोमीटर का कार्य करती है,जबकि स्थापित काउंटर सार्वजनिक शिकायतों के समय पर निवारण की सुविधा के लिए स्थापित मशीनरी का महत्वपूर्ण घटक की भूमिका निभाते हैं। सभी प्रकार की शिकायतें संस्थान के शिकायत प्रकोष्ठ में दर्ज कराई जा सकती है और सुविधा काउंटरों से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस से संबंधित पते अनुबंध- 3 में दर्शाये गये हैं।

1.7 बौद्धिक विकास सुविधाएँ

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान **(निम्समे)** अपनी स्थापना से लेकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सेवाएँ प्रदान करता आ रहा है। निमस्मे की बौद्धिक गतिविधियों का संचालन उसके चार उत्कृष्टता के स्कूलों द्वारा उनके 11 मौजूदा केंद्रों के माध्यम किया जाता है, जिनमें विशिष्ट गतिविधियों के लिए समर्पित तथा संकल्पना आधारित पाँच प्रकोष्ठ भी शामिल हैं।

संस्थान के स्कूलों का स्वरूप अपने आप में अंतर विषयी होने के साथ खास तौर पर प्रशिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, शिक्षण, विस्तार केंद्रित हैं। जबकि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग उनके विशिष्टता के क्षेत्र में ग्राहक संगठनों, उद्यमियों, विभिन्न संघों के नेताओं, सरकारी अधिकारियों, नौकरशाहों, सार्वजनिक तथा निजी कंपनियों के कार्यकारियों, अकादमिक विशेषज्ञों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों तथा बेरोज़गार युवाओं के लाभ के लिए सहायक होता है।

1.8 विशिष्टता के स्कूल

निम्समे की गतिविधियों का संचालन उत्कृष्टता के चार स्कूलों के माध्यम से चलाया जाता है, जिसमें प्रत्येक स्कूल अपने विषय केंद्रित केंद्रों और प्रकोष्ठों के तहत होता है। चार स्कूलों की जानकारी निम्नलिखित चार्ट में दर्शायी गयी है:

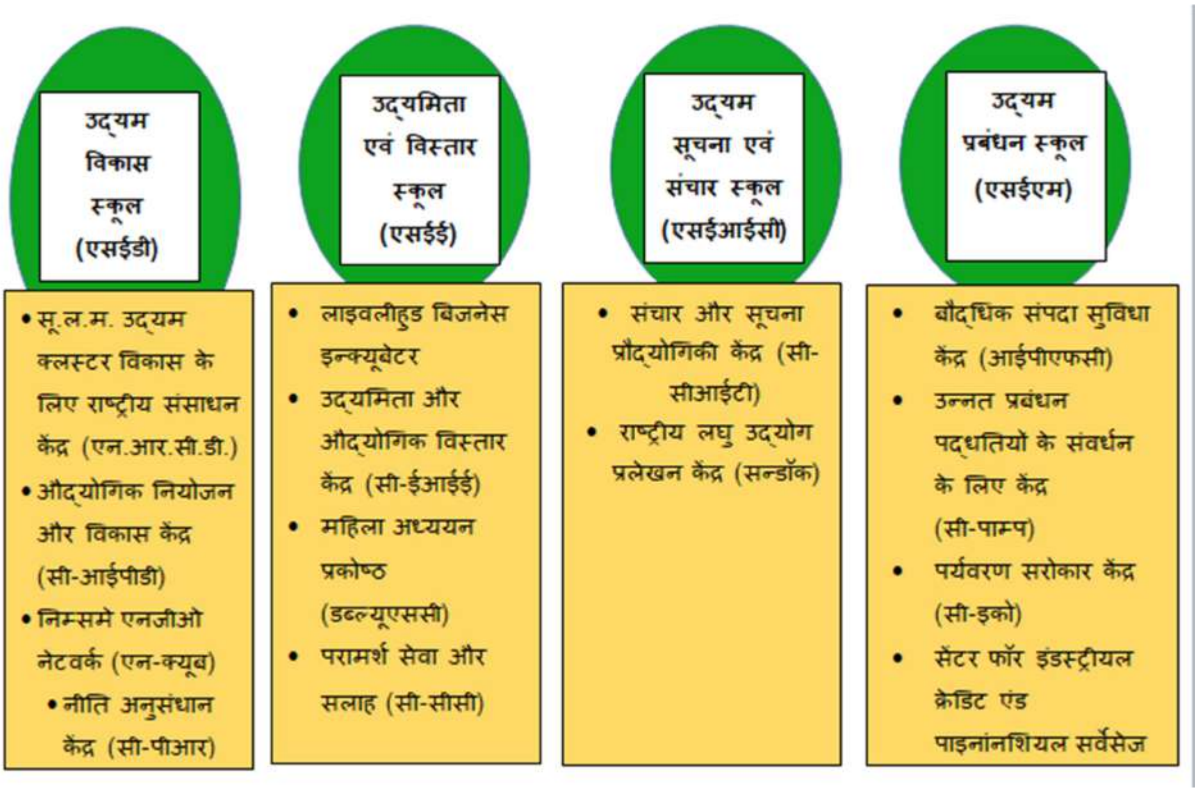

चित्र 1.5: विशिष्टता के स्कूल

1.9 आधारभूत संरचरना सुविधाएँ

किसी भी संस्थान के प्रभावी कामकाज के लिएबेहतर आधारभूत सुविधाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। **निम्समे** की आधारभूत सुविधाएँ संस्थान के कई हेक्टेयर क्षेत्र में उपलब्ध हैं और इन्हें विश्व भर में बेहतरीन सुविधाओं के रूप में जाना जाता है। संस्थान में शिक्षण और प्रशिक्षण के अतिरिक्त उत्कृष्ट पुस्तकालय की सुविधा भी उपलब्ध है ,जो संदर्भ ग्रंथों के साथ ही पढ़ने के लिए पृथक कमरों और इंटरनेट की सुविधाओं से युक्त है। विशाल और उत्कृष्ट रूप से सुसज्जित वातानुकूलित कक्षाएँ और सम्मेलन कक्ष के अतिरिक्त अत्याधुनिक अनुदेशात्मक और कार्यात्मक उपकरण, अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों के लिए विशिष्ट सॉफ्टवेयर वाले कंप्यूटर,उन्नत लैपटॉप और अन्य अनुदेशात्मक उपकरण जैसी सुविधाएँ **निम्समे** में प्रशिक्षण का एक सुखद अनुभव दिलाती हैं। **निम्समे** परिसर में उपलब्ध सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल हैं -

- सभागृह : 350 लोग बैठने की क्षमता
- सम्मेलन कक्ष : 125 लोग बैठने की क्षमता
- 18 व्याख्यान कक्ष : 30-40 लोग बैठने की क्षमता
- संकायों के लिए सभी सुविधाओं से युक्त कार्यस्थल

1.9.1 अतिथि गृह भवन

संस्थान में अतिथियों के लिए उपलब्ध साफ सुथरे-और आरामदेह कमरे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं 280 जिनमें एक साथ कुल ,से अधिक अतिथियों के लिए आवास का प्रबंध किया जा सकता है। संस्थान परिसर में अतिथि भवन के पास ही पूरी तरह शुद्ध और स्वादिष्ट भोजन की भी सुविधा उपलब्ध है, जो प्रतिभागियों के लिए परिसर को घर से दूर घर बनाने वाले स्वादिष्ट व्यंजनों की सेवा करते हैं। हॉस्पिटैलिटी विंग में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- पांच डाइनिंग हॉल के साथ मल्टीकुजाइन मेस
- आवास - 140 कमरे, जिनमें 280 लोग ठहर सकते हैं
- मेहमानों और प्रतिभागियों के लिए वातानुकूलित कमरे
- अतिविशिष्ट व्यक्तियों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए सुइट्स
- सभी कमरे टीवी, वाई-फाई और इंटरकॉम सुविधाओं से लैस हैं ।

1.9.2 क्लोज्ड सर्किट कैमेरे

निम्समे परिसर में लगातार निगरानी के उद्देश्य से सभी प्रमुख स्थानों पर सीसी कैमेरे और चुनिंदा 32 मॉनिटरों का प्रबंध किया गया है।

1.9.3 खेल-कूद सुविधाएँ -

संस्थान परिसर में उपलब्ध जॉगिंग ट्रैक और जिम की सुविधा प्रतिभागियों में अपना शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखने की भावना जगाने के साथ उन्हें उत्साही बनाती है। इसके अतिरिक्त यहाँ टेनिस और फुटबॉल जैसे खेल (आउटडोर गेम) और बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम जैसे खेल (इनडोर खेल) खेलने की भी सुविधाएँ मौजूद हैं।

1.9.4 चिकित्सा सुविधा

संस्थान परिसर में एक विजिटिंग फिजिशियन की सुविधा भी एक निश्चित अवधि में उपलब्ध की जाती है । किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या के बारे में सलाह के लिए चिकित्सक 24/ 7 फोन पर उपलब्ध रहते हैं।

1.9.5 मनोरंजन सुविधाएँ

संस्थान परिसर में स्थित एम्पी थिएटर 'कलांगन' प्रतिभागियों की सृजनात्मक प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के साथ ही मनोरंजक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक आदर्श स्थान है। इसी तरह 'म्यूजिंग' एक और आउटडोर स्थान है, जहाँ ऊंचे वृक्षों से घिरा एक जलाशय उपलब्ध है। यह स्थान भी सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक उत्कृष्ट है। 'उत्सव'एक और स्थान है,हाँ पर खुले माहौल में बैठकों और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है। 'हर्बल विस्टा' एक ऐसा स्थान है, जहाँ पर औषधीय और सुगंधित पौधों को संजोकर रखा गया है। यह स्थान आगंतुकों को एक अद्भुदत प्राकृतिक सानिध्य का अहसास दिलाता है।

1.9.6 जल परिशोधन संयंत्र (आर. ओ. प्लांट)

कैंटीन के ऊपरी मंजिल पर एक जल परिशोधन संयंत्र (आर. ओ. प्लांट) की स्थापना की गई है। इस संयंत्र की स्थापना संस्थान के सभी भवनों की पेजयल की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से की गई है। इससे संस्थान के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ ही संस्थान के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भी शुद्ध पेयजलापूर्ति करना संभव है।

1.9.7 पार्किंग क्षेत्र

संस्थान की आधारभूत सुविधाओं में दो महत्वपूर्ण सुविधाओं को शामिल किया गया है। इनमें संस्थान के प्रतिभागियों को कैंटीन तक जाने के लिए आच्छादित मार्ग और दोपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए आच्छादित पार्किंग सुविधा शामिल है।

1.9.8 वस्त्र धुलाई सुविधा

एक साथ बडे पैमाने पर कपड़े धोकर उपयोग में लाने के उद्देश्य से एक इंडस्ट्रियल वॉशिंग मशीन लगाई गई है। इसके अलावा छात्रावास के ग्राउंड फ्लोर पर भी अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षुओं की सुविधा के लिए वॉशिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं।

1.9.9 सोलर पैनल

संस्थान परिसर को हरा-भरा रखने और बिजली की ज़रूरत को पूरा करने के लिए सोलर पैनल भी लगाए गए हैं।

1.9.10 कर्मचारियों की संख्या

संस्थान में 31 मार्च 2020 तक मौजूद कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है। संस्थान में नियुक्त कर्मचारियों में से समाप्त वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बारे में विवरण अनुबंध 4 में दर्शायी गई है।

तालिका 1.3: कर्मचारियों की संख्या

31 मार्च 2020 तक कर्मचारियों की संख्या				
क्र.सं.	**श्रेणी**	**मंजूर संख्या**	**भर्ती किये गये पद**	**रिक्त पद**
1.	**ए**	23	12	11
2.	**बी**	06	01	05
3.	**सी**	95	33	62
	कुल	**124**	**46**	**78**

1.10 संगठनात्मक रचना

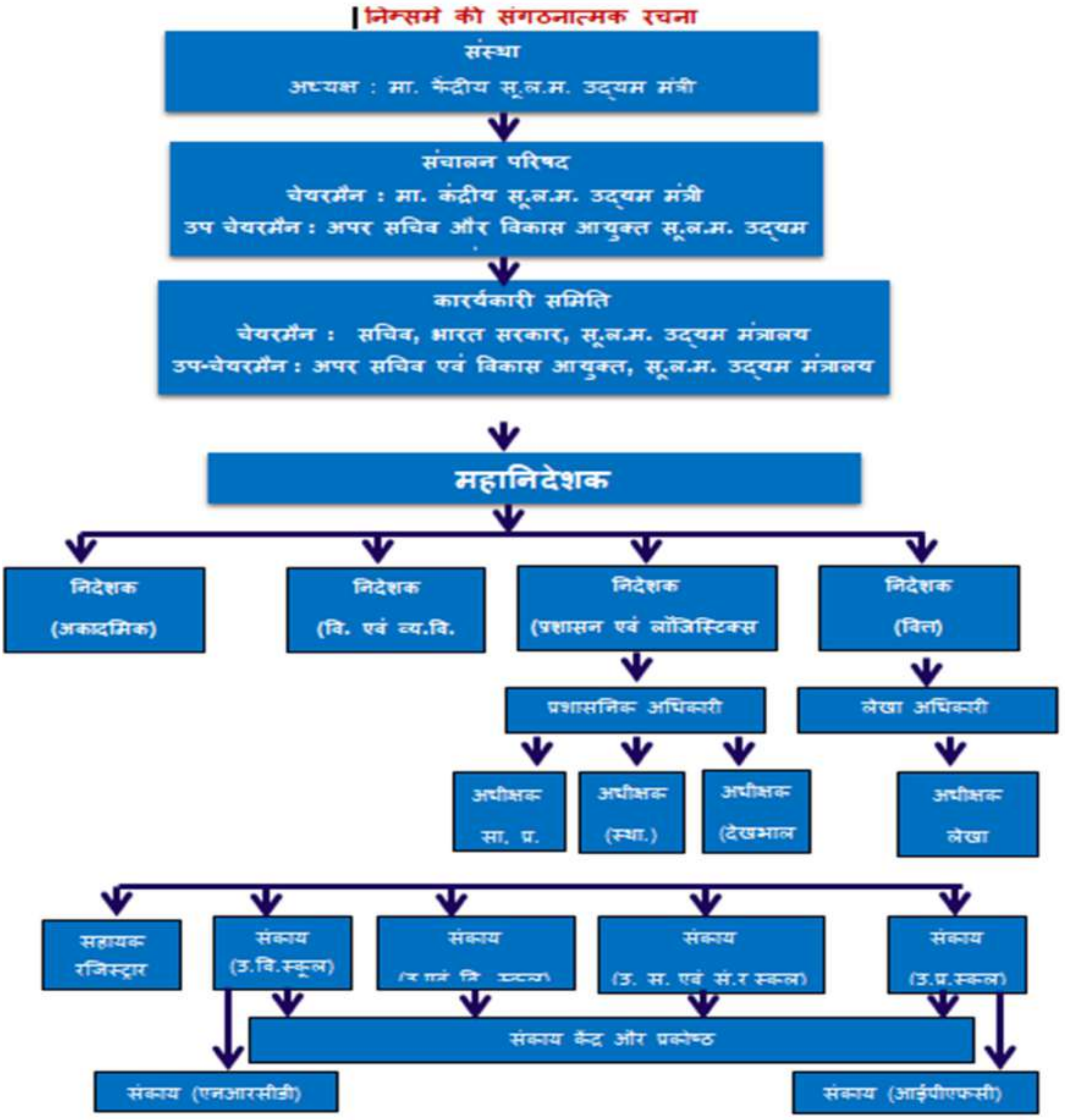

चित्र 1.6 : संगठनमात्मक रचना

2. नई पहल

2.1 मंत्री महोदय का निम्समे परिसर में दौरा / वृक्षारोपण से संबंधित गतिविधियाँ

चित्र 2.1: श्री प्रतापचंद्र सारंगी, राज्य मंत्री, सू.ल.म.उ. मंत्रालय का निम्समे परिसर का दौरा।

चित्र 2.2: श्री मल्ला रेड्डी, श्रम एवं रोज़गार, फैक्ट्री, महिला और बाल कल्याण तथा कौशल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार का निम्समे परिसर दौरा।

चित्र 2.3 : वृक्षारोपण

3. स्कूलों द्वारा घोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम (घोषित और प्रायोजित)

3.1 उद्यम विकास स्कूल (एसईडी)

3.1.1 परियोजना वित्तपोषण और प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम

निम्समे के उद्यमिता और विकास स्कूल की ओर से 19 से 21 मई 2019 के दौरान एनबीसीएफडीसी और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) तथा स्टेट चैनलाइजिंग एजेन्सियों (एससीएस) के प्रबंध निदेशकों / वरिष्ठ अधिकारियों के लिए परियोजना वित्तपोषण और प्रबंधन विषय पर एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में एनबीसीएफडीसी के मुख्यालय के अधिकारियों के अलावा गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना राज्यों के अधिकारियों ने प्रशिक्षण लिया।

चित्र 3.1 : परियोजना वित्तपोषण और प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए एनबीसीएफडीसी के प्रबंध निदेशक श्री के. नारायण ने एनबीसीएफडीसी ऋण योजना में हाल ही में किए गए बदलावों की सक्षेप में जानकारी दी जिनका उद्देश्य खास तौर पर ऋण योजना के विस्तार और प्रभावशीलता को बेहतर बनाने में सहयोग करना है। उन्होंने स्टेट चैनलाइजिंग एजेन्सियों और बैंकों को उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा चीन्हित ओबीसी लाभार्थियों की सूची के साथ वार्षिक कार्य योजनाएँ प्रस्तुत करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजे एण्ड ई) के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (जीईजीडी) के साथ मिलकर सामाजिक क्षेत्र में निशुल्क अनुप्रयोग (फ्री एप्लीकेशन) विकसित कर रहा है। उन्होंने सभी स्टेट चैनलाइजिंग एजेन्सियों से सुविधाओं का लाभ उठाने और दिल्ली में आयोजित की जा रही परिचय कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए अधिकारियों को प्रतिनियुक्त करने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (एमएसजे एण्ड ई) ने इस दिशा में प्रयास के तहत यथार्थवादी सुविधाओं के लिए योजनाओं का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से विभिन्न विश्वविद्यालयों में डॉ आम्बेडकर चेयर को मंजूरी दी है। उन्होंने सभी स्टेट चैनलाइजिंग एजेन्सियों से जरूरत पड़ने पर मूल्यांकनकर्ताओं को सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया।

इसके बाद एनबीसीएफडीसी की महाप्रबंधक परियोजना श्रीमती अनुपमा सूद ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और एनबीसीएफडीसी की ओर से के जा रहे वित्त पोषण संबंधी पहलों, ऋण योजनाओं, क्लस्टरों के प्रौद्योगिकी उन्नयन, विपणन संपर्कों, कार्पोरेट सोशियल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) / सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) संबधी पहलों आदि के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनबीसीएफडीसी विभिन्न प्रदर्शनियों में भागीदारी के माध्यम से लक्षित समूह के कारीगरों के लिए विपणन प्रदर्शन संबंधी अवसर भी प्रदान करता है।

उन्होंने प्रतिभागियों को शिल्पोत्सव, दिल्ली हाट आईआईटीएफ, प्रगति मैदान (14-27 नवंबर 2019) और सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला, फरीदाबाद (1-15 फरवरी 2020) के लिए लाभार्थियों को नामित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एनबीसीएफडीसी द्वारा शुरू की गई नई क्लस्टर उन्नयन योजना के माध्यम से चैनल साझेदारों द्वारा सीमित हस्तक्षेप की सुविधा प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य लक्षित समूह को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम बनाना और उनके उत्पादों/ सेवाओं की गुणवत्ता तथा उत्पादकता में सुधार करना है। इसके अंतर्गत राज्य एजेंसियाँ निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रस्ताव भेज सकती हैं और इस योजना में परियोजनाओं के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों के रूप में भी भूमिका अदा कर सकती हैं।

अन्य सत्रों में एनबीसीएफडीसी अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये गये जिनमें निम्न लिखित सत्र शामिल थे: श्री संजीव शर्मा, सहायक प्रबंधक (परियोजना) द्वारा लीप सॉफ्टवेयर;, सुश्री रंजना, सहायक प्रबंधक (कौशल विकास) द्वारा कौशल विकास की विभिन्न पहल; जबकि रिसोर्स पर्सन श्री तनीकेला रामकृष्ण ने तनाव और समय प्रबंधन पर जानकारी दी।

निम्समे के संकाय सदस्य श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने क्लस्टर विकास पद्धति के साथ ही हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों के बारे में **निम्समे** के अनुभवों के बारे में जानकारी दी और मैसूर वुडन क्राफ्ट क्लस्टर तथा पलक्कड़ पॉटरी क्लस्टर में एनबीसीएफडीसी की मदद से किये गये हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला। श्री एस.एन. पाणिग्रही ने परियोजना प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी, जबकि श्री बी.एन.वी. पार्थसारथी ने निगरानी और वसूली संबंधी केस स्टडीज के अध्ययन पर चर्चा की।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने एनबीसीएफडीसी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने इस कार्यक्रम के बारे में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उन्हें योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में काफी अहम जानकारी मिली है । उन्होंने **निम्समे** और एनबीसीएफडीसी के प्रति आभार व्यक्त किये।

3.1.2 सू.ल.म. उद्यमों में व्यर्थ सामग्री का पुनर्चक्रन

निम्समे के उद्यम विकास स्कूल की ओर सो संस्थान परिसर में 20 से 24 मई 2019 के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में कचरे की रीसाइक्लिंग पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। श्री संदीप भटनागर, निदेशक (विपणन एवं व्यवसाय विकास); श्री अंकित भटनागर, सह संकाय सदस्य, उद्यम प्रबंधन स्कूल ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत को कचरा मुक्त और स्वच्छ बनाने के लिए कचरे के समुचित निपटान की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री भटनागर ने व्यवसाय का माहौल को बेहतर बनाने के लिए वर्तमान और संभावित दोनों प्रकार के उद्यमियों के साथ संपर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि व्यवसाय का नोजन बेहतर तरीके से किया गया, तो परिणाम अच्छे ही आएँगे, इसी कारण सजगता के साथ योजनाबद्ध रूप ले कार्य करना आवश्यक है।

चित्र 3.2 : सू.ल.म. उद्यमों में अपशिष्ट का पुनर्चक्रण

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसी प्रणाली तैयार करना था, जो अपशिष्ट (व्यर्थ सामग्री) के निपटान को लाभप्रद बना सके। इस कार्यक्रम में सदस्य संकायों ने इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रतिभागियों से आग्रह किया। उन्होंने हितधारकों तथा अपशिष्ट प्रबंधन एजेंसियों से अपशिष्ट निपटान में अपने व्यावहारिक अनुभव के आधार पर सुझावों का प्रस्ताव करने का आग्रह किया ताकि वे अपने संबंधित राज्यों के कचरा निपटान गतिविधियों का मार्गदर्शन कर सकें। कार्यक्रम निदेशक एवं सहायक संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल श्री जे. कोटेश्वर राव ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि हितधारकों और समुदाय के बीच व्यर्थ सामग्री के समुचित पुनर्चक्रण की

आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। व्यर्थ सामग्री के वैज्ञानिक रूप से निपटान नहीं होने पर वह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम साबित हो सकता है। इस कार्यक्रम की रूपपेखा प्रतिभागियों को अपने संबंधित कार्यस्थलों में रीसाइक्लिंग इकाइयों की स्थापना करने में सक्षम बनाने का लक्ष्य रखकर की गयी थी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान दी गई जानकारी में अपशिष्ट प्रबंधन विकल्पों की विभिन्न अवधारणाओं का स्पष्टीकरण, ऊर्जा पुनरप्राप्ति , कचरे से धन और औद्योगिक क्षेत्र में रीसाइक्लिंग इकाइयों की स्थापना के लिए अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग की मूल बातें पर व्याख्यान द्वारा रीसाइक्लिंग इकाइयों को शामिल किया गया है। मिश्रित कचरे जैसे ई-कचरे, प्लास्टिक, ग्लास और शिपयार्ड कचरे की रीसाइक्लिंग, बायो/फिश/फूड, ऑटोमोबाइल और औद्योगिक घातक कचरे का परिवहन भंडारण और निपटान सुविधाएं (टीएसडीएफ) आदि के पुनर्चक्रण पर भी विस्तार से चर्चा की गई । प्रशिक्षण के एक हिस्से के रूप में, रीसाइक्लिंग इकाइयों को बर्बाद करने के लिए एक्सपोजर यात्राओं का प्रबंध किया गया।

निम्समे संकाय के अलावा, पाँच संसाधन व्यक्तियों को विशिष्ट विषयों ते बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इनमें डॉ. के. श्रीनिवास, हेड एण्ड टेक्निकल, रामकी ग्रूप; श्री पी. बकका रेड्डी, कार्यकारी निदेशक जेटीएल, श्री वाईवी.एम रेड्डी, प्रथम एनवाइरो कंसल्टेंसी, हैदराबाद के सीईओ और सलाहकार एवं सिपेट, हैदराबाद के निदेशक श्री ए.वी.आर. कृष्णा शामिल थे।

वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षकों, विभिन्न नगर परिषदों (एमसी) के तहत स्वैच्छिक जागरूकता एजेंसियों, पर्यावरणीय इंजीनियरों, रीसाइक्लिंग इकाइयों के हितधारकों, तथा जीएचएमसी-हैदराबाद के सहायक अभियंताओं ने भी इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया। 24 मई 2019 को आयोजित समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम को अच्छा और बहुत अच्छा करार दिया। प्रतिभागियों ने साफ कहा कि प्रशिक्षण व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया गया।

चित्र 3.3: एमएसएमई में कचरे के पुनर्चक्रण के लिए समापन सत्र

समापन सत्र को श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने संबोधित किया। उन्होंने निजी प्रतिभागियों के साथ ही सरकारी विभागों के अधिकारियों की भी इस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों कार्यक्रम के सत्रों के अतिरिक्त प्रतिभागियों को विशेषज्ञों, अधिकारियों, संकाय और सह-प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभवों को साझा करके चर्चा के माध्यम से अपना ज्ञान बेहतर बनाने के लिए **निम्समे** को एक मंच के रूप में उपयोग करने का भी सुझाव दिया। मानवीय संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने आपसी संबंधों और संतोष की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने व्यक्तिगत और संगठनात्मक विकास के लिए आकांक्षा, योजना, काम में रुचि आदि जैसे प्रमुख कारकों पर भी जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में व्यापार और उद्यमिता के लिए उपलब्ध व्यापक अवसरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संभावित उद्यमियों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया ।

3.1.3 पीवी ग्रिड से जुडे सौर ऊर्जा संयंत्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

पीवी ग्रिड से जुडे सौर ऊर्जा संयंत्र (स्थापना और व्यापार के अवसर) विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ता आयोजन 27 से 29 मई 2019 के दौरान किया गया।

निम्समे के उद्यमिता विकास स्कूल की ओर से 27 से 29 मई 2019 के दौरान आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का निर्देशन उद्यम विकास स्कूल के सह संकाय सदस्य श्री जे. कोटेश्वर राव ने किया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद के साथ ही तमिलनाडु, आंध्र-प्रदेश और ओडिशा राज्यों के लगभग 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस आयोजन में विषय विशेषज्ञ श्री एम. सुरेश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने सौर ऊर्जा और सौर फोटोवोल्टिक सेल के महत्व के साथ ही सौर ऊर्जा को जमीनी स्तर पर एक विस्तृत श्रृंखला के रूप में जोड़ने के लिए ग्रिड कनेक्टेड टेक्नीक के बारे में जानकारी दी गई। इससे पहले, उद्यमिता विकास स्कूल के सह संकाय सदस्य श्री के.एस.पी. गौड़ ने उपस्थितों का स्वागत किया और सौर फोटो वोल्टिक सेल की स्थापना के साथ ही वैकल्पिक ऊर्जा विकल्पों और अभिनव प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र के बारे में **निम्समे** द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

चित्र 3.4: सौर पीवी ग्रिड से जुड़े ऊर्जा संयंत्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

बिजली की बढ़ती मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों की खपत काफी बढ़ रही है, जिसके फलस्वरूप पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए, ऊर्जा का कुशल उपयोग और इसका संरक्षण सर्वोपरि महत्व है । इस प्रकार के कार्यक्रम प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से समाज को लाभ पहुंचाने के साथ ही छोटे उद्योगों को ऊर्जा संरक्षण तथा ऊर्जा कुशल बनने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं, स्थानीय लोगों का जीवन गुणवत्तापूर्ण और आर्थिक रूप से मज़बूत बनाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। असके अतिरिक्त जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने और बिजली की आवश्यकताओं की पूर्ति करने की हमारे कोशिशों में भी सहायक सिद्ध होते हैं । इस अवसर पर कार्यक्रम निर्देशक ने कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से विकासशील देशों को सीमित ऊर्जा संसाधनों और ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिलेगी।

इस कार्यक्रम में श्री कोटेश्वर राव के अलावा तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईआरसीओ) के परियोजना निदेशक श्री रामकृष्ण कुमार और सुरभि इंस्टीट्यूट ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी (एसआईआरई), बेगमपेट, हैदराबाद के डॉ. सुरेन्द्र ने विभिन्न विषयों पर आधारित सत्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रतिभागहगियों को सौर ऊर्जा के उपयोग पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक श्री एम. वाई. रेड्डी उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और परियोजना मंजूरी के बारे में बैंक के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी।

इससे पूर्व कार्यक्रम निदेशक ने कार्यक्रम की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा करते हुए ऊर्जा लेखा परीक्षा जैसे कुछ और विषयों को शामिल करने का सुझाव दिया ।

चित्र 3.5: सौर पीवी ग्रिड कनेक्टेड पॉवर प्लांट्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री संदीप भटनागर, निदेशक (विपणन और व्यापार विकास) ने सौर ऊर्जा के अनुप्रयोग, लागत, उपकरण और स्वदेशी सौर प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जर्मनी में कुल ऊर्जा की आवश्यकता में से 25 प्रतिशत उर्जा का उत्पादन सौर ऊर्जा और ऊर्जा के अन्य वैकल्पिक स्रोतों के माध्यम से किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि श्री भटनागर के साथ उद्यम विकास स्कूल के संकाय सदस्य श्री के.एस.पी. गौड़ द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ति संबंधी प्रमाण-पत्र वितरित करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

3.1.4 मैसूर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का मूल्यांकन

एनबीसीएफडीसी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का आयोजन मैसूर में किया गया, जिनका औपचारिक समापन 19 जून 2019 को किया गया। दोनों कार्यक्रमों की मुख्य अतिथि के रूप में एनबीसीफडीसी, नई दिल्ली की महाप्रबंधक (परियोजना) श्रीमती अनुपमा सूद उपस्थित थीं। सम्माननीय अतिथि के रूप मे श्री चेनपा, देवराज उर्स, उप निदेशक (सेवानिवृत्त), पिछड़ा वर्ग वित्तीय विकास निगम, बेंगलुरु के उपनिदेशक (सेवानिवृत्त); और राष्ट्रीय पुरस्कार 2013 से सम्मानित तथा मोहन वुडन आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स, मैसूर के श्री के मोहन उपस्थित थे।

चित्र 3.6: मैसूर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन

इस कार्यक्रम में शामिल अन्य उपस्थितों में प्राकृतिक लकड़ी के इनले कला और शीशम हस्तशिल्प में स्वरोजगार की आकांक्षा रखने वाले स्थानीय प्रमुख नागरिकों के साथ अन्य 20 प्रतिभागी थे। मोहन वुडन आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के सभी प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की और कार्यक्रम के बारे में उनसे प्रतिक्रियाएँ प्राप्त की।

निम्समे के कार्यक्रम निर्देशक और संकाय सदस्य ने **निम्समे** की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी तथा प्रशिक्षुओं से स्वरोजगार शुरू करने का आग्रह किया ।

निम्समे के निदेशक डॉ. संजीव चतुर्वेदी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कहा कि ईमानदारी से की गई मेहनत से अच्छे परिणाम मिलते हैं। उन्होंने सुझाव दिया जो लोग वैतनिक रोजगार का चयन करते हैं, उन्हें अपने रोजगार के माध्यम से अनुभव प्राप्त करने के बाद स्वरोजगार शुरू करने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं को रेखांकित किया और कहा कि सूक्ष्म/लघु उद्यम शुरू करने का प्रस्ताव करने वालों को बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध कराने के लिए वह आवश्यक प्रयास करेंगे। अंत में उन्होंने प्रशिक्षुओं को उनके प्रयासों में सफलता की कामना की।

इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में प्रदान की गई जानकारी और उसकी रूपरेखा पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें काफी उपयुक्त जानकारी मिली हैं, जिनमें खौस तौर पर उद्यमों की स्थापना और उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी शामिल थी। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ति प्रमाण-पत्र वितरित करने के साथ हुआ।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम और लकड़ी कला और शिल्प में कौशल उन्नयन पर एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन अरुण फाइन आर्ट्स में किया गया, जिसका संचालन राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त श्री एस. अशोक कुमार ने किया। श्रीमती अनुपमा सूद ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की पूर्ति पर प्रमाण-पत्र और टूल किट वितरित किए।

3.1.5 वर्ष 2019-20 के लिए पीएसी की बैठक

उद्यम विकास स्कूल के सह-संकाय सदस्य श्री. जे. कोटेश्वर राव ने विजयवाड़ा स्थित एमईपीएमए कैंप कार्यालय में वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आयोजित कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट (ईएसटी और पी) कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार के कार्यान्वयन विषय पर परियोजना मूल्यांकन समिति की 1 जुलाई 2019 को आयोजित बैठक में भाग लिया।

चित्र 3.7: 2019-20 के लिए पीएसी की बैठक

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत, ईएसटी एण्ड पी घटक को अकुशल शहरी गरीबों को आजीविका पैदा करने के साथ-साथ अपने मौजूदा कौशल को उन्नत करने के लिए नामित किया गया है। इस कार्यक्रम में शहरी गरीबों को कौशल प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे स्वरोजगार उद्यम स्थापित कर सकें या निजी क्षेत्र में वैतनिक रोजगार अर्जित कर सकें।

3.1.6 टीएमआरईआईएस के शिक्षकों के लिए कला एवं शिल्प प्रशिक्षण

निम्समे के उद्यमिता एवं विस्तार स्कूल द्वारा तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शिक्षण संस्थान सोसायटी (टीएमआरईआईएस), तेलंगाना राज्य सरकार के कला और शिल्प प्रशिक्षकों के कौशल उन्नयन के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 7 अगस्त 2019 को किया गया। इस अवसर पर निम्समे के दल के साथ संकाय सदस्य श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने टीएमआरईआईएस के कला और शिल्प प्रशिक्षकों की आवश्यकताओं को समझने के लिए परिसर में एक सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कला के विभिन्न क्षेत्रों से पांच विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर पारम्परिक कलाकारों और शिल्पकारों को भी अपने कार्य का संस्थान परिसर में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस प्रदर्शनी में प्रतिभागियों को प्रकृति की सुंदरता का अहसार करने और संस्थान परिसर में उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर 15 मिनट के भीतर कलाकृति बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके लिए प्रतिभागियों से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली और उन्होंने अपनी कल्पनाशक्ती का उपयोग कर कलाकृतियों का निर्माण कर उनका प्रस्तुतीकरण किया । इसके बाद शिक्षकों और छात्रों दोनों के दृष्टिकोण तथा आवश्यकताओं के साथ संसाधनों को समझने के लिए प्रशिक्षकों और शिक्षकों के बीच एक मंथन सत्र आयोजित किया गया।

चित्रॉ 3.8: टीएमआरईआईएस के प्रशिक्षकों के लिए आयोजित कला और शिल्प प्रशिक्षण

3.1.7 एमएसएमई की योजना और संवर्धन

निम्समे के उद्यम विकास स्कूल की ओर से गुजरात तथा महाराष्ट्र राज्य सरकारों के उद्योग निदेशालयों की ओर से प्रतिनियुक्त जिला उद्योग केंद्रों के उपायुक्तों / महाप्रबंधकों तथा उपनिदेशकों के लिए संस्थान परिसर में सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों का नियोजन और संवर्धन पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 19 से 23 अगस्त 2019 तक किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने प्रतिभागियों को संकाय सदस्यों से परिचित कराया और कार्यक्रम रूपरेखा के साथ ही उद्देश्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। श्री विवेक कुमार सहायक संकाय सदस्य (एसईईटी) ने कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और **निम्समे** की प्रशिक्षण गतिविधियों तथा उद्योगों एवं विभिन्न संगठनों को होने वाले लाभों की रूपरेखा की जानकारी दी। श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय (एसईडी) ने राज्यों में उद्योगों के विकास में उपायुक्तों / महाप्रबंधकों / उपनिदेशकों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डीएसआर और डीपीआर की तैयारी संबंधी आवश्यक जानकारी के साथ ही समुचित कौशल प्रदान करना और उनके महत्व के बारे में जागरूकता लाना था। प्रतिभागियों को वहां के उद्यमियों के साथ बातचीत के लिए अमेज़ोन की फील्ड ट्रिप पर ले जाया गया । कार्यक्रम के समापन

अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया । 23 अगस्त को समापन और प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया ।

चित्र 3.9: एमएसएमई की योजना और संवर्धन

3.1.8 राउंड टेबल प्रिंट सर्कल कॉन्क्लेव 2019

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स (एआईएफपी) और तेलंगाना ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (टीओपीए) द्वारा 26 अगस्त 2019 को संस्थान परिसर में एक राउंड टेबल प्रिंट सर्कल कॉनक्लेव का आयोजन किया, जिसमें एमएसएमई-डीआई (डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट), खादी और ग्रमोद्योग आयोग (केवीआईसी), नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन (एनएसआईसी), आईसीआईसीआई बैंक और मेज़बान संस्थान ने सहयोग किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं, उप-लघु और मध्यम स्तर के प्रिंटरों के लिए लाभ उठाने वाली सुविधाओं पर दिए गए सत्रों पर चर्चा की गई । कॉमन फैसिलिटी सेंटर की सुविधा के जरिए क्लस्टर एप्रोच के विज्ञापन के पहलुओं पर जोर दिया गया।

चित्र 3.10: राउंड टेबल प्रिंट सर्कल कॉन्क्लेव 2019

3.1.9 परियोजना अधिकारियों और फील्ड अधिकारियों के लिए सूक्ष्म उद्यम विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन **निम्समे** के उद्यम विकास स्कूल के वरिष्ठ संकाय श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने किया।

इससे पूर्व कार्यक्रम निर्देशक ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालने के साथ अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित मुद्रा बैंक, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) जैसी योजनाओं के बारे में नियमित आधार पर सत्र लिये गए।

प्रतिभागियों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नीति, संभावनाएँ और पुनरावलोकन, व्यवहार्य उद्यमों की पहचान, परियोजना की व्यवहार्यता (तकनीकी, वित्तीय और बाजार) तथा परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और प्रस्तुतिकरण के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को क्षेत्र के अनुभव के लिए बाजार सर्वेक्षण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को फील्ड विजिट के लिए एसोशिएशन ऑफ लेडी एंट्रेप्रेन्युअर्स ऑफ आंध्र प्रदेश (अलीप) की महिला उद्यमियों के सहयोग से स्थापित सूक्ष्म उद्यमों के दौरे पर ले जाया गया। जिसमें उन्हें प्राचीन जीवन शैली के अवलोकन, प्राकृतिक उत्पाद विनिर्माण इकाई, फैब्रिकेशन इकाई और लेदर बैग विनिर्माण इकाई का दौरा कराया गया। इस यात्रा से प्रतिभागियों को सत्रों के दौरान सैद्धांतिक पहलुओं के बारे में दी गई जानकारी के आधार पर व्यावहारिक स्थितियों का अवलोकन करने का अवसर मिला। प्रतिभागियों ने इस दौरे के अंतर्गत हैदराबाद के राजेंद्र नगर में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान स्थित ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क (आरटीपी) का भी अवलोकन किया। प्रतिभायों ने बेहतर ढंग से स्थापित सूक्ष्म उदयमों के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के दौरान अपना उद्यम शुरू करने और बनाए रखने के लिए अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त करने के इच्छुक प्रतिभागियों को प्रधान मंत्री रोज़गार गारंटी योजना विभिन्न योजनाओं यानी (पीएमईजीपी), मुद्रा बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार उपलब्ध अवसरों और भावी उद्यमियों के लिए सहायता जैसे आवश्यक पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के साथ ही संचालित तकनीकी सत्रों से प्राप्त जानकारी और विषय विशेषज्ञों द्वारा उनके सवालों पर दिये गये स्पष्टीकरण की सराहना की। उन्होंने सदस्य संकायों के साथ ही **निम्समे** की सुविधाओं की भी सराहना की।

विभिन्न विशेषताओं पर बहुमूल्य सुझाव देने के अलावा, प्रतिभागियों ने कार्यक्रमों को लगातार अंतराल पर आयोजित किया जाना चाहिए।

समापन समारोह में उद्यम प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दु चौधरी उपस्थित थे। उन्होंने कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सूचना के उपलब्ध स्रोतों का पूरा उपयोग कर समय-समय पर अपना ज्ञान उन्नत करने की आदत पैदा विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने जिला उद्योग केंद्रों की ओर से प्रतिनियुक्त अधिकारियों से कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान का उपयोग करने और अपने संबंधित कामकाज में उसका उपयोग करने का आग्रह कियाय़। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया कि उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान को अमल में लाना चाहिए और उद्यमियों को संबंधित कार्यक्षेत्रों में उद्यमों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित करके अपनी व्यावसायिकता में सुधार करना चाहिए।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वरोजगार संबंधी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ ही उद्यमों की स्थापना और उनके प्रबंधन की में आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद करता है ।
उन्होंने देश के आर्थिक विकास में कृषि के बाद एमएसएमई क्षेत्र दूसरे नंबर पर है। उन्होंने एमएसएमई के विकास और संवर्धन के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा शुरू की गई योजनाओं पर प्रकाश डाला।

उद्यम प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य और कार्यक्रम निर्देशक डॉ दिब्येन्दु चौधरी द्वारा कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को कार्यक्रम सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

3.1.10 एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प

निम्समे के उद्यम विकास स्कूल द्वारा संस्थान परिसर में "सूक्ष्म, लघु और मधयम उद्यमों लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड रीसाइक्लिंग विकल्प" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18-20 सितंबर 2020 के दौरान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने कहा कि इस कार्यक्रम में ऐसे 8 प्रतिभागी हैं, जो भिन्न-भिन्न ओहदों को संभाल रहे हैं। इनमें से कुछ महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, गुजरात और तेलंगाना राज्यों से संबंधित हैं।

चित्र 3.11: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प

कार्यक्रम में ई-कचरे की घातकता, उसके समुचित प्रबंधन की आवश्यकता और उसके विकल्पों की जानकारी दी गई, जिसे जमीनी स्तर पर लागू किया जा सकता है। साथ ही उपचार प्रौद्योगिकियों, उनके विकास की संभावनाओं और भारत में इस तरह की तकनीकियों को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध वित्तीय तंत्रों के समुचित उपयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। इसके अतिरिक्त ग्रीन हाउस गैसों का उपयोग कम करने के लिए स्थानीय सरकारों के पास उपलब्ध विभिन्न साधनों का उपयोग करने की आवश्यकता भी जताई गई।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर सत्रों का संचालन करने के साथ ही प्रतिभागियों के साथ चर्चा के लिए प्रख्यात विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। इनमें टीएसपीसीबी-हैदराबाद के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक (पर्यावरण) डॉ. पी. वीरन्ना भी शामिल थे, जिन्होंने नियामक ढाँचे और अनुपालन की आवश्यकताओं के बारे में प्रतिभागियों को संबोधित किया। श्री वाई. वी. मल्लिकार्जुन रेड्डी, सीईओ, प्रथम एनविरोटेक सोल्यूशन्स, गच्चीबौली, हैदराबाद ने "रीसाइक्लिंग ई-वेस्ट : प्रथाएँ और चुनौतियाँ", जर्मनी के एक अनुभव मामले का अध्ययन' विषय पर सत्र लिया। जबकि ई-सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट), आईडीए फेज-2, चेर्लापल्ली, हैदराबाद ने चिरस्थाई उत्पाद रूपरेखा, ई-कचरे के पुनर्चक्रण के लिए प्रक्रिया का विकास और मानक प्रक्रिया के विकास पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन 20 सितंबर को किया गया, जिसमें पाठ्यक्रम सफलता के साथ पूरा करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

3.1.11 पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ई.आई.ए.) में वर्तमान आवश्यकता पर कार्यक्रम

निम्समे के उद्‌यम विकास स्कूल द्‌वारा पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन आकलन (ईआईए)- प्रक्रियाओं और प्रणालियों (पर्यावरण और वन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार) में वर्तमान आवश्यकताएँ विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर में 25-27 सितम्बर 2019 के दौरान किया गया।

उल्लेखनीय है कि ईआईए एक औपचारिक अध्ययन प्रक्रिया है, जिसका उपयोग प्रस्तावित परियोजनाओं का लागत और लाभ के साथ ही पर्यावरण संबंधी खतरों की भविष्यवाणी करने और निर्णयकर्ताओं की सहायता करने के लिए किया जाता है। इस कार्यक्रम में कुल 25 अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन फोकस-5 के मेंटर और चेयरमैन तथा हैदराबाद के एक प्रतिष्ठित ऊर्जा लेखा परीक्षक थिरू टी.एम. वेंकटेशन ने किया। उन्होंने पर्यावरण और वन मंत्रालय की प्रक्रिया के अनुसार परियोजनाओं की मंजूरी में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) तथा रिपोर्टों के महत्व पर प्रकाश डाला।

चित्र 3.12: पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन में वर्तमान आवश्यकता पर कार्यक्रम

कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विवरण, विषय, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन की विधियों, तदर्थ विधियों, मैट्रिक्स विधियों, नेटवर्क विधि ,पर्यावरण मीडिया गुणवत्ता सूचकांक विधि, ओवरले पद्धति एवं लागत तथा लाभ विश्लेषण के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का समापन 27 सितंबर को औपचारिक समापन समारोह में किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे बहुत अच्छा बताया। उन्होंने इस आयोजन के लिए **निम्समे** के प्रति आभार भी व्यक्त किये । उन्होंने वादा आश्वासन दिया कि इस कार्यक्रम में प्राप्त कौशल और ज्ञान का उपोग वे अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में अवश्य करेंगे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ति संबंधी प्रमाण-पत्र प्रदान करने के साथ हुआ।

चित्र 3.13: पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन में वर्तमान आवश्यकता पर आयोजित कार्यक्रम का समापन

3.1.12 सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे द्वारा नेशनल एससी/ एसटी हब योजना के तहत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों/इंजीनियरों, कार्यकारियों एवं अक्षय ऊर्जा पेशेवरों के लिए सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी तथा उसके अनुप्रयोगों के बारे में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हैदराबाद के बेगमपेट स्थित सुरभि इंस्टीट्यूट ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी (एसआईआरई) के मुख्य सलाहकार कर्नल डॉ. टी. एस. सुरेंद्र ने किया। अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिजली की बढ़ती माँग से जीवाश्म ईंधनों की खपत काफी बढ़ गई है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। इस प्रतिकूल प्रभाव से बचने के लिए ऊर्जा का कुशल उपयोग करने के साथ ही इसके संरक्षण का महत्व सर्वोपरि है। उन्होंने इस कार्यकम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से समाज के लिए लाभदायक सिद्ध होते हैं साथ ही छोटे उद्योगों को ऊर्जा संरक्षण और ऊर्जा कुशल बनने में भी मदद करते हैं। इससे स्थानीय लोगों के जीवन का स्तर बेहतर होने के साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी मज़बूत होती उन्हबोंने कहा कि सौर ऊर्जा न केवल जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करती है, बल्कि बिजली की

आवश्यकताओं की पूर्ति करने के हमारे प्रयासों को भी बल देती है। उन्होंने ज़मीनी स्तर पर सौर ऊर्जा को संग्रहित कर उसका व्यापक रूप से विस्तार करने फोटोवोल्टिक सेल के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों में उपलब्ध अपार संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खास तौर पर सौर ऊर्जा, बायोमास और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संभावनाएँ काफी अधिक हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम खास तौर पर विकासशील देशों के लिए सीमित ऊर्जा संसाधनों और ग्रामीण विद्युतीकरण की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए आवश्यक रणनीतियाँ बनाने में लाभदायक सिद्ध होगा। इसके बाद उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा और उसके उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी।

निम्समे के संकाय के अलावा दो विषय विशेषज्ञों क्रमशः श्री एन. रामचंदर, एसोसिएट प्रोफेसर, बीवीआरआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नरसापुर, हैदराबाद और श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ सलाहकार, एल.बी. नगर को भारत सरकार द्वारा अमल में लायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही सौर ऊर्जा के लिए फोटोवोल्टिक सेल की स्थापना के लिए नियामक ढाँचे और अनुपालन आवश्यकताओं के साथ ही नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

चित्र 3.14: सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सभी प्रतिभागियों को फील्ड विजिट के रूप में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम-तकनीकी सेवा केंद्र, कमला नगर, ईसीआईएल, हैदराबाद में स्थित सौर प्रौद्योगिकी पार्क में ले जाया गया। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 25 अक्टूबर को आयोजित किया गया, जिसमें श्री वाई. नागेश कुमार, सहायक महा-प्रबंधक-एसएमई डिवीजन, आंध्रा बैंक, आंचलिक कार्यालय, हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के साथ **निम्समे** के उद्यम विकास स्कूल के संकाय सदस्य श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए।

3.1.13 केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य के औद्योगिक विस्तार अधिकारियों को इंडक्शन प्रशिक्षण। निम्समे के उद्यम विकास स्कूल (एसईडी) द्वारा केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय द्वारा प्रायोजित औद्योगिक विस्तार अधिकारियों के लिए सूक्ष्मस लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन पर चार सप्ताह के अधिष्ठापना (इंडक्शन) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य निदेशालय के 30 औद्योगिक विस्तार अधिकारियों ने भाग लिया।

चित्र 3.15: केरल सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के औद्योगिक विस्तार अधिकारियों का अधिष्ठापना प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम में उद्यम विकास स्कूल के सदस्य संकायों के श्री जे. कोटेश्वर राव और श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और उत्पादकता में गुणवत्ता की अपरिहार्यता पर भी ज़ोर दिया।

उद्यम विकास स्कूल के सहायक संकाय सदस्य और कार्यक्रम निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव ने कार्यक्रम के उद्देश्यों और विषय-वस्तु के बारे में जानकारी दी। उन्होंने देश में मुद्रा योजना, प्रधान मंत्री रोज़गार गारंटी योजना, गरीबी उन्मूलन के साथ ही रोज़गार सृजन कार्यक्रमों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नीतियों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए उपलब्ध योजनाओं, बैंकों के दिशा-निर्देशों, परियोजना रिपोर्ट की तैयारी, तकनीकी, विपणन और वित्तीय व्यवहार्यताओं, परियोजना व्यवहार्यताओं, वित्तीय पहलुओं, और विकासक्षम सूक्ष्म उद्यमों की पहचान के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को बाजार का अनुसंधान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

संस्थान के सदस्य संकायों के अलावा अतिथि संकाय को भी आमंत्रित किया गया था। इनमें ग्लोबल एग्जिम इंस्टीट्यूट से श्री वी.बी.एस. कोटेश्वर राव, श्री बी. साई सुधाकर राव और निम्समे के पूर्व संकाय श्री पी. उदय शंकर के अतिरिक्त फोकस-5, हैदराबाद के मिस्टर टी. एम. वेंकटेशन, कृष पर्सनेलिटी डेवलपमेंट के फैसिलेटर श्री एस. राधाकृष्णा तथा सेवा निवृत्त बैंक प्रबंधक श्री बी.एन.वी. पारथसारथी आदि शामिल थे। प्रतिभागी दल के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (एनआईआरडी) राजेंद्र नगर, हैदराबाद,

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी उप्पल क्षेत्र में स्थित ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क और आदिबाटला ग्राम स्थित विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थापित एयरोस्पेस और प्रिसिजन इंजीनियरिंग पार्क के अतिरिक्त फैब सिटी में स्थित माइक्रो मैक्स मोबाइल फोन विनिर्माण इकाई आदि के एक्सपोजर विजिट का भी प्रबंध किया गया। इन सूक्ष्म इकाइयों के दौरे का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभिन्न उद्यमों के उत्पादन और संचालन में प्राथमिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना था।

3.1.14 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ई-कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण विकल्प

राष्ट्रीय एससी/एसटी हब योजना के तहत **निम्समे** परिसर में 18-20 दिसंबर 2019 के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ई-कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण विकल्प पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों से अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति के कुल 26 नवोदित तथा प्रत्याशित उद्यमियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन उद्यम विकास स्कूल (एसईडी) के संकाय सदस्य श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने किया। अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसी प्रणाली को बढावा देना है, जिससे कचरे का निपटान लाभदायक हो सके। प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया और हितधारकों और अपशिष्ट प्रबंधन एजेंसियों से कचरे के निपटान में उनके व्यावहारिक अनुभवों के बारे में सुझाव प्रस्तुत करने को कहा।

श्री जे. कोटेश्वर राव सह-संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल (एसईटी) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने-अपने कार्यस्थलों में पुनर्चक्रण इकाइयों (रीसाइक्लिंग यूनिटों) की स्थापना करने में सक्षम बनाना है। उन्होंने **निम्समे** की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों की पर्यावरणानुकूल पहलों से संबंधित उद्यमशीलता की गतिविधियों को बढ़ावा देने में ई-कचरा प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है।
कार्यक्रम के विषयों में अपशिष्ट (कचरा) प्रबंधन विकल्पों की विभिन्न अवधारणाओं का स्पष्टीकरण, ऊर्जा पुरप्राप्ति, कचरे से संपत्ति की प्राप्ति और औद्योगिक क्षेत्रों में ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग इकाइयों की स्थापना के लिए व्यापार के अवसर, मिश्रित कचरे का पुनर्चक्रण, ई-कचरा, प्लास्टिक, ग्लास और जहाज यार्ड अपशिष्ट रीसाइक्लिंग, जैव/मछली/खाद्य, ऑटोमोबाइल और औद्योगिक घातक कचरा परिवहन, भंडारण, निपटान सुविधाएँ (टीडीएफ) आदि शामिल थे। इस कार्यक्रम के लिए संस्थान के सदस्य संकायों के अलावा रामकी, जेटीएल और टीएसपीसीबी जैसे संगठनों के विषय विशेषज्ञों को अपना ज्ञान साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

चित्र 3.16: एमएसएमई के लिए ई-वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग विकल्प

इस कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन 20 दिसम्बर 2019 को किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रशांत कामत, संचालन प्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, गोवा सरकार उपस्थित थे। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागी प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए। अवसर पर उन्होंने **निम्समे** परिसर में प्रशिक्षण के मिले अवसर के लिए आभार व्यक्त किया था।

3.1.15 औद्योगिक प्रचार गतिविधि पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम में संकाय

जिला औद्योगिक केंद्र (डीआईसी), नलगोंडा द्वारा उदय आदित्य भवन कांफ्रेंस हॉल, जिलाधिकारी कार्यालय, नालगोंडा में 23 दिसंबर 2019 को औद्योगिक प्रचार गतिविधि पर आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) में **निम्समे** के उद्यम विकास स्कूल के सह-संकाय श्री कोटेश्वर राव ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री राव ने सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए आवश्यक अनिवार्यताओं का अनुपालन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का लाभ उठाकर अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में उद्यमों की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोज़गार गारंटी योजना (पीएमईजीपी) के दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी देने के साथ ही सफलता की कहानियाँ/ केस स्टडीज़ आदि परदर्शित कर विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में में जिले के लगभग 200 नवोदित और प्रत्याशित उद्यमियों ने भाग लिया।

3.1.16 राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्डों की एक दिवसीय कार्यशाला समीक्षा बैठक

निम्समे परिसर में 25 फरवरी 2020 को राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्डों की एक दिवसीय कार्यशाला-सह-समीक्षा बैठक का आयोजन नए प्रशिक्षण भवन के ऊपरी मंजिल पर सभागृह में किया गया। इस अवसर पर बोर्ड के साथ पंजीकृत विनिर्माण इकाइयों के उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन इसी भवन के भूतल में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारम्परिक तरीके से दीप प्रज्जवलित कर किया गया, जो सभी दिशाओं में ज्ञान के अखंड प्रसार का परिचायक होता है। इस कार्यक्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा राज्य बोर्ड के प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें बोर्ड के कामकाज की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर पैनल में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के चार वरिष्ठ अधिकारियों सहित आठ अधिकारी शामिल थे। इनमें श्री विनाई कुमार सक्सेना, अध्यक्ष; सुश्री प्रीता वर्मा, आई.पी.एस. एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी; श्रीमती उषा सुरेश अय्यर, आई.ई.एस. एवं वित्तीय सलाहकार तथा श्री वाई. के. बारामतीकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल थे।

समारोह में श्री वाई. के. बारामतीकर ने कहा कि ग्रामीणों को आर्थिक लाभ दिलाने वाली गतिविधियों के अवसर उपलब्ध कराने के लिए केवीआईसी द्वारा कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं। आयोग के राज्य बोर्ड सभी जिलों और ब्लॉक स्तर पर योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के संबंध में बोर्डों की सीमा और पहुँच तथा उनकी सफलता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, कौशल विकास, विपणन और क्षमता निर्माण के मामले में बोर्डों द्वारा की जा रही पहल से गतिविधियों का धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। जबकि स्फूर्ति योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से बोर्डों द्वारा क्लस्टर विकास के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भी भूमिका अदा की जा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2020-21 के दौरान खादी और ग्रामोद्योगों के लिए बेहतर रोड मैप भी तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत चाय-पान का अवकाश दिया गया और आधे घंटे के बाद फिर से सत्र की शुरुआत हुई।

चाय-पान के बाद के सत्र को केवीआईसी के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. पाण्डेय ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खादी से ग्रामीणों तथा अन्य लोगों को रोज़गार प्राप्त होता है। उन्होंने रोज़गार मॉडल के तहत 12500 अवसरों का सृजन करने तथा व्यवसाय साझेदार के रूप में बाहरी लोगों के चयन की जानकारी दी। यह भी कही कि प्रारंभिक चरण में राज्य स्तर पर देशभर के पचास गाँवों को चिह्नित किया गया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सिर्फ खादी संस्थाएँ सक्रिय हैं। क्लस्टर मॉडल में चयनित गाँवों में कारीगरों को 200 करघे और 500 चरखे मुहैया किये जाएँगे। ऐसे गाँवों को 'खादी गाँव' के रूप में संबोधित किया जाएगा। उन्होंने आधारभूत सुविधाओं की कमी को एक बड़ी समस्या बताया। इसके समाधान के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा सहायता का भी आश्वासन दिया। उन्होंने 250 से अधिक करघों वाले गाँवों में खादी उद्योगों का विकास संभव बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे गाँवो में कारीगरों को 40 करोड़ तक की आर्थिक सहायता और लाभ का 25% हिस्सा भी दिया जाएगा। उन्होने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को केवीआईसी का मुख्य साझेदार बताया। यह भी कहा कि

केवीआईसी देनंदिन संचालन गतिविधियों के तहत विपणन और कार्यशील पूँजी की सहायता प्रदान करेगा। इससे लाभान्वित खादी कारीगर अधिकतम योगदान के लिए उन्नत कौशल प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने व्यवसाय के हितधारकों का चयन और प्रमाणन महत्वपूर्ण बताते हुए शत-प्रतिशत खादी उत्पादन पर बल दिया। यह भी कहा कि केवीआईसी द्वारा बोर्डों को समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने एसएससी के समक्ष भी कई प्रस्ताव रखे जाने की जानकारी देते हुए कहा कि जो भी योजना में सक्रिय है उसे तुरंत निधि का आवंटन किया जाएगा। हालाँकि योजना में भागीदारी समय के भीतर होनी चाहिए।

सुश्री प्रीता वर्मा ने कहा कि 200 चरखों और 50 करघों वाले गाँवों को एक बिजनेस पार्टनर के साथ रोजगार के अवसर सृजित करने का मौका मिलेगा। उन्होंने व्यवसाय साझेदार का पहले चयन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि केवीआईसी के बोर्डों पर अन्य कारोबारियों की भी आवश्यकता है। हम खादी संस्थानों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान और आवश्यक सुविधाओं की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने व्यवसाय के सफल संचालन में विपणन रणनीति को बड़ी चुनौती बताया। इससे निजात के लिए अन्य क्षेत्रों में विविधता लाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने खादी बोर्ड के साथ अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने पर भी बल दिया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि खादी उत्पादों का विपणन मुख्य चुनौती है। इसके लिए विभिन्न देशों अपने उत्पादों का प्रदर्शन करना चाहिए। केवीआईसी द्वारा विपणन विकास सहायता योजना के तहत आर्थिक सहायता दी गई है। इसके लिए किसी व्यक्ति को नामित कर उसका विवरण भेजा जा सकता हैं। यदि किसी बोर्ड का कार्य अच्छा हो, तो वह प्रदर्शनी के लिए अनुरोध कर सकता हैं। इस बारे में समन्वय राज्य कार्यालयों द्वारा किया जाता है। इसका ब्योरा पोर्टल पर उपलब्ध है।

कार्यक्रम में पूछा गया कि सहभागिता के लिए क्या हम बोर्ड सूचित करता हैं? इस पर जवाब दिया गया कि कई बार मंत्रालय अल्प सूचना पर आयोजन करता है। इसलिए ऑनलाइन पोर्टल नियमित देखें। खादी की दर आकर्षक हैं, माँग अधिक है, बाज़ार भी सुनिश्चित हैं। हमें लक्ष्य की जानकारी देनी चाहिए। यह भी बताया गया कि बहुत जल्द रेलवे के साथ 200 करोड़ रुपए मूल्य की तकिए के कवर आदि की आपूर्ति के लिए अनुबंध होने की संभावना है। 2,000 से अधिक संस्थान आपूर्ति के लिए प्रमाणित किये गये हैं। हालाँकि कार्य संचालन के बाद ही स्पष्ट होगा कि आपूर्ति कितनी की जा सकती हैं। अनुबंध की अवधि तीन वर्ष की है। किसी भी संस्थान में सहभागिता के लिए 5,000 रुपये टोकन पंजीकरण शुल्क रखा गया है।
एक प्रतिनिधि ने रोज़गार युक्त गाँव (आरवाईजी) मॉडल देखने की इच्छा जताई। उसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग से सम्पर्क करने का सुझाव दिया गया। इस पर कुछ भ्रम की स्थिति की जानकारी दी गई। बताया गया कि मध्यम प्रदेश में केवीआईसी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग

के अधीन नहीं है। यह भी बताया गया कि केवीआईसी द्वारा जारी परिपत्र बोर्डों तक पहुँचने चाहिए, जो नहीं पहुँच रहे हैं। साथ ही इन्हें एमएसएमई से भी जोड़नाचाहिए।

अवसर पर बताया गया कि सौर चरखों एक अद्भुत नवाचार है। बिहार के नारद गाँव ने इसे काफी सफल साबित किया है। एमएसएमई मंत्रालय ने रोज़गार के एक लाख अवसरों का सृजन करने के उद्देश्य से 'मिशन सोलर चरखा' शुरू किया है। हालाँकि, भारत सरकार की सभी योजनाओं का मुख्य़ लक्ष्य रोजगार सृजन है। बताया गया कि खादी उत्पादन के 50 क्लस्टरों द्वारा लगभग एक लाख लाभार्थियों को करघों, सूत कताई और रंगाई से रोज़गार उपलब्ध होगा। उन्हें सोलार ग्रिड से 50 किलोवाट बिजली, क्षमता निर्माण और छह माह की कार्यशील पूँजी जैसी सुविधाएँ भी दी जा रही हैं। अवसर पर परियोजना निगरानी इकाइयों (पीएमयू) को कार्यान्वयन पर नजर रखने और मौजूदा खादी संस्थानों को इस योजना के कार्यान्वयन का सुझाव दिया गया। बताया गया कि इसमें स्वायत्त उद्यमी भी शामिल हो सकते हैं। डीपीआर मिलने के बाद पीएमयू उसका मूल्यांकन कर सचिव को अग्रेषित करेगा, जिसके बाद अनुमोदन निधि जारी की जाएगी।

अवसर पर बताया गया कि केवीआईसी के पास खादी भारत, सर्वोदय और कुटीर जैसे खादी व्यापार चिह्न भी हैं, जो भारत के अलावा जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भी देखे जा सकते हैं। कई बोर्ड खादी के चिह्न का भी उपयोग करते हैं। जहाँ भी खादी का इस्तेमाल होता है, वहाँ इनका उपयोग जारी रखा जा सकता है। यदि इसमें 'खादी' शब्द के बजाए किसी अन्य शब्द इस्तेमाल किया गया, तो भी केवीआईसी को कोई आपत्ति नहीं है। बोर्डों को सलाह दी गई कि वे 'खादी' के साथ किसी भी ट्रेड मार्क को उसके पहले या बाद में जोड़कर पंजीकृत न करें। बताया गया कि पंजीकृत ट्रेडमार्क का उपयोग करने वाले बोर्डों के संबंध में नीतिगत निर्णय लिया जा रहा है। यह सुझाव दिया गया कि बोर्ड 'खादी' शब्द सहित व्यापार चिह्न पंजीकृत ना करें। उन्हें अपना ट्रेड मार्क पंजीकृत करना हो तो आयोग से सम्पर्क करें। उनकी पसंद के अनुसार ट्रेडमार्क पंजीकृत कर उन्हें आवंटित किया जाएगा। ट्रेड मार्क पर सख्त नियंत्रण की भी आवश्यकता व्यक्त की गई। जिन्होंने पहले से ट्रेडमार्क पंजीकृत किया है, उन्हें सुझाव दिया गया, कि वे उसे केवीआईसी को सौंप सकते हैं। आयोग द्वारा उसके पंजीकरण पर हुए खर्च का वहन किया जाएगा। इस बारे में एक पत्र जारी किया गया है।

सुश्री प्रीता वर्मा ने कहा कि केवीआईसी के साथ किसी भी बोर्ड के टकराव नहीं होना चाहिए। केवीआईसी ट्रेड मार्क पंजीकृत कर उन्हें आवंटित करेगा। उन्होंने एक महीने के बाद इस बारे में समीक्षा करने की बात कही।

उपस्थितों द्वारा विभिन्न प्रशन पूछे गये, जिनमें कोई भी खादी संस्था सोलर चरखे के लिए आवेदन कर सकती है। न्यूनतम आकार 200 चरखों और 100 करघे है। एसपीवी कैसे बनेगी, क्या ग्रामीण चरखों

और करघे को अपने घरों में ले जाकर वहाँ कार्य कर सकते हैं जैसे सवाल शामिल थे। इस पर बताया गया कि परियोजना को लागू करते समय सवालों के जवाब मिलेंगे। बताया गया कि विपणन और विकास सहायता (एमडीए) का लाभ सोलर चरखा योजना के लिए लागू नहीं है, क्योंकि यह एक व्यावसायिक उपकरण है। इसके लिए उद्यमियों को विपणन के अन्य माध्यमों की तलाश करनी होगी। यह पर्यावरण अनुकूल है। सौर ऊर्जा के आधार पर उत्पादित खादी और पारम्परिक खादी के बीच अंतर करना बहुत मुश्किल है क्योंकि दोनों में काफी हद तक समानता होती हैं। चूँकि सौर ऊर्जा की सहायता से उत्पादित वस्त्र को कोई सहायता नहीं मिलती, इसलिए इसके उत्पादक उसे खादी के रूप में मंजूर करवा सकते हैं, ताकि विपणन विकास सहायता (एमडीए) के लाभ के लिए दावा किया जा सके। सौर उत्पाद को खादी का चिह्न या खादी प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाता। किसी को इस प्रक्रिया की निगरानी करना आवश्यक है, अन्यथा उत्पादक दोनों को मिलाकर लाभ उठा सकते हैं, जो अवैध है। हम सोलर चरखा उत्पादों को एमडीए नहीं देना चाहते, लेकिन हम छूट योजना बना सकते हैं ताकि उत्पादकों को अनदेखी का शिकार हुए जैसा महसूस न हो।

स्फूर्ति पारम्परिक कारीगरों को समूहों में संगठित करने की दिशा में किया गया एक प्रयास है, ताकि उन्हें सामूहिक शक्ति के माध्यम से लाभ हो सके । यह एक तीन स्तरीय हस्तक्षेप है, जिसमें एक नोडल एजेन्सी, एक तकनीकी एजेंसी और एक कार्यान्वयन एजेंसी शामिल होती है। केवीआईसी नोडल एजेन्सी है। तकनीकी एजेंसी ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरों के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से सहायता करती हॉ। योजना संचालन समिति शीर्ष निकाय है। कारीगरों के समुचित ज्ञान प्राप्त कर अगले स्तर तक पहुँचने की उम्मीद है। यह भी बताया गया कि कारीगरों को वह कौशल सीखने की सुविधा भी मुहैया की जाएगी, जो वे नहीं जानते। उन्हें मशीनरी और टूल किट, कच्चा माल, बैंक और प्रशिक्षण हस्तक्षेपों के साथ नवीनतम सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं।

यह भी बताया गया कि उत्पाद एक-दूसरे के पूरक होना चाहिए। कार्यान्वयन एजेंसी अपनी इच्छा के अनुसार उन्हें बंद नहीं कर सकती। यह महसूस किया जाता है कि प्रति क्लस्टर 500 कारीगर तर्कसंगत नहीं हैं। क्लस्टर में कारीगरों की संख्या 100 से 150 कारीगरों तक कम करने के लिए दिशा-निर्देशों को सरल बनाया जा रहा है। इस अवसर पर क्लस्टरों में निहित संभावना की पहचान करने का सुझाव देते हुए कहा यहा कि30 से 40 कारीगरों के छोटे क्लस्टर होने पर किसी भी प्रकार की मुश्किल नहीं होगी।
निदेशक श्री राधाकृष्णन ने शहद मधुमक्खी क्लस्टरों की सफलता के बारे में जानकारी दी। उन्होने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय के पास टूल बनाने वाली इकाइयों की सूची है। हनी क्लस्टर में एक नया पैकेज लागू करना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त वित्तीय पैकेज का विवरण भी उपलब्ध है। इन क्लस्टरों में हल्के तथा ठोस दोनों प्रकार के हस्तक्षेप किये जाते हैं। इस बारे में जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। इसके बाद

शहद निकालने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद कार्यान्वयन प्रक्रिया की संक्षेप में जानकारी दी गई। यह भी कहा गया कि बेहतर परिणामों के लिए, बोर्डों को और अधिक सहयोग करना चाहिए।

इस कार्यक्रम में वर्ष 2019-20 के दौरान पीएमईजीपी का प्रदर्शन की भी जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि इस योजना की प्रक्रिया अब पूरी तरह से ऑनलाइन है। हमारा लक्ष्य बैंक ऋण और मार्जिन मनी संवितरण में 2018-19 की उपलब्धि को पार करना है। हमने आवंटित लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। अतिरिक्त उपलब्धि को समायोजित किया जा सकता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम में कुछ हद तक बाधा महसूस की जा रही है। हर बार हमें छूट के लिए मंत्रालय से अनुरोध करना पड़ता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम पूरी तरह से ऑनलाइन किया जाना चाहिए ताकि लाभार्थी सामग्री डाउनलोड कर सकें, और अपने घर /कार्यालय से आवेदन कर सकें, बैंकों तक पहुँच बना सकें और अपने ग्राहकों से सम्पर्क कर सकें।
एक प्रतिनिधि के प्रश्न का जवाब देते हुए बताया गया कि सरकार को स्कूली यूनिफॉर्म के लिए खादी का उपयोग करने के लिए मनाया जा रहा है। हालाँकि यह सवाल है कि क्या खादी उत्पादक प्राप्क होने वाली माँग की पूरी तरह से पूर्ति कर पाएँगे या नहीं। संयोजक और सदस्य-सचिव के रूप में जिला उद्योग केंद्र के साथ टास्क फोर्स कमेटी है। एक प्रतिनिधि ने सवाल किया कि टास्क फोर्स समिति की क्या आवश्यकता है? हमें उनके मूल्यांकन के लिए छह सप्ताह इंतजार करना होगा । यदि इसे सीधे अग्रेषित किया जा सकता है तो इससे समय की बचत होगी । इस पर प्रतिक्रिया यह थी कि इस मामले को पहले ही विचार कर लिया गया है और संशोधन 2020-21 में हो सकता है। एक प्रतिनिधि ने एक शिकायत करते हुए कहा कि यदि उनकी उपलब्धि लक्ष्य से अधिक होती है तो टास्क फोर्स उन्हें दोष देती है। इस पर प्रतिनिधि को अपना लक्ष्य यथार्थवाद के आधार पर निर्धारित करने की सलाह दी गई।

पीएबीजीपी बैठक बेहतर रही, जिसमें उल्लेखनीय कार्य करने वालों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया। यह सुझाव दिया गया कि सहभागिता प्रबंधन समय की माँग है, जिससे उच्च अस्वीकृति दर का समाधान किया जा सके।

प्रतिनिधियों के लिए भोजनावकाश की अनुमति देने के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई । एक घंटे के बाद कार्यवाही जारी रखने के लिए सदन को फिर से बुलाया गया ।

भोजन के बाद के सत्र की शुरुआत फिल्म शो के साथ हुई। इसके तहत खादी पर दो लघु फिल्में दिखाई गईं। इसके बाद राज्य बोर्डों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी।

पहली प्रस्तुति दक्षिणी क्षेत्र कर्नाटक राज्य की रही, जिसमें बोर्ड की उपलब्धियों और लागू की गई योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने उत्पादन/बिक्री की मात्रा के आधार पर प्रोत्साहन मजदूरी योजना लागू की। वर्तमान में यह साल में 150 दिन तक सीमित है। जल्द ही इसे संशोधित कर 300 दिन कर दिया जाएगा। बुनियादी ढांचा योजना के तहत, खादी भंडारों का नवीकरण- मेट्रो और गैर-मेट्रो दोनों की शुरुआत की गई थी। ब्याज रियायत योजना के तहत लाभार्थियों ने मूलधन का भुगतान किया, जबकि ब्याज का भुगतान सरकार की ओर से किया गया।

बीपीएल योजना में ऋण के साथ ब्याज माफ किया गया। केवल ग्रामीण इकाइयों पर लागू सीएमईजीपी ने 10 लाख रुपये तक का अनुदान प्रदान किया। सीमा अधिक होने के कारण लोग पीएमईजीपी की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। प्रदर्शनियों और कंसोर्टियम बैंक क्रेडिट में भागीदारी अन्य योजनाएँ हैं। खादी प्लाजा का अभी आगाज़ नहीं हुआ है। कच्चे माल की उपलब्धता एक समस्या है। जीएसटी में छूट सिर्फ खादी वस्त्र पर मिलती है न कि अन्य वस्त्रों पर। ऑनलाइन सुविधा से संबंधित एक प्रश्न का जवाब दिया गया कि ऑनलाइन सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा है, लेकिन टीम इस प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखता है और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित है।

इसके बाद मध्य क्षेत्र के उत्तर प्रदेश की प्रस्तुति रही। जिसमें खास तौर पर विभिन्न खण्डों में जानकारी दी गई और मूल्य कटौती पर किये गय़े कार्य की जानकारी दी गई। बताया गया कि खादी क्षेत्र में छह लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं, जिनसे 2,35,000 यूनिफॉर्म की माँग की पूर्ति की जा रही हैं। कुम्हारों के लिए रोजगार योजना में 25 फीसद पूंजीगत सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने जीईएम पोर्टल के जरिए 6 हजार कंबलों का विपणन किया जा रहा है। ब्याज छूट योजना में रियायत भी लागू की जा रही हैं और प्रशिक्षण का भी प्रावधान है । बिहार और झारखंड में उन्होंने दो शोरूम स्थापित किए गए हैं।

पूर्वी क्षेत्र की प्रस्तुतियों में झारखंड आगे रहा। इस प्रस्तुति में खादी संबंधी नई पहल के बारे में जानकारी दी गई थी । झारखंड में सूती वस्त्र और सिल्क यार्न का नया उत्पादन केंद्र स्थापित किया गया है। नक्सल समस्या से ग्रस्त क्षेत्रों में ग्रामीण स्तर पर पहलों के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी गई है, जिसका मक्सद नक्सलवादी विचारधारा से प्रभावित लोगों को मुख्यधारा में शामिल होने में मदद करना है। इसके लिए 15 दिन के प्रशिक्षण का प्रबंध किया गया है। देवगढ़ के लोग पेपर वेट तैयार कर प्रतिदिन 250 रुपए कमा रहे हैं। दूरदराज के इलाकों में जाने वाले लोगों को बस पास की व्यवस्था की जाती है।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र के राज्यों में त्रिपुरा ने अगली प्रस्तुति दी। केवीआईसी की ओर से भवन निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत की गई। जल्द ही वे त्रिपक्षीय समझौता कर लेंगे। उनके दावारा शहद हनी क्लस्टरों और

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण का कार्यान्वयन किया जा रहा है। क्लस्टरों के लिए 500 सदस्यों की सीमा व्यावहारिक नहीं है, इसी कारण 200 सदस्यों की सीमा पर विचार किया जा सकता है। वे डबल मैट्रेस का उत्पादन कर रहे हैं और खादी दशमशो और खादी मंडप की गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। इस असर पर कहा गया कि सरकारी अफसरों को सप्ताह में कम से कम एक दिनखादी जरूर पहननी चाहिए। दीक्षांत समारोह की पोशाकें खादी की होनी चाहिए। सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करना उनका उद्देश्य है।

अगली प्रस्तुति उत्तरी क्षेत्र के राजस्थान की रही। जिसके बोर्ड की स्थापना 1955 में हुई थी। प्रस्तुति में इसके संगठनात्मक संरचना के बारे में जानकारी दी गई। यह भी बताया गया कि लाघु खादी विकास योजना लागू की। जिला स्तरीय प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। उन्होंने डिजाइन युक्त परिधानों के लिए एक फैशन शो का भी आयोजन किये जाने की जानकारी दी। यह भी बताया कि वे अपनी उत्पादित सामग्री को रंगाई-पुताई के लिए गुजरात भेजते हैं। इसके परिणाम काफी उत्साहजनक रहे है। 2 अक्टूबर से वे 35 प्रतिशत छूट प्रदान कर रहे हैं। बोर्ड द्वारा तीन प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की गई हैं, जिनमें जयपुर में पुश्कर और आबू शामिल हैं। हालाँकि भर्ती उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें मुख्य रूप से केवीआईसी की योजनाओं के अंतर्गत निधि के आवंटन और जीएसटी की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बीकानेर में एक खादी प्लाजा बनाने की योजना बनाई जा रही है। खादी ब्राण्डिंग, बार कोडिंग और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है।

पश्चिम क्षेत्र की ओर से गुजरात ने अगली प्रस्तुति दी गई। वहाँ पर राज्य बोर्ड की स्थापना 1960 में हुई थी। इस बोर्ड द्वारा विपणन विकास सहायता के रूप में 15% और कारीगरों के लिए 5% सहायता प्रदान की जा रही हैं । इस क्षेत्र में खासतौर पर खादी सूती, ऊनी और पॉसिस्टर के वस्त्रों का उत्पादन किया जा रहा है। सौर करघों के लिए अनुदान दिया जा रहा है। इसके तहत कारीगरों द्वारा 35% जबकि शेष राशि सरकार द्वारा वहन की जा रही है। बोर्ड द्वारा सौ करघों को स्वीकृती प्रदान की गई हैं। बोर्ड द्वारा खादी उत्सव प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वर्तमान में लेन-देन ऑफ़लाइन हैं, लेकिन जितनी जल्दी हो सके ऑनलाइन जाने की कोशिश की जा रही है।

सत्र के अंत में तेलंगाना खादी बोर्ड के प्रमुख ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खादी एक ऐसा व्यापक विषय है, जो हमें पृथ्वी और प्रकृति से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जिला उद्योग केंद्रों द्वारा 60% रियायत दी जाती है, जबकि केवीआईसी द्वारा ग्रामीण इलाकों में मात्र 35% रियायत दी जाती है, जिससे इसके प्रति आकर्षण काफी कम होता है। इसी कारण इसे बढ़ाकर 45 फीसदी तक किया जाना चाहिए। जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति द्वारा इस बारे में प्रस्ताव बोर्ड को भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएसएमई) का कोई लाभ नहीं है क्योंकि बैंकरों द्वारा परेशान किये जाने की काफी संभावना है। महाविद्यालय के भवन पुराने हैं और

लोगों के सुरक्षित आवास के लिए अनुपयुक्त हैं। उइनके पुनर्निर्माण के लिए बीस करोड़ रुपए की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास भूमि की कमी नहीं है। हम सार्वजनिक औपर निजी भागीदारी के आधार पर विभिन्न सुविधाओं का विकसित कर सकते हैं। पीएमईजीपी के तहत शहरी क्षेत्रों में भी अनुमति दी जानी चाहिए। जबकि ग्राम विकास के अंतर्गत हर्बल टूरिज्म, जैविक खेती और सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि आयोग द्वारा हमारी जरूरतों क शीघ्र पूर्ति की जाएगी।

सुश्री प्रीता वर्मा ने अपने संबोधन में दिन भर के कामकाज की संक्षेप में जानकारी दी। उन्होंने महसूस किया कि एक लम्बे अंतराल के बाद इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक मंच पर सभी बोर्ड और केवीआईसी होना उन्होंने संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य रोजगार के अवसरों का अधिक से अधिक सृजन करना है।इसी तरह के सहयोग के लिए तत्पर हैं आयोग। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के बीच की खाईदूर करने के लिए दिशा-निर्देशों में संशोधनों की सिफारिश की जाती है। उन्होंने कहा कि संचार का अंतर नहीं होना चाहिए, जानकारी पूरी होनी चाहिए। बेहतर समन्वय की प्राप्ति हो सकती है। उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर फिर से बैठक करने की भी उम्मीद जताई।

केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने समापन अवसर पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केवीआईसी और बोर्ड एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। हालाँकि, समय के दौर में बोर्ड छोटे रह गए और केलवीआईसी का विस्तार अधिक हो गया। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से क्षेत्रीय समूहों का निर्माण करेंगे। क्यों कि छोटे समूहों के साथ बातचीत बहुत आसान और बेहतर होती है। हाल ही में पूर्वोत्तर क्षेत्र में इस तरह का आयोजन किया था। हमारी योजनाओं को लोगों के बीच अच्छी तरह से परिचित होना चाहिए। “हनी मिशन” बड़ी संभावनाओं के साथ एक अच्छा कार्यक्रम है। यह निरक्षरों को आजीविका के अवसर प्रदान करता है। उनकी आय का विस्तार होता है। जम्मू-कश्मीर में यह भारी सफलत साबित हुई। रेलवे द्वारा 450 स्टेशनों में कुल्हडों (मिट्टी के कप) का उपयोग किया जाता है। अर्ध सैनिक दलों में केवल खादी का इस्तेमाल करने का प्रावधान किया जा रहा है। लोगों को खादी वस्त्र के उत्पादन और खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। हम सरकार को इस बारे में प्राप्त समर्थन के लिए जितना धन्यवाद दे उतना कम है। वर्तमान सरकार खासकर खादी को उचित सम्मान दे रही है। ग्रामोद्योगों के उत्पादों की माँग भी बढ़ रही है। हमें मात्र गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है और स्वीकार्य गुणवत्ता के अनुसार उत्पादन ज़रूरी हैं। रेलवे ने खादी को सौ फीसदी आपूर्तिकर्ता के रूप में पैनल में शामिल किया है। इसलिए विपणन सुनिश्चित हो गया है। हमें अपने उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। उन्होंने सपना खादी को अंतर्रष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि कई ऐसे पहलू है, जिन पर विचार साझा किये जा सकते हैं। इसके लिए हम फिर एक बार बैठक करेंगे। खादी को सर्वोच्च शिखर पर पहुँचाकर सफल बनाएँगे।
डॉ ग्रीप द्वारा किये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

3.1.17 अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य

चित्र 3.17: अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य

लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 27-28 फरवरी 2020 को किया गया। यह कार्यशाला तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएसपीसीबी), हैदराबाद द्वारा प्रायोजित थी। इसका आयोजन राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सस्थान **(निम्समे)** यूसुफगुडा, हैदराबाद के उद्यम विकास स्कूल (एसईडी) द्वारा किया गया।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में खास तौर पर विशिष्ट औद्योगिक उत्सर्जनशमन उपशमन के लिए उद्योगों, नगर पालिकाओं और नियामक प्राधिकरणों सहित विभिन्न हितधारकों को उपयुक्त जानकारी दी गई। इससे विवरण इन क्षेत्रों में नियंत्रण रणनीतियों का कार्यान्वयन और मजबूत करना संभव हो जाएगा। इस समस्या का कारण जनता में जागरूकता की कमी है। जबकि अपशिष्ट फैलाने वाले उद्योगों को उपचार, निपटान उपकरणों आदि का उपयोग करनाआवश्यकता है। इस कार्यशाला का उद्घाटन हैदराबाद के गच्ची बौली स्थित रामकी एनविरो इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख (तकनीकी) डॉ. के. श्रीनिवास ने किया। कार्यशाला के निर्देशक श्री जे. कोटेश्वर राव, सह-संकाय सदस्य, उद्यम विकास स्कूल (एसईडी) ने कार्यशाला की रूपरेखा और विषय के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गई।

चित्र 3.18: अपशिष्ट प्रबंधन के परिप्रेक्ष्य

उद्घाटन समारोह के बाद मुख्य अतिथि डॉ के श्रीनिवास, प्रमुख (तकनीकी), रामकी एनविरो इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, गच्ची बौली, हैदराबाद ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में उन्नत प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक घातक कचरे के स्रोत, औद्योगिक अपशिष्ट संग्रह, अपशिष्ट का प्रबंधन, भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण और निपटान जैसे विभिन्न प्रबंधन मुद्दों पर हितधारकों को जागरूक करना है।

3.2 उद्यम प्रबंधन स्कूल (एसईएम)

3.2.1 जीएसटी पर कार्यक्रम

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ की ओर से संस्थान परिसर में दो कार्यक्रमों का आयोजन अप्रैल 2019 में किया। इसके अंतर्गत सू.ल.म. उद्यमों पर जीएसटी के निहितार्थ पर एक कार्यशाला तथा एक प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल था। दोनों का निर्देशन संस्थान की संसाय सदस्या डॉ. ई. विजया ने किया।

3.2.2 सू.ल.म. उद्यमों पर जीएसटी के निहितार्थ पर कार्यशाला

सू.ल.म. उद्यमों पर जीएसटी के निहितार्थ विषय पर इस कार्यशाला का आयोजन इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के सहयोग से 16 अप्रैल 2019 को किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, वित्तीय संस्थानों, निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों और सरकार को एक साझा मंच पर लाना था। जिससे हितधारकों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र की स्थिरता के लिए परिवर्तनकारी परिवर्तनों की कल्पना और विचार-विमर्श करने में मदद मिल सके।

चित्र 3.19: एमएसएमई पर जीएसटी के निहितार्थ पर कार्यशाला

3.2.3 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीएसटी पर प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम का तीन दिवसीय आयोजन 22-24 अप्रैल के दौरान किया गया। इस आयोजन में शामिल प्रशिक्षु की विभिन्न गतिविधियों की धाराओं से संबंधित थे। इनमें खास तौर पर सरकारी अधिकारी, उद्यमी, कर-सलाहकार और लेखाकार शामिल थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीएसटी कानून और कर अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था, जिससे वे उद्यमों और व्यक्तियों को नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने में सहायता कर सकेंगे और युवाओं को बाजार में रोज़गार के व्यापक अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रासंगिक कौशल प्रदान करना था।

चित्र 3.20: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस आयोजन के अंतर्गत जीएसटी अधिनियम, स्थान और आपूर्ति का समय, इनपुट टैक्स क्रेडिट, पंजीकरण प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ, चालान, आरसीएम, रिटर्न भरने की विधि, भुगतान और रिफंड जैसे पहलुओं केबारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सत्रों का संचालन **निम्समे** के संकाय, जीएसटी विशेषज्ञों, जीएसटी विभाग के अधिकारियों और टैली विशेषज्ञों द्वारा दी गई । समापन सत्र को संबहोधित करते हुए श्री संदीप भटनागर, निदेशक, विपणन और व्यापार विकास, **निम्समे** ने सभी प्रतिभागियों को अपने संगठनों में जीएसटी के अनुपालन और कार्यान्वयन के बाद का अपनी प्रकतिक्रिया भेजने का आग्रह किया। उन्होंने अनुपालन के दौरान महसूस होने वाली समस्याओं को सुलझाने के लिए **निम्समे** जीएसटी प्रकोष्ठ की सेवाओं का उपयोग करने का भी आग्रह किया।

3.2.4 जीएसटी : मेल-जोल, लेखांकन और वार्षिक रिटर्न

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ की ओर से 19 मई 2019 को जीएसटी : मेल-जोल, लेखांकन और वार्षिक रिटर्न विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उद्यमियों के साथ ही व्यावसायिकों, पेशेवरों, कर-सलाहकारों और वेतनभोगी कर्मचारियों को के साथ कुल 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया । कार्यक्रम का निर्देशन **निम्समे** की संकाय सदस्य डॉ. ई. विजया ने किया।

चित्र 3.21: जीएसटी ऑडिट

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जीएसटी के विवादित मुद्दों पर अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक मुद्दों पर चर्चा करते के साथ ही वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए चेक सूची के साथ विचार-विमर्श करना और ऑनलाइन व्यावहारिक प्रस्तुतियों के साथ वास्तविक प्रारूपों तथा टेम्पलेट्स के साथ विस्तृत विश्लेषण के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराना था। बहुमुखी व्यवसायी और जीएसटी विशेषज्ञ श्री एस.एन. पाणिग्रही इस कार्यक्रम में वार्षिक रिटर्न और जीएसटी ऑडिट के बारे में व्यावहारिक मुद्दों पर सत्रों का संचालन किया।

3.2.5 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ की ओर से 29-31 जुलाई, 2019 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर तीन दिवसीय प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया, जिनमें खास तौर पर सरकारी अधिकारी, उद्यमी, कर सलाहकार और लेखाकार एवं प्रतिभागी शामिल थे।

इस अवसर पर कार्यक्रम निर्देशक एवं **निम्समे** की संकाय सदस्या डॉ. ई. विजया ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को जीएसटी कानून और कर अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने के लिए उद्यमों तथा अन्य लोगों का सहयोग कर सकें। इससे प्रासंगिक कौशल से लैस युवाओं को भी बाजार में रोज़गार के व्यापक अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलेगी ।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीएसटी कानून, आपूर्ति के स्थान और समय, इनपुट टैक्स क्रेडिट, पंजीकरण प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ, चालान, आरसीएम, रिटर्न दाखिल करना, भुगतान और रिफंड के बारे में जानकारी पर ज़ोर दिया गया। सत्रों का संचालन **निम्समे** के सदस्य संकायों, जीएसटी विशेषज्ञों और जीएसटी विभाग के अधिकारियों और टैली विशेषज्ञों ने किया।

चित्र 3.22: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

समापन सत्र के दौरान **निम्समे** के निदेशक (अकादमिक) ने प्रतिभागियों को आयोजित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई देते हुए प्रतिभागियों को जीएसटी कर प्रणाली अनुपालन के बाद लागू होने के बाद अपने संगठनों में उसके अनुपालन के बारे में अपनी प्रतिक्रिया भेजने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को टैक्स कंप्लायंस से संबंधित समस्याओं के बारे में **निम्समे** के जीएसटी प्रकोष्ठ, की सेवाओं का उपयोग करने की सलाह भी दी।

3.2.6 जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे के जीएसटी प्रकोष्ठ की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) पर तीन दिवसीय प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 21-23 सितंबर 2019 के दौरान किया गया। इस आयोजन में सरकारी अधिकारियों, उद्यमियों, कर सलाहकारों और लेखाकारों जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने हसा लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम निर्देशक और **निम्समे** की संकाय सदस्या डॉ. ई. विजया ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को जीएसटी कानून और नई कर प्रणाली के अनुपालन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है ताकि वे नए कानून के तहत रिटर्न दाखिल करने के लिए उद्यमों और व्यक्तियों का समर्थन कर सकें और युवाओं को बाजार में रोजगार के व्यापक अवसरों से लाभ उठाने के लिए प्रासंगिक कौशल से लैस करने में भी मदद मिलेगी ।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से जीएसटी कानून, आपूर्ति का स्थान और समय, इनपुट टैक्स क्रेडिट, पंजीकरण प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ, चालान, आरसीएम, रिटर्न दाखिल करना, भुगतान और रिफंड के बारे में जानकारी दी गई। सत्रों का संचालन **निम्समे** के संकाय के साथ ही जीएसटी विशेषज्ञों और जीएसटी विभाग के अधिकारियों तथा टैली विशेषज्ञों ने किया।

चित्र 3.23: जीएसटी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम के समापन सत्र के दौरान **निम्समे** के निदेशक (अकादमिक) ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सफलता के साथ पूरा करने पर बधाई दी उन्हें जीएसटी कर प्रणाली बाद लागू होने के बाद अपने संगठनों में उसके अनुपालन संबंधी अपनी प्रतिक्रिया भेजने का सुझाव दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को टैक्स कंप्लायंस से संबंधित समस्याओं के बारे में जीएसटी प्रकोष्ठ, **निम्समे** से सेवाओं का उपयोग करने की सलाह भी दी।

3.2.7 एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम

निम्समें के उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) द्वारा एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए दो सप्ताह के कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन 13-25 मई 2019 के दौरान किया गया ।

इस आयोजन में एनएमडीसी के सचिवीय, वित्त, कार्मिक एवं सामग्री विभाग में कार्यरत कुल 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का निर्देशन उद्यम प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दु चौधरी और उद्यम प्रबंधन स्कूल की सह-संकाय सदस्या श्रीमती वी. स्वप्ना ने किया।

चित्र 3.24: एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए कार्यक्रम

एनएमडीसी के कनिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित इस अनुकूलन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन के भीतर व्यक्तिगत विकास के साथ ही चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वाह करने और प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर बातचीत के दौरान आवश्यक सावधानियों के बारे में उन्हें जागरूक करना था। इस जानकारी में खास तौर पर नेतृत्व कौशल, गुणवत्ता प्रबंधन, समय प्रबंधन, व्यवसाय के मूल सिद्धांत, मानव संसाधन गतिविधियों, कार्पोरेट सामाजिक उत्तर दायित्व की गतिविधियों, कार्मिक और वित्तीय पहलुओं के बारे में पूर्वाभिमुखीकरण के साथ ही उन्हें सॉफ्ट स्किल्स के बारे में प्रशिक्षण संबंधी सत्र शामिल थे ।

इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 13 मई 2020 को किया गया। उद्घाटन के अवसर पर श्री संदीप तुला निदेशक (कार्मिक), श्रीमती जी रीता, उप महा प्रबंधक (मानव संसाधन विभाग) और एनएमडीसी के अन्य अधिकारी मौजूद थे। श्री तुला ने एनएमडीसी की जरूरतों के अनुसार तैयार किए गए इस कार्यकारी विकास प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होने कहा कि इस कार्यक्रम से अपने पोषित लक्ष्यों, दूरदृष्टि और मिशन को प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों में योग्य गुवणत्ता का सूत्रपात होगा । कार्यक्रम निर्देशक ने कार्यक्रम के उद्देश्यों के साथ विषय-वस्तु के बारे में जानकारी दी। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण क्षमताओं को महत्वपूर्ण बताया, जिनमें प्रबंधन कौशल, सॉफ्ट स्किल्स और कार्यात्मक कौशल शामिल था। उन्होंने कहा कि यह कौशल प्रतिभागियों को सफल अधिकारी बनने में मदद करेंगे। उन्होंने एनएमडीसी के साथ **निम्समे** के मधुर संबंधों पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में विषय से संबंधित विभिन्न सत्रों का संचालन **निम्समे** के संकाय के साथ ही एनएमडीसी के अधिकारियों ने किया।

24 मई 2020 को प्रशिक्षण के औपचारिक समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता एनएमडीसी की उप महा प्रबंधक (मानव संसाधन विभाग) श्रीमती जी. रीटा और **निम्समे** के निदेशक (अकादमिक) डॉ. अश्विनी गोयल ने की। श्रीमती स्वप्ना ने उपस्थितों का स्वागत किया और दो सप्ताह के कार्यक्रम की कार्यवाही पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. अश्विनी गोयल ने प्रशिक्षुओं को सक्रिय भागीदारी के लिए बधाई दी और कार्यक्रम के संचालन में किए गए प्रयासों के लिए संकाय दल और कार्यक्रम निर्देशकों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ति के बारे में प्रमाण-पत्र प्रदान करने के साथ हुआ।

25 मई 2020 को प्रशिक्षुओं द्वारा किये गये अध्ययन का मूल्यांकन करने के लिए परीक्षा आयोजित की गई। प्रत्येक प्रतिभागी ने कार्यक्रम परिणाम के बारे में अपनी प्रतिक्रिया भी व्यक्त की। कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने बहुत अच्छा करार दिया।

3.2.8 नाइयों के कौशल उन्नयन पर सम्मेलन

एनबीसीएफडीसी और राज्य नाई संघों के सहयोग से 21 मई 2019 को **निम्समे** परिसर में नाई समुदाय के लिए प्रशिक्षण संबंधी एक राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमी के रूप में कार्यरत छोटे सैलून मालिकों/ को उनके कौशल के स्तर को बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लेकर प्रोत्साहित करना था, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आय में वृद्धि होगी और उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

चित्र 3.25: नाइयों के कौशल उन्नयन पर सम्मेलन

निम्समे ने सभी राज्यों में इस प्रकार का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने का प्रस्ताव रखा। प्रशिक्षण मॉड्यूल एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किया जाता है, जिससे समूचे उद्योग क्षेत्र में गुणवत्ता को मानकों के अनुरूप बनाए रखकर इस क्षेत्र में समग्र गुणवत्ता मानक को स्थापित किया जा सकता है। इस प्रस्ताव को एनबीसीएफडीसी की ओर से बेहतर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई, जिसके बारे में औपचारिक स्वीकृति की घोषणा सम्मेलन के माध्यम से की गई ।

इस कार्यक्र में भाग लेने के लिए शहर की वीएलसीसी अकादमी, जैम अकादमी, लोरल प्रशिक्षण अकादमी और महेश अकादमी सहित अपने अनूठे पाठ्यक्रम के लिए नगरद्वय में लोकप्रिय प्रशिक्षण अकादमियों के प्रतिनिधियों को भी चर्चाओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

चर्चा का शुभारंभ **निम्समे** के परामर्शदाता श्री श्रीकांत महा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालने के साथ की। अंकित भटनागर सह-संकाय सदस्य उद्यम प्रबंधन स्कूल एवं कार्यक्रम समन्वयक ने अपेक्षित परिणामों की जानकारी दी। जबकि अकादमियों के प्रतिनिधियों ने सैलून के निरंतर संचालन और ग्राहक आधार के विस्तार के लिए आवश्यक पहलुओं की जानकारी देने के साथ ही अन्य बातों का विस्तार से वर्णन किया। सॉफ्ट स्किल्स और फैशन के बदलते दौर को वरीयताओं देने पर भी उन्होंने जोर दिया।

यहाँ पर इस बात का भी उल्लेख करना समीचीन होगा कि संस्थान परिसर में इस तरह का कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें कुछ वर्ष पहले प्रतिष्ठित वेलनेस एक्सपर्ट श्री जावेद हबीब के सहयोग से काम किया गया था।

3.2.9 बौद्धिक संपदा अधिकारों पर संकाय विकास कार्यक्रम

निम्समे के बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकारों पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन 27-29 मई 2019 के दौरान किया गया, जिसका निर्देशन सुश्री वी. स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य, उद्यम प्रबंधन स्कूल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के सदस्य संकाय को आवश्यक मार्गदर्शन करना था, ताकि वे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ हीअनुसंधान को सुगम बना सकें, शिक्षण क्षमता विकसित कर सकें और बौद्धिक संपदा अधिकार के सफल निर्माण और उपयोग की प्रक्रिया में भी मदद कर सकें। फलस्वरूप यह कार्यक्रम हमारे राष्ट्र के लिए एक अमूल्य संपत्ति के रूप में मौजूद युवाओं को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए संकाय को सूचना का प्रसार करने में मदद करता है।

चित्र 3.26: बौद्धिक संपदा अधिकार प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम का समापन 29 मई को किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार साझा किए। कुल मिलाकर उन्होंने इसे बहुत अच्छा आंका और संतोष व्यक्त किया।

निम्समे के निदेशक (विपणन एवं व्यवसाय विकास) श्री संदीप भटनागर ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की पूर्ति संबंधी प्रमाण-पत्र वितरित करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

3.2.10 एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार

एएमपी एकेडेमिक एक्सलेन्स अवार्ड की खोज समिति ने **निम्समे** के उद्यम प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. दिब्येन्दु चौधरी की एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए "विपणन और खुदरा प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर" के रूप में पहचान की। उन्हें 16 जून, 2019 को ट्रांस, हैदराबाद द्वारा होटल पार्क कॉन्टिनेंटल में आयोजित अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2019 में देकर सम्मानित किया गया।

चित्र 3.27: एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार

3.2.11 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन में प्रशिक्षण

निर्यात-आयात प्रलेखन प्रक्रियाओं पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन **निम्समे** द्वारा अपने परिसर में 25-27 जून 2019 के दौरान किया गया। उद्म प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने इस कार्यक्रम का निर्देशन किया। इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों से लेकर एक्सपोर्ट हाउस एग्जिक्युटिव्स तक शामिल थे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को वस्तुओं के निर्यात और आयात के लिए प्रलेखन प्रक्रियाओं के बारे में परिचित करना था।

कार्यक्रम निदेशक डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी ने इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञ होने के नाते उन्होंने उदारीकरण के बाद की अवधि में प्रलेखन प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस जानकारी में आयात-निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाओं, आयात- निर्यात व्यवसाय का महत्व और छोटे व्यवसायों, आईएनसीओ की शर्तों केसाथ ही अंतरराष्ट्रीय तथा स्थानीय निकायों, परिवहन के प्रकार, कंटेनर और पैकिंग, आत-निर्यात का वित्तीय पहलू, प्रेषण दस्तावेज, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, त्रिकोणीय शिपमेंट, उच्च समुद्री बिक्री आदि बिंदू शामिल थे। आयात- निर्यात प्रलेखन प्रक्रियाओं के विशेषज्ञ श्री रामनाथनयेर ने आयात- निर्यात व्यवसाय के महत्व तथा छोटे व्यवसायों को मिलने वाले लाभ संबंधी जानकारी दी। श्री एस. एन. पाणिग्रही, सहायक संकाय **निम्समे** ने भी अन्य बिंदुओं पर जानकारी दी।

3.2.12 पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण

बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) की ओर से 8-10 जुलाई 2019 तक "पेटेंट आवेदन मसौदा और फाइलिंग प्रक्रिया" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शोध संस्थानों के कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारत में पेटेंट कानून, भारतीय पेटेंट कानून के तहत पेटेंट के लिए अयोग्य आविष्कारों, पेटेंट आवेदनों के प्रकार, भारत में पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया और प्रक्रिया, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों में पीसीटी प्रणाली और पेटेंट फाइलिंग प्रक्रियाओं जैसे विषयों को बौद्धिक संपदा अधिकार संवर्धन में विभिन्न सरकारी योजनाओं को कार्यक्रम के अंतर्गत रेखांकित किया गया।

आयोजित सत्रों में पेटेंट संबंधी विनिर्देशों और दावों का मसौदा तैयार करने के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक पहलुओं के बारे में भी जानकारी दी गई। व्यावहारिक सत्रों के अंतर्गत प्रतिभागियों को पेटेंट मसौदे का अभ्यास करावा गयॉ। आईपीएफसी (उ.प्र.स्कूल) की सह-संकाय सदस्या और कार्यक्रम निर्देशक श्रीमती वी. स्वप्ना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में प्रख्यात वक्ताओं ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने में योगदान दिया।

चित्र 3.28: पेटेंट आवेदन मसौदा तैयार करने और फाइलिंग प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रतिभागियों से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर उनका अवलंब करने के लिए उत्साहित थे ।

3.2.13 स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति

"एमएसएमई के लिए बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी) ने निम्समे में 16-18 सितंबर 2019 से "स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) संस्थानों, फिल्म संस्थानों, इनक्यूबेटर, स्टार्टअप्स और स्वतंत्र सलाहकारों के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह ज्ञान प्रदान करना है कि बौद्धिक संपदा की पहचान और सुरक्षा कैसे की जाए और अपने आईपी और प्रौद्योगिकियों के प्रबंधन, व्यावसायीकरण और मुद्रीकरण में एक सफल आईपी रणनीति को कैसे शामिल किया जाए ।

कार्यक्रम निदेशक श्रीमती वी स्वप्ना, एसोसिएट फैकल्टी मेंबर- सह-संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल) ने आईपी प्रमोशन पर उपलब्ध सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला और विभिन्न आईपी फर्मों के प्रख्यात वक्ताओं को कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया गया । प्रतिभागियों ने अपनी खुशी व्यक्त की क्योंकि उन्होंने अपने प्रमाण पत्र प्राप्त किए और साझा किया कि प्रशिक्षण उन्हें अपनी आईपी रणनीति का प्रबंधन करने वाले सफल उद्यमियों के रूप में बढ़ने में कैसे मदद करेगा।

चित्र 3.29: स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति

3.2.14 निम्समे द्वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

निम्समे ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हब योजना के तहत अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमियों के लिए निशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। सितंबर, 2019 के दौरान तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और कुल 60 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के मौजूदा/इच्छुक उद्यमियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।

कार्यक्रम 23-27 सितंबर, 2019 से एमएसएमई के लिए निर्यात और आयात के अवसर, 25 से 27 सितंबर, 2019 तक परियोजना मूल्यांकन और जोखिम विश्लेषण और 25 से 27 सितंबर, 2019 तक एमएसएमई के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के कौशल थे। कार्यक्रमों का निर्देशन निम्समे के फैकल्टी मेंबर डॉ ई विजया ने किया।

इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई योजनाओं, कानूनी अनुपालन, निर्यात और आयात के अवसरों, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और व्यापक अर्थों में मूल्यांकन प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार के बारे में जागरूकता पैदा करना है-यह प्रदर्शित करना कि परियोजना और पूंजीगत व्यय मूल्यांकन की प्रक्रिया का उपयोग लागत नियंत्रण में नाटकीय रूप से सुधार करने और संभावित व्यय के रूप में जोखिम मुक्त के रूप में देने के लिए कैसे किया जा सकता है । सत्रों का संचालन निम्समे संकाय और बैंकों, उद्योगों और सरकारी अधिकारियों के विशेषज्ञों ने किया ।

चित्र 3.30: निम्समे द्‌वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार सकारात्मक रूप से व्यक्त किए। उन्होंने तारीफ की कि कार्यक्रम निम्समे की फैकल्टी की काफी उपयोगी और जानकारीपूर्ण सराहना करते हैं।

3.2.15 सिम्बायोसिस इंस्टीट्‌यूट फॉर बिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) के लिए कार्यक्रम

निम्समे के एसईएम ने 14-18 अक्टूबर 2019 से सिम्बायोसिस इंस्टीट्‌यूट फॉर बिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) के छात्रों के लिए एक सप्ताह के अनुकूलित उद्‌यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आयोजन किया था। कार्यक्रम को एसआईबीएम, पुणे द्‌वारा प्रायोजित किया गया था और इसका निर्देशन एफएम (उ.प्र. स्कूल) के डॉ दिब्येन्दु चौधरी और डॉ श्रीकांत शर्मा, सह-संकाय सदस्य (सीई) और श्रीमती पी अंजली प्रसन्ना द्‌वारा समन्वित किया गया था ।

डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने अपने उदघाटन भाषण में उद्‌यमिता विकास की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ श्रीकांत शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और निम्समे के बारे में संक्षेप में बताया। दो संसाधन व्यक्तियों श्री संपत और श्री चंगटी को भी अपने ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में, प्रतिभागियों के लिए एक्सपोजर यात्राओं की व्यवस्था की गई थी: आइकिया स्टोर और बिड़ला तारामंडल 15 तारीख को; टी-हब और इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एण्ड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई) 16 को और मोत्कुर क्लस्टर 17 को ।

18 को आयोजित समापन के दौरान प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से अपने अनुभवों को साझा करते हुए प्रस्तुतियां दी और डॉ चौधरी और डॉ शर्मा द्‌वारा अपने प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त किए ।

चित्र 3.31: सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट फॉर बिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) के लिए कार्यक्रम

3.2.16 अपने व्यवसाय को शुरू करें और बेहतर बनाएं

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हब योजना के तहत एससी-एसटी इच्छुक और मौजूदा उद्यमियों के लिए 14-18 अक्टूबर, 2019 से "स्टार्ट एण्ड बेहतर योर बिजनेस" पर नि-एमएसएमई ने मुफ्त क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। निम्समे की फैकल्टी मेंबर डॉ ई विजया द्वारा निर्देशित कार्यक्रम में कुल 20 एससी/एसटी प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एससी/एसटी हब योजनाओं, कानूनी अनुपालन और व्यवसाय शुरू करने और बेहतर बनाने के बारे में जागरूकता पैदा करना है । सत्रों का संचालन निम्समे फैकल्टी और उद्योगों के विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों ने किया । एनआईआरडी में रूरल टेक्नोलॉजी पार्क में एक यात्रा की व्यवस्था की गई थी, जहां उन्हें आवास, कृषि, हस्तशिल्प और सौर डोमेन में नवाचारों का जायजा लेने का अवसर मिला और वे उद्यमियों के साथ बातचीत कर सकते थे ।

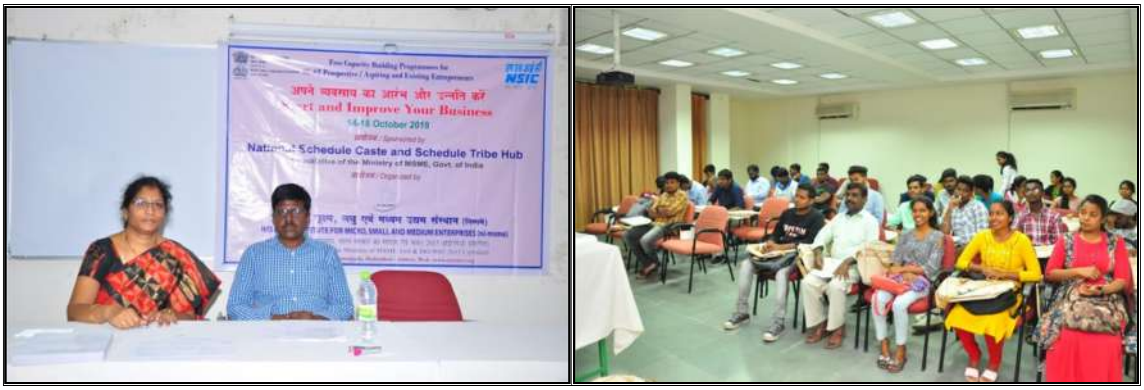

चित्र 3.32: अपने व्यवसाय को शुरू और बेहतर बनाएं

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार सकारात्मक रूप से व्यक्त किए। उन्होंने निम्समे के संकाय और अतिथि वक्ताओं की सराहना करते हुए कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम बहुत उपयोगी और जानकारीपूर्ण थे।

3.2.17 स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) के बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी), निम्समे ने भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति/एससी हब द्वारा प्रायोजित स्टार्टअप और उद्यमियों के लिए आईपी रणनीति पर 14-18 अक्टूबर 2019 तक एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की बौद्धिक संपदा, उनके लाभों और लागतों पर प्रकाश डालना है; कैसे उनकी संपत्ति की पहचान करने के लिए और सुरक्षा और तरीकों के सर्वोत्तम रूपों का निर्धारण करने के लिए चोरी या विचारों के अनधिकृत प्रकटीकरण के जोखिम को कम करने के लिए । कार्यक्रम का उद्घाटन एसईएम के संकाय सदस्य डॉ दिब्येन्दु चौधरी और कार्यक्रम निदेशक सुश्री वी स्वप्ना ने किया।

3.2.18 एक्जिम पर कार्यक्रम

उद्यम प्रबंधन स्कूल के संकाय सदस्य डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने 21 से 25 अक्टूबर, 2019 तक "निर्यात-आयात प्रबंधन और प्रलेखन प्रक्रिया" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में ज्ञान प्राप्त करने वाले कुल 20 मौजूदा और इच्छुक अनुसूचित जाति/जनजाति उद्यमियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों को वस्तुओं के निर्यात और आयात के लिए प्रलेखन प्रक्रियाओं से परिचित कराने पर ध्यान केंद्रित किया गया था ।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम निदेशक डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञ होने के नाते, उन्होंने उदारीकरण के बाद की अवधि में प्रलेखन प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलावों के बारे में विस्तार से बताया ।

अतिथि संकाय श्री रामनाथन अय्यर, निर्यात-आयात प्रलेखन प्रक्रियाओं के विशेषज्ञ ने निर्यात के महत्व पर जोर दिया है - आयात व्यवसाय, और छोटे व्यवसायों को लाभ मिलता है। आईएनसीओ शर्तों, अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय निकायों, परिवहन के प्रकार, कंटेनर और पैकिंग, शिपिंग दस्तावेज, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं, त्रिकोणीय शिपमेंट, उच्च समुद्र बिक्री आदि जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई । निम्समे के सहायक संकाय श्री एस.एन. पाणिग्रही ने एक्जिम फाइनेंस, जीएसटी निहितार्थ और जोखिम प्रबंधन पर सत्रों का संचालन किया।

चित्र 3.33: एक्जिम पर कार्यक्रम

समापन समारोह की अध्यक्षता निम्समे के सहायक संकाय के श्री एस एन पाणिग्रही ने की। उन्होंने प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

3.2.19 एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) द्वारा 21-25 अक्टूबर 2019 को राष्ट्रीय एससी/एसटी हब (एनएसएसएच), एमएसएमई मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियों" पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 21 अक्टूबर, 2019 को डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने किया था, क्योंकि उन्होंने सभी अधिकारियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और निम्समे और इसकी गतिविधियों के बारे में बताया। डॉ श्रीकांत शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम, विषयों को पूरे सप्ताह के माध्यम से कवर किए जाने, उनके महत्व और प्रत्येक के लिए उदाहरण देने वाले प्रस्तुत परिदृश्य के साथ संबंध के बारे में परिचय दिया ।
इस पर जोर दिया गया: उपभोक्ता व्यवहार परिवर्तन, कुली के 5 एम, विज्ञापन, विपणन और ई-मार्केटिंग की प्रासंगिकता, एआईडीए, सर्च इंजन और ई-कॉमर्स, अमेज़न और अन्य ई-कॉमर्स पोर्टल्स का उपयोग करना, कार्यशाला पर हाथ-बिजनेस अकाउंट सेट-अप-अमेजन, फ्लिप कार्ट आदि । सत्र ों को इन-हाउस और अतिथि संकायों दोनों ने संबोधित किया, जो बाजार के व्यावहारिक पहलुओं में अंतर्दृष्टि देते हैं । समापन सत्र के दौरान सभी प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए कि वे अपने सपनों को साकार करने में अपने सीखने को कैसे लागू करेंगे। प्रशिक्षण के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चित्र 3.34: एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ

3.2.20 स्टार्ट अप सपोर्ट पर प्रशिक्षण

निम्समे ने 23-25 अक्टूबर, 2019 से "एमएसएमई योजनाओं और स्टार्ट अप सपोर्ट" पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमियों के लिए तीन दिवसीय निशुल्क क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। निम्समे की फैकल्टी मेंबर डॉ ई विजया द्वारा निर्देशित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 20 मौजूदा और इच्छुक एससी/एसटी उद्यमी शामिल हुए।

चित्र 3.35: एमएसएमई के लिए ब्रांडिंग और मार्केटिंग रणनीतियाँ

3.2.21 एमएसएमई के लिए कानूनी अनुपालन पर कार्यक्रम

निम्समे ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हब योजना के तहत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमियों के लिए 23-25 अक्टूबर, 2019 से एमएसएमई के लिए कानूनी अनुपालन पर एक मुफ्त क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुल 20 उद्यमी शामिल हुए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हब योजनाओं, कानूनी अनुपालन के बारे में ज्ञान और स्टार्टअप व्यवसाय के दौरान आवश्यक पंजीकरण औपचारिकताओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

सत्रों का संचालन **निम्समे** फैकल्टी और उद्योगों के विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों ने किया । एमएसएमई योजनाओं, कानूनी अनुपालन, फर्म पंजीकरण, यूएएम, जीएसटी और ब्रांड पंजीकरण जैसी विभिन्न पंजीकरण प्रक्रियाओं के विषयों से निपटने के लिए अतिथि संकाय को आमंत्रित किया गया था।

प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने विचार सकारात्मक रूप से व्यक्त किए। उन्होंने **निम्समे** के संकाय और अतिथि वक्ताओं की सराहना करते हुए कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम बहुत उपयोगी और जानकारीपूर्ण थे।

3.2.22 उत्पाद पहचान और विपणन रणनीतियों पर कार्यक्रम

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) ने 13 से 15 नवंबर 2019 तक "सूक्ष्म उद्यमियों के लिए उत्पाद पहचान और विपणन रणनीतियों" पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे कार्यक्रम निदेशक डॉ द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने एमएसएमई की सफलता में उत्पाद पहचान और विपणन के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम का अवलोकन किया । समारोह की अध्यक्षता संकाय सदस्य डॉ ई विजया ने की और एससी/एसटी उद्यमियों को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय एससी-एसटी हब की भूमिका पर प्रकाश डाला।

चित्र 3.36: पहचान और विपणन रणनीतियों का समापन

कुल मिलाकर 20 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमी थे । प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य फोकस सूक्ष्म उद्यमियों द्वारा आवश्यक उत्पाद पहचान और विपणन रणनीतियों पर था। इसमें मार्केट सर्वे, बिजनेस अपॉर्च्युनिटी आइडेंटिफिकेशन, मार्केटिंग प्लान, प्रॉडक्ट विभेदन, प्रॉडक्ट एण्ड इनोवेशन, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ई-कॉमर्स के जरिए मार्केटिंग: अमेजन/फ्लिपकार्ट, कस्टमर एंगेजमेंट और एक्सपीरियंस एनालिसिस आदि विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया है ।

समापन 15 नवंबर को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम निदेशक ने व्यक्तिगत फीडबैक एकत्र किया और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किए।

3.2.23 जीएसटी टैक्सेशन फाइलिंग और कोचीन में रिटर्न

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु औरप मध्यम उद्यम मंत्रालय के विकास आयुक्त (एमएसएमई) कार्यालय के अधिकारियों के लिए कोचीन में जीएसटी टैक्सेशन फाइलिंग और रिटर्न पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नी-एमएसएमई, हैदराबाद द्वारा किया गया था । कार्यक्रम का निर्देशन एफएम डॉ दिब्येन्दु चौधरी और सह-संकाय सदस्य के डॉ. श्रीकांत शर्मा ने किया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विकास आयुक्त (सू.ल.म. उद्यम)के निदेशक श्री सत्येन लामा मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होंने वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में जीएसटी के महत्व पर बात की और प्रतिभागियों को जीएसटी की अवधारणाओं और व्यावहारिक पहलुओं को सीखने और विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर अपनी शंकाओं को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया ।

इन-हाउस और अतिथि संकाय द्वारा विषयों पर प्रशिक्षण सत्र लिए गए: वस्तु और सेवा कर का अवलोकन, जीएसटी के तहत पंजीकरण प्रक्रिया, लेवी और कर से छूट, मिश्रित आपूर्ति और समग्र आपूर्ति, संरचना लेवी, जीएसटी मूल्यांकन और भुगतान, जीएसटी अनुपालन रेटिंग, और जीएसटी की ऑनलाइन फाइलिंग । अतिथि संकाय में जीएसटी प्रैक्टिशनर, सीए, जीएसटी विभाग के अधिकारी और शिक्षाविद शामिल थे। प्रतिभागियों को व्यावहारिक समझ के लिए एमएसएमई, कॉयर संग्रहालय और कॉयर अनुसंधान संस्थान, मत्स्य उद्योग यात्रा और ड्राई डॉक यार्ड उद्योग की यात्रा पर ले जाया गया । जीएसटी सेल के एफएम डॉ ई विजया ने एमएसएमई के लिए जीएसटी के निहितार्थ पर सत्र दिए।

समापन सत्र के लिए विकास आयुक्त (सू.ल.म. उद्यम)के निदेशक अनिल त्रिपाठी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए व्यक्तिगत रूप से फीडबैक एकत्र किया गया और निम्समे की सराहना की गई।

3.2.24 उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम

ओडिशा सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित 18-22 नवंबर, 2019 तक निम्समे परिसर में उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) द्वारा उच्च शिक्षा संकाय, ओडिशा राज्य के लिए उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम) पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम 2 बैचों में आयोजित किया गया था- बैच-1 में 29 प्रतिभागी और बैच-2 में 31 प्रतिभागी। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 18 नवंबर, 2019 को कार्यक्रम निदेशक डॉ दिब्येन्दु चौधरी और डॉ श्रीकांत शर्मा ने किया।

स्वागत भाषण के दौरान डॉ श्रीकांत शर्मा ने निम्समे की गतिविधियों, कार्यक्रम के उद्देश्य और इसकी विषयवस्तु के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया जिसमें शामिल थे: उद्यमियों के लिए सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमशीलता व्यक्तित्व, एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विपणन, एमएसएमई के लिए जीएसटी के निहितार्थ, प्रभावी लोगों की आठ आदतें, एमएसएमई के लिए एक नया उद्यम, वित्तीय प्रबंधन और पहलू शुरू करना, एमएसएमई के लिए संस्थागत सहायता और प्राप्त परीक्षण आदि । इन सत्रों को इन-हाउस फैकल्टी और इंडस्ट्री के जाने-माने वक्ताओं ने संबोधित किया । प्रतिभागियों को टी-हब ले जाया गया जहां उन्हें उद्यमिता को बढ़ावा देने में तेलंगाना राज्य की पहलों के बारे में जानने का अवसर मिला ।

चित्र 3.37: उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम

निम्समे के महानिदेशक (सेवानिवृत्त) श्री पी. उदय शंकर ने 22 नवंबर 2019 को समापन सत्र की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में अपने इंप्रेशन साझा किए और व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण बहुत उपयोगी होगा और ओडिशा राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उन्हें छात्रों तक पहुँचने में मदद करेगा। सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ ही सत्र समाप्त हो गया।

3.2.25 स्मार्ट काम करने के लिए प्रशिक्षण

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) ने 18 से 22 नवंबर 2019 तक दक्षिण मध्य रेलवे के पर्यवेक्षकों के लिए वर्किंग स्मार्टर के माध्यम से भूमिका दक्षता में सुधार और उत्पादकता बढ़ाने पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें दक्षिण मध्य रेलवे के विभिन्न विभागों के 24 प्रतिभागी

शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य फोकस प्रतिभागियों को मिड-लेवल मैनेजमेंट की कला में दक्ष बनाना था।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ अश्विनी गोयल निदेशक (शिक्षाविदों) और डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शामिल किए जाने वाले विभिन्न विषयों का अवलोकन किया जैसे: विलंब (टॉड फर्स्ट खाएं)/रुकावट/मानसिक ब्लॉक-योजना और प्राथमिकता प्राथमिकता का तरीका, रचनात्मक फीडबैक टाइम मैनेजमेंट या सेल्फ मैनेजमेंट एण्ड स्ट्रेस फ्री माहौल, संभावना सोच की कला - तनाव से राहत और परिणाम प्राप्त करने वाली गतिविधियों, कार्य स्थल वार्तालापों, टीमों में काम करने की प्रेरणा, पहल और स्वामित्व, काम पर सफलता के लिए प्रभावी संचार कौशल या एक प्रभावी प्रबंधक, प्रतिनिधिमंडल के बीच अंतर- प्रतिनिधिमंडल और परेटो के सिद्धांत को प्रतिनिधि या कला और उत्पादकता में सुधार करने, विश्वास का माहौल बनाना, जटिल समस्या समाधान और महत्वपूर्ण सोच, दूसरों के साथ समन्वय और भावनात्मक बुद्धिमत्ता, विश्वास और आत्मसम्मान का निर्माण और एक उच्च प्रदर्शन संस्कृति का निर्माण आदि ।

प्रतिभागियों ने 22 नवंबर 2019 को समापन समारोह के दौरान अपनी प्रतिक्रिया साझा की और प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सत्र का समापन डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के मतदान के साथ हुआ।

चित्र 3.38: स्मार्ट काम करने के लिए प्रशिक्षण

3.2.26 चिराला में संकाय विकास कार्यक्रम

सीई विभाग ने सेंट ऐन्स कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में 25 नवंबर से 7 दिसंबर 2019 तक चिराला और उसके आसपास इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकायों के लिए उद्यमिता विकास पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ एसपी रवि कुमार थे। अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि उद्यमिता विकास पर इस संकाय विकास कार्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम) का

उद्देश्य शिक्षकों को कौशल और ज्ञान से लैस करना है जो छात्रों में उद्यमशीलता मूल्यों को जागृत करने और उद्यमशीलता कैरियर की दिशा में उनकी प्रगति की निगरानी के लिए आवश्यक हैं ।

3.2.27 उद्यमियों के लिए विचार उत्पादन

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) ने 02-04 दिसंबर, 2019 से "उद्यमियों के लिए आइडिया जनरेशन" पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी और डॉ ई विजया (एसईएम के संकाय सदस्य) ने किया। इस अवसर पर डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने स्टार्ट-अप्स के लिए आइडिया जनरेशन और इसकी इनक्यूबेशन के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम का अवलोकन भेंट किया । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता संकाय सदस्य डॉ ई विजया ने की। उन्होंने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के प्रशिक्षण में एनएसएसएच की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कुल मिलाकर 20 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमी थे । प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य फोकस आइडिया जेनरेशन और माइक्रो एंटरप्रेन्योर्स के लिए जरूरी स्टार्ट-अप्स, प्रॉडक्ट आइडेंटिफिकेशन और मार्केटिंग रणनीतियों के लिए इसकी इनक्यूबेशन पर था । इस कार्यक्रम में आइडिया जनरेशन मेथड्स, मार्केट सर्वे, बिजनेस अपॉर्च्युनिटी आइडेंटिफिकेशन, मार्केटिंग प्लान, प्रॉडक्ट एण्ड इनोवेशन, एनएसएसएच स्कीम्स एण्ड सपोर्ट सिस्टम, फाइनैंस फॉर माइक्रो एंटरप्राइजेज, कस्टमर एंगेजमेंट एण्ड एक्सपीरियंस एनालिसिस आदि पर कई विषय शामिल थे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 4 दिसंबर को हुआ था। समापन की अध्यक्षता कार्यक्रम निदेशक डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने की। उन्होंने प्रतिभागियों का फीडबैक लिया और उनकी टिप्पणियों के लिए उनकी सराहना की । प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ।

चित्र 3.39: उद्यमियों के लिए आइडिया जनरेशन

3.2.28 उद्यमिता पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम

उद्यम प्रबंधन स्कूल (उ.प्र. स्कूल) ने 9-13 दिसंबर 2019 तक "उद्यमिता पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम" पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी और डॉ ई विजया (संकाय सदस्य एसईएम) ने किया । इस अवसर पर डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया और आगे एमएसएमई मंत्रालय द्वारा दिए गए समर्थन के बारे में बताया । उन्होंने

प्रतिभागियों को कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता संकाय सदस्य डॉ ई विजया ने की। उन्होंने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को बढ़ावा देने में एनएसएसएच की भूमिका पर प्रकाश डाला।

चित्र 3.40: उद्यमिता पर प्रमाण पत्र कार्यक्रम

कुल मिलाकर 20 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के इच्छुक और मौजूदा उद्यमी थे । प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य फोकस उद्यमिता प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर था। कार्यक्रम में उद्यमिता प्रेरणा प्रशिक्षण, बाजार सर्वेक्षण, व्यापार अवसर पहचान, विपणन योजना, बाजार व्यवहार्यता, तकनीकी व्यवहार्यता, वित्तीय व्यवहार्यता, बिजनेस प्लान तैयार करना, परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, पीएमईजीपी योजना आदि विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी ।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 13 दिसंबर को हुआ था। समापन समारोह की अध्यक्षता कार्यक्रम निदेशक डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने की। उन्होंने प्रतिभागियों का फीडबैक लिया और कार्यक्रम के बारे में ईमानदार टिप्पणियों के लिए उनकी सराहना की। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ।

3.2.29 बौद्धिक संपदा अधिकार और एमएसएमई के लिए इसके निहितार्थ

18-20 दिसंबर 2019 तक नेशनल एसटी एससी हब, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित बौद्धिक संपदा अधिकार और एमएसएमई के लिए इसके निहितार्थ विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आईपीएफसी), उद्यम प्रबंधन स्कूल (एसईएम), नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज (एनआई-एमएसएमई), यूसुफगुडा, हैदराबाद द्वारा किया गया था।

कार्यशाला का उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकार मुद्दों के बारे में जागरूकता और रुचि/ज्ञान के स्तर को बढ़ाना और बौद्धिक संपदा के निर्माण, स्वामित्व और संरक्षण पर अंतर्दृष्टि प्रदान करना है । विभिन्न प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकार , जैसे पेटेंट, ट्रेड मार्क्स, कॉपी राइट्स, जियोग्राफिकल इंडिकेंट्स (जीआईएस), इंडस्ट्रियल डिजाइन, यूटिलिटी मॉडल्स, कलेक्टिव मार्क्स, सर्टिफिकेशन मार्क्स एण्ड ट्रेड सीक्रेट्स और बौद्धिक संपदा अधिकार प्रोत्साहन योजनाओं से परिचित होना और एमएसएमई क्षेत्रों में आईपी को उचित रणनीतियों और व्यापार नियोजन के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता की व्यापक समझ विकसित करना ।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम निदेशक डॉ दिब्येन्दु चौधरी संकाय सदस्य, उ.प्र.स्कूल ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें **निम्समे** की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और बौद्धिक संपदा अधिकार नीति के बारे में भी प्रकाश डाला जो सभी रचनाकारों और अन्वेषकों को आईपी के उत्पादन, संरक्षण और उपयोग के लिए अपनी क्षमता का एहसास करने में सक्षम बनाता है जो धन सृजन में योगदान देगा ।

समापन समारोह 20 दिसंबर 2019 को आयोजित किया गया था। संकाय सदस्य और कार्यक्रम निदेशक डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने प्रतिभागियों को बातचीत, चर्चाओं और अपने अनुभवों को साझा करने में सक्रिय भागीदारी के लिए सराहना की । प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

3.2.30 युवा प्रबंधकों के लिए नेतृत्व पर कार्यक्रम

ईसीआईएल, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित 20 से 24 जनवरी 2020 के दौरान संस्थान परिसर में युवा प्रबंधकों के लिए नेतृत्व पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, कार्यक्रम का निर्देशन एफएम, एसईएम के डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने किया था, जबकि सह-संकाय सदस्य, उद्यमिता एवं विस्तार स्कूल के सह-संकाय डॉ. श्रीकांत शर्मा ने इसका निर्देशन किया था। कार्यक्रम का उद्घाटन 20 जनवरी 2020 को हुआ था, जिस दौरान ईसीआईएल के महा-प्रबहंधक (मानव संसाधन विभाग) सी. मुनिकृष्णा मौजूद थे।

उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम निदेशक ने कार्यक्रम के उद्देश्यों और विषय-वस्तुओं की रूपरेखा तैयार की और परिसर में भौतिक सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे की गणना की । उन्होंने ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को कम किया और कुछ व्यावहारिक मामलों का हवाला दिया और नेतृत्व के गुणों की तुलना में अपने अनुभव साझा किए ।

इन जानकारियों में कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आरटीआई शामिल थे; सफल लोगों की आदतें; प्रबंधन और इंट्राप्रेन्योरशिप बदलें; संघर्ष और तनाव प्रबंधन; स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट - बिजनेस और कस्टमर सेंट्रिक ओरिएंटेशन; प्रभावी और गैर मौखिक संचार; प्रभावी टीम निर्माण; रणनीतिक प्रबंधन - कॉर्पोरेट और विक्रेता विकास योजना और कार्यक्रम।

रिसोर्स पर्सन्स में श्री जी. जयकर राव, ट्रेनर थे; डॉ अनुपमा मोडगोंडा, आईबीएस, हैदराबाद और श्री मुनिकृष्णा, संकाय, **निम्समे** के अलावा। दिलचस्प विशेषता श्री एस राधा कृष्ण का सत्र था, जिसने प्रतिभागियों को बैठने के दौरान कुछ आसान अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया । उन्होंने कई वीडियो दिखाए जो यह प्रदर्शित करते हैं कि तनाव मुक्त जीवन का नेतृत्व करना काफी आसान है और केवल हर दिन कुछ मिनटों के लिए पूछता है। उन्होंने सवालों को भी मैदान में उतारा । सत्र से प्रतिभागी खुशी से झूम उठे।

इस प्रशिक्षण का समापन 24वें श्री वाई नागेश्वर राव, जीएम (वित्त), ईसीआईएल के अध्यक्षता में हुआ । प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य अपने संगठन के युवा प्रबंधकों को कर्मचारियों के बीच प्रबंधकीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना, उन्हें नेतृत्व के गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना, इस दिशा में उनकी प्रगति का मार्गदर्शन करना और उन्हें निगरानी करना था ।

श्री नागेश्वर राव, महा प्रबंधक (वित्त); श्री. एम. मरुत्युजयुडू, उप महा प्रबंधक (मानव संसाधन विभाग), श्री डी चंद्र शेखर, महानिदेशक, **निम्समे** कार्यक्रम में रामकृष्ण मिशन के श्री शिवानंदजी महाराज डॉ. और श्रीकांत शर्मा ने भाग लिया।

निम्समे के महानिदेशक ने प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रशिक्षुओं को बधाई दी और उनके प्रयासों में सफलता की कामना की। इससे पूर्व प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यक्रम के सुचारू संचालन व समय पर मार्गदर्शन के लिए कार्यक्रम निदेशक की सराहना की। कार्यक्रम को बहुत अच्छा बताते हुए उन्होंने यहां हासिल किए गए कौशल और ज्ञान का अभ्यास अपने कार्य स्थानों में करने का वायदा किया । उन्होंने **निम्समे** के सभी पदाधिकारियों का उनके आतिथ्य में जाने और परिसर में उनके ठहरने को आरामदायक बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

चित्र 3.41: युवा प्रबंधकों के लिए नेतृत्व पर कार्यक्रम

निम्समे ने सभी प्रतिभागियों को "यंग लीडर्स" शीर्षक से निम्समे और ईसीआईएल लोगो के साथ अंकित टी-शर्ट वितरित की । श्री नागेश्वर राव और श्री मृदुमजयुडू ने निम्समे के महानिदेशक के साथ प्रतिभागियों के बीच प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती टी पद्मजा ने किया।

3.2.31 सोशल मीडिया मार्केटिंग

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के राष्ट्रीय एससी-एसटी हब द्वारा प्रायोजित, एसईएम ऑफ निम्समे ने 20 से 24 जनवरी 2020 के दौरान एसएमई के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया मार्केटिंग पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम का निर्देशन डॉ दिब्येन्दु चौधरी व श्रीमती वी स्वप्ना ने किया।

चित्र 3.42: सोशल मीडिया मार्केटिंग

कार्यक्रम निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान की गतिविधियों से परिचय कराया। कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के कुल 20 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव, सोशल मीडिया मार्केटिंग-लक्ष्यों और रणनीतियों, विपणन योजनाओं, ई-मार्केटिंग, लक्ष्य दर्शकों की पहचान, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और नेटवर्क साइट, एआईडीए, सीआरएम, कानूनी चुनौतियों और आईपी मुद्दों आदि पर केंद्रित इनपुट ।

समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कार्यक्रम और सुविधाओं के बारे में अपने इंप्रेशन साझा किए । कार्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों की बातचीत, चर्चाओं और अपने अनुभवों को साझा करने में उत्सुक भागीदारी के लिए सराहना की । कुल मिलाकर, कार्यक्रम का फीडबैक अनुकूल था और रेटिंग "बहुत अच्छी" थी । कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र के वितरण और धन्यवाद ज्ञापन निम्समे के वरिष्ठ संकाय सलाहकार (सोशल मीडिया) श्री सत्या प्रसाद द्वारा किया गया।

3.3 स्कूल ऑफ एंटरप्राइज एण्ड एक्सटेंशन (एसईई)

3.3.1 उद्यमिता में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा

निम्समे ने एंटरप्रेन्योरशिप में एक साल का पार्ट टाइम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा लॉन्च किया है। पाठ्यक्रम को तिमाही में विभाजित किया गया है। कार्यक्रम उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित है। कार्यक्रम में जिन अकादमिक विषयों पर चर्चा की गई उनमें अवसर खोज, मूल्यांकन, रचनात्मकता, नवाचार, वित्त, उद्यमिता विपणन, कॉर्पोरेट और उद्यमिता में समकालीन चुनौतियां शामिल हैं । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पहले से ही क्षेत्र में निहित उद्यमियों के साथ-साथ इच्छुक उद्यमियों का भी है ।

चित्र 3.43: उद्यमिता में पीजी डिप्लोमा

अध्ययन द्वारा समर्थित प्रतिभागी यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि बाजार के उद्घाटन को कैसे पहचाना और परिष्कृत किया जाए, विपणन योग्य रणनीतियों का निर्माण और आकलन कैसे किया जाए, वित्तपोषण को कैसे सुरक्षित किया जाए और रणनीतिक साझेदारियों की निगरानी की जाए । उम्मीदवारों ने नेतृत्व, प्रबंधन की मूल बातें, प्राधिकरण, मंशा, प्रेरणा, निर्णय लेने, मानव संसाधन विकास, संघर्ष प्रबंधन, विज्ञापन, विपणन और संगठन को बनाए रखने सहित विभिन्न विचारों पर जानकारी प्राप्त की । इसके अतिरिक्त, उन्हें लेखांकन प्रथाओं और वित्त की आवश्यक जानकारी मिलती है।

3.3.2 उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

निम्समे द्वारा अपने परिसर में 13-17 मई 2019 के दौरान उद्यमिता विकास में एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर, उद्यमिता विकास और नवाचार संस्थान, तमिलनाडु के 10 प्रतिभागी; प्रोफेशनल्स और ट्रेनर्स ने ट्रेनिंग ली।

आदानों के कवरेज में ईएमटी, माइक्रो लैब, बिहेवियरल टेस्ट, ईईटी, एफबीईआई, मार्केट सर्वे, पाठ्यक्रम विकास, प्रशिक्षण के तरीके, बिजनेस प्रस्ताव तैयार करना, मार्केटिंग मैनेजमेंट, ऑर्गनाइजेशन डिवेलपमेंट एण्ड एचआर, फाइनेंशियल प्रैक्टिसेज, लीगल ऑप्शन, तेलंगाना गवर्नमेंट टी-आईपास, एमएसएमई स्कीम्स, मायएमएसएमई एप्स आदि शामिल थे । प्रशिक्षुओं के ज्ञान के आधार को समृद्ध करने के लिए प्रख्यात डोमेन विशेषज्ञों द्वारा विशेषज्ञ वार्ता की व्यवस्था की गई थी ।

चित्र 3.44: उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)

विशेषज्ञों में जिला उद्योग केंद्र , बैंकों के अधिकारी, चार्टेड अकाउंटेंट और सफल उद्यमी शामिल हैं। निम्समे एण्ड रूरल टेक्नोलॉजी पार्क (आरटीपी) में निम्समे एण्ड रूरल टेक्नोलॉजी पार्क (आरटीपी) में आजीविका व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र की औद्योगिक यात्रा को सुगम बनाया गया, जहां प्रतिभागियों ने उद्यमियों के साथ बातचीत की ।

निम्समे ने प्रतिभागियों को पठन सामग्री, एमएसएमई योजनाएँ, केस स्टडीज, नेशनल ईडीपी कैलेंडर, ट्रेनिंग मैनुअल सहित **निम्समे** के प्रकाशन आदि वितरित किए। कार्यक्रम का निर्देशन **निम्समे** के फैकल्टी मेंबर डॉ. आर.एन. श्रीनिवास राव ने किया।

समापन समापन पर 17 तारीख को **निम्समे** के निदेशक (शिक्षाविद) डॉ. अश्विनी गोयल ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ गोयल ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए ज्ञान और कौशल को लागू करने और अभ्यास करने की सलाह दी।

3.3.3 बांस कारीगरों के साथ परस्पर चर्चात्मक कार्यक्रम (इंटरएक्टिव मीट)

तेलंगाना सरकार के उद्यानिकी निदेशक डॉ. श्रीकांत शर्मा ने 28 मई 2019 को तेलंगाना बागवानी प्रशिक्षण संस्थान (टीएचटीआई) में बांस के कारीगरों के साथ परस्पर चर्चात्मक कार्यक्रम (इंटरेक्टिव मीट) का आयोजन किया था। कारीगर ज्यादातर "मेदारी" (महेंद्र) समुदाय के थे।

चित्र 3.45: बांस कारीगरों के साथ परस्पर चर्चात्मक कार्यक्रम

डॉ. शर्मा ने बांस प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्‌यमिता विकास के महत्व पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि **निम्समे** जल्द ही बांस प्रसंस्करण के संबंध में प्रशिक्षण और उद्‌यमिता विकास कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की जाएगी। बागवानी आयुक्त (एफएसी) और राष्ट्रीय बांस मिशन के राज्य मिशन निदेशक श्री एल वेंकटराम रेड्डी ने कहा कि निम्समे को प्रदर्शन उद्देश्य के लिए 1 हेक्टेयर बांस बागान आवंटित किया गया है और जल्द ही राज्य मिशन निम्समे के साथ प्रशिक्षण और अनुसंधान का भी आयोजन करेगा । बागवानी उपनिदेशक श्री.बी. बाबू ने बागवानी के सहायक निदेशक श्री.B धर राव और सुश्री डी विजया लक्ष्मी के साथ बांस प्रसंस्करण की विभिन्न तकनीकें प्रस्तुत की।

श्री सेशगिरी राव, पीवीएस, बांस विशेषज्ञ ने कारीगरों से उनकी जरूरतों, विशेषज्ञता और अपेक्षाओं पर बातचीत की। बांस उद्‌योग से संबंधित श्री विजय और श्री प्रशांत ने कारीगरों की शंकाओं को स्पष्ट किया। मेदारी समुदाय के नेता श्री श्रीनिवास ने व्यापार में विपणन, सब्सिडी और लाभप्रदता के संबंध में समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला । सदन ने बांस के उत्पादों के लिए विशेष रूप से बांस प्लाजा (बाजार यार्ड) शुरू करने और प्लास्टिक की जगह डिजिटल अभियान (बांस डूट/बांस मित्र) के माध्यम से बांस के उपयोग को बढ़ावा देने का सुझाव दिया, जो पर्यावरण संबंधी चिंताओं में भी मदद करता है । जीएचएमसी की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री राधा रानी ने कहा कि उन्होंने मेदरी समुदाय के 16 समूहों का गठन किया है, जिसमें लगभग 200 परिवार शामिल हैं, जो मुख्य रूप से बांस आधारित गतिविधियों में लगे हुए हैं ।

निम्समे द्‌वारा मेदारी समुदाय के विकास के लिए एक योजना तैयार की जाएगी और बांस प्रसंस्करण उद्‌यमों के विकास के लिए काम करेंगे, उनकी विभिन्न जरूरतों को पूरा किया जाएगा ।

3.3.4 प्राथमिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

निम्समे ने आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसडीसी) के साथ संयुक्त रूप से 3-15 जून 2019 के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) का आयोजन किया था। एपीएसएसडीसी द्वारा प्रायोजित यह प्रशिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित किया गया।

डॉ. चुक्का कोंडाय्या, विशेष ड्यूटी पर अधिकारी, एपीएसएसडीसी और **निम्समे** के पूर्व महानिदेशक एवं **निम्समे** की पूर्व निदेशक डॉ. सी. रानी ने 3 जून को कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। उन्होंने प्रतिभागियों के लिए उद्यमशीलता प्रेरणा प्रयोगशाला (ईएमटी) का आयोजन किया, जिसने प्रतिभागियों को उपलब्धि प्रेरणा स्तर को बढ़ाने, उद्यमशीलता के गुणों की पहचान करने, जोखिम लेने की क्षमताओं को पहचानने और उद्यमियों के बीच समय प्रबंधन को समझने के कौशल से सुसज्जित किया । प्रतिभागियों ने उद्यमशीलता अभ्यास, खेल, उपकरणों आदि सहित ईएमटी लैब को सीखा और अभ्यास किया । श्री नरेंद्र और श्रीमती फूलनी प्रिया, दोनों कृषि पेशेवरों, कृषि और बागवानी क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के विकास के तरीकों को स्पष्ट किया।

इसके अलावा एमएसएमई-डीआई, हैदराबाद के सहायक निदेशक श्री सुधीर कुमार ने व्यापार के अवसरों की पहचान, उद्यमों और स्थानों के चयन और विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमियों के विकास पर प्रवास किया । पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ सुरेश राठौड़ ने पशुपालन से संबंधित उद्यमों के विकास पर चर्चा की। टीम ने राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी) का दौरा किया, जहां कर्मचारियों ने एक्वा/मत्स्य पालन/झींगा से संबंधित उद्यमों के विकास के बारे में अंतर्दृष्टि दी। श्रीमती अनुपमा, विपणन विशेषज्ञ विपणन रणनीतियों और प्रतियोगिता की समझ के बारे में जानकारी दी।

चित्र 3.46: प्राथमिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

डॉ नूने श्रीनिवास राव, संकाय सदस्य, देखें प्राथमिक क्षेत्र के संबंध में उद्यमिता, बाजार सर्वेक्षण पर चर्चा की। श्री ए.एन.वी. सुब्बा राव, एसबीआईएलडी, मछलीपट्टनम ने विश्वसनीय परियोजना तैयार करने के बारे में बताया। एसईएम के फैकल्टी मेंबर डॉ. ई. विजया ने जीएसटी पर जानकारी दी। एसईडी के संकाय सदस्य श्री केएस पी गौड़ ने क्लस्टर विकास और केवीआईसी कार्यक्रमों के बारे में बताया। श्रीमती वी स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य , एसईएम ने आईएसओ मानकों और बौद्धिक संपदा अधिकार पर चर्चा की । श्री जे कोटेश्वर राव, सह-संकाय सदस्य , एसईडी ने एमएसएमई के लिए पीएमईजीपी योजनाओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं की गणना की। विभिन्न वास्तविक समय उद्यमों पर प्रथम हाथ ज्ञान की सुविधा के लिए आरटीपी-एनआईआरडी, प्रबंधन, राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और प्रबंधन अकादमी (नार्म) और पोल्ट्री अनुसंधान निदेशालय के लिए यात्राओं की व्यवस्था की गई थी । डॉ. नूने श्रीनिवास राव व डॉ श्रीकांत शर्मा के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ हुआ।

3.3.5 निम्समे संकाय की विदेशी यात्राएं/क्षमता निर्माण

स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड एक्सटेंशन के सह-संकाय सदस्य डॉ श्रीकांत शर्मा ने 02 से 13 जुलाई 2019 तक "लघु और मध्यम उद्योग के विकास को बढ़ाने पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लेने के लिए सुराबाया, इंडोनेशिया का दौरा किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कोलंबो योजना के सदस्य देशों के प्रतिभागियों को लघु और मध्यम उद्योगों (एसएमआई) के विकास को बढ़ाने के लिए प्रासंगिक दृष्टिकोण और ज्ञान को अद्यतन करने का अवसर प्रदान करना था, विशेष रूप से इंडोनेशिया में स्मिया के, नीति, सेवाओं और सहयोग से इनफील्ड प्रथाओं और लघु और मध्यम उद्योगों के अनुभवों के लिए । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इंडोनेशिया गणराज्य के राज्य सचिवालय मंत्रालय के समन्वय से इंडोनेशिया गणराज्य के उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था । इंडोनेशिया में लघु और मध्यम उद्योगों के विकास को समझने के लिए कई सत्र और दौरे हुए ।

मूल्यांकन के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों को चार समूहों में बांटा गया और डॉ श्रीकांत शर्मा को ग्रुप लीडर बनाया गया और उनके ग्रुप को बेस्ट ग्रुप का पुरस्कार दिया गया । व्यक्तिगत रूप से उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम में सबसे अधिक सहभागी और इंटरैक्टिव प्रतिभागी के रूप में स्वीकार किया गया था।

3.3.6 सिंगरेनी कोलियरियों की महिला उद्यमियों के लिए उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (कौशल विकास कार्यक्रम)

निम्समे के उद्यमिता और विस्तार स्कूल (सीईई) ने रामागुंडम और मनुगुरु क्षेत्रों की 20 संभावित महिला उद्यमियों और पांच सिंगरेनी सेवा समिति के कर्मचारियों के लिए **निम्समे** परिसर में 8-12 जुलाई 2019 के दौरान एक सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) आयोजित किया। कार्यक्रम में

सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, सिंगरेनी सेवा समिति और सिंगरेनी कर्मचारी वाइव्स एसोसिएशन (सेवा) द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री चंद्र शेखर, निदेशक (एचओडी) सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड ने किया। श्री महेश, प्रो. एससीसी, डॉ. नूने श्रीनिवास राव, कार्यक्रम निदेशक और संकाय, सीई और एफएम, जी सुदर्शन ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान संकाय ने उद्यमिता व्यवहार पहलुओं, विचार सृजन, बाजार सर्वेक्षण, बाजार-तकनीकी-वित्तीय व्यवहार्यता, उद्यम पंजीकरण, सांविधिक कानूनी अनुपालन, टीएस-अंडरपास, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने, बैंकों से वित्त पर ज्ञान, एमएसएमई योजनाएं, उद्योग आधार, उद्यम प्रबंधन और विकास पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया । इसके अलावा टीम ने पोचमपल्ली टेक्सटाइल पार्क का दौरा किया और वहां के उद्यमियों से बातचीत की।

चित्र 3.47: सिंगरेनी कोलियरियों की महिला उद्यमियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम

उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 12 जुलाई 2019 को किया गया था और श्री महेश, पीआरओ और प्रजाकवि श्री. जयराज ने अतिथियों को बुझाया जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में निम्समे संकाय सदस्य डॉ. नूने श्रीनिवास राव और मिस्टर जी सुदर्शन ने भी हिस्सा लिया।

3.3.7 कृषि आधारित उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम

आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रायोजित कृषि आधारित उद्यमिता विकास नामक तीन सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 सितंबर से 4 अक्टूबर 2019 तक कार्यक्रम निदेशक डॉ एन. श्रीनिवास राव, संकाय सदस्य, उ. एवं विस्तार स्कूल और डॉ. श्रीकांत शर्मा, सह-संकाय सदस्य , सीई द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 30 कार्यक्रम में कृषि और कृषि इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों से भाग लिया ।

कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद एक उद्यमिता प्रेरणा प्रशिक्षण (ईएमटी) सत्र आयोजित किया गया। इसके बाद कृषि आधारित उद्यमों की स्थापना पर तकनीकी सत्र हुए। इस कार्यक्रम में उद्यम की स्थापना के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (बौद्धिक संपदा अधिकार) पहलुओं सहित तकनीकी, विपणन, वित्त और कानूनी पहलुओं पर विस्तृत सत्र शामिल थे । नए और मौजूदा उद्यमों को समर्थन देने के लिए सरकारी योजनाओं पर विशेषज्ञों ने काफी विस्तार से चर्चा की । प्रतिभागियों को सीएसआईआर-सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएफटीआरआई), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एण्ड पंचायती राज (एनआईआरडी एण्ड पीआर), इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशियन इंफॉर्मेशन सर्विसेज (आईएनसीओआईएस), सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसनल एण्ड एरोमेटिक प्लांट्स (सीआईएमएपी), हिटेक्स और प्रदर्शनियों का भी दौरा करने का अवसर मिला । कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने अपनी व्यावसायिक योजना पर व्यक्तिगत और सामूहिक प्रस्तुति की जिस पर उनका मूल्यांकन किया गया ।

04 अक्टूबर 2019 को आयोजित समापन समारोह पर प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में संतोष व्यक्त किया और इसे अत्यधिक उपयोगी और समृद्ध आंका। प्रमाण पत्र का वितरण एफएम डॉ दिब्येन्दु चौधरी और डॉ श्रीकांत शर्मा ने किया। डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने प्रतिभागियों को सलाह देते हुए अपना व्यवसाय शुरू करने और सफल उद्यमी के रूप में निम्समे का दौरा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन डॉ श्रीकांत शर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ जिसमें उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रायोजित करने और अपना पूरा सहयोग प्रदान करने के लिए कृषि के डीन (एफएसी) डॉ एसआर कोटेश्वर राव को विशेष धन्यवाद दिया ।

चित्र 3.48: कृषि आधारित उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम

3.3.8 कृषि और खाद्य उद्यमों की योजना और संवर्धन

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति हब द्वारा प्रायोजित कृषि और खाद्य उद्यमों की योजना और संवर्धन पर 25 से 29 नवंबर 2019 तक मौजूदा और संभावित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कृषि उद्यमियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सह-संकाय सदस्य डॉ. श्रीकांत शर्मा द्वारा निर्देशित कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफएम की डॉ ई विजया के साथ कार्यक्रम निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों ने उद्यमिता प्रेरणा प्रशिक्षण, एक नया कृषि व्यवसाय उद्यम शुरू करने, उधयोग आधार पंजीकरण और टीएस-आईपीएस/टी-प्राइड, एमएसएमई के लिए जीएसटी निहितार्थ, पीएमईजीपी योजना, खाद्य प्रसंस्करण और संस्थागत सहायता और कृषि उद्यमिता के लिए वित्तीय प्रबंधन पर सत्र ों का आयोजन किया । अध्ययन यात्रा के एक भाग के रूप में प्रतिभागियों को हाइटेक्स प्रदर्शनी मैदान में आयोजित पोल्ट्री इंडिया 2019 प्रदर्शनी (पोल्ट्री फार्मिंग उपकरण और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए एशिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पोल्ट्री प्रदर्शनी) में ले जाया गया।

चित्र 3.49: कृषि एवं खाद्य उद्यमों की योजना एवं संवर्धन का समापन

समापन 29 नवंबर 2019 को आयोजित किया गया था जिसके दौरान प्रतिभागियों ने अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने में अपनी प्रतिक्रिया और रुचि साझा की। प्रमाण पत्रों का वितरण डॉ श्रीकांत शर्मा ने किया।

3.3.9 खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए रणनीतियाँ

25 से 29 नवंबर 2019 तक खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए रणनीतियों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का निर्देशन सह-संकाय सदस्य डॉ श्रीकांत शर्मा ने किया राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति हब द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया और 2 प्रतिभागियों को स्ववित्तपोषित किया गया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन एफएम डॉ. श्रीकांत शर्मा और डॉ. ई विजया ने किया। - लेक्चर और केस स्टडी दोनों विधि से ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्यम, संस्थागत सहायता, उद्योग आधार पंजीकरण और टीएस-1 पास/टी-प्राइड, वित्त और जीएसटी, पीएमईजीपी आदि को शुरू करने के विषयों को शामिल किया गया था । फील्ड विजिट के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों ने हितेक्स में आयोजित पोल्ट्री इंडिया 2019 प्रदर्शनी का अवलोकन किया। (व्यावहारिक सीखने और नेटवर्किंग कौशल पैदा करने के लिए पोल्ट्री फार्मिंग उपकरण और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिए एशिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पोल्ट्री प्रदर्शनी) ।

चित्र 3.50: खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास के लिए रणनीतियों का समापन

समापन 29 नवंबर 2019 को हुआ। भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए और फीडबैक एकत्र किया गया। प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के खाद्य प्रसंस्करण उद्यम शुरू करने के लिए उत्साह व्यक्त किया और संकाय को प्रदान की गई प्रेरणा और प्रशिक्षण के लिए धन्यवाद दिया ।

3.3.10 कौशल विकास कार्यक्रम डीएसटी-निमाट द्वारा प्रायोजित

रोजगार चाहने वालों को जॉब प्रोवाइडर्स में बदलने के मकसद से हैदराबाद में उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) शुरू किया गया था । कार्यक्रम में विभिन्न पृष्ठभूमि के कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम निदेशक श्री जी सुधाकर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रशिक्षण का अवलोकन प्रस्तुत किया।

इसमें शामिल विषय थे: उद्यम की स्थापना कैसे करें, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, व्यापार पंजीकरण, आयात और निर्यात दस्तावेज और परियोजना की मार्केटिंग कैसे तैयार करें। व्यावहारिक एक्सपोजर प्रदान करने के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों को एनआईआरडी हैदराबाद (राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान) की यात्रा पर ले जाया गया था।

समापन 7 दिसंबर 2019 को हुआ था। भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए गए और फीडबैक एकत्र किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्रदान करने और उद्यम स्थापित करने में ज्ञान साझा करने के लिए आभार व्यक्त किया ।

3.3.11 चिराला में संकाय विकास कार्यक्रम

उद्यमिता और विस्तार स्कूल विभाग ने सेंट एन्स, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी में 25 नवंबर से 7 दिसंबर 2019 तक चिराला और उसके आसपास इंजीनियरिंग कॉलेजों के संकायों के लिए उद्यमिता विकास पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ एसपी रवि कुमार थे। अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि उद्यमिता विकास पर इस संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का उद्देश्य शिक्षकों को कौशल और ज्ञान से लैस करना है जो छात्रों में उद्यमशीलता मूल्यों को जागृत करने और उद्यमशीलता कैरियर की दिशा में उनकी प्रगति की निगरानी के लिए आवश्यक हैं ।

3.3.12 अमरावती में कौशल विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान **निम्समे** की ओर से 2-30 दिसंबर 2019 तक केएलईएफ (कोनेरू लक्ष्मीमाय्या एजुकेशन फाउंडेशन- केएलईएफ, केएल यूनिवर्सिटी) अमरावती, एपी में डीएसटी निमाट-ईडीआईआई परियोजना के तहत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित 4 सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आयोजन किया। कार्यक्रम निदेशक डॉ श्रीकांत शर्मा, सह-संकाय सदस्य , सी और सुश्री हटकर श्रीलता, सलाहकार कार्यक्रम समन्वयक थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री के.एल. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आर.पी.एल. कंठम ने दीप प्रज्ज्वलित किया। उनके साथ श्री डी.पी.एस. राजू निदेशक (विकास), श्री सेंटर फॉर इन्नवेशन, इनक्यूबेशन एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईआईई) के एसोसिएट डीन डॉ. के राज शेखर, सीआईआईई के स्थानीय समन्वयक डॉ. के. राघव राव प्रमुख एनं श्री आर. नाग राजेश जूनियर कंसल्टेंट, **निम्समे** भी उनके साथ थे।

उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया और भारत सरकार को अपना सहयोग देने के लिए **निम्समे** और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) सरकार का आभार व्यक्त किया । उन्होंने प्रतिभागियों से नौकरी चाहने वालों के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनने का आग्रह किया ।

4 सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान जिन विषयों पर कार्रवाई की गई, वे थे- एक उद्यमी होने के आकर्षण, उद्यमी दक्षताओं का विकास (उपलब्धि प्रेरणा प्रशिक्षण), भावी और अभ्यास करने वाले उद्यमियों के लिए संस्थागत सहायता और योजनाएं, यूएएम (उद्योग आधार ज्ञापन) पंजीकरण, राज्य सरकार उद्योग विभाग प्रोत्साहन नीति, व्यापार के अवसरों की पहचान कैसे करें, चयन के मापदंड, सूचना के स्रोत, व्यापार योजना तैयार करना , मार्केट सर्वे, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बौद्धिक संपदा अधिकार , कॉपी

राइट्स, ट्रेड मार्क, किसी एंटरप्राइज (फर्म रजिस्ट्रेशन, फैक्ट्री एक्ट, पीएफ, लेबर लॉ आदि) में कानूनी औपचारिकताएं, विश्वसनीय प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना। यह सत्र प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लिए गए थे।

समापन समारोह 30 दिसंबर 2019 को आयोजित किया गया था, विश्वविद्यालय के निदेशक संचालन श्री डी.पी.एस. वर्मा मुख्य अतिथि थे। प्रतिभागियों ने अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और उद्यमिता पर प्रशिक्षण देने के लिए एनआई-एमएसएमई, डीएसटी, भारत सरकार को हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया जो अपने स्वयं के सफल उद्यम शुरू करने की दिशा में सहायक होगा । प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

3.3.13 हैदराबाद में संकाय विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), यूसुफगुडा की ओर से 06-18 जनवरी 2020 के दौरान संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वित्त वर्ष 2019-20 के लिए डीएसटी निमाट-ईडीआईआई परियोजना के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित किया गया था । डॉ श्रीकांत शर्मा सह-संकाय सदस्य सी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यक्रम निदेशक और सुश्री श्रीलता समन्वयक थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों के 23 संकायों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ श्रीकांत शर्मा सह-संकाय सदस्य सी ने संकाय विकास कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) को अपना समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया ।

निम्नलिखित सामग्री प्रशिक्षण कार्यक्रम यानी उद्यमिता को बढ़ावा देने में डीएसटी के उभरते रुझान और भूमिका, एस एण्ड टी. लक्ष्य समूहों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम विकास, व्यापार अवसर पहचान और मार्गदर्शन, रचनात्मकता और समस्या समाधान, बाजार सर्वेक्षण: महत्व, उपकरण और तकनीक, उद्यमी चयन, एमएसएमई संस्थागत सहायता (जिला उद्योग केंद्र , एमएसएमई-डीआई, एनएसआईसी, केवीआईसी और **निम्समे** जैसी सहायक एजेंसियों की भूमिका), अवसर व्यापार पहचान और मार्गदर्शन, एमएसएमई योजनाएं, आर एण्ड डी आर व्यावसायीकरण, उद्यमिता को बढ़ावा देना: भूमिका, कार्य और चुनौतियां, कौशल एक प्रभावी होने के लिए आवश्यक है, व्यापार योजना की तैयारी, वित्त स्रोत : वेंचर कैपिटल, वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता और महत्व, बीईपी, कार्यशील पूंजी मूल्यांकन, बौद्धिक संपदा अधिकार और पेटेंट पंजीकरण का महत्व, और सलाह ।

कार्यक्रम निर्देशक ने इन शोध संस्थान की उद्‌यमिता विकास प्रक्रिया को समझने के लिए सीएसआईआर (सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी) और एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एण्ड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई) की फील्ड ट्रिप की व्यवस्था की ।

समापन समारोह के दौरान डॉ दिब्येन्दु चौधरी, एफ.एम और श्रीकांत वी महा मुख्य अतिथि थे। प्रतिभागियों ने अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी और भारत सरकार के नी-एमएसएमई, डीएसटी, धन्यवाद व्यक्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम निदेशक ने उद्‌यमी सृजन के अपने भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की ।

चित्र 3.51: हैदराबाद में संकाय विकास कार्यक्रम

3.3.14 विशाखापत्तनम में संकाय विकास कार्यक्रम

आंध्र प्रदेश में विग्नन के सूचना प्रौद्‌योगिकी संस्थान (वीआईटी), विशाखापट्टनम में संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन 10.02.2020 से 22.02.2020 के दौरान **निम्समे** की ओर से किया गया। यह कार्यक्रम वित्त वर्ष 2019-20 के लिए डीएसटी निमाट-ईडीआईआई परियोजना के तहत विज्ञान और

प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित किया गया था । डॉ. श्रीकांत शर्मा सह-संकाय सदस्य सी कार्यक्रम निदेशक थे और सुश्री श्रीलता इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक थे।

कार्यक्रम का उदघाटन संस्थान के डॉ.बी. अरुंधति प्राचार्य, डॉ. वी मधुसुधनराव रेक्टर के साथ वी.आई.टी. में संकाय विकास कार्यक्रम के लिए डॉ मुरली कृष्ण सीनियर फैकल्टी, मैनेजमेंट डिपार्टमेंट एण्ड प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, वीआईआईटी (इनक्यूबेशन एण्ड एमएसएमई) की सुश्री नागा ज्योतिथी और **निम्समे** की ओर से सुश्री पद्मजा ने उदघाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया ।

संकाय विकास कार्यक्रम (संकाय विकास कार्यक्रम) का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय को कौशल और ज्ञान से लैस करना है जो सफल उद्यमशीलता कैरियर की दिशा में मार्गदर्शन और उनकी प्रगति की निगरानी करने वाले छात्रों के बीच उद्यमशीलता मूल्यों को जागृत करने के लिए आवश्यक हैं ।

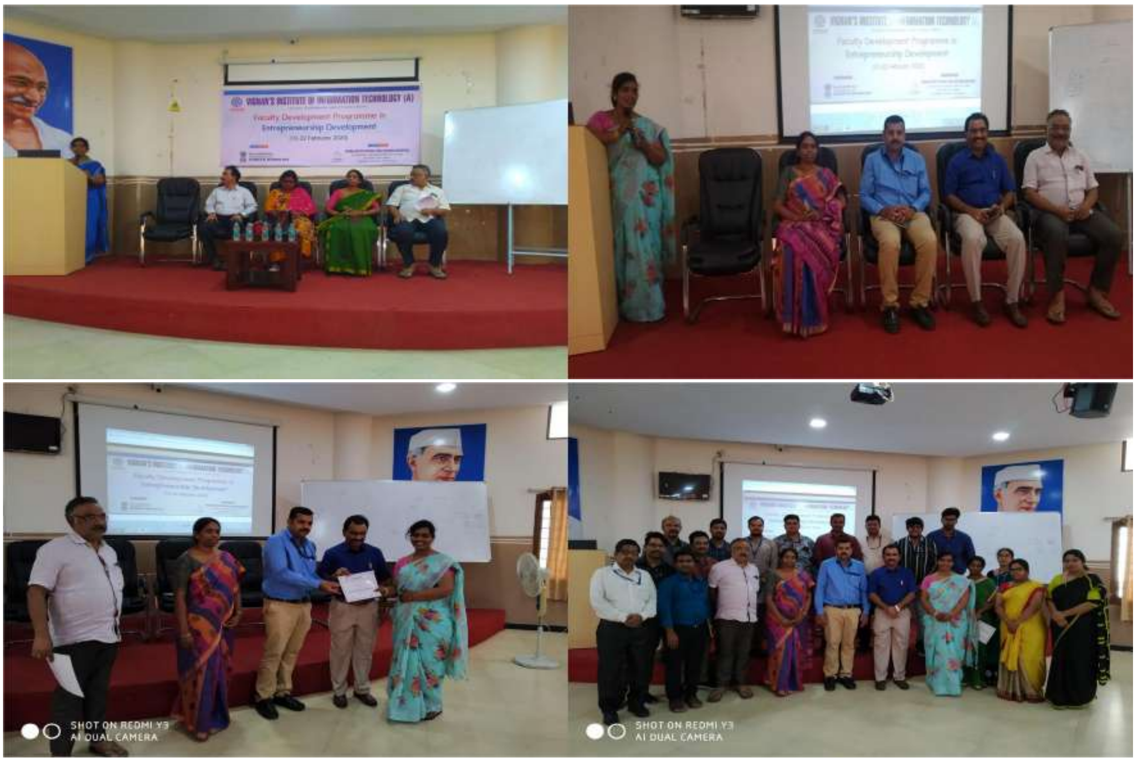

चित्र 3.52 विशाखापत्तनम में संकाय विकास कार्यक्रम

इस संकाय विकास कार्यक्रम सत्रों में शिक्षा में उद्यमिता, उद्यमिता को बढ़ावा देने में डीएसटी के उभरते रुझानों और भूमिका, एस एण्ड टी लक्ष्य समूहों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम विकास, व्यापार अवसर पहचान और मार्गदर्शन, रचनात्मकता और समस्या समाधान, बाजार सर्वेक्षण: आवश्यकता महत्व, उपकरण और तकनीक, उद्यमी चयन, एमएसएमई संस्थागत समर्थन (जिला उद्योग केंद्र, एमएसएमई-डीआई, एनएसआईसी, केवीआईसी और **निम्समे** जैसी सहायक एजेंसियों की भूमिका) पर

वितरित किए गए। व्यापार अवसर पहचान और मार्गदर्शन, एमएसएमई योजनाएं, व्यावसायीकरण के लिए प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास संस्थान, नए उद्यमों की स्थापना के लिए ऋण की मंजूरी प्रक्रिया को समझने के लिए बैंकरों के साथ बातचीत, उद्यमिता को बढ़ावा देना: भूमिका, कार्य और चुनौतियां, एक प्रभावी उद्यमिता ट्रेनर-प्रेरक होने के लिए आवश्यक कौशल, व्यापार योजना कैसे तैयार करें, बिजनेस प्लान: परियोजना की लागत और वित्त के साधन, छोटे व्यवसाय में विपणन प्रबंधन, पर इनपुट: पर्यावरण/प्रदूषण नियंत्रण/ऊर्जा बचत/गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, धन के स्रोत: वेंचर कैपिटल, वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता और महत्व, बीईपी, कार्यशील पूंजी मूल्यांकन, बौद्धिक संपदा अधिकार का महत्व और पेटेंट पंजीकरण, पाठ्यक्रम विकास । कार्यक्रम समन्वयक ने प्रतिभागियों के लिए फील्ड ट्रिप की व्यवस्था की और विशाखापत्तनम इंडस्ट्रियल एस्टेट में सफल उद्यमियों के साथ बातचीत की ।

समापन पर संस्था के प्राचार्य, रेक्टर व कार्यक्रम समन्वयक श्री आर नागा राजेश जूनियर कंसल्टेंट निम्समे ने मंच की अध्यक्षता की। वीआईआईटी के प्रिंसिपल और रेक्टर और सभी कार्यक्रम प्रतिभागियों ने उद्यमिता पर प्रशिक्षण देने के लिए डीएसटी, निम्समे सरकार को धन्यवाद दिया जो उनके छात्रों को उद्यमिता के प्रति प्रेरित करने में सहायक होगा । कार्यक्रम में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

धन्यवाद ज्ञापन सुश्री नागा ज्योतिका ने दिया और मातृभूमि को सम्मान देते हुए राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

3.3.15 कृषि और खाद्य उद्यमिता को बढ़ावा देने पर (ToT) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

निम्समे में 02 से 06 मार्च-2020 के दौरान एग्रो और फूड एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए (टीओटी) प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में तेलंगाना, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के सात प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सह-संकाय सदस्य के कार्यक्रम निदेशक डॉ श्रीकांत शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागी को संस्थान व कार्यक्रम कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। एक सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्वयं कीमिया (व्यक्तित्व विकास), उद्यमिता जोखिम प्रबंधन, कृषि व्यापार योजना तैयार करने, एमएसएमई योजनाओं, इनक्यूबेशन केंद्र प्रबंधन, और एजीआई इनपुट्स क्षेत्र में व्यापार के अवसरों पर सत्र थे ।
समापन 06 मार्च-2020 को किया गया था जिस दौरान प्रतिभागियों ने फीडबैक सत्र के दौरान कार्यक्रम की सराहना की और अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम निदेशक द्वारा प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चित्र 3.53: कृषि और खाद्य उद्यमिता को बढ़ावा देने के (ToT) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

3.4 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

3.4.1 प्रशिक्षण के बाद प्रतिबिंब

निम्समे के पूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षुओं में से तीन ने निम्समे अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की तुलना में अपने विचार और भावनाओं को साझा किया ।

चित्र 3.54: प्रशिक्षण के बाद प्रतिबिंब

सीबीएएलओ 2017 (4 सितंबर से 27 अक्टूबर) बैच में भाग लेने वाली युगांडा की लडिया नाकायिमा कहती हैं- मैं राष्ट्रपति के भाषण की लेखिका हूं और मैं बच्चों को जुटाने वाले गांवों में सामुदायिक काम भी करती हूं । लेकिन ज्यादातर आजीविका के लिए, मैं महिलाओं के साथ काम करते हैं । भारत में सीबीएएलओ प्रशिक्षण ने मुझे आजीविका के वैकल्पिक साधनों की पहचान करने का अवसर दिया; और पहली बात मैं लागू एक मधुमक्खी परियोजना थी । मेरे आठ पित्ती पहले से ही उपनिवेश हैं।

मैं अपनी तीन एकड़ जमीन को पर्माकल्चर फूड फॉरेस्ट में बदलने के लिए 5 साल की योजना पर काम कर रहा हूं । मैं अपने चिकन परियोजना के पूरक के लिए केले और मक्का के एक एकड़ लगाया... । ब्रॉयलर्स और इंद्रधनुष चिकन पालन, हालांकि छोटे पैमाने पर, और भी मेरे 3 एकड़ भूमि पर खरगोश गुणा में वेंचुरिंग । पिछले महीने मैं लकड़ी का कोयला ईट जिसमें से मैं दैनिक आय हो रही है बनाने पर शुरू कर दिया । फिर भी मैं बारिश के मौसम के कारण बाजार को संतुष्ट भी नहीं कर सकता । मैं एक लकड़ी का कोयला ईट बनाने की मशीन खरीदने की उंमीद है, मेरे समुदाय में महिलाओं को सशक्त बनाने, लेकिन केवल बाधा ईट मशीन में निवेश है । मधुमक्खियों के लिए, युगांडा में बने जैविक शहद की पैकेजिंग की उम्मीद है। मैं आंख खोलने के अवसर के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं और मैं विशेष रूप से ब्रांडिंग और पैकेजिंग विकल्पों में ऐसे कई और प्रशिक्षण अवसरों का इंतजार कर रहा हूं। इस ट्रेनिंग से मेरी जिंदगी बदल गई है। मैं अब लकड़ी का कोयला, मेरे परिवार के लिए भोजन खरीदते हैं, और मेरे खेत है, जो जल्द ही एक मॉडल केंद्र होगा पर कम शाकनाशी का उपयोग करें ।
धन्यवाद, डॉ विवेक और सीबीएएलओ के लिए आपकी टीम हमेशा मेरी यादों में है और वह महान विरासत है ।

ताजिकिस्तान का मावजुना पीडीएमएसएमई- 2018 (6 अगस्त से 26 अक्टूबर 2018) का भागीदार था। वह कहती हैं- हैलो, मेरे सबसे अच्छे दोस्त विवेक कुमार। मैं फाइनेंस और इकोनॉमिक यूनिवर्सिटी में काम कर रहा हूं। इस प्रशिक्षण ने मुझ पर अच्छा प्रभाव डाला है कि छोटे उद्यमों के उत्पादों के लिए एक परियोजना कैसे बनाई जाए, और भारत में अच्छे व्यवसाय के लिए भी । मैंने सीखा कि अच्छी सैलरी के साथ अलग-अलग कामों के लिए लोगों की पहचान कैसे की जाए। इस गर्मी में मैं आइसक्रीम की बिक्री के लिए एक परियोजना बनाई है। कुछ लोग आइसक्रीम बेचकर अच्छे पैसे पा रहे हैं। हस्तशिल्प द्वारा मेरे दोस्तों और मेरे कुछ पुरुषों के लिए कपड़े बना रहे है जो अनुरोध और भी एक कारखाने के लिए । इससे अच्छा पैसा दिलवाता है। मेरी योजना अलग-अलग सामान के लिए वन-स्टॉप शॉप खोलने की है। मैं उज्बेकिस्तान में अपनी सीमाओं से सामान लाना चाहता हूँ ।

धन्यवाद भारत, धन्यवाद **निम्समे** और **निम्समे** के सभी तरह के लोगों के लिए विशेष रूप से **निम्समे** के अच्छे निर्देशक के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

मॉरीशस के अनंडुन कूथन ने पोम 2018 (12 नवंबर से 21 दिसंबर 2018) बैच में भाग लिया। वह कहती हैं, हम वास्तव में देश भर में गरीबी क्षेत्रों में सहकारी ऋण संघों की स्थापना में लगे हुए हैं । पीओएमई अनुभव के साथ, हम दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को क्रेडिट यूनियनों में एक साथ शामिल होने के लिए संपर्क करने और समझाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं, जो बाद के चरण में, उन्हें अपने सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करने या बढ़ावा देने में आर्थिक रूप से मदद करेगा ।

हम प्रशिक्षण के दौरान हमारे पास जो अनुभव थे, उसे साझा कर रहे हैं, ताकि यहां के लोगों को सूक्ष्म उद्यम गतिविधियों में लिप्त होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जा सके । उम्मीद है कि निकट भविष्य में हम इस मिशन में सफल होंगे ।

जिम्बाब्वे की सुश्री बोटे सारा चैरिटी सीबीएएलओ 2017 (4 सितंबर से 27 अक्टूबर) बैच की प्रतिभागी थीं। वह कहती है: हाय, सर। यहां मंत्रालय में हम महिलाओं को स्वयं सहायता परियोजनाओं में संलग्न करने के लिए लामबंद करने में कामयाब रहे, और सौभाग्य से हम पोशाक बनाने की परियोजना के लिए प्रायोजकों को प्राप्त करने में कामयाब रहे। कुल मिलाकर करीब 15 महिलाएं इसके लिए काम कर रही हैं। वे वर्क-सूट और ड्रेसेस बना रहे हैं।

सिल्वेरा संगठन ने 30 आरा मशीन और 700 मीटर गारमेंट मटेरियल से हमारी मदद की। सबसे पहले, वे कैसे देखा और देखा और आरा मशीनों का उपयोग करने पर प्रशिक्षण से गुजरना। उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए पेशेवर दर्जी को काम पर रखा गया था। महिलाओं ने कपड़े बेचकर अपनी आजीविका में सुधार किया है। वे अब अपने बच्चों को स्कूल भेजने और अपने लिए खाद्य पदार्थ खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं ।

हम अपने प्रशिक्षु पूर्व छात्रों को अपने कार्यक्रम निदेशकों और संकाय के संपर्क में रहने के लिए आमंत्रित करते हैं, और वास्तविक समय परियोजनाओं में प्रशिक्षण अवधारणाओं को लागू करने में अपने अनुभव को हमारे साथ साझा करते हैं ।

3.4.2 कौशल विकास और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

भारत और नेपाल के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के कार्यक्रम निदेशकों और समन्वयकों के लिए 6-12 मई 2019 के दौरान कौशल विकास और उद्यमिता पर एक सप्ताह की क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। भारत, नेपाल आदि में 6 प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 11 प्रतिभागियों ने क्षमता निर्माण प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता निम्समे के निदेशक डॉ संजीव चतुर्वेदी ने की। इस सत्र में विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों ने भाग लिया था ।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ चतुर्वेदी द्वारा दीप प्रज्जवलित करने के साथ हुई, जिसमें विपणन एवं व्यापार विकास निदेशक और कार्यक्रम निदेशक श्री संदीप भटनागर थे; इसमें शामिल होने वाले सह-संकाय सदस्य और कुछ प्रशिक्षुओं में श्री विवेक कुमार शामिल हुए। संस्थान का संक्षिप्त परिचय और कार्यक्रम

का पालन किया गया। श्री विवेक कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों, पाठ्यक्रम सामग्री और कार्यक्रम की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम से उम्मीद करते हुए नेपाल में स्थित एसओएस प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक श्री थुप्टन सम्फेल ने कहा, मैं अपनी योग्यता का निर्माण करने की उम्मीद करता हूं ताकि अपने संस्थान के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सर्वोत्तम तरीके से निर्माण और विकास किया जा सके और अपने युवाओं को अधिक आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने के लिए उद्यमिता के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके ।

चित्र 3.55: दीपक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण की रोशनी पर कौशल और उद्यमिता विकास प्रशिक्षण

नई दिल्ली में स्थित कल्पना कार्यक्रम से एक अन्य प्रतिभागी सुश्री तेनजिंग मिगमार ने कहा: "जैसा कि हमारा संगठन ज्यादातर युवाओं के साथ काम करता है, इस प्रशिक्षण से मेरी उम्मीद आज के रोजगार बाजार में आवश्यक विभिन्न रोजगारपरक कौशल को समझने और समान विचारधारा वाले संस्थानों के साथ सहयोग विकसित करने के बारे में जानने के लिए है "

चित्र 3.56: कौशल विकास और उद्यमिता पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के लिए समापन सत्र

तिब्बत से आए प्रशिक्षण समन्वयक श्री थुपटेन रिड्न ने कहा कि इस एक सप्ताह के प्रशिक्षण का उद्देश्य ज्ञान के आधार का विस्तार करना और कौशल विकास और उद्यमिता पर कार्यक्रम निदेशक और समन्वयक के साथ बातचीत को सुगम बनाना था । प्रशिक्षण विचारों को साझा करने और प्रतिभागियों के

बीच अनुभव और सबक का आदान प्रदान के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा । यह भविष्य में बेहतर कार्य संबंध और साझेदारी के लिए विभिन्न संस्थानों के बीच घनिष्ठ संबंध का निर्माण भी करेगा। प्रशिक्षण, यूएसएड द्वारा वित्त पोषित, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के गृह विभाग (डीओएच) के युवा सशक्तिकरण सहायता (हां) अनुभाग के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का हिस्सा है । इस विषय में कौशल विकास कार्यक्रमों के अवलोकन, प्रशिक्षण के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान, स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए परामर्श तकनीकों की पहचान, पास-आउट के साथ अनुवर्ती कार्रवाई, प्रभावी कैरियर पथ के लिए प्रशिक्षुओं को हाथ से पकड़ना, प्रभावी अनुपालन के लिए प्रारूपों/प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं/चेकलिस्ट, मॉडल दिशा-निर्देशों, जीत की स्थिति को अनुकूलित करने के लिए प्रभावी नेटवर्किंग, निगरानी, मूल्यांकन और कौशल विकास गतिविधियों पर प्रगति की निगरानी पर ध्यान केंद्रित किया गया । प्रतिभागियों ने समूह परियोजनाएं भी तैयार कीं: प्रत्येक समूह में दो व्यक्ति।

इस प्रकार अद्वितीय पांच समूह परियोजनाएं बनाई गईं । परियोजना विषय थे: आजीविका विकास के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण; स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी); ट्रेडों का चयन; कार्यान्वयन एजेंसियों की पहचान; और उद्यमिता मॉडल।

हैदराबाद के पुराने शहर में सेटविन के लिए एक्सपोजर विजिट की व्यवस्था की गई थी। सेटविन (ट्विन सिटी में रोजगार संवर्धन और प्रशिक्षण के लिए सोसायटी) तेलंगाना सरकार के स्वामित्व वाला एक संगठन है जो हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में बेरोजगारों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए मामूली शुल्क पर विभिन्न व्यापार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करके है। प्रतिभागियों ने तकनीकी संकाय के साथ, कंप्यूटर लैब से ऑटोमोबाइल मैकेनिक कक्षाओं के रूप में उच्च के रूप में, मेहंदी डिजाइन से फैशन डिजाइनिंग के लिए, एयरलाइन टिकटिंग कोर्स से एसी और प्रशीतन रिपारेक्षण कक्षाओं के लिए बातचीत की ।

उन्हें 1998 में छोड़े गए पोचमपल्ली हैंडलूम पार्क भी ले जाया गया। पोचमपल्ली हैंडलूम पार्क लिमिटेड इकट् ठा साड़ी, फर्निशिंग मटेरियल, सिंगल और डबल बेड शीट्स, टेक्सटाइल फैब्रिक, ड्रेस मटेरियल, असबाब, सिल्क साड़ी, इकट् ठा कपड़े और कई और के बड़े वर्गीकरण के निर्माण, आपूर्ति और व्यापार में लगी हुई है।

यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है जो एक एकीकृत हथकरघा वस्त्र सुविधा है, जिसका पूरा उद्देश्य वस्त्रों में अद्वितीय इकट् ठा तकनीक को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एक ही छत के नीचे हथकरघा से संबंधित सभी सुविधाएं प्रदान करना है । इस पार्क की शुरुआत इकट् ठा बुनाई की कला के निर्माण और समर्थन के उद्देश्य से की गई थी। वस्त्र मंत्रालय, गोल द्वारा समर्थित, तत्कालीन

एपी राज्य सरकार और आईएल एण्ड एफएस-सीडीआई ने कंपनी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उत्पाद फैशनेबल डिजाइनों में उपलब्ध हैं, रंग संयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला में, एक प्रभावशाली रूप, आकर्षक पैटर्न और कई और विशेषताओं के साथ।

इस यात्रा में मुख्य रूप से डिजाइनिंग, टाय एण्ड डाई, बुनाई, मेड-अप, वेयरहाउस, पैकेजिंग, क्वालिटी कंट्रोल आदि विभागों पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने इस पार्क की रीढ़ की हड्डी ाकृत ग्रामीण महिलाओं से भी बेसब्री से बातचीत की।

3.4.3 चरण- I अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उद्घाटन

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज ने 10 अक्टूबर 2019 से अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम-2019 (आईईडीपी) के अपने पहले चरण की मेजबानी की। मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के श्रम एवं रोजगार, कारखानों, महिला एवं बाल कल्याण और कौशल विकास मंत्री श्री चौधरी मल्ला रेड्डी ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।
माननीय मंत्री ने उद्घाटन समारोह की ओर बढ़ने से पहले विकास और समृद्धि का प्रतीक वृक्षारोपण गतिविधि में भाग लिया । यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के तहत प्रायोजित है जो क्षमता निर्माण में भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है।

शिक्षा के क्षेत्र में उद्यमी श्री चौधरी मल्ला रेड्डी ने अपने उद्घाटन भाषण में हैदराबाद में प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह शहर उद्यमिता का बढ़ता हब है और देश में शीर्ष पर खड़ा है। उन्होंने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद रहने और सीखने का अच्छा समय होने की कामना की।

चित्र 3.57: *श्री मल्ला रेड्डी, श्रम एवं रोजगार, कारखाने, महिला एवं बाल कल्याण और कौशल विकास* मंत्री, तेलंगाना सरकार ने उद्घाटन किया।

महानिदेशक श्री डी चंद्र शेखर ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि " निम्समे की ६० वर्षों की यात्रा में १०,० से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रशिक्षण देने का इतिहास रहा है । इस साल हमारे परिसर में आज 31 देशों के लगभग ७० अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी हैं । यह कार्यक्रम विकासशील और अविकसित देशों के लाभ के लिए है। इसका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की समस्याओं का समाधान करना है ।

यह कार्यक्रम 6 सप्ताह में फैले 4 चरणों में निर्धारित किया गया है । चरण-1 के लिए पाठ्यक्रम और कार्यक्रम निदेशक निम्नलिखित हैं:

1. उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण (ईडब्ल्यूई): कार्यक्रम निर्देशक: डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी और श्री जी. सुदर्शन।
2. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (पीडीएमएसईएस) का संवर्धन और विकास: कार्यक्रम निदेशक: श्री जे कोटेश्वर राव और श्रीमती वी स्वप्ना।
3. माइक्रो एंटरप्राइजेज (पीओएमई) को बढ़ावा: कार्यक्रम निदेशक: श्री केएसपी गौड़ और डॉ ई विजया

3.4.4 उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण (ईडब्ल्यूई)

निम्समे में 28 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए 7 अक्टूबर से 15 नवंबर 2019 तक इंटरप्राइजेज (ईवे) के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रतिभागी वित्तीय संस्थानों, वाणिज्यिक बैंकों, सरकारी विभागों और गैर-सरकारी संगठनों से विभिन्न पदों पर काम करने वाले अधिकारी थे, जो अपने देशों में महिलाओं के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम तैयार करने और लागू करने की जिम्मेदारी के साथ थे ।

कार्यक्रम निदेशक डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी और श्री जी सुधाकर ने प्रतिभागियों को लिंग मुद्दों, महिला उद्यमिता, उद्यमिता विकास, महिलाओं के लिए उद्यम, बिजनेस काउंसलिंग, उपलब्धि प्रेरणा प्रशिक्षण, डिजाइनिंग एक पाठ्यक्रम आदि विषयों पर पढ़ाया और प्रशिक्षित किया ।

चित्र 3.58: उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण (ईडब्ल्यूई)

प्रतिभागियों को फील्ड विजिट पर ले जाया गया : इनमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बैंगलोर, इंडस्ट्रियल एण्ड टेक्नोलॉजी ट्रेड सेंटर बैंगलोर, हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड बैंगलोर, एसोसिएशन ऑफ वुमन एंटरप्रेन्योर्स ऑफ कर्नाटक (जाग्रत), मशरूम कल्टीवेशन सेंटर मैसूर, विवेकानंद इंस्टीट्यूट फॉर लीडरशिप डेवलपमेंट (वीआईएलडी) और एसके इंडस्ट्रीज, रुडसेटी, मैसूर, स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन डेवलपमेंट (एसआईयूडी), मैसूर, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सिपेट), मैसूर और कुछ चयनित सूक्ष्म और लघु उद्यम शामिल थे।

ईडब्ल्यूई प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया

म्यांमार से सुश्री विंट थिजार मेंग कहती हैं, "मैंने महिलाओं के जीवन में सुधार करने और सरकारी सहायता हासिल करने के तरीकों के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की । हमें म्यांमार सतत विकास योजना को लागू करने के लिए कुछ बड़ी सलाह मिली । मेरे पास उन प्रोफेसरों की अपूरणीय यादें भी हैं जिन्होंने व्यावहारिक प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण सोच और समाधान सिखाए, निम्समे के सभी कर्मचारी जिन्होंने सभी प्रतिभागियों और प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया । मेरे पास न केवल निम्समे बल्कि सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के कुछ जानकार अनुभव भी हैं ।

म्यांमार से श्रीमती फेयो फ्योथुजार एमजी कहती हैं, "दोनों देशों की संस्कृति समान है और इसलिए मैंने भारतीय समाज में एक दोस्ताना और सुरक्षित माहौल महसूस किया । मैं निम्समे से व्यावहारिक अनुभव पर जोर देते हुए रचनात्मक सोच जैसे कौशल का निर्माण करने की उम्मीद करता हूं। इसके अलावा, यह

दुनिया भर के विभिन्न देशों सहित एक विश्वव्यापी कार्यक्रम भी है। इसलिए, हम अपने संबंधित मातृभूमि से एक दूसरे के साथ ज्ञान और अनुभवों को साझा कर सकते हैं ।

मॉरीशस से श्रीमती बाबूराम लता कहती हैं, " निम्समे के कोर रिसोर्स फैकल्टी के व्याख्यानों में भाग लेना मुझे उद्यमों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित विशिष्ट डोमेन को बेहतर ढंग से समझने और गंभीर रूप से विश्लेषण करने में मदद करने में फायदेमंद रहा है । एक प्रतिभागी के रूप में, मैंने बहुत अधिक आत्मविश्वास प्राप्त किया है जिसने मुझे सार्वजनिक बोलने और प्रस्तुति करने की कला में सुधार करने की अनुमति दी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन ने मुझे प्रेरक, प्रशिक्षक, काउंसलर, तकनीकी सलाहकार और प्रशासक की बहुआयामी भूमिका निभाने की स्थिति में होने का अधिकार दिया है ।

3.4.5 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का संवर्धन और विकास (पीडीएमएसएमई)

निम्समे में 16 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए 7 अक्टूबर से 15 नवंबर 2019 तक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के संवर्धन और विकास पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रतिभागियों में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से संबंधित अधिकारी (मध्य और वरिष्ठ स्तर के प्रबंधक), योजना मंत्रालयों और क्षेत्रीय योजना इकाइयों, सरकारी निगमों, विकास बैंकों आदि के प्रतिनिधि थे ।

चित्र 3.59: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का संवर्धन और विकास (पीडीएमएसएमई)

कार्यक्रम निदेशकों, श्री जे कोटेश्वर राव और श्रीमती वी स्वप्ना ने प्रतिभागियों को अर्थशास्त्र, पारंपरिक उद्योग और ग्रामीण उद्यमों, औद्योगिक बुनियादी ढांचे, संस्थागत सहायता, क्लस्टर विकास और स्वरोजगार संवर्धन, उद्यमिता और विस्तार विधियों, प्रौद्योगिकी, विपणन और गुणवत्ता चेतना, परियोजना व्यवहार्यता और मूल्यांकन तकनीकों के विषयों पर प्रतिभागियों को पढ़ाया और प्रशिक्षित किया।

प्रतिभागियों को इस विषय पर गहन व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए बैंगलोर और मैसूर के अध्ययन दौरे पर ले जाया गया ।

पीडीएमएसएमई प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया

इस कार्यक्रम में सैद्धांतिक पहलुओं के अलावा हमें औद्योगिक अवसरों की पहचान के लिए आवश्यक कौशल के अधिग्रहण के लिए भी उजागर किया गया । हमने यात्राएं की: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी), अटल इनक्यूबेशन सेंटर फॉर सेलुलर एण्ड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, नेटको फार्मा लिमिटेड (फॉर्मूलेशन डिवीजन), विश्वसैरैया इंडस्ट्रियल एण्ड टेक्नोलॉजिकल म्यूजियम, द हेरिटेज सेंटर और एयरोस्पेस म्यूजियम हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड में स्थित ।

हमने केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई-मैसूर) के साथ्विक इंजीनियर्स प्रा, लि. में क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय कॉयर प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईसीटी), एसीई डिजाइनर्स लिमिटेड, एयरोस्पेस स्पेयर पार्ट्स विनिर्माण इकाई का भी दौरा किया ।

हमारी सभी यात्राओं ने हमें विभिन्न औद्योगिक संभावनाओं की पहचान करने में मदद की । हमें यह व्यक्त करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारा भारतीय अनुभव हमारे दिलों में निहित रहेगा और इसे हमारे जीवन के सभी दिनों में संजोए रखेगा ।

3.4.6 माइक्रो एंटरप्राइजेज (पीओएमई) का प्रचार

निम्समे में 29 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए 7 अक्टूबर से 15 नवंबर 2019 तक माइक्रो एंटरप्राइजेज (पीओएमई) को बढ़ावा देने पर अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रतिभागियों में नीति निर्माण, योजना, संवर्धन और सूक्ष्म उद्यमों के विकास और कमजोर वर्गों को समर्पित सरकारी, गैर-सरकारी और स्वैच्छिक संगठनों में आय सृजन गतिविधियों से जुड़े कार्मिक थे ।

कार्यक्रम निदेशक श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ और डॉ ई विजया ने प्रतिभागियों को माइक्रो एंटरप्राइजेज के लिए योजना, सूक्ष्म उद्यमों के लिए सहायता तंत्र, मानव संसाधन विकास, माइक्रो फाइनेंस, उत्पाद व्यवहार्यता अध्ययन, उत्पाद पहचान और उत्पाद प्रोफाइल की तैयारी, परियोजना मूल्यांकन तकनीक आदि विषयों पर पढ़ाया और प्रशिक्षित किया ।

चित्र 3.60: माइक्रो एंटरप्राइजेज का संवर्धन (पीओएमई)

प्रतिभागियों को इस विषय पर गहन व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए बैंगलोर और मैसूर के अध्ययन दौरे पर ले जाया गया। बेंगलुरु में, प्रतिभागियों ने पास्कल ग्लोबल टेक्नोलॉजी सर्विसेज (पीआईएनसी स्क्वायर) का दौरा किया- एक इनक्यूबेशन सेंटर, खादी भवन, कर्नाटक स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (कस्सिया), सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉयर टेक्नोलॉजी और रीजनल डिजाइन एण्ड टेक्निकल डेवलपमेंट सेंटर (आरडीटीडीसी) । प्रतिभागियों ने एनएसआईसी के सहयोग से कसासिया द्वारा आयोजित वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम में भी हिस्सा लिया। मैसूर में प्रतिभागियों ने चन्नापटना स्थित हैंडीक्राफ्ट मेगा पार्क और वुडन क्राफ्ट क्लस्टर, महाजना एजुकेशनल सोसायटी और श्री जयचमराजेंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का दौरा किया । प्रतिभागियों ने विभिन्न लकड़ी के काम करने वाली मशीनों के कामकाज का अवलोकन किया, कच्चे माल, डिजाइन, उत्पादन लागत और लाभ मार्जिन पर कारीगरों के साथ बातचीत की और गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार में प्रौद्योगिकी की भूमिका को समझा ।
प्रतिभागियों ने महाजना एजुकेशनल सोसायटी में अपने शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सामाजिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, पर्यटन और प्रबंधन संकाय के साथ बातचीत की और सामाजिक विकास परियोजनाओं के अलावा "राष्ट्रीय महिला विज्ञान कांग्रेस" में भी भाग लिया जिसमें 150 महिला वैज्ञानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर विचार-विमर्श कर रही थीं ।

उद्यमियों और अधिकारियों के साथ बातचीत ने हमें प्रतिभागी देशों की नीतियों की समीक्षा करने और घर वापस दोहराने में मदद की । हम अपने भारतीय प्रशिक्षण अनुभव के बारे में खुशी और संतुष्टि व्यक्त करते हैं । हम चकित हैं कि भारत अपने मूल्य वर्धित शिल्प उत्पादों को कैसे बढ़ावा देता है और उसका विस्तार करता है । इसके अलावा, क्षेत्र के दौरों ने हमें कारीगरों के सामने आने वाली कठिनाइयों, ताकतों, कमजोरियों और चुनौतियों से अवगत कराया । हम एमएसएमई को भारत सरकार के समर्थन की सराहना करते हैं

3.4.7 चरण-1 के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों की विदाई

अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम, 2019-20 के पहले चरण का समापन 14 नवंबर 2019 को आयोजित किया गया था। पिछले 6 सप्ताह के गहन प्रशिक्षण में 28 देशों के 70 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों

ने भारतीय एमएसएमई अनुभव का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री थे। जी किशन रेड्डी, माननीय गृह राज्य मंत्री और सम्मानित अतिथि श्री थे। हेमेंद्र के शर्मा, निदेशक (डीपीए-2) विदेश मंत्रालय, भारतीय सरकार।

यह विदाई चरण-1 के तीन पाठ्यक्रमों को दी गई थी:

1. उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण (ईडब्ल्यूई): **कार्यक्रम निर्देशक**: डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी और श्री जी सुदर्शन।
2. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (पीडीएमएसईएस) का संवर्धन और विकास: **कार्यक्रम निर्देशक**: श्री जे कोटेश्वर राव और श्रीमती वी स्वप्ना।
3. माइक्रो एंटरप्राइजेज (पीओएमई) को बढ़ावा देना: **कार्यक्रम निदेशक:** श्री केएसपी गौड़ और डॉ ई विजया।

प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए श्री। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के निदेशक (डीपीए-II) हेमेंद्र के शर्मा ने आईटीईसी-भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग की उत्पत्ति पर प्रकाश डाला जो क्षमता निर्माण पर भारत का प्रमुख कार्यक्रम है और वसुधैव कुटुंबकम की तर्ज पर आईटीईसी कार्य और आईईडीपी संभव है । उन्होंने **निम्समे** को विदेश मंत्रालय के योगदान और समर्थन के लिए बधाई दी।

मुख्य अतिथि श्री रेड्डी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को बधाई व्यक्त की और एमएसएमई क्षेत्र के प्रशिक्षण और विकास में अथक प्रयासों के लिए **निम्समे** को बधाई दी। उन्होंने कहा, पिछले 5 वर्षों में विकास के चरण में समुद्र में बदलाव आया है और एमएसएमई क्षेत्र जो जीवंत और गतिशील है, देश की अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से योगदान देने वाले उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में अच्छी प्रगति कर रहा है। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के संबंध में किए गए उपायों की सराहना की जिसमें मुद्रा, विपणन सहायता के लिए पोर्टल और 59 मिनट में 1 करोड़ ऋण स्वीकृत करने वाले नए पोर्टल आदि का उल्लेख किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कौशल बुनियादी शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए और नई शिक्षा नीति इसका सबूत है। उन्होंने अपने व्यवसायों को भारतीय व्यवसायों से जोड़ने के लिए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विकास के सभी पहलुओं में केंद्र सरकार के समर्थन का वादा किया ।

महानिदेशक श्री डी. चंद्र शेखर ने अपने स्वागत भाषण में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के रूप में प्राप्त प्रशिक्षण पर बात की। कक्षा कक्ष सत्र, संयंत्र यात्राओं और अध्ययन यात्राओं में बैंगलोर और मैसूर के लिए उद्यमिता के सभी पहलुओं में अपने ज्ञान को बढ़ाने का उन्होंने सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि लगभग 6 दशकों की अपनी यात्रा के दौरान **निम्समे** ने 143 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 10,132

अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है और भारतीय नागरिकों के लिए 15,800 कार्यक्रमों का आयोजन करके 5,32,000 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है ।

इस विदाई के भाग के रूप में, इथियोपिया से श्री टेशोर गुडिसा डेगू, जाम्बिया से सुश्री नविका कामुंगा और मॉरीशस से श्री महेंद्र राज ने प्राप्त प्रशिक्षण पर अपने छाप साझा किए और विदेश मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया । श्री जी के साथ दिन आगे बढ़ गया। मुख्य अतिथि के रूप में सांस्कृतिक रात्रि के रूप में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी ने शिरकत की।

मंत्री ने **निम्समे** गार्डन में एक पौधा लगाया जो विकास और समृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने प्रदर्शनी के लिए स्थापित स्टालों का अवलोकन किया जिसमें एटीसी योजना के तहत छात्रों द्वारा उनके सीखने से तैयार किए गए लेखों को प्रदर्शित किया गया- प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता। वह छात्रों के लिए सवाल प्रस्तुत करने के लिए उत्सुक था के रूप में वे पाक, फैशन डिजाइनिंग, फोटोग्राफी, आईटी हार्डवेयर, कॉयर से बने शो टुकड़े आदि में अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन किया ।

चित्र 3.61: चरण-1 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने दी विदाई।

संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम 20190-20 के चरण-1 के लिए परिसर में कलांगन में राग, सांस्कृतिक संध्या की एक शाम बचाए गई। शाम को मुख्य अतिथि श्री द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्जवलित कर शोभायात्रा निकाली गई। प्रताप चंद्र सारंगी, माननीय एमएसएमई राज्य मंत्री और श्री हेमेंद्र के शर्मा, निदेशक (डीपीए-2) विदेश मंत्रालय, भारतीय सरकार।

श्री डी. चंद्र शेखर, महानिदेशक, **निम्समे** कार्यक्रम निदेशक, संकाय, कर्मचारी और तीनों कार्यक्रमों के प्रतिभागी हर्षित कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षुओं ने खुशी और उत्साह के साथ भाग लिया, एकल के साथ-साथ समूह प्रदर्शन और अपनी मूल संस्कृति की गतिविधियों को पेश किया । शो के अंत में खुश

प्रतिभागियों ने दोस्ताना माहौल बनाने, स्पष्ट प्रशिक्षण और **निम्समे** में आराम से रहने के लिए महानिदेशक, संकाय और कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

3.4.8 द्वितीय चरण आईईडीपी का उद्घाटन

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज, यूसुफगुडा 4 दिसंबर 2019 से अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम - 2019 (आईईडीपी) का चरण-II शुरू करता है।

मुख्य अतिथि हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के प्रोफेसर एवं डीन डॉ पी ज्योति ने सुबह 11 बजे निम्समे परिसर, यूसुफगुड़ा में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।

कार्यकारी कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) (क्षमता निर्माण में भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम) के तहत प्रायोजित है।
निदेशक (शिक्षाविद) डॉ अश्विनी गोयल ने आईटीईसी के माध्यम से निम्समे के समृद्ध प्रशिक्षण और हैंडहोल्डिंग इतिहास और विदेश मंत्रालय के साथ इसके सहयोग को साझा करते हुए सभा को संबोधित किया । उन्होंने महानिदेशक डी चंद्र शेखर की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उन्हें एडीएमएन आई/सी और फैकल्टी मेंबर और निदेशक (विपणन एवं व्यापार विकास) संदीप भटनागर के साथ सम्मानित किया ।

चित्र 3.62: द्वितीय चरण आईईडीपी का उद्घाटन

मुख्य अतिथि डॉ. पी. ज्योति ने अपने उद्घाटन भाषण में संस्कृत के प्रसिद्ध उद्धरण के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि दीपक की रोशनी का महत्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाना और अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाना है। उन्होंने निम्समे को उन क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बधाई दी जो आज प्रमुखता के हैं । उन्होंने प्रतिभागियों में प्रेरणा स्तर की निरंतरता पर बात की और गति को बनाए रखने के बारे में कुछ सुझाव साझा किए और आगे एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की

आवश्यकता पर जोर दिया जहां प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त ज्ञान को दैनिक जीवन स्थितियों में लागू किया जा सकता है और यह स्वयं छात्रों के लिए एक प्रमुख दूर ले जाएगा ।

उन्होंने छात्रों को हैदराबाद में आराम से रहने और अपने उद्योगों और व्यवसायों को घर वापस मजबूत करने में मदद करने के लिए सफल प्रशिक्षण का अभिवादन करके निष्कर्ष निकाला ।

कार्यक्रम निदेशकों द्वारा एसएमई फाइनेंसिंग-एप्रोच और रणनीतियों के क्षेत्र में 33 देशों के 64 डेलीगेट्स को प्रशिक्षित किया गया: कार्यक्रम निदेशकों द्वारा डॉ ई विजया और डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी और पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन: डॉ दिबायेंदु चौधरी और डॉ श्रीकांत शर्मा ।

3.4.9 नाइजीरिया सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज निम्समे ने 09-14 दिसंबर, 2019 से नाइजीरिया की संघीय सरकार सेव द चिल्ड्रन इंटरनेशनल फॉर नेशनल कैश ट्रांसफर ऑफिस (एनसीटीओ) द्वारा प्रायोजित "बचत, आर्थिक समूह प्रबंधन और सशक्तिकरण पर लाभार्थी क्षमता निर्माण" पर एक प्रशिक्षण सह अध्ययन यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम निदेशक डॉ श्रीकांत शर्मा ने उद्घाटन समारोह के दौरान प्रतिभागियों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में निम्समे के समृद्ध इतिहास के बारे में साझा किया। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम अपनी तरह का एक है, क्योंकि इसका उद्देश्य बचत योजनाओं और समूह जुटाने के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संघीय और राज्य दोनों स्तरों पर एनसीटीओ अधिकारियों की क्षमता को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान एनसीटीओ अधिकारियों को विभिन्न नकद हस्तांतरण कार्यक्रमों के बारे में हितधारकों के नजरिए से बातचीत करने और सीखने का अवसर मिला । उन्होंने नकद अंतरण कार्यक्रम में लाभार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला से पहले अनुभवों से भी सीखा । विशेषज्ञों द्वारा सत्र नए दृष्टिकोण और प्रशासन में तरीकों, ट्रैकिंग और बचत समूहों और उद्यमशीलता कौशल विकास के प्रबंधन जैसे विषयों का पता लगाया । हैदराबाद शहर के दौरे और मनोरंजन पार्क-रामोजी फिल्म सिटी में मजेदार समय के साथ लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) विशेष रूप से महिला बचत समूहों, तेलंगाना सहकारी बैंक, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडीएसी) से मिलने के लिए क्षेत्र का दौरा करने के लिए प्रतिभागियों को लिया गया।

चित्र 3.63: नाइजीरिया सरकार के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण

कार्यक्रम निदेशक डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने 14 दिसंबर 2019 को आयोजित समापन समारोह में प्रमाण पत्र वितरित किए, जिस दौरान प्रतिभागियों ने निम्समे में प्राप्त यादगार समय और आतिथ्य सत्कार के लिए आभार व्यक्त किया। वे भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम और सहयोग करना चाहते थे ।

3.4.10 एसएमई के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीतियां (आईपीएमएसएस)

आईटीईसी के तहत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 27 जनवरी-06 मार्च 2020 के दौरान एसएमई के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीति (आईपीएमएसएस) पर तीसरे चरण का अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 2019-20 आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 17 देशों के कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम निदेशक: डॉ दिबायेंदु चौधरी और श्रीमती स्वप्ना ।

विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित तीसरे चरण के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 29 जनवरी 2020 को न्यू ट्रेनिंग भवन, निम्समे के सभागार में आयोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ रवि कुमार जैन निदेशक सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, हैदराबाद ने मुख्य अतिथि के रूप में की जिसकी अध्यक्षता डी चंद्र शेखर, महानिदेशक (निम्समे) ने की।

सत्रों का संचालन **निम्समे** के संकाय द्वारा और आईपी फर्मों के विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम आईपी फाइलिंग, भौगोलिक संकेत, पौधों की किस्मों, भारत में पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया, आईपी प्रवर्तन और जालसाजी, पेटेंट लैंडस्केपिंग, ट्रेडमार्क फाइलिंग, कॉपीराइट, भारतीय केस स्टडीज आदि पर केंद्रित है । सैद्धांतिक सत्रों के अलावा प्रतिभागियों को हैदराबाद, बंगलोर और

मैसूर स्थानों पर एनआईआरडी, आईआईसीटी, सिल्क बोर्ड, हैंडीक्राफ्ट, सीएफटीआरआई, पीसीटी आदि के औद्योगिक दौरों के बारे में भी बताया गया ।
कार्यक्रम का समापन 5 मार्च 2020 को किया गया था। औपचारिक विदाई के दौरान संबोधित किए गए महानिदेशक **निम्समे** श्री डी. चंद्र शेखर ने प्रतिभागियों को एमएसएमई और आईटीईसी योजना के उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी और प्रशिक्षण को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए प्रतिभागियों को बधाई भी दी। सभी प्रतिभागियों की ओर से सुश्री झिमेना अराया पाटिनो ने परिसर में सुविधाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राप्त जानकारी के बारे में प्रतिक्रिया दी ।

प्रतिभागियों ने परिसर में बुनियादी सुविधाओं, सुविधाओं और संकाय और कार्यकर्ताओं के अथक समर्पण की सराहना की। उन्होंने प्रायोजन के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और संबंधित कार्यक्रम निदेशकों को उनके प्रयासों और ज्ञान साझा करने के लिए धन्यवाद दिया । कार्यक्रम के अंत में महानिदेशक निम्समे और कार्यक्रम निदेशक द्वारा प्रशिक्षण समापन के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

चित्र 3.64: एसएमई के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीतियां (आईपीएमएसएस)

तालिका 1.4: अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सूची

क्र.सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	चरण	प्रतिभागियों की संख्या	अवधि	कार्यक्रम निर्देशक
1	युवा सशक्तिकरण सहायता अनुभाग, गृह विभाग, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के सहयोग से कौशल विकास पर कार्यक्रम अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण	विशेष	11	06 मई से 12 मई 2019	श्री विवेक कुमार
2	उद्यमों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण	चरण-1	28	07 अक्तूबर - 15 नवंबर 2019	डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी और श्री जी. सुदर्शन
3	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का संवर्धन और विकास (पीडीएमएसएमईएस)	चरण-1	14	7 अक्टूबर - 15 नवंबर 2019	श्री जे. कोटेश्वर राव और श्रीमती वी. स्वप्ना
4	सूक्ष्म उद्यमों का संवर्धन (पीओएमई)	चरण-1	28	7 अक्टूबर - 15 नवंबर 2019	श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ और डॉ. ई. विजया
5	पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन (टीएचएम)	चरण-2	34	2 दिसंबर 2019 - 10 जनवरी 2020	डॉ. दिब्येन्दु चौधरी और डॉ. श्रीकांत शर्मा
6	लघु और मध्यम उद्यमों के लिए वितपोषण - दृष्टिकोण और रणनीतियाँ (एसएमईएफएस)	चरण-2	28	2 दिसंबर 2019 - 10 जनवरी 2020	डॉ. ई. विजया और डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी
7	नेशनल कैश ट्रांसफर ऑफिस (एनसीटीओ), नाइजीरिया की संघ सरकार के लिए बचत, आर्थिक समूह प्रबंधन और सशक्तिकरण और सेव दि चिल्ड्रेन इंटरनेशनल पर लाभार्थी की क्षमता निर्माण।	विशेष	14	09 दिसंबर से 14 दिसंबर 2019	डॉ. श्रीकांत शर्मा और डॉ. दिब्येन्दु चौधरी

8	गरीबों के लिए वैकल्पिक आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएएलओ)	चरण-3	28	27 जनवरी - 06 मार्च 2020	डॉ. श्रीकांत शर्मा और श्री जे. कोटेश्वर राव
9	लघु और मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन रणनीतियाँ (आईपीएमएसएस)	चरण-3	27	27 जनवरी - 06 मार्च 2020	डॉ दिब्येन्दु चौधरी और श्रीमती वी स्वप्ना
10	उद्यमिता और कौशल विकास में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी - एसईडी)	चरण-3	29	27 *जनवरी* - 06 *मार्च* 2020	श्री जी. सुदर्शन और श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़
11	लघु और मध्यम उद्यम नीति तथा विकासशील देशों के लिए संस्थागत ढाँचा (एसपीआईडीसी)	विशेष	15	24 फरवरी से 06 मार्च 2020	डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी और डॉ. ई. विजया
		कुल	**256**		

4. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

4.1 नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी)

4.1.1 एमएसएमई क्लस्टर में नरम और कठिन हस्तक्षेप

निम्समे के एनआरसीडी ने एमएसएमई क्लस्टरों के लिए सॉफ्ट और हार्ड इंटरवेंशन के कार्यान्वयन पर एक सप्ताह की अवधि के दो परिसर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए थे । दोनों का निर्देशन निम्समे के एसईडी के फैकल्टी मेंबर श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ ने किया।

पहला कार्यक्रम 11-16 अप्रैल 2019 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसे झारखंड सरकार के मुख्या मंत्री लाघू ईवम कुटीर उद्यमी विकास बोर्ड (एमएमएलईकेवीबी) द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रायोजक संगठन और झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (जेआईआईडीसी) के करीब 20 पदाधिकारी शामिल हुए हैं। इस कार्यक्रम को हस्तक्षेपों के लिए संभावित समूहों की पहचान करने में प्रतिभागियों की मदद करने के लिए तैयार किया गया था, क्लस्टर निदान और नैदानिक अध्ययन रिपोर्ट (डीएसआर) /विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना, विभिन्न हितधारकों की भूमिका को समझना, प्रलेखन और परियोजना समीक्षा सहित परियोजना का कार्यान्वयन और निगरानी करना ।

चित्र 4.1: क्लस्टर के लिए प्रशिक्षण

दूसरा कार्यक्रम 22-26 अप्रैल 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों ने आदिवासी युवा सेवा संघ (आयुष), पालघर, महाराष्ट्र का स्वागत किया। प्रतिभागियों के अनुरोध के अनुसार, कार्यक्रम को फिर से डिजाइन किया गया और कला और शिल्प समूहों के विकास के लिए जानकारी दी गई।

निम्समे के निदेशक डॉ. संजीव चतुर्वेदी ने प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए युवा अधिकारियों को उनकी रुचि के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे नए क्लस्टर शुरू करें और श्री गौड़ और उनकी टीम से मार्गदर्शन लें । प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चित्र 4.2: युवा अधिकारियों को प्रमाण पत्र

बांस के गुच्छों पर डॉ संजीव चतुर्वेदी ने स्पष्टीकरण दिया। डॉ संजीव चतुर्वेदी ने प्रशिक्षणार्थियों को अपने कार्य स्थलों पर यहां प्राप्त जानकारियों को लागू करने का सुझाव दिया। उन्हें बताया कि परिसर में जल्द ही एक बांस केंद्र शुरू किया जाएगा और उन्हें बांस के समूहों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जाएगा। प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम निदेशक का आभार जताया।

4.1.2 वैश्विक व्यापार - महिलाओं की समग्रता

फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने 26 अप्रैल 2019 को हाउस, हैदराबाद में महिलाओं की वैश्विक समग्रता पर एक सम्मेलन का आयोजन किया था। सम्मेलन का फोकस ग्लोबल वैल्यू चेन में महिलाओं की भूमिका और बिजनेस ग्रोथ के लिए तकनीक का लाभ उठाने पर था ।

चित्र 4.3: वैश्विक व्यापार - महिलाओं की समग्रता

डॉ संजीव चतुर्वेदी, निदेशक, **निमस्मे**; सुश्री दीपथी रावला, सीई, हम-हब, तेलंगाना सरकार; और श्री देबाशीष मिश्र, डीजीएम, भारतीय स्टेट बैंक; सीए अरुण लुहारुका, अध्यक्ष, एफटीसीसीआई; और इस अवसर पर एफएटसीसीसीआई के उपाध्यक्ष श्री रमाकांत इनानी अन्य प्रबंध समिति के सदस्यों और कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे।

डॉ संजीव चतुर्वेदी ने उद्यम शुरू करने के लिए महिलाओं की वित्तीय जरूरतों पर विशेष संबोधन दिया। उन्होंने बैंकेबल बिजनेस प्लान तैयार करने पर जोर दिया ताकि बैंकर्स को अपने प्रस्तावित कारोबार के लिए फंड जारी करने के लिए राजी किया जा सके । इसी अवसर पर निम्समे ने एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए सहयोगी गतिविधियों को शुरू करने के लिए एफटीसीसीआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

निम्समे में पीजी डीड कार्यक्रम में ले जा रही मोत्कूर इकत हैंडलूम क्लस्टर, पेम्बर्ती मेटलवेयर क्लस्टर और लीजा गडवाल क्लस्टर और उद्यमियों की महिला कारीगरों ने भी हिस्सा लिया और अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने क्लस्टर महिला कारीगरों/उद्यमियों के साथ बातचीत की और उत्पादन प्रक्रिया, मांग और बिक्री के बारे में पूछताछ की। आगंतुक प्रदर्शित उत्पादों से प्रभावित थे।

4.1.3 नैतिक मूल्यों के संचार की तकनीकों पर कार्यक्रम

निम्समे के एनआरसीडी ने 10-14 जून 2019 के दौरान केवीआईसी के प्रशासनिक सहायकों के लिए नैतिक मूल्यों का संचार करने की तकनीकों पर एक सप्ताह तक चलने वाले परिसर प्रशिक्षण का आयोजन किया था । कार्यक्रम केवीआईसी, मुंबई द्वारा प्रायोजित और श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ द्वारा निर्देशित, श्री एल विजय कुमार और श्री जी राज कुमार, समन्वयकों द्वारा सहायता प्रदान की गई । देश के विभिन्न राज्यों में केवीआईसी कार्यालयों के लगभग 40 अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

उद्घाटन सत्र के दौरान श्री गौड़ ने प्रशिक्षुओं के बैच का स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों, डिजाइन और अपेक्षित परिणाम के साथ-साथ निम्समे की गतिविधियों और परिसर की सुविधाओं को भी रेखांकित किया ।

चित्र 4.4: नैतिक मूल्यों के संचार की तकनीकों पर कार्यक्रम

संसाधन व्यक्तियों और उनके द्वारा चर्चा किए गए विषय इस प्रकार थे । श्री एस राधा कृष्ण, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और फैसिलेटर, कृष अकादमी, हैदराबाद ने संचार विधियों पर जानकारी दी; श्री एचवी रमण मूर्ति, ट्रेनर, फोकस-5, हैदराबाद ने कार्यालय के माहौल में 5S और कैजेन आवेदन को स्पष्ट किया; श्री रामकृष्ण तनिकेला निदेशक-मनोवैज्ञानिक, सकारात्मक प्रबंधन समाधान संस्थान, हैदराबाद ने

कार्यों के समय पर निष्पादन और दैनिक दिनचर्या में तनाव प्रबंधन के लिए समय प्रबंधन के बारे में बताया, केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण नियम 1964 और 1965) पर ध्यान केंद्रित करने वाले वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी श्री रमेश ने उनके सामने आने वाले विभागीय मुद्दों के बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त किया। हैदराबाद स्थित महा लेखाकार (एजी) कार्यालय से श्री रमा नागप्पा राव ने सीसीएस नियमों और आयकर की गणना पर इनपुट दिया। कंसल्टेंट श्री एल विजय कुमार ने एमएस-विंडोज और एमएस-ऑफिस टूल्स और अन्य ऑपरेटिंग सिस्टम के आवेदन के बारे में बताया । श्री विजय कुमार और श्री राज कुमार ने अध्ययन यात्राओं का समन्वय किया और प्रशिक्षुओं के साथ यात्राओं पर गए ।

4.1.4 कॉयर क्लस्टर के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निम्समे के एनआरसीडी ने कॉयर बोर्ड द्वारा प्रायोजित 19-23 जुलाई 2019 के दौरान कॉयर क्लस्टर्स के संवर्धन और विकास पर एक सप्ताह तक चलने वाले परिसर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 57 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें कार्यान्वयन एजेंसियों और तकनीकी एजेंसियों के प्रतिनिधि, क्लस्टर एसपीवी सदस्य, क्लस्टर विकास अधिकारी और कॉयर बोर्ड के नोडल अधिकारी शामिल थे।

कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद एसईडी के कार्यक्रम निदेशक एवं संकाय सदस्य श्री के सूर्यप्रकाश गौड़ ने क्लस्टर विकास रणनीति, लाभार्थियों की पहचान, एसफर्टी के कार्यान्वयन के लिए कार्यप्रणाली और एसफर्टी के दिशा-निर्देशों के महत्व पर चर्चा की। बाद में चेन्नई के मेसर्स आईटीकॉट कंसल्टेंसी एण्ड सर्विसेज लिमिटेड के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट श्री टी शेखर ने क्लस्टर डायग्नोसिस और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के महत्व को समझाया, जहां श्री के सूर्यप्रकाश ने कार्यान्वयन एजेंसी, तकनीकी एजेंसी की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया और एसपीवी के गठन और इसकी जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी । कॉयर बोर्ड के अध्यक्ष के कार्मिक सचिव श्री टी.C मणिकंदन पिल्लई ने कॉयर उत्पादों के लिए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय से बाजार पर कब्जा करने के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी है ।

चित्र 4.5: कॉयर क्लस्टर के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

दूसरे दिन मेसर्स याम प्रशिक्षण के मालिक श्री यतीराज अग्रवाल ने क्लस्टर विजन पर अपने अनुभवों और प्रबुद्ध प्रतिभागियों को साझा किया और क्लस्टर विकास प्रक्रिया में ट्रस्ट बिल्डिंग और टीम निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला । श्री रघुनंदन वी.सी ने एसफर्टी पर विशेष ध्यान देते हुए लेखांकन और बुक कीपिंग की मूल बातों के बारे में बताया है। श्री बी.एन.वी. पार्थसारथी बैंक ऑफ बहरीन के पूर्व बैंक अधिकारी ने केस स्टडीज के साथ वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट पर बात की । श्री टी. शेखर ने निविदा दस्तावेज तैयार करने, निविदाएं आमंत्रित करने, कोटेशन की छानबीन करने और कार्य आदेशों के विस्तार से जारी करने के बारे में विस्तार से बताया है।

तीसरे दिन आईएल एण्ड एफएस क्लस्टर्स इनिशिएटिव्स लिमिटेड के राष्ट्रीय प्रमुख (कौशल) श्री एचके चारी ने व्यापार विकास सेवा प्रदाताओं के महत्व पर चर्चा की और उन्हें क्लस्टर विकास में शामिल किया, जहां राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के संकाय श्री रामचंद्र मूर्ति ने बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्पाद डिजाइन और नए डिजाइनों के विकास के बारे में बताया । कॉयर बोर्ड के उप क्षेत्रीय अधिकारी श्री केशव मूर्ति ने प्रतिभागियों के साथ कॉयर उत्पादों के विपणन पर अपने अनुभव साझा किए हैं। आगे के दिन फोकस-5 के निदेशक श्री एचवी रमण मूर्ति ने उदाहरण लेकर दुबला तरीकों और तकनीकों के साथ गुणवत्ता सुधार के बारे में जानकारी दी है । बौद्धिक संपदा अधिकार विशेषज्ञ श्री विजयभास्कर रेड्डी ने ट्रेड मार्क, डिजाइन और जियोग्राफिकल इंडिकेशन के माध्यम से ब्रांड संरक्षण पर प्रस्तुति दी और प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सवालों में भाग लिया । निम्समे के सलाहकार श्री एल विजय कुमार ने प्रतिभागियों के साथ कॉयर उत्पादों के डिजाइन और IKEA स्टोर में उनकी प्रस्तुति का अवलोकन किया। कार्यक्रम के अंतिम अवसर पर आईटी विशेषज्ञ और उद्यमी श्री शाकिर अली ने सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग पर सोशल नेटवर्किंग और ई-कॉमर्स आदि के माध्यम से उत्पादों को बेचने के बारे में जानकारी दी । कर और जीएसटी विशेषज्ञ श्री एस.एन. पाणिग्रही ने परियोजना प्रबंधन के लिए नेटवर्क

मॉडलों और क्लस्टर हस्तक्षेपों में पालन करने के लिए परियोजना के तरीकों पर भी जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन निदेशक (प्रशासन) श्री गोठ हरिनाथ की उपस्थिति में हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के बारे में खुश महसूस किया और उल्लेख किया कि आदानों से उनके समूहों में क्लस्टर विकास कार्यक्रमों के सुचारू कार्यान्वयन में काफी मदद मिलती है । श्री गोर्थी हरिनाथ ने कॉयर बोर्ड के अधिकारियों और कार्यक्रम निदेशक के.सूर्यप्रकाश के साथ प्रमाण पत्र वितरित किए।

4.1.5 ग्रामीण समूहों के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रामीण समूहों के संवर्धन और देवल ओपमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 - 30 एयूएस झोंका, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। कार्यान्वयन एजेंसियों, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी), क्लस्टर विकास अधिकारियों (सीडीई और महाराष्ट्र बांस विकास बोर्ड के अधिकारियों) के प्रतिनिधियों ने कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को विभिन्न मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं, कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र के लिए हस्तक्षेप करने के लिए संभावित समूहों की पहचान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है । कक्षा आदानों के अलावा प्रतिभागियों ने समूहों का दौरा किया है और लाभार्थियों के साथ बातचीत की है ।

चित्र 4.6: ग्रामीण समूहों के संवर्धन और विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

4.1.6 एमएसईएफसी को देरी से भुगतान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट ऑफ निम्समे ने परिसर में एमएसईएफसी के सदस्यों/अधिकारियों के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यमों को विलंबित भुगतान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम निदेशक, एसईडी के संकाय सदस्य श्री के सूर्यप्रकाश ने देश के विभिन्न राज्यों से 35 प्रतिभागियों का स्वागत किया जो सुविधा परिषद और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी और सदस्य हैं।

चित्र 4.7: एएसईएफसी के लिए देरी से भुगतान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री सुरेश ढोले, सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री कार्यक्रम के लिए डी.C एमएसएमई, नई दिल्ली के उप निदेशक (एमएसएमई नीति) एस एच पीयूष अग्रवाल और श्री एम गोपाला कृष्ण सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता अतिथि वक्ता थे ।
प्रशिक्षण सत्रों के दौरान कानूनी मुद्दों, नीतिगत अधिनियमों, प्रक्रिया संबंधी मुद्दों, एमएसएमई अधिनियमों, हितधारकों को संवेदनशील बनाने और सीपीएसयू और केंद्र सरकार के विभाग/संस्थानों/मध्यस्थता वकीलों आदि, एमएसएमई समाधन मुद्दों, एमएसईएफसी के मसौदा नियमों और फ्रेम कार्य मुद्दों के बारे में विचार-मान किया गया ।

20 सितंबर को आयोजित समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

4.1.7 एमएसएमई क्लस्टरों में बुनियादी ढांचा विकास

निम्समे के नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी) की ओर से **निम्समे** परिसर में 25 से 29 नवंबर, 2019 तक "सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से एमएसएमई क्लस्टरों में बुनियादी ढांचा विकास" पर एक सप्ताह तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम निदेशक, संकाय सदस्य एसईडी श्री के सूर्यप्रकाश ने देश के विभिन्न राज्यों से संबंधित प्रतिभागियों का स्वागत किया और सी.बी.आई.टी इंजीनियरिंग कॉलेज के सहायक प्रोफेसरों से लेकर वानिकी विभाग के अधिकारियों और महाराष्ट्र बैंबू बोर्ड के क्लस्टर प्रतिभागियों तक विभिन्न पदों पर काम किया ।

चित्र 4.8: एमएसएमई क्लस्टरों में बुनियादी ढांचे का विकास

इन-हाउस फैकल्टी के अलावा, गेस्ट स्पीकर्स श्री एस.एन. पाणिग्रही को स्वास्थ्य देखभाल, फार्मा, आईटी आदि के केस स्टडी पर अपने ज्ञान को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था और आई.एल.एफ.एस. संगठन के सलाहकार श्री एचके चारी ने ट्रस्ट बिल्डिंग, कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर की स्थापना और प्रबंधन और प्रक्रियात्मक तरीकों पर बात की ।

प्रशिक्षण में क्लस्टर, अवधारणाओं और क्लस्टर पद्धति के महत्व और समूहों और स्थान की पहचान करने के तरीके जैसे शामिल किए गए हैं जो कारीगरों को लाभ पहुंचाते हैं । कार्यक्रम निदेशक ने विविध एमएसई-सीडीपी योजनाओं के बारे में बताया और एसयूर्टी पर बात की । श्री जी. राज कुमार ने क्लस्टर यात्राओं के बारे में चर्चा की और मोथकुर इकट हथकरघा क्लस्टर और आईकिया शो रूम के लिए एक अध्ययन यात्रा का समन्वय किया । श्री जे कोटेश्वर राव ने एमएसएमई क्लस्टरों के लिए निर्यात अवसरों और व्यापार प्रदाताओं की पहचान तैनाती के बारे में जानकारी दी। एनआरसीडी के श्री एल विजय कुमार और जी राज कुमार ने भी बुनियादी ढांचे के विकास के विभिन्न विषयों पर सत्र हुए ।

समापन 29 नवंबर को किया गया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम समापन प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

4.1.8 विलंबित भुगतान पर कार्यक्रम

निम्समे के नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर क्लस्टर डेवलपमेंट (एनआरसीडी) ने परिसर में एमएसईएफसी के सदस्यों/अधिकारियों के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यमों को विलंबित भुगतान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम निर्देशक एवं एसईडी के संकाय सदस्य श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने देश के विभिन्न राज्यों से 19 प्रतिभागियों का स्वागत किया।

श्री वाई. रंजीत कुमार, उद्योग आयुक्त, गुजरात, श्री सुरेश ढोले, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट, अतिथि विशेषज्ञ, श्री एम गोपाला कृष्ण रिटायर्ड बैंक अधिकारी, एडवोकेट, श्री जी. एस. गिल वरिष्ठ सलाहकार,

श्री एल. विजय कुमार, श्री जी. राजकुमार, कार्यक्रम के उद्घाटन में के.के. बिक्षपति और श्रीमती के निवेदिता मौजूद थीं।

प्रशिक्षण सत्रों के दौरान कानूनी मुद्दों, नीतिगत अधिनियमों, प्रक्रिया संबंधी मुद्दों, एमएसएमई अधिनियमों, हितधारकों को संवेदनशील बनाने और सीपीएसयू और केंद्र सरकार के विभाग/संस्थानों/मध्यस्थता वकीलों आदि के प्रति जागरूकता पैदा करने के पहलुओं, एमएसएमई समाधन मुद्दों, एमएसईएफसी के मसौदा नियमों और फ्रेम कार्य मुद्दों पर कार्रवाई की गई ।

20 दिसंबर को आयोजित समापन समारोह के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चित्र 4.9: विलंबित भुगतान पर कार्यक्रम

4.2 बागवानी क्लस्टरों पर परामर्श कार्यशाला

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी), नई दिल्ली ने 22-23 अप्रैल 2019 के दौरान आयोजित बागवानी क्लस्टर विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय हितधारक परामर्श कार्यशाला के लिए श्री सूर्यप्रकाश गौड़, एफएम, एसईडी और डॉ श्रीकांत शर्मा, सह-संकाय सदस्य , निम्समे के आईईएम को आमंत्रित किया।

चित्र 4.10: बागवानी क्लस्टर पर परामर्श कार्यशाला

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) ने क्लस्टर विकास योजना शुरू करने के लिए केला, आम और अनार नाम की तीन महत्वपूर्ण फसलों की पहचान की है।

एनएचबी देश में बागवानी विकास के लिए काम कर रहा है, जिसमें ज्यादातर व्यक्तिगत किसान को केंद्रित किया गया है । एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय में क्लस्टर विकास दृष्टिकोण की सफलता को देखते हुए एनएचबी ने कृषि में क्लस्टर दृष्टिकोण को लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की नीति, योजनाएं और दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से नई दिल्ली में इस कार्यशाला का आयोजन किया ।

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के प्रबंध निदेशक आईएएस डॉ.M एरिज अहमद ने देश में आम, केला और अनार की खेती में समूहों के विकास की गुंजाइश पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कार्यशाला में आईसीएआर के शोध संस्थानों, कृषि मंत्रालय, राज्य कृषि विभागों, बागवानी के क्षेत्रों में काम करने वाली निजी कंपनियों और विकास एजेंसियों के अधिकारियों ने भाग लिया।

एनडीडीबी, सह्याद्री फार्म, महा अंगूर, तंफ्लोरा आदि समूह बनाकर लाभान्वित होने वाले किसान समूहों की सफलता की कहानियां कार्यशाला में प्रस्तुत की गई। उन्होंने अपने अनुभवों और वैश्विक कारोबार में अपनी यात्रा को भी साझा किया ।

श्री केएसपी गौड़ और डॉ शर्मा ने समूह विकास के पहचान चरण और भ्रूण/संवर्धन चरण और क्लस्टर विकास के जोखिम और शमन रणनीतियों पर समूह चर्चा में भाग लिया । उन्होंने ग्रुप मेंबर्स की ओर से प्रेजेंटेशन भी दिया। इसके अलावा टीम द्वारा फस्ट वाइज क्लस्टर डेवलपमेंट प्लान भी तैयार किया गया। दर्शकों और एनएचबी ने एमएसएमई और निम्समे मंत्रालय द्वारा एमएसएमई क्लस्टर डेवलपमेंट के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने योजना के संबंध में सुझावों और सिफारिशों को शामिल किया।

4.3 स्फूर्ति क्लस्टर की यात्रा

श्री के सूर्यप्रकाश गौड़, संकाय सदस्य (उ.वि. स्कूल) ने 1-4 जुलाई 2019 के दौरान विजयवाड़ा, कोंडापल्ली, पेडाना, राजमंड्री, विजाग और विजयनगरम का दौरा किया ताकि स्फूर्ति कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कार्यान्वयन एजेंसियों, तकनीकी एजेंसियों और एसपीवी सदस्यों की सुविधा प्रदान की जा सके। 1 जुलाई को उन्होंने कोंडापल्ली वुडन टॉयज क्लस्टर के सीडीई और एसपीवी सदस्यों के साथ

परियोजना निदेशक (डीआरडीए) श्री कृष्णा से मुलाकात की और सीएफसी के निर्माण और क्लस्टर के लिए मशीनरी की खरीद की दिशा में एमपीएलएडी फंड के हस्तांतरण पर चर्चा की । उन्होंने सीडीई और एसपीवी को भवन चित्र, मशीनरी विनिर्देश तैयार करने और धन जारी करने के लिए डीआरडीए के सहायक परियोजना प्रबंधक के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया । डीआरडीए के परियोजना निदेशक ने हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया।

2 जुलाई 2019 को, श्री केएसपी गौड़ ने परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के बारे में पेडाना कलमकारी क्लस्टर के एसपीवी सदस्यों के साथ एक बैठक का आयोजन किया। उपस्थित सदस्यों ने उल्लेख किया कि वे अन्य राज्यों से नक़ल स्क्रीन मुद्रित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा, कुछ उद्यमियों/कारीगरों द्वारा रसायनों के उपयोग के कारण प्रदूषण से संबंधित मुद्दों, बाजार से खराब प्रतिक्रिया और कम आदेशों आदि के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं । वे क्लस्टर इकाइयों के लिए आवश्यक कपड़े का उत्पादन करने के लिए पावर करघे के साथ सीएफसी स्थापित करना चाहते थे क्योंकि उनमें से अधिकांश इरोड, सूरत, नागरी से कपड़े खरीद रहे हैं। उन्होंने एसपीवी सदस्यों के साथ सीएफसी के लिए प्रस्तावित स्थल का दौरा किया था। सदस्यों ने परियोजना के त्वरित क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की। एसपीवी ने तकनीकी विशेषज्ञ से परामर्श करने के बाद एक सप्ताह में संशोधित प्रस्ताव भेजने पर सहमति जताई।

3 जुलाई 2019 को, श्री गौड़ ने राजमुंदरी में कॉयर बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया था और क्षेत्रीय अधिकारी और कॉयर उद्यमियों श्री रामचन्द्र राव के साथ प्रस्तावित नई कॉयर परियोजनाओं पर चर्चा की थी। इस दौरान विकासनगरम और चित्तौड़ कॉयर क्लस्टर, अमलापुरम और कदियापुलांका कॉयर क्लस्टर के लिए डीपीआर तैयार करने आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कुछ कॉयर उद्यमियों के लिए एसफर्टी योजना का ब्यौरा दिया।

इसके बाद में उन्होंने कार्यान्वयन एजेंसी के अध्यक्ष श्री राजाबाबू के साथ जोनाडा खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर के प्रस्तावित सीएफसी स्थल का दौरा किया है और कारीगरों के साथ कच्चे माल की खरीद, अचार के उत्पादन और विपणन सहित उनकी व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में बातचीत की है। उन्होंने आईए को सीएफसी ड्राइंग और मशीनरी स्पेसिफिकेशन तैयार करने और टेंडर दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का सुझाव दिया। नरम और कठोर हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना पर कार्यान्वयन एजेंसी के साथ विस्तार से चर्चा की गई ।

आदित्य ग्लोबल बिजनेस इनक्यूबेटर के अनुरोध के अनुसार श्री गौड़ ने सुरमपेलेम स्थित आदित्य शिक्षण संस्थानों का दौरा किया और उपाध्यक्ष एन सतीश रेड्डी और आदित्य ग्लोबल बिजनेस स्कूल के

प्राचार्य डॉ डी आस्था शर्मा से मुलाकात की और क्लस्टर विकास रणनीति, पूर्वी गोदावरी जिले में क्लस्टर के विकास की गुंजाइश पर प्रस्तुति दी और एमएसईसीडीपी और एसफटी नामत क्लस्टर विकास योजनाओं के दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी दी । इस प्रतियोगिता में मैनेजमेंट फैकल्टी और स्टूडेंट्स सहित करीब 40 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

4 जुलाई 2019 को, श्री गौड़ ने विजयनगरम कॉयर क्लस्टर की खरीद समिति की बैठक में कॉयर बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी, एपीआईटीको लिमिटेड के अधिकारियों के साथ भाग लिया। क्रय समिति के सदस्यों ने विजियानगरम कॉयर क्लस्टर के कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का दौरा किया और मशीनरी सप्लायर श्री के साथ मशीनरी फैब्रिकेशन की प्रगति की समीक्षा की। चंदन विश्वकर्मा। उन्होंने सीएफसी स्थान पर आपूर्ति की गई मशीनरी के विरुद्ध निविदा मानकों के अनुसार भुगतान जारी करने के लिए क्रय समिति से अनुरोध किया है। क्रय समिति ने मेसर्स चंदन इंजीनियरिंग वर्क्स को बैलेंस मशीनरी के निर्माण में तेजी लाने और कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के अंदर विभिन्न बिंदुओं तक बॉयलर से पाइप लाइन का काम भी शुरू करने की सलाह दी। बैठक का समापन सीडीई श्री विजया सरधी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

4.4 मोत्कुर इक्कन हैंडलूम क्लस्टर दौरा

यादाद्री भुवनेश्वरी जिले के मोठकुर में मोथकुर इक्कन हैंडलूम क्लस्टर का दौरा 2 जुलाई 2019 को एनआरसीडी, एसईडी के सलाहकार जी राज कुमार ने किया था। एसफर्टी क्लस्टर कार्यान्वयन के संबंध में एक कार्यान्वयन एजेंसी और एसपीवी सदस्यों के साथ एक बैठक बुलाई गई थी।

चित्र 4.11: मोत्कुर इक्कन हैंडलूम क्लस्टर दौरा

अध्यक्ष जे रमैय्या ने संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। एसईईएफ संकाय सदस्य ने कौशल प्रशिक्षण और उत्पादन केंद्र (कॉमन फैसिलिटी सेंटर) का दौरा किया जहां उन्होंने किस्मों के उत्पादन के

बारे में स्पिनरों और बुनकरों से बातचीत की और बिक्री शो रूम में प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया। एसपीवी के अध्यक्ष श्री एम गोवर्धन ने बताया कि उत्पादों की अच्छी मांग है। निदेशक श्री पी. लक्ष्मी नरसैय्या ने प्रबंधक श्री वी नरसैय्या को डिजाइन विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए।

4.5 कॉयर बोर्ड, कोच्चि में परियोजना संचालन समिति की बैठक

कॉयर बोर्ड ने 9 जुलाई 2019 को कॉयर बोर्ड में परियोजना संचालन समिति की बैठक आयोजित की है, जिसमें स्फूर्ति प्रोग्राम के कार्यान्वयन के लिए तकनीकी एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों पर चर्चा की गई है। एक तकनीकी एजेंसी होने के नाते, **निम्समे** प्रस्तावित दो कॉयर क्लस्टर के रूप में, नामत अमलापुरम और कदियापुलांका कॉयर क्लस्टर। **निम्समे** संकाय के श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने एसफर्टी की बैठक में भाग लिया था और क्षेत्रीय अधिकारी श्री रामचन्द्र राव के साथ एसफर्टी प्रस्तावित परियोजनाओं पर प्रस्तुति दी थी। संयुक्त निदेशक श्री कुमारा राजा और श्रीमती अनीता जैकब एम. सचिव ने सीएफसी अवसंरचना के संबंध में सुझाव दिए और तदनुसार डीपीआर को फिर से तैयार करने का सुझाव दिया। बाद में उन्होंने प्रस्तावित कॉयर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में सचिव (कॉयर बोर्ड) और संयुक्त निदेशक श्रीमती अनीता जैकब के साथ चर्चा की। कार्यक्रम डिजाइन, रिसोर्स फैकल्टी, कार्यप्रणाली, ग्रुप डिस्कशन आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। तदनुसार कॉयर बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों और तकनीकी एजेंसियों को सूचित करने के लिए एजेंसियों, क्लस्टर विकास अधिकारियों और एसपीवी सदस्यों और अंय क्लस्टर हितधारकों को लागू करने के लिए संवाद ।

4.6 आंध्र प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

सचिव कॉयर बोर्ड.M, श्री कुमारा राजा ने 16-17 जुलाई 2019 के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य में एसफर्टी के कार्यान्वयन के सिलसिले में विजयवाड़ा का दौरा किया था। 16 जुलाई 2019 को एसफर्टी को लागू करने के लिए नई परियोजनाओं पर चर्चा के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में निम्समे संकाय के अध्यक्ष श्री सूर्यप्रकाश गौड़ ने भाग लिया। बैठक में पूर्वी गोदावरी और पश्चिम गोदावरी जिलों के कॉयर उद्यमी उपस्थित थे और गोदावरी और कोनसीमा कॉयर क्लस्टर के लिए डीपीआर तैयार करने पर चर्चा की। प्रस्तावित अवसंरचना, भूमि की उपलब्धता और एसपीवी अंशदान आदि पर विस्तार से चर्चा की गई और अमलापुरम और कदियापुलांका कॉयर क्लस्टरों के डीपीआर को अंतिम रूप दिया गया।
17 जुलाई 2019 को सचिव कॉयर बोर्ड, राजमुंदरी के क्षेत्रीय अधिकारी, कॉयर उद्यमियों के साथ उद्योग मंत्री.M श्री गाउथम रेड्डी, प्रमुख सचिव (उद्योग) श्री रजत भार्गव और उद्योग आयुक्त श्री सिद्धार्थ जैन ने आंध्र प्रदेश राज्य में सहर क्षेत्र के विकास के लिए गुंजाइश पर एक प्रजेंटेशन दिया। कॉयर बोर्ड के सचिव ने कॉयर उद्योग के विकास के लिए कॉयर बोर्ड के हस्तक्षेप, प्रगति के तहत परियोजनाओं और प्रस्तावित नई परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी । प्रस्तावित नए स्फूर्ति प्रस्तावों जैसे, गोदावरी और

कोनसीमा कॉयर क्लस्टर प्रस्तुत किए गए और राज्य की सिफारिश के लिए अनुरोध किया गया । बाद में सचिव ने आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्य सचिव एल वी सुब्रमण्यम से मुलाकात की और बैठकों के परिणाम का मूल्यांकन किया।

4.7 ओडीओपी का दौरा

उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई एण्ड एक्सपोर्ट प्रमोशन विभाग, ओडीओपी सेल ने उत्तर प्रदेश के दस जिलों के लिए डायग्नोस्टिक स्टडी रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार करने की परियोजना सौंपी है। तदनुसार, श्री एल विजय कुमार, श्री जी राज कुमार, श्री गणेश (सलाहकार) उद्यम विकास स्कूल (एसईटी) के कार्यभार संभाल लिया है।

4.7.1 गोरखपुर, महाराजगंज, आजमगढ़ और प्रयागराज की यात्रा

श्री जी राज कुमार ने गोरखपुर, आजमगढ़, महाराजगंज और प्रयागराज जिलों का दौरा किया। उन्होंने जिलाधिकारियों, उप आयुक्तों, जिला उद्योग केंद्र , लाइन विभाग के अधिकारियों, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं, राज्य पुरस्कार विजेताओं, वरिष्ठ कारीगरों, कारीगरों, कच्चे माल आपूर्तिकर्ताओं और मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं से मुलाकात की । बाद में उन्होंने संबंधित जिलों में कारीगरों के साथ चर्चा की और डीएसआर तैयार करने के लिए आंकड़े/जानकारी एकत्र की ।

चित्र 4.12: गोरखपुर, महाराजगंज, आजमगढ़ और प्रयागराज का दौरा

4.7.2 कालपी (उरई), सुल्तानपुर और रामपुर की यात्रा

निम्समे के एल. विजय कुमार ने उत्तर प्रदेश के उरई, सुल्तानपुर, रामपुर जिलों का दौरा किया। उन्होंने तीनों जिलों में जिलाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र और लाइन विभाग के महाप्रबंधक से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने यूनिट ओनर और कारीगरों के साथ उनकी पारंपरिक उत्पाद उत्पादन प्रक्रिया, कच्चे माल की भीड़, विपणन संपर्कों और अन्य मुद्दों पर बातचीत की । उन्होंने उन्हें ओडीओपी के उपयोग के बारे में जानकारी दी और जिला उद्योग केंद्र केवीआईबी, बैंकर और अन्य विभागों के महाप्रबंधक के साथ सीएफसी स्थापित करने के लिए जानकारी एकत्र की ।

चित्र 4.13: हैंड मेड पेपर - कालपी (ओरई)

चित्र 4.14: मूनज उत्पाद - सुल्तानपुर

चित्र 4.15: मूनज उत्पाद - अमेठी

4.7.3 बुलंद शहर, रामपुर, फर्रूखाबाजद का दौरा :

श्री बी. गणेश ने बुबंधर, रामपुर और फारूकीबाद जिलों का दौरा किया। उन्होंने डीएसआर तैयार करने के लिए आंकड़े और जानकारी एकत्र की और बुबंधर में उधमैम समधाम की बैठक में भाग लिया।

चित्र 4.16: बुबंधर, रामपुर, फारूकी की यात्रा

4.7.4 केवीआईसी के लिए ऑडिट और खातों पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण

संस्थान परिसर में 2 से 4 जनवरी, 2020 के दौरान केवीआईसी के आंतरिक लेखा परीक्षा कर्मियों के लिए लेखा परीक्षा और खातों पर तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। सत्रों में विचार-विमर्श किए गए महत्वपूर्ण विषयों में केवीआईसी में आईएफएमएस कार्यान्वयन, केंद्रीय लेखा निकायों के लिए खातों का एक समान प्रारूप, जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा, सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस), सीसीएस नियम, सामान्य वितीय नियम २०१७, ऑडिट पैरा और इलेक्ट्रॉनिक वातावरण में ऑडिट उत्तरों और आंतरिक लेखा परीक्षा का मसौदा तैयार करने की तकनीक शामिल हैं । इंटरैक्टिव सेशन के अलावा ऑडिट टीम के सहयोग से डायरेक्टर (ऑडिट) श्रीमती गीता वेवर ने आईएफएमएस, पीएफएमएस के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना और केवीआईसी की आईटी टीम द्वारा विकसित वेब पोर्टल के उपयोग पर चर्चा करने के अलावा लंबित यूसी ऑडिट, फाइनेंशियल ऑडिट और ऑडिट पारस की समीक्षा की ।

चित्र 4.17: केवीआईसी के लिए ऑडिट और खातों पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण

4.7.5 एमएसएमई विकास के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण में प्रशिक्षण

जनवरी-फरवरी 2020 के दौरान, **निम्समे** ने एमएसएमई विकास के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण पर दो सप्ताह तक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान परिसर में नवाचार, इनक्यूबेशन, उद्यमिता, एमएसएमई नीति और योजनाएं, क्लस्टर विकास रणनीति, माइक्रो फाइनेंस और एसएचजी, एमएसएमई विकास के लिए कौशल विकास पहल, स्टार्ट-अप के लिए प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) शामिल थे। एमएसएमई विकास रणनीति, बौद्धिक संपदा अधिकार और अपशिष्ट प्रबंधन में व्यापार के अवसरों के रूप में निर्यात संवर्धन।

चित्र 4.18: सू.ल.म. उद्यमों के विकास लिए रणनीतिक दृष्टिकोण में प्रशिक्षण

4.7.6 व्यापार इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

10 से 14 फरवरी 2020 के दौरान व्यापार इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंधन पर एक सप्ताह का परिसर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण में गोवा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारियों, जी नारायणम्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस और टीकेआर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसरों ने भाग लिया। सत्रों में नवोन्मेषकों के लिए अवसरों और चुनौतियों, संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने, इनक्यूबेटर स्थापित करने के लिए पहल, व्यापार इनक्यूबेटर का प्रबंधन,

व्यापार इनक्यूबेटर की सफलता में हितधारकों की भूमिका, इनक्यूबेटर के माध्यम से व्यापार नेटवर्क को बढ़ावा देने, एमएसएमई क्लस्टरों में नवाचार को बढ़ावा देने और अभिनव व्यवसायों के वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित किया गया ।

चित्र 4.19: व्यापार इनक्यूबेटर की स्थापना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

4.7.7 राज्य केवीआईसी की समीक्षा बैठक कार्यशाला

निम्समे परिसर में 25 फरवरी 2020 को राज्य खादी एवं ग्राम ग्रामोद्योग बोर्ड की एक दिवसीय कार्यशाला-सह-समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खादी संस्थानों/पीएमईजीपी उद्यमियों ने विभिन्न प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया । कार्यक्रम में केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनाई कुमार सक्सेना द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा की उपस्थिति में शुभ दीप प्रज्जवलित करने के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया; श्रीमती उषा सुरेश अय्यर, वित्तीय सलाहकार और श्री वाई.के. बारामतीकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी केवीआईसी तथा राज्य बोर्डों के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केवीआईसी में कई योजनाएं हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण आबादी को आय पैदा करने वाली गतिविधियों के साथ प्रदान करना है। राज्य बोर्ड जिला और ब्लॉक स्तर पर केवीआईसी की योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण, कौशल विकास, विपणन और क्षमता निर्माण में बोर्डों की पहल का भी धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। बोर्ड स्फूर्ति योजना के कार्यान्वयन के तहत क्लस्टर विकास में कार्यान्वयन एजेंसियों के रूप में भी काम कर रहे हैं।

चित्र 4.20: राज्य केवीआईसी की समीक्षा बैठक कार्यशाला

4.7.8 भटिंडा हनी प्रोसेसिंग क्लस्टर, भटिंडा, पंजाब का दौरा

क्लस्टर की कार्यान्वयन एजेंसी जिला उद्योग केंद्र के कार्यात्मक प्रबंधक (एफएम) श्री बरार के साथ 26 फरवरी को क्लस्टर का दौरा किया । बैठक में एसपीवी अध्यक्ष क्लस्टर से करीब 1,200 किसानों को लाभ मिलेगा। प्रोजेक्ट पर विस्तृत चर्चा के बाद 27 फरवरी को एनए, आईए, टीए और एसपीवी ने लुधियाना स्थित मशीनरी सप्लायरों का दौरा कर सीएफसी में लगाई जाने वाली मशीनरी का निरीक्षण किया। एसपीवी सदस्यों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपने शेष एसपीवी अंशदान जमा करें ताकि क्लस्टर का काम जल्द से जल्द पूरा किया जा सके।

4.7.9 होशियारपुर लकड़ी इनले और लाह वेयर क्लस्टर, पंजाब

28 फरवरी 2020 को ग्रांट थॉर्नटन इंडिया एलएलपी के श्री मनप्रीत सिंह के साथ क्लस्टर का दौरा किया, जो तकनीकी एजेंसी और कार्यान्वयन एजेंसी के प्रतिनिधि हैं। बैठक में पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक भी मौजूद थे। उन्होंने कारीगरों और एसपीवी के अध्यक्ष सत्ययोग सिंह से चर्चा की, जिसमें कारीगरों को प्रेरित करने और सीएफसी स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने की सलाह दी गई। जिला उद्योग केंद्र , होशियारपुर के महाप्रबंधक अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में सीएफसी स्थापित करने के लिए टाइमलाइन पर सहमति बनी। सीएफसी के संचालन से उत्पादन में वृद्धि और क्लस्टर उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है ।

4.7.10 वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार के एमएसएमई एण्ड एक्सपोर्ट प्रमोशन विभाग, ओडीओपी सेल ने उत्तर प्रदेश के दस जिलों के लिए डायग्नोस्टिक स्टडी रिपोर्ट (डीएसआर) तैयार करने की परियोजना सौंपी है। समूह की छोटी बैठकें, फोकस ग्रुप मीटिंग, हमारे निम्समे स्टाफ श्री एल विजय कुमार और जी राज कुमार ने उत्तर प्रदेश के जिलों का दौरा किया है, जिसमें संबंधित जिलों के अधिकारियों, वरिष्ठ कारीगरों, कारीगरों, कच्चे माल

आपूर्तिकर्ताओं, मशीनरी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकरों और अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की गई है। गोरखपुर, महाराजगंज, आजमगढ़, प्रयागराज, कालपी (ओराई), सुल्तानपुर, रामपुर, बुगेशर, रामपुर और फरुखाबाद जिलों में स्टेक होल्डर्स के साथ बैठकें की।

चित्र 4.21: एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी), उत्तर प्रदेश

4.8 ईएसडीपी का समापन

6 मई 2019 को निम्समे के एडीआई और एलबीआई सेंटरों द्वारा एक औपचारिक विदाई का आयोजन किया गया था। समारोह में प्रशिक्षुओं के दो बैच शामिल हुए थे। 50 सफल अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सफल अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण के अपने अनुभव भी साझा किए। प्रशिक्षण और परियोजना को पूरा करने में उनके प्रयासों के लिए कुछ उम्मीदवारों को प्रशिक्षुओं की सराहना की गई । करीब 35 अभ्यर्थियों को नौकरी के ऑफर के लिए सम्मानित किया गया। इन सभी ने फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों को उनके मेहनती प्रशिक्षण प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया ।

चित्र 4.22: ईएसडीपी का समापन

तेलंगाना अनुसूचित वर्ग सहकारी विकास निगम लिमिटेड के एमडी एवं वीसी श्री सिंह ने कहा कि इस तरह की घटनाओं को 2014 में भी शामिल किया गया है। कार्यक्रम के दौरान लाचीराम भुक्या और महाप्रबंधक (परियोजनाएं) श्री आनंद कुमार उपस्थित थे।

समापन सत्र के दौरान श्री संदीप भटनागर, श्रीकांत वी महा, व श्री अंकित भटनागर उपस्थित थे, जबकि प्रशिक्षण समापन प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे थे।

4.8.1 कैंपस में जॉब फेयर

निम्समे द्वारा आयोजित ईएसडीपी में प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों के लिए 31 मई 2019 को संस्थान परिसर में जॉब फेयर का आयोजन किया गया था। लगभग 2,414 वॉक-इन और 2,109 से अधिक उम्मीदवारों ने इस मंच के माध्यम से अपनी करियर लाइन खोजने की कोशिश की।

चित्र 4.23: कैंपस में जॉब फेयर

कुशल मानव संसाधन की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 57 कंपनियों ने भाग लिया। इस पूरे आयोजन का समन्वय श्री अंकित भटनागर, सह-संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल) ने एचआर प्रबंधकों और सलाहकारों के परामर्श से नियोजित और निर्धारित किया और एआइटी,

एलबीआई और प्रशासन के सभी परियोजना समन्वयकों, संकाय और प्रयोगशाला सहायकों के सहयोग से किया । इस कार्यक्रम को प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने अच्छी तरह से प्रसारित किया था।

चित्र 4.24: जॉब फेयर का प्रेस कवरेज

4.8.2 ईएसडीपी समापन

उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) का समापन समारोह 26 नवंबर 2019 को आयोजित किया गया था। बेकिंग, ब्यूटीशियन, फोटोग्राफी और अकाउंट एग्जीक्यूटिव कोर्सेज के १२० प्रतिभागियों ने 3 महीने के कठोर प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त किया । ईएसडीपी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता सहायता से प्रशिक्षण संस्थान योजना (एआइटी) और कौशल इंडिया की एक पहल है ताकि बेरोजगार युवाओं और समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को लाभ मिल सके।

चित्र 4.25: ईएसडीपी समापन

4.9 विभिन्न संस्थानों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर

4.9.1 निदेशक संस्थान (आईओडी) के साथ समझौता ज्ञापन

निम्समे द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी) के साथ रणनीतिक साझेदारी की गई, जिसके द्वारा 14 जून 2019 को **निम्समे** परिसर में रीजनल एमएसएमई कन्वेंशन का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का विषय था- एमएसएमई - इन्नेवेशन, ग्रोथ एण्ड ट्रांसफॉर्मेशन।

उद्योग खंड (विनिर्माण और सेवाओं), निवेशक समुदाय, नीति निर्माताओं, अप-अप/स्टार्ट-अप उद्यमियों, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों, पेशेवरों, सलाहकारों, प्रशिक्षकों और शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले 160 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था, जिससे यह एमएसएमई के क्षेत्र में savants और विचारकों का संयोजन बन गया था । संसाधन व्यक्तियों में से कुछ बेहतरीन पेशेवर थे, जिन्होंने प्रतिनिधियों के साथ मिलकर अपने अनुभव साझा किए थे ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स, तेलंगाना एण्ड एपी चैप्टर के अध्यक्ष श्रीकांत बडिगा मुख्य अतिथि थे। उद्घाटन भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता के उद्यमों में सफलता प्राप्त करने के उत्साह द्वारा समर्थित किसी के कौशल को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण आवश्यक है ।

हैदराबाद में कोरिया गणराज्य के मानद महावाणिज्य दूत श्री सुरेश चुक्कापल्ली सम्मानित अतिथि थे। इस अवसर पर उन्होंने निम्समे और आईओडी जैसे दो दिग्गज संगठनों के एक साथ आने पर खुशी व्यक्त करते हुए सार्थक आयोजनों के आयोजन के लिए कहा कि इससे एमएसएमई प्रदर्शन और उत्पादन में सुधार होगा । कोरिया गणराज्य की सफलता की कहानी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि देश में हजारों एमएसएमई के लिए सरकार के प्रोत्साहन ने जीडीपी को ऊंचा धकेल दिया है ।

निम्समे के निदेशक डॉ संजीव चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का परिचय दिया । अपने संबोधन में उन्होंने इस बात को रेखांकित करते हुए अधिवेशन के लिए टोन सेट किया कि कोई भी उद्यमी सही प्रशिक्षण, ज्ञान और मार्गदर्शन से सफल हो सकता है। **निम्समे** की उत्पत्ति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि **निम्समे** का मिशन उद्यमिता की अवधारणा को किसी भी विचार के साथ किसी के पास ले जाना है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो ।

उद्घाटन सत्र के अंत में आईओडी और **निम्समे** ने एक साथ काम करने और उनकी गतिविधियों में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे और उनका आदान-प्रदान किया था । इस एमओयू में तकनीकी विशेषज्ञता, जानकारी और उनके संबंधित सदस्यों/नेटवर्कों के बीच प्रशिक्षण के अवसरों के आदान-प्रदान की परिकल्पना की गई है ।

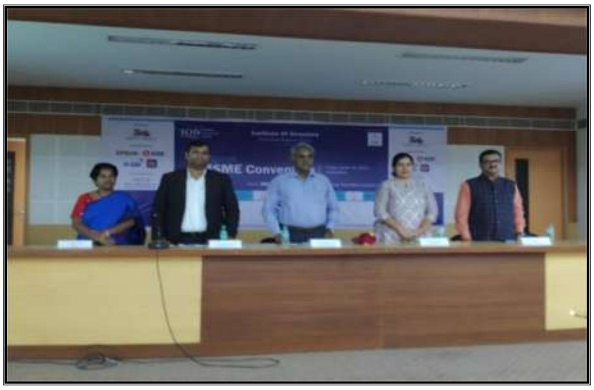

चित्र 4.26: निदेशक संस्थान (आईओडी)

इस समझौते पर आईओडी की ओर से पीवीएसएम (सेवानिवृत्त) के अध्यक्ष, निदेशक संस्थान, नई दिल्ली और **निम्समे** की ओर से श्री गोर्थी एनवी आर एस हरनाथ, निदेशक (प्रशासन) द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

4.9.2 डीसीएसी के साथ समझौता

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान **निम्समे** ने डेनमार्क के डेनिश कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक शिल्प कौशल (डीसीएसी) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ उद्योग भवन, नई दिल्ली में व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण (वीईटी) के बारे में आपसी सहयोग के लिए श्रीमती अलका नांगिया अरोड़ा, आईडीएएस संयुक्त सचिव (एमएसई), एमएसएमई मंत्रालय की उपस्थिति में 3 अक्टूबर 2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

4.9.3. आईआईएम-त्रिची के साथ समझौता

महानिदेशक श्री डी. चंद्र शेखर ने 16 अक्टूबर 2019 को आईईडी कैडर के अधिकारियों और अन्य एमडीपी कार्यक्रमों का प्रशिक्षण देने के लिए आईआईएम त्रिची के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

4.9.4 सीआईपेट के साथ समझौता

श्री पी राघवेंद्र राव, आईएएस, भारत सरकार एवं सचिव. रसायन एवं पेट्रो रसायन विभाग ने 11 दिसंबर 2019 को **निम्समे** का दौरा किया और महानिदेशक, अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वह **निम्समे** से प्रभावित हैं और केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) को सहयोगी कार्यक्रमों के लिए **निम्समे** के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए।

चित्र 4.27: सिपेट के साथ समझौता

5. अन्य गतिविधियां और अचीन

5.1 पर्यावरण पर सम्मेलन

सम्मेलन का उद्घाटन उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. रामचंद्रम ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि डॉ सतीश शेनोई, निदेशक, आईएनसीओआईएस; डॉ संजीव चतुर्वेदी, निदेशक, **निम्समे,** श्री एम. कृष्णा राव, आईपीएस, पूर्व पुलिस महानिदेशक, आंध्र प्रदेश; श्री. सी अचलेंद्र रेड्डी, आईपीएस, निदेशक, सीआईपीएस भी उपस्थित थे। इससे पहले, सीईडी के कार्यकारी निदेशक डॉ. बाबू अंबत ने प्रतिष्ठित लोगों और सभा का स्वागत किया और सम्मेलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए और कार्यक्र की शुरुआत की ।

प्रो. रामचन्द्रम ने ग्रीन कंप्यूटिंग पर उद्घाटन भाषण दिया, जिसके बाद सम्मेलन की मात्रा का विमोचन सभी सम्मानित अतिथियों ने किया ।

चित्र 5.1: दीप प्रज्जवलित करते हुए प्रो. एस. रामचंद्रम

तेलंगाना पर्यावरण कांग्रेस 2019 16 और 17 अप्रैल 2019 के दौरान **निम्समे** परिसर में आयोजित किया गया था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन सेंटर फॉर एनवायरमेंट एण्ड डेवलपमेंट (सीईडी) ने **निम्समे** तथा सेंटर फॉर इनोवेशन्स इन पब्लिक सिस्टम्स (सीआईपीएस) और प्योर अर्थ फाउंडेशन (पीईएफ) के साथ मिलकर किया गया। विभिन्न वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों, अकादमिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अन्य निजी/सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने सत्रों में भाग लिया था।

चित्र 5.2: पर्यावरण पर सम्मेलन

इस सम्मेलन का मुख्य विषय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण और सतत विकास के लिए नवाचार था।

डॉ तेतेश शेनोई ने बदलती जलवायु की निगरानी के लिए महासागर अवलोकन प्रणाली की आवश्यकता पर मुख्य भाषण दिया । अन्य अतिथियों ने वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण और टिकाऊ सामाजिक विकास के लिए तकनीकी और अभिनव विकास की आवश्यकता और महत्व के बारे में बताया ।

सीईडी के अध्यक्ष प्रो. वी.के. दामोदरन ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की, जबकि सीईडी के प्रधान सलाहकार डॉ. ए. पेरुमल ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और राष्ट्रगान प्रदान करने के साथ उद्घाटन सत्र का समापन किया गया ।

डॉ. चतुर्वेदी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए जोश के साथ की जाने वाली कार्रवाई ओरिएंटेड पहलों के बारे में बताया। उन्होंने निम्समे में पहले से किए गए विकल्पों के रूप में सौर जैसी कई पहलों का भी उल्लेख किया जो बिजली पर खर्च का कम से ५५% बचा सकते हैं और साथ ही इससे पर्यावरण को बचाने में मदद मिलेगी । दुनिया भर में पेड़ों को नियमित रूप से लगाने से निश्चित रूप से ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद मिलेगी ।

पदमश्री पुरस्कार विजेता डॉ. डी.पी. राव, पूर्व निदेशक, एन.आर.एस.सी. सहित प्रख्यात वैज्ञानिक और शिक्षाविद; श्री के. के. पप्पन, पूर्व वैज्ञानिक, एन.आर.एस.सी, हैदराबाद; श्री सुभाष सिंह, पूर्व एसई, पब्लिक हेल्थ एण्ड इंजीनियरिंग, तेलंगाना; डॉ एच.सी मिश्रा, आईएफएस, पूर्व अतिरिक्त पीसीसीएफ, तेलंगाना; प्रो. कविता दरयानी राव, कुलपति, जेएनएएफएयू; प्रो वी बिक्श्मा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग,

उस्मानिया विश्वविद्यालय, प्रो. एस कुमार, प्राचार्य, एसपीएएफएयू, डॉ आर नागराजा, पूर्व वैज्ञानिक, एनआरएससी, डॉ. जे. रामामूर्ति, पूर्व वैज्ञानिक, एनआरएससी; श्री. बी रमेश, पूर्व वैज्ञानिक, एनआरएससी; एनआरएससी के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. सी. एस. झा ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

समापन सत्र को सीसीएमबी हैदराबाद के वर्तमान निदेशक डॉ. राकेश मिश्रा ने संबोधित किया। सीआईपीएस के परियोजना अधिकारी श्री अविक चक्रवर्ती, इसके बाद डॉ. बाबू अंबत और डॉ. के. जयचंद्र, क्षेत्रीय निदेशक, सीईडी, हैदराबाद सेंटर और टीईसी 2019 के संयोजक थे।

सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए पुरस्कार सीबीआईटी के बी टेक छात्रों श्री. एम सतीश और जेएनएएफएयू के एमएस. बी हेमामालिनी को दिए गए।

5.2 एनआईओएस समिति पर संकाय

देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के उद्यमिता विकास संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच शिक्षाविदों का गठन करने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) की पाठ्यक्रम विकास समिति के सदस्य डॉ. नूने श्रीनिवास राव और सह-संकाय सदस्य, आईएम के डॉ. श्रीकांत शर्मा को आमंत्रित किया गया था। समिति की बैठक 30 अप्रैल 2019 को बुलाई गई थी। एनआईओएस के बाह्य संबंध समन्वयक सुश्री अंशुल खरबंदा ने परिचय प्रदर्शन करने के बाद एनआईओएस स्कूलों के माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम में उद्यमिता पाठ्यक्रम को शामिल करने के महत्व पर चर्चा की ।

5.3 एमएसएमई कॉन्क्लेव

निम्समे के निदेशक डॉ. संजीव चतुर्वेदी ने सीआईआई और एचडीएफसी बैंक द्वारा संयुक्त रूप से हैदराबाद में 4 मई 2019 को आयोजित 'एमएसएमई प्रतिस्पर्धा के लिए वित्त पर प्रौद्योगिकी और पूंजीकरण का लाभ उठाने' पर एक व्यापार सम्मेलन में भाग लिया।

चित्र 5.3: एमएसएमई कॉन्क्लेव

सीआईआई के पूर्ववर्ती अध्यक्ष श्री संजय सिंह ने भारत में एमएसएमई आंकड़ों पर उद्घाटन भाषण दिया। एचडीएफसी के ब्रांच बैंकिंग के हेड श्री मधुसुधन हेगड़े ने कहा कि 15% एचडीएफसी होल्डिंग उनके एमएसएमई सेगमेंट से आती है।

डॉ चतुर्वेदी प्रमुख, निदेशक, **निम्समे** मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की शुरुआत और इसकी सफल परियोजनाओं से शुरुआत करते हुए उन्होंने एमएसएमई के माइक्रो सेगमेंट से सफलता की कुछ कहानियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि एसएमई ऋणों की कोई कमी नहीं है और सफलता की दर उल्लेखनीय रूप से अधिक है और एमएसएमई मंत्रालय के पास उपलब्ध अन्य योजनाओं की गणना की गई है। अनुसंधान अध्ययन निम्समे हाथ पर है के बारे में बोलते हुए, वह कॉन्क्लेव आयोजकों के लिए धंयवाद के साथ बंद कर दिया। डॉ अंकित भटनागर, सह-संकाय सदस्य, **निम्समे** डॉ चतुर्वेदी के साथ कॉन्क्लेव में गए।

तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव जयेश रंजन ने डॉ चतुर्वेदी की टिप्पणियों को दोहराया।

इस कार्यक्रम का समापन कुर्सी, आयोजकों और प्रतिनिधियों को धन्यवाद मत का प्रस्ताव देने के साथ हुआ ।

5.4 बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल ने किया कैंपस का दौरा

प्रशिक्षण और परामर्श के निदेशक (अतिरिक्त सचिव) श्री एमडी गोलम याहिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्थानीय सरकार संस्थान (एनएलजी), ढाका, बांग्लादेश के अधिकारियों के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 9 मई 2019 को **निम्समे** का दौरा किया।

एनआईएलजी बांग्लादेश सरकार के अधीन एक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान है, जो बांग्लादेश में स्थानीय सरकार के निर्वाचित और नियुक्त दोनों अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी है, और आगरगांव, ढाका, बांग्लादेश में स्थित है । यह स्थानीय सरकार, ग्रामीण विकास और सहकारिता मंत्रालय के स्थानीय सरकार प्रभाग के अधीन है। प्रतिनिधिमंडल ई-लर्निंग में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए भारत में था ।

एनईजी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के उपयोग के माध्यम से लागत प्रभावी तरीके से कठिन ग्रामीण क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना की योजना बना रहा है। उन्होंने ई-लर्निंग कंटेंट, मॉड्यूल, ट्रेनिंग डिलिवरी सिस्टम, मेथडोलॉजी, सर्टिफिकेशन, मॉनिटरिंग और क्वालिटी एश्योरेंस पर ज्ञान हासिल करने के लिए **निम्समे** का दौरा किया ।

चित्र 5.4: बांग्लादेश प्रतिनिधिमंडल परिसर का दौरा

निम्समे के निदेशक डॉ संजीव चतुर्वेदी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी तरीके से पहुंचने में आईटी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने **निम्समे** ई-लर्निंग प्रोजेक्ट्स का संक्षिप्त परिचय भी दिया। **निम्समे** संकाय के सभी सदस्यों की औपचारिक शुरुआत के बाद एफएम, एसईएम ने निम्समे की ई-लर्निंग परियोजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें "एमपी सरकार के लिए उद्यमिता ई-लर्निंग मॉड्यूल परियोजना" और "पश्चिम बंगाल सरकार के लिए कैरियर परमार्शा केंद्र परियोजना" पर केंद्रित किया गया ।

प्रस्तुति प्रतिनिधियों का ध्यान कब्जा कर लिया, और वे इसके कार्यान्वयन, निगरानी और गुणवत्ता पर स्पष्टीकरण प्राप्त किया।

5.5 दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय ने 28-29 जून 2019 के दौरान इंडिया एसएमई फोरम और निम्समे के सहयोग से नई दिल्ली के इरोस होटल में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एसएमई सम्मेलन की मेजबानी कर अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस मनाया। कन्वेंशन का विषय था- भारतीय एमएसएमई - वैश्विक आकांक्षाएं।

एमएसएमई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने इस अधिवेशन का उद्घाटन एमएसएमई मंत्रालय के राज्यमंत्री प्रताप चंद्र सारंगी और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सारंगी की उपस्थिति में किया।

डॉ अरुण कुमार पंडा, भारत सरकार के सचिव (एमएसएमई), श्रीमती अलका अरोड़ा, संयुक्त सचिव, एमएसएमई मंत्रालय; श्री राममोहन मिश्र, एएस एण्ड विकास आयुक्त (एमएसएमई) भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापार आयुक्तों, प्रतिनिधियों, विभिन्न देशों के दूतावास

अधिकारियों और उद्योग भर के विचार नेताओं ने कन्वेंशन में भाग लिया था और सत्रों को संबोधित किया था। इस कार्यक्रम में 44 देशों के प्रतिनिधिमंडलों और उद्यमियों सहित लगभग 175 प्रतिभागियों और भारत के 1,200 उद्यमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

इस कन्वेंशन को भारतीय बाजार के अवसरों पर गहन व्यापारिक चर्चाओं और बातचीत के लिए एक मंच के रूप में डिजाइन किया गया था। यह दुनिया भर के उद्यमों के लिए भारतीय उद्यमियों का चयन करने के लिए अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रस्तुत करने का एक अनूठा अवसर था; सहयोग, संयुक्त उद्यम, व्यापार संबंधों और व्यापार भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए; उद्यम विकास में सबसे अच्छा अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं को साझा करने के लिए और व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए ।

चित्र 5.5: दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

वार्षिक भारत एसएमई 100 पुरस्कारों के तत्वावधान में कन्वेंशन के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश भर से 34011 नामांकनों में से चयनित सौ एसएमई को सम्मानित किया गया ।

5.6 निम्समे में डेनमार्क के प्रतिनिधियों का स्वागत

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एंटरप्राइजेज **निम्समे** 30 सितंबर 2019 को डेनमार्क से डेनिश कंसोर्टियम ऑफ एकेडमिक शिल्प कौशल (डीसीएसी) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता है। इस यात्रा का उद्देश्य व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (पशु चिकित्सक) में डीसीएसी के साथ सहयोग करना है।

डेनमार्क के शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त अकादमिक शिल्प कौशल का डेनिश कंसोर्टियम, डेनमार्क डेनमार्क का सबसे बड़ा व्यावसायिक कंसोर्टियम है जो 100 से अधिक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पेशकश करता है, जो व्यापक रूप से 32 परिसरों में फैला हुआ है, जो डेनमार्क के अधिकांश को कवर करता है

जो हर साल लगभग 20,000 पूर्णकालिक छात्रों की सेवा करता है और 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर के वार्षिक कारोबार के साथ।

डेनमार्क के प्रतिनिधिमंडल में सुधांशु राय, एसोसिएट प्रोफेसर, कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल। (सलाहकार और प्रतिभागी सदस्य और डीसीएसी में सीबीएस का प्रतिनिधित्व), माइकल कास एण्ड रसन, जेडबीसी (जीलैंड बिजनेस कॉलेज) के सीईओ, फिन कार्लसन, ईयूसी एसवाडी (व्यावसायिक शिक्षा केंद्र दक्षिण) के सीईओ, जेन्स गैमौफ मैडसन, आईबीसी (इंटरनेशनल बिजनेस कॉलेज) के सीईओ, विबेके नोरगार्ड, डीसीएसी के निदेशक मंडल के विशेष सलाहकार और टीईसी (तकनीकी शिक्षा कोपेनहेगन) के प्रतिनिधि शामिल थे।

चित्र 5.6 : निम्समे द्वारा डेनमार्क के प्रतिनिधियों का स्वागत

निम्समे की अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में डेनमार्क की टीम ने **निम्समे** के साथ बढ़ते संबंधों और उत्साहपूर्वक साझेदारी को दर्शाते हुए पौधे लगाए। इसके अलावा, उन्हें सेन्डॉक भवन में परिसर में पुस्तकालय का दौरा भी किया। उन्होंने आजीविका व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र (एलबीआई) का भी दौरा किया, जहां बेकिंग सेक्शन में उन्हें छात्रों द्वारा बेक किए गए केक और पेस्ट्री का वलोकन किया और फैशन डिजाइनिंग अनुभाग में, उन्होंने स्थानीय छात्रों के साथ बातचीत की तथा विकास संस्थान, बालानगर में छात्रों को एक पैटर्न तरीके से और बाद में एमएसएमई को रंगने के लिए टाई एण्ड डाई तकनीक का प्रदर्शन करते हुए देखा।

5.7 ब्रेकफास्ट मीटींग

महानिदेशक डी. चंद्र शेखर ने 24 अक्टूबर 2019 को आंध्र प्रदेश सरकार के उद्योग, वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री मेकापति गौतम रेड्डी के साथ ब्रेकफास्ट मीटींग की।

5.8 राष्ट्रीय कार्यशाला

महानिदेशक श्री डी. चंद्र शेखर ने 14 अक्टूबर 2019 को हैदराबाद के आईआईसीटी कांफ्रेंस हॉल, तारनाका, हैदराबाद में संयुक्त रूप से आयोजित उन्नत सौर पीवी टेक्नोलॉजीज एण्ड वेंडर मीट-2019 पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला-2019 को संबोधित किया।

5.9 केटीआर के साथ महानिदेशक की मुलाकात

महानिदेशक डी. चंद्र शेखर ने 19 नवंबर 2019 को तेलंगाना सरकार के आईटी, ई एण्ड सी, एमए और यूडी और वाणिज्य विभाग मंत्री माननीय श्री कल्वाकुंटला तारका रामा राव से हब एण्ड स्पोक मॉडल तथा एमएसएमई संबंधित अन्य मुद्दों के तहत वारंगल में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र के बारे में मुलाकात की।

5.10 बिजनेस कान्फ्रेंस बूस्टर मीट में महानिदेशक

महानिदेशकश्री डी. चंद्र शेखर को 22 नवंबर 2019 को सोमाजीगुडा के होटल पार्क में प्लास्टिवीविजन इंडिया 2020 के लिए "बिजनेस का बूस्टर" मीट के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

हिन्दी दिवस एवं हिदी पखवाड़ा आयोजित

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान द्वारा 14 सितम्बर 2019 के उपलक्ष्य में हिन्दी दिवस और हिन्दी पखवाड़े उत्साह के साथ मनाया। इसके अंतर्गत उद्घाटन समारोह का आयोजन 13 सितम्बर 2019 को सुबह 11 बजे नये प्रशिक्षण भवन के लघु सभागृह में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नाबार्ड के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक श्री अब्दुल हमिद उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, प्रशासन एवं लॉजिस्टिक्स जी. हरिनाथ ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान के हिन्दी अनुवादक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी ने उपस्थित मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष के साथ ही संस्थान के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न कार्यक्रम के सहभागियों का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए श्री अब्दुल हमिद ने हिन्दी दिवस के महत्व की जानकारी देते स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने देश की आज़ादी के बाद एक राष्ट्र एक भाषा को साकार करने के लिए हिन्दी भाषा के किये गये चयन और संविधान में उससे संबंधित किये गये प्रावधानों की भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भाषा के महत्व की जानकारी देते हे कहा कि भाषा जनता के लिए होती है, जनता भाषा के लिए नहीं। उन्होंने हिन्दी को बोलने, समझने और लिखने के लिए सबसे आसान भाषा बताया।

संस्थान के निदेशक, प्रशासन एवं लॉजिस्टिक्स ने इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मुख्य अतिथि के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने संस्थान को राजभाषा के रूप में हिन्दी के किये जा रहे कार्यान्वयन की जानकारी देते हुए संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सहभागियों के लिए आयोजित की जा रही प्रतियोगताओं की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारियों के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के सहभागियों के लिए हिन्दी लघु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतिस्पर्धा में एटीआई के अंतर्गत संचालित किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विद्यार्थियों में से वी. संतोष ने प्रथम, सोहेल ने तृतीय तथा श्रीमती नीतु सिंह ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि संस्थान की प्रशासनिक सहायक श्रीमती सुजाता रुपनर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हिन्दी अनुवादक डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी द्वारा किये गये धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

5.11 डी. चंद्र शेखर ने निम्समे के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।

चित्र 5.7: श्री डी.चंद्र शेखर निम्समे के निदेशक के रूप में कार्यभार संभालते हुए

5.12 राष्ट्रीय उत्सव

5.12.1 स्वतंत्रता दिवस का समारोह

निम्समे द्वारा स्वतंत्रता दिवस भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के रंग से जगमगाते परिसर में और **निम्समे** के कर्मचारियों के देशभक्ति जोश के बीच भारत का 73वां स्वतंत्रता दिवस अपने परिसर में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। महानिदेशक श्री डी चंद्र शेखर ने सुबह 8.50 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए ने देशभक्ति की भावना से राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर उन्होंने देश के विकास में योगदान देने वाले **निम्समे** के

लिए अपने दृष्टिकोण और मिशन को साझा किया । समारोह में फैलोशिप ब्रेकफास्ट और कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

चित्र 5.8: स्वतंत्रता दिवस का समारोह

5.12.2 गणतंत्र दिवस समारोह

राष्ट्र का 71वां गणतंत्र दिवस निम्समे परिसर में हर्ष और समर्पण की भावना से मनाया गया। 26 जनवरी 1950 को लागू होने वाले स्वतंत्र भारत के संविधान के उपलक्ष्य में हर साल संस्थान 26 जनवरी को मनाता है। परिसर में सभी अधिकारी और कर्मचारी और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षु विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं, जो नए प्रशिक्षण भवन के सामने, झंडा पोस्ट पर सुबह 8.50 पर इकट्ठे हुए।

समारोह की शुरुआत महानिदेशक डॉ. डी. चंद्रशेखर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद भारत के राष्ट्रगान का सभी ने सामूहिक रूप से गान किया। महानिदेशक ने इस आयोजन को संबोधित करते हुए इसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने सबसे पहले उपस्थित जनसमूह को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के विकास में भारत सरकार की भूमिका पर चर्चा की और इस बात पर प्रकाश डाला कि **निम्समे** द्वारा स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई की सहायता करने के जनादेश के साथ किस प्रकार काम कर रहा है। इसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस मौके के लिए पूरा परिसर तिरंगे में जगमगा उठा, जिसमें सीरियल इलेक्ट्रिक बल्ब के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की छवि प्रदर्शित की गई।

चित्र 5.9: गणतंत्र दिवस समारोह

5.13 परिसर में अन्य गतिविधियाँ

5.13.1 आतंकवाद विरोधी दिवस

21 मई 2019 को **निम्समे** परिसर में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया था। **निम्समे** के सभी कर्मचारी मिनी कांफ्रेंस हॉल में इकट्ठा हुए थे, संस्थान के निदेशक (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स) ने सुबह 11.00 बजे संस्थान के नए प्रशिक्षण भवन में आतंकवाद विरोधी दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी, जो आम लोगों के कष्टों को उजागर करके युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पंथ से दूर करने के लिए मनाया जा रहा था और यह इंगित करता है कि यह राष्ट्र के हित और भलाई के लिए प्रतिकूल और हानिकारक है ।

चित्र 5.10: आतंकवाद विरोधी दिवस

निदेशक (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स) ने कर्मचारियों के संयोजन को शपथ दिलाई, पहले हिंदी में, इसके बाद अंग्रेजी संस्करण, जो आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ जन जागरण की आवश्यकता पर जोर देता है।

5.13.2 निगरानी लेखा परीक्षा आईएसओ 9001-2015

निम्समे के आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन की वार्षिक समीक्षा लेखा प्रथम टीयूवी नॉर्ड की टीम द्वारा 23-24 मई 2019 के दौरान की गई।

चित्र 5.11: निगरानी लेखा परीक्षा आईएसओ 9001-2015

ऑडिट टीम में शामिल श्री हरमीत सिंह रैत और श्रीनिवास कोवल्लूरी ने इसके लिए संस्थान का दौरा किया। इस अवसर पर **निम्समे** की ओर से निदेशक (अकादमिक) डॉ. अश्विनी गोयल श्री गोर्थी एनवीआर एस हरनाथ, निदेशक, (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स), श्री मुरली किशोर, सहायक रजिस्ट्रार) उपस्थित थे। उद्घाटन बैठक के दौरान संकाय सदस्य, आईएसओ सलाहकार श्री जे.के. श्रीवास्तव और श्री राजेश श्रीवास्तव उपस्थित थे। लेखा परीक्षक श्री हरमीत सिंह रैत ने टीयूवी नोर्ड गतिविधियों और लेखा परीक्षा के दृष्टिकोण और प्रक्रिया के बारे में सदस्यों को स्पष्ट किया। उन्होंने एसोसिएट फैकल्टी मेंबर (क्यूएमएस कोऑर्डिनेटर) सुश्री वी. स्वप्ना के साथ भी बातचीत की और मानक की संगठनात्मक गतिविधियों और आवश्यकताओं को समझने के लिए गुणवत्ता नीति, गुणवत्ता मैनुअल, आंतरिक ऑडिट और प्रबंधन समीक्षा, संगठन संदर्भ और जोखिम मूल्यांकन दस्तावेजों की समीक्षा की । श्री रैत और श्री

कोवल्लूरी ने सुश्री वी. स्वप्ना के साथ विभिन्न विभागों का दौरा किया और सभी प्रासंगिक दस्तावेजित सूचनाओं की समीक्षा की और मानकों की सभी आवश्यकताओं के साथ प्रबंधन प्रणाली के अनुरूप साक्ष्यों का अवलोकन किया।

समापन बैठक के दौरान टीयूवी नॉर्ड ऑडिटर ने निदेशक (शिक्षाविदों) और निदेशक (प्रशासन), एलक्यूएमएस समन्वयक, सभी संकाय और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समक्ष अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कीं और प्रशासन, प्रशिक्षण और पुस्तकालय सुविधाओं में सुधार के लिए कुछ सुझाव दिए।

5.13.3 संस्थान परिसर में योग दिवस

योग भारत की प्राचीन संस्कृति, इतिहास और विरासत का प्रतीक है और इसका अभ्यास दुनिया भर में बड़े उत्साह के साथ किया जाता है - श्री नितिन जयराम गडकरी, माननीय केंद्रीय एमएसएमई मंत्री

21 जून 2019 को **निम्समे** परिसर में 5वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने एक साथ हिस्सा लिया।

योग का अर्थ है तन, मन और आत्मा का मिलन। परिसर में संयुक्त योग सत्रों में संस्थान के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्यकर्ताओं में कर्मचारियों के बीच नैतिक एकीकरण की बात सामने आई ।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की गतिविधियां सुबह 7.1.m 5 बजे शुरू हुई। प्रारंभ में योग प्रशिक्षकों ने योग प्रशिक्षकों ने रोजमर्रा की जिंदगी में योग अभ्यास के महत्व के बारे में बताया और फिर भाग लेने वाले कर्मचारियों को बुनियादी मुद्राओं (आसन) में मार्गदर्शन दिया। **निम्समे** योगा ट्रेनर ने प्राणायाम करने की सही विधि भी सिखाई।

चित्र 5.12: परिसर में योग दिवस

निम्समे के निदेशक डॉ संजीव चतुर्वेदी ने व्यक्तिगत और सांगठनिक दक्षता बढ़ाने में योग के महत्व पर जोर दिया। सरकार योग की संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, ताकि इसे लोगों की दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाया जा सके, जिससे सुखी, आनंदित और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित हो सके। प्रशासन एवं रसद के निदेशक (प्रशासन एवं लॉजिस्टिक्स) श्री गोर्थी एन.वी.आर.एस. हरनाथ ने कहा कि योग के दैनिक अभ्यास से स्वस्थ जीवन की प्राप्ति होती है। यहां उल्लेखनीय है कि **निम्समे** वर्तमान में अपने सभी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में योग सत्र करा रहा है, जिसे प्रतिभागियों ने काफी सराहा था। निम्समे चयनित राष्ट्रीय कार्यक्रमों में इस सुविधा का विस्तार करने की योजना बना रहा है। बुनियादी योग अभ्यास एकाग्रता और स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। कर्मचारियों ने अच्छे टिप्स के लिए ट्रेनर का आभार जताया।

5.13.4 निम्समे कर्मचारी मनोरंजन क्लब के नए सदस्य

चित्र 5.13: निम्समे कर्मचारी मनोरंजन क्लब के नए सदस्य

डॉ दिब्येन्दु चौधरी - अध्यक्ष, श्री जे कोटेश्वर राव - सचिव, श्रीमती टी पद्मजा - संयुक्त सचिव, श्री जेजे बिक्षपति - आयोजन सचिव, श्रीमती के संध्या - कोषाध्यक्ष, श्रीमती.B नीरजा - महिला कल्याण गतिविधियां, श्रीमती पी अंजलि प्रसन्ना - सांस्कृतिक गतिविधियों की सदस्य, श्रीमती सुजाता रूपनर - खेल गतिविधियां सदस्य।

5.13.5 निम्समे सहकारी, क्रेडिट सोसायटी

चित्र 5.14: निम्समे सहकारी क्रेडिट सोसायटी

निम्समे को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी की नई कार्यकारिणी का 01.07.2019 को गठन किया गया। श्री जे कोटेश्वर राव, अध्यक्ष - सीसीएस, श्री रंजीत कुमार- उपाध्यक्ष, श्री जी.लक्ष्मीनारायणा- सचिव, श्री के साई किरण, संयुक्त सचिव, श्रीमती उर्मिला वाघरे-कोषाध्यक्ष, श्री के. जगन मोहन राव-, सदस्य, श्रीमती जी. के. रमा देवी- सदस्य, श्रीमती टी. पद्‌मजा- सदस्य।

5.13.6 परिसर में स्वास्थ्य पहल

लॉयन्स क्लब ऑफ कापरा, कमलानगर के माध्यम से श्री जानकी रविन्द्र, क्लब के अध्यक्ष ने **निम्समे** में होम्योपैथी शिविर लगाया और नए प्रशिक्षण भवन में 4 अक्टूबर 2019 को डेंगू के लिए होमो प्रिवेंटिव दवा का स्वतंत्र रूप से वितरण किया।

चित्र 5.15: परिसर में स्वास्थ्य पहल

निशुल्क वितरण शिविर का उद्‌घाटन निदेशक (विपणन एवं व्यवसाय विकास) श्री संदीप भटनागर और एफएम-एसईडी के श्री के. सूर्यप्रकाश गौड़ ने किया। **निम्समे** परिवार ने कतारों में खड़े होकर डॉ श्रीलता

जांपरेडी (बीएचएमएस) और उनकी टीम से अपने हिस्से की दवा एकत्र की । महानिदेशक ने की गई पहल की सराहना की।

5.13.7 राष्ट्रीय एकता दिवस

निम्समे द्वारा 31 अक्टूबर 2019 को परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस - राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। भारतीय संघ के गठन में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान की स्मृति में 2014 में एकता दिवस की शुरुआत उनकी जयंती के दिन की गई थी।

चित्र 5.16: राष्ट्रीय एकता दिवस

निम्समे के सभी कर्मचारी 31 अक्टूबर 2019 को सुबह 11 बजे संस्थान के नए प्रशिक्षण भवन में मिनी कांफ्रेंस हॉल में एकत्र हुए। संस्थान के निदेशक (अकादमिक) डॉ. अश्वनी गोयल ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व के बारे में जागरूक किया, जिसमें देश के सभी वर्गों के लोगों के बीच एकता की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों के संयोजन को शपथ दिलाई। श्री जे. किरण कुमार जूनियर कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक (प्रसासन), श्री रवि कात (परामर्शदाता, सा.प्र.), हिंदी अनुवादक डॉ शिरीष कुलकर्णी ने रहमतनगर स्थित श्री कुमार के हाई स्कूल में जाकर छात्रों को एकता के महत्व से अवगत कराया और वहां के छात्रों के साथ जश्न मनाया ।

5.13.8 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2019 तक **निम्समे** में सतर्कता जागरूकता सप्ताह उचित और उत्साहपूर्ण तरीके से मनाया गया। इस वर्ष का विषय था, सत्यनिष्ठा-जीवन का एक तरीका। सप्ताह के दौरान की गई गतिविधियों, पालन के हिस्से के रूप में, निम्नलिखित शामिल थे।

28 अक्टूबर को संस्थान के सभी कर्मचारी परिसर में नए प्रशिक्षण भवन के मिनी कांफ्रेंस हॉल में एकत्रित हुए। महानिदेशक ने अवधारणा और उसके पालन के महत्व को स्पष्ट किया । बाद में

कर्मचारियों को सतर्कता की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी कर्मचारियों को केंद्रीय सतर्कता आयोग की वेबसाइट पर व्यक्तिगत रूप से अखंडता प्रतिज्ञा ऑनलाइन लेने और प्रमाण पत्र डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया । डीजी के आह्वान का पालन करते हुए ज्यादातर कर्मचारियों ने अखंडता की प्रतिज्ञा ऑनलाइन ली और सोशल मीडिया पर अपने प्रमाण पत्र साझा करते हुए संस्थान और देश की सेवा करने का वादा करते हुए अखंडता के साथ बड़े पैमाने पर काम किया ।

31 अक्तूबर 2019 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान सतर्कता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंधों के मूल्यांकन के लिए गठित एक समिति जल्द ही परिणाम घोषित करेगी।

चित्र 5.17: सतर्कता जागरूकता सप्ताह

5.13.9 उत्साहपूर्ण उपहार

महानिदेशक ने 20 नवंबर 2019 को निम्समे के सभी कर्मचारियों को वर्तमान के रूप में राइस कुकर दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को संस्थान की बेहतरी के लिए समर्पण और ईमानदारी के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। कर्मचारी संघ के महासचिव श्री साई किरण ने निम्समे परिवार की ओर से महानिदेशक का आभार जताया।

चित्र 5.18: उत्साहपूर्ण उपहार

5.13.10 कौमी एकता सप्ताह

निम्समे की ओरसे 19 से 25 नवंबर 2019 तक "कौमी एकता सप्ताह" (राष्ट्रीय एकता सप्ताह) मनाया। 19 नवंबर को **निम्समे** के कर्मचारी सुबह 11 बजे न्यू ट्रेनिंग भवन के मिनी कांफ्रेंस हॉल में एकत्रित हुए। प्रशासनिक प्रभारी डॉ दिब्येन्दु चौधरी ने कर्मचारियों के संयोजन को शपथ दिलाई और साम्प्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और लोगों के बीच अपनेपन की भावना पर जोर देते हुए "कौमी एकता सप्ताह" के महत्व के बारे में प्रबुद्ध किया । इसी के पालन में 25 नवंबर को श्री.M ए बारी (प्रशासनिक अधिकारी) और एनआरआईएसडी के वैज्ञानिक डॉ. एम. काशिफ को प्रतियोगिता को जज करने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

चित्र 5.19: कौमी एकता सप्ताह

विजेताओं को पुरस्कार राशि प्रदान की गई: 1. श्रीमती टी पद्मजा (ए.ए.), 2. श्री आर नागा राजेश (जूनियर कांग्रेस) और 3 । डॉ श्रीकांत शर्मा (सह-संकाय सदस्य - देखें)

5.13.11 परिसर में पुस्तक मेला

संस्थान परिसर में 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2019 तक दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया, जिसमें पहले चरण के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को उनके प्रशिक्षण विषयों और व्यावसायिक डोमेन के लिए प्रासंगिक शीर्षकों का चयन करके अपने पुस्तक भत्ते का सार्थक उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

महानिदेशक श्री डी चंद्र शेखर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और पुस्तक विक्रेताओं को निम्समे के आह्वान पर आसानी से जवाब देने के लिए बधाई दी। उन्होंने आयोजन के समन्वय में सेंडोसी के प्रयासों की भव्य तरीके से सराहना की। उद्घाटन के भाग के रूप में, एफएम-एसईएम के डॉ के विश्वेश्वर रेड्डी ने पुस्तक भत्ते का लाभ उठाने से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में बताया और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रायोजित करने और प्रशिक्षुओं को उनकी अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उदार पुस्तक भत्ते के साथ समर्थन देने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की सराहना की ।

उद्घाटन में **निम्समे** के सभी सदस्य संकाय, कार्यक्रम निर्देशक और कर्मचारी उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने अपना समय बचाने के लिए **निम्समे** के प्रयासों की सराहना की, जिसे वे समझदारी से अपने प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर खर्च कर सकते हैं ।

चित्र 5.20: परिसर में पुस्तक मेला

5.13.12 यश से निम्समे कैंपस

संस्थान ने सहस्राब्दी की बारी के आसपास अपने सेन्डॉक पुस्तकालय के उपयोग के लिए सदस्यता की पहल शुरू की। सदस्यों को पुस्तकालय के पठन और संदर्भ वर्गों का उपयोग करने के विशेषाधिकार के साथ-साथ सेंडोसी के साथ-साथ पढ़ने, विचार और चर्चा के लिए संलग्न खुले आधारों का उपयोग करने की अनुमति है । मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों के युवा कॉलेज स्नातकों को शांत चिंतन और पारस्परिक विचार के माध्यम से कैरियर निर्णय लेने में मदद करना था- बिना किसी शांतिपूर्ण सेटिंग में साझा करना - उनमें से एक को उद्यमशीलता कैरियर का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया जा सकता है!
हालांकि, अधिकांश उपयोगकर्ता उन्नत परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं जो उनके करियर को निर्णायक मोड़ देने में मदद करेंगे। हाल ही में एक सुखद परिणाम 17 सदस्यों, जो सीए फाइनल के लिए तैयारी कर रहे थे, सफलतापूर्वक योग्य है । पीजी प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले मेडिसिन छात्रों और 2 छात्रों का चयन एम्स के लिए किया जाता है, जो (पीजीआई-चंडीगढ़) के लिए आवंटित किया जाता है ।

इनमें से कुछ ने परिसर की सुविधाओं और सहूलियतों के बारे में अपनी राय जाहिर की । वे एक स्वर में राज्य है कि परिसर में माहौल एकाग्रता, चिंतन और ज्ञान अधिग्रहण के लिए अत्यंत उपयुक्त है, कि कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं के अनुकूल है और बाहर तक पहुंचने, कि वे एक आरामदायक समय है । सेटिंग पूरी तरह से चुना पीछा के लिए खुद को अच्छी तरह से लैस करने पर स्पष्टता के साथ ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्मुख है ।

5.14 विदाई समारोह

5.14.1 एस रमा देवी, अधीक्षक

श्रीमती एस रमा देवी, अधीक्षक (स्थापना) की सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर 30 अप्रैल 2019 को संस्थान की सेवाओं से विदाई दी गई।

चित्र 5.21: श्रीमती एस. रमा देवी का सेवानिवृत्ति समारोह

सेवानिवृत्त कर्मचारी को विदाई और शुभकामनाएं देने के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. संजीव चतुर्वेदी, निदेशक; श्री गोर्थी एन.वी.आर.एस. हरनाथ, निदेशक (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स), डॉ दिब्येन्दु चौधरी, संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल), श्री जे कोटेश्वर राव, सह-संकाय सदस्य (उ.वि.स्कूल); श्री एन मुरली किशोर, सहायक रजिस्ट्रार, श्रीमती के. नागमणि अधीक्षक (लेखा), श्री एस. वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक और श्री के. साई किरण, प्रशासनिक सहायक एवं महासचिव, **निम्समे** कर्मचारी संघ के साथ श्रीमती. बी. नीरजा, प्रशासनिक सहायक, श्रीमती के. संध्या, प्रशासनिक सहायक; डॉ. शिरीष प्रभाकर कुलकर्णी, हिंदी अनुवादक तथा अन्य ने अपने कार्यकाल के दौरान संस्थान में श्रीमती एस. रमा देवी के योगदान के बारे में बताया।

निदेशक ने सेवानिवृत्त कर्मचारी को संस्थान की ओर से सांकेतिक उपहार भेंट किया। श्रीमती रमा देवी को सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ और संतुष्ट जीवन के लिए इच्छाओं के साथ देखा गया ।

5.14.2 जी वीरैय्या, एमटीए

श्री जी. वीरैय्या, एमटीए को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर 31 मई 2019 को संस्थान की सेवा से विदाई दी गई । डॉ. संजीव चतुर्वेदी, निदेशक, **निम्समे**, श्री जे. कोटेश्वरराव, सह-संकाय सदस्य - (उ.वि.स्कूल) और सचिव, निम्समे रिक्रिएशन क्लब, डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी, संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल); श्री एन. मुरली किशोर, सहायक रजिस्ट्रार, श्रीमती के. नागमणि, अधीक्षक (लेखा), श्री एस. वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक; और श्री के. साई किरण, प्र.सा. एवं महासचिव, **निम्समे** कर्मचारी संघ के साथ अन्य ने अपने कार्यकाल के दौरान संस्थान में निवर्तमान कर्मचारी के योगदान के बारे में बताया ।

चित्र 5.22: श्री जी. वीरैय्या का सेवानिवृत्ति समारोह

निदेशक ने उन्हें संस्थान की ओर से सांकेतिक उपहार भेंट किया। श्री जी. वीरय्या को सेवानिवृत्ति के बाद के स्वस्थ जीवन की इच्छाओं व्यक्त की गई।

5.14.3 श्रीमती के नागमणि, अधीक्षक (लेखा) और श्री के. एस वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक

श्रीमती के नागमणि, अधीक्षक (लेखा) और श्री एस वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक की सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर उन्हें 28 जून 2019 (29 और 30 वें सप्ताहांत होने के कारण) संस्थान की सेवाओं से विदाई दी गई। इस अवसर पर एक विशेष समारो का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में संस्थान के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

श्री गोर्थी एन.वी.आर.एस. हरनाथ, निदेशक (प्रशासन और लॉजिस्टिक्स), डॉ. दिब्येन्दु चौधरी, संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल), श्री कोटेश्वर राव जगन्नाथम, सह-संकाय सदस्य (उ.वि. स्कूल); श्रीमती वी स्वप्ना, सह-संकाय सदस्य (उ.प्र. स्कूल); श्री विवेक कुमार, सह-संकाय सदस्य (उ.वि. स्कूल), श्री एन. मुरली किशोर, सहायक रजिस्ट्रार, श्री मोहम्मद इस्माइल, निदेशक के सलाहकार; श्री के. पांडुरंगा, प्र.सा., श्री के. साई किरण, प्र.सा. एवं महासचिव, **निम्समे** कर्मचारी संघ, श्रीमती उर्मिला वाघरे, पर.सा. ने निवर्तमान कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और चरित्र के बारे में प्रशंसा की।

चित्र 5.23: श्रीमती के नागमणि, अधीक्षक (लेखा) और श्री के. एस वेंकटेश्वर्लु, वरिष्ठ आशुलिपिक

चित्र 5.24: श्री का सेवानिवृत्ति समारोह। एस वेंकटेश्वरलू, वरिष्ठ आशुलिपिक

इस कार्यक्रम में **निम्समे** के कई पूर्व संकाय और कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया। श्री पी. उदय शंकर, श्री. बी. चलवा राय, श्री एल. अशोक कुमार, श्रीमती के.एस. कृष्ण मोहन, श्रीमती जी. गिरिजा बाई, श्रीमती सरला ने सेवा में के दौरान निवर्तमान कर्मचारियों के साथ अपने कार्य सहयोग के बारे में उदासीनता से याद किया।

अंत में निदेशक (प्रशासन एवं लॉजिस्टिक) एवं प्रभारी निदेशक ने निवर्तमान कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा संस्थान की ओर से सांकेतिक उपहार भेंट किए। उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ, संतुष्ट और सुखी जीवन की शुभकामनाएं दीं ।

6. स्वच्छ भारत

6.1 स्वच्छता पखवाड़ा

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में 16-30 जून 2019 के दौरान **निम्समे** परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़े के प्रत्येक दिन निष्पादित किए जाने वाले आयोजनों और गतिविधियों की एक योजना तैयार की गई और उसे लागू किया गया । **निम्समे** परिवार के सभी सदस्यों ने समर्पण और मिशनरी जोश की भावना से अनुसूचित गतिविधियों में हिस्सा लिया था। पखवाड़े के एजेंडे के ब्योरे पर के बारे में चर्चा की गई है ।

कार्यक्रम में 16 को स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता कार्यशाला के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वशिष्ठ कैंसर सोसायटी के महासचिव डॉ वासुदेव चतुर्वेदी ने संयोजन को संबोधित किया, इसके बाद व्यवहारिक प्रस्तुति दी गई।

इस दौरान आयोजित अन्य गतिविधियों में : रास्तों पर गिरी पत्तियों की सफाई और उन्हें विशिष्ट रंग के कचरे के डिब्बे में डालना, प्लास्टिक कचरे को अलग करना, एक पार्क में सुबह टहलनेके लिए आने वालों को प्लास्टिक कचरे के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना, जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री अंकित भटनागर, सह-संकाय सदस्य द्वारा समन्वित; उचित निपटान के लिए विभिन्न वर्गों से ई-कचरे का संग्रह; जैविक और रसोई कचरे के लिए खाद गड्ढे बनाना; शहर के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और आस-पास की झुग्गी बस्तियों में यात्रियों को मिनी स्वच्छता किट (जिसमें डेटॉल, कॉटन, साबुन, टूथ ब्रश और पेस्ट, और एक मिनी शेविंग किट का वितरण किया गया। महिला कर्मचारियों द्वारा झुग्गी बस्तियों में अनिवार्य रूप से महिला केंद्रित स्वच्छता किट का वितरण; राज्य बागवानी विभाग की मदद से औषधीय पौधों की नर्सरी के लिए पौधरोपण अभियान; परिसर में सौर पैनलों की सफाई जैसे कार्यक्रम चलाए गए।

चित्र 6.1: स्वच्छता पखवाड़ा

औषधीय पौधों की नर्सरी बनाना और राहगीरों को वितरित करना; तालाब की सफाई; रचनात्मक कला अभियान; सह-संकाय सदस्य के डॉ श्रीकांत शर्मा के मार्गदर्शन में बांस की विभिन्न प्रजातियों का पौधरोपण किया।

स्कूली छात्रों के लिए निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, योगिता - प्रतियोगिता। इस कार्यक्रम में जॉयस द प्ले स्कूल, श्री साईराम हाई स्कूल और श्री कुमार के हाई स्कूल, और एमएमसीसी टैलेंट हाई स्कूल रहमत नगर के छात्रों ने भाग लिया। उन्हें उनकी उम्र और पढ़ाई की क्लास के आधार पर पांच ग्रुप में बांटा गया था। सब-जूनियर्स को अपनी कल्पना का इस्तेमाल करते हुए प्री-लोडेड पैंटिंग को रंगने को कहा गया । जूनियर्स को ड्रा और रंग लगाने के लिए कहा गया, जबकि सीनियर को पोस्टर बनाने के लिए कहा गया। सीनियर छात्रों को स्वच्छ भादंपर अभियान पर निबंध लिखने को कहा गया। बच्चों के साथ संबंधित स्कूल के प्रधानाचार्य व वरिष्ठ शिक्षक भी थे।

6.2 स्वच्छ भारत गतिविधि

एमएसएमई मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में 30 सितंबर 2019 को निम्समे कैंपस में स्वच्छ भारत एक्टिविटी कराई गई। **निम्समे** परिवार ने उत्साहपूर्वक अपने-अपने डिब्बे में पौधे, अलग और फेंके गए कचरे को लगाया और उचित प्लास्टिक निपटान विधियों को अपनाकर एकल उपयोग प्लास्टिक को चरणबद्ध रूप से बाहर निकालने की दिशा में कार्रवाई भी शुरू की ।

7. शारीरिक और वित्तीय प्रदर्शन

7.1 वित्तीय प्रदर्शन

संस्थान ने 2019-20 के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 1,434.50 लाख रुपये की आय की, जबकि 2018-19 के दौरान 1,516.10 लाख रुपये। इसका कारण पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान एआइटी और गैर-एति योजनाओं के तहत उद्‌यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों की संख्या में कमी को माना जा सकता है। दोनों वर्षों का तुलनात्मक वित्तीय प्रदर्शन निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है:

तालिका 1.5: वित्तीय रिपोर्ट

गतिविधि	2019-20			2018-19		
	कार्यक्रम	**प्रशिक्षु**	**आय**	**कार्यक्रम**	**परशिक्षु**	**आय**
1	2	3	4	2	3	4
(क) एटीआई योजना के तहत कार्यक्रम	**53**	**1590**	**240.02**	**25**	**750**	**101.08**
(ख) गैर-एटीआई कार्यक्रम						
1. राष्ट्रीय कार्यक्रम	125	2911	564.74	208	11534	535.81
2. अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	9	231	283.31	11	300	400.96
3. संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	5	385	7.34	22	655	11.35
4. अनुसंधान और परामर्श	1		16.42	4		166.78
5. अन्य			322.67			300.12
कुल (ख) गैर-एटीआई के तहत	**140**	**3527**	**1194.48**	**245**	**12489**	**1415.02**
कुल योग (क+ख)	**193**	**5117**	**1434.50**	**270**	**13239**	**1516.10**

7.2: राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी

वर्ष 2019-20 में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या 193 थी और प्रतिभागियों की संख्या 13,239 थी, जिसकी तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान 270 कार्यक्रम आयोजित किये गये और प्रतिभागियों की संख्या 5,117 थी। पिछले वर्ष के दौरान कार्यक्रमों और प्रतिभागियों की संख्या में कमी मुख्य रूप से 2019-20 के दौरान मंत्रालय की एटीसी योजना के तहत कार्यक्रमों की कम संख्या के कारण हुई।

कार्यक्रम **प्रतिभागी**

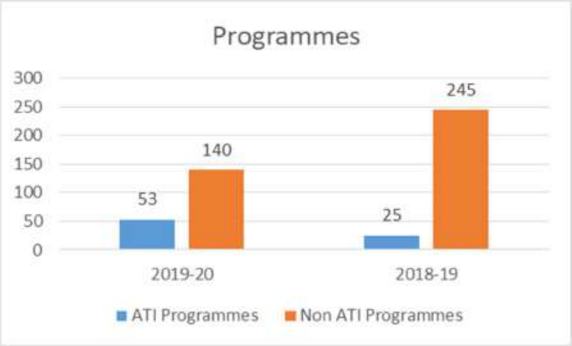

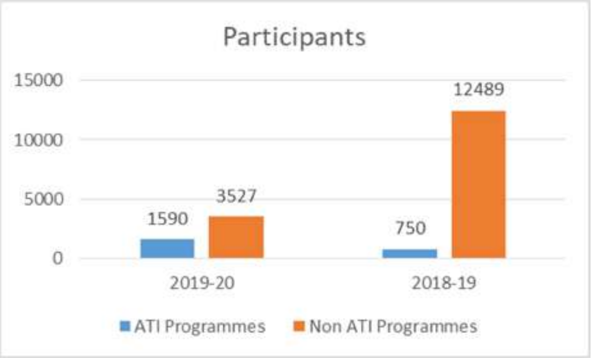

चित्र 7.1 : राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागी

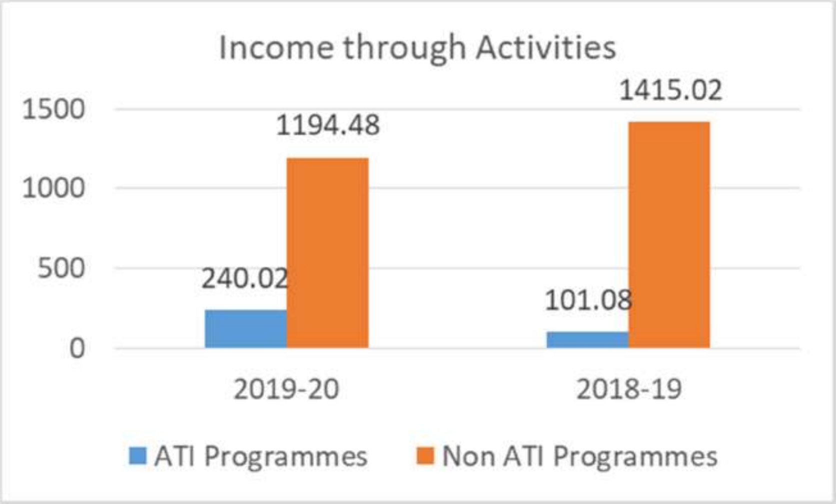

चित्र 7.2 : विभिन्न कार्यक्रमों से प्राप्त आय

8. सिटीजन चार्टर और आरटीआई एक्ट

8.1 निम्समे चार्टर

जैसा कि परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज (आरएफडी), सेवोत्तम अनुरूप नागरिक चार्टर में निर्दिष्ट है, एक सेवोत्तम अनुपालन शिकायत निवारण तंत्र अनिवार्य है। तदनुसार, संस्थान के लिए एक नागरिक चार्टर अपनाया गया है और इसे संस्थान की वेबसाइट पर देखा जा सकता है ।

संस्थान का उद्देश्य सभी एमएसएमई सेवा प्रदाताओं के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम या सेमिनार और कार्यशालाओं का संचालन करना है। यह उद्यमों के विकास और संवर्धन के लिए अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं को चलाता और निष्पादित करता है, युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है और नागरिकों और ग्राहकों को एमएसएमई से संबंधित जानकारी भी प्रदान करता है ।

8.2 सूचना का अधिकार अधिनियम

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत जानकारी के लिए, नागरिक किसी भी कार्य दिवस पर नए प्रशिक्षण भवन (भूतल: सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय), नी-एमएसएमई, यूसुफगुडा, हैदराबाद-500 045 में स्थित लोक सूचना अधिकारी (आरटीआई) से संपर्क कर सकते हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान को नौ आवेदन मिले थे। उनमें से आठ का निस्तारण किया गया और तीन आवेदन प्राप्त हुए, उनमें से तीन का विधिवत विवरण 31 मार्च, 2020 तक निस्तारित कर दिया गया।

8.3 शासी परिषद के सदस्य

तालिका 1.6 : शासी परिषद के सदस्य

अ.क्र.	नाम	पता	पदनाम
1	श्री नितिन गडकरी	मा. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम मंत्री भारत सरकार, उद्‌योग भवन, नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष (पदेन)
2	श्री ए. के. शर्मा, भा.प्र.से.	सचिव ,भारत सरकार सूक्ष्मलघु एवं मध्यम , उद्‌यम मंत्रालय, भारत सरकार ,उद्‌योग भवन, नई दिल्ली 110011 -	उपाध्यक्ष (पदेन)
3	श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली- 110011	पदेन सदस्य
4	श्री विजोय कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, विकास आयुक्त (सू.ल.म. उद्‌यम), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्‌योग भवन नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
5	श्रीमती अलका एन. अरोड़ा, आईडीएएस	संयुक्त सचिव (लघु एवं मध्यम उद्‌योग) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्‌योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
6	श्री सुधीर गर्ग, भा.रे.बि.अ.से.	संयुक्त सचिव (कृषि एवं ग्रामोद्‌योग) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्‌योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
7	चेयरमैन	कयर बोर्ड, कयर हाउस, एम.जी. रोड, एर्नाकुलम, कोच्ची - 682016 केरल	पदेन सदस्य
8	चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक	भारतीय लघु उद्‌योग विकास बैंक (सिडबी), एमएसएमई विकास केंद्र, सी-11, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व) मुंबई- 400051	पदेन सदस्य
9	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	खादी एवं ग्रामोद्‌योग आयोग, ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड , विलेपार्ले (पश्चिम) मुंबई - 400056	पदेन सदस्य
10	चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक	राष्ट्रीय लघु उद्‌योग निगम (एनएसआईसी) एनएसआईसी भवन, ओखला औद्‌योगिक पार्क नई दिल्ली- 110020	पदेन सदस्य

11	निदेशक	भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (अहमदाबाद एयर पोर्ट और इंदिरा ब्रिज मार्ग से) भाट डाक घर - 382428, जिला गांधीनगर, गुजरात	पदेन सदस्य
12	प्रधान सचिव	उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय, (एफ पी एण्ड एमएसएमई), तेलंगाना सरकार सचिवालय, हैदराबाद - 500002	मनोनीत सदस्य
13	मुख्य महाप्रबंधक	भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय. कार्यालय हैदराबाद 5000 -95	मनोनीत सदस्य
14	सुश्री सुषमा मोर्थानिया	महानिदेशक, इंडिया एसएमई फोरम, 404, दुर्गा चेम्बर्स, वीरा इंडस्ट्रियल एस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी पश्चिम, मुंबई-400	मनोनीत सदस्य
15	श्री वी. सुंदरम	अध्यक्ष, कोयम्बतूर जिला लघु उद्योग संघ (सीओडीआईएसएसए), जी. डी. नायुडु टॉवर्स, पो.बॉ. नं. 3827, हुज़ूर रोड, कोयम्बतूर, 641018, तमिलनाडु	मनोनीत सदस्य
16	डॉ. डब्ल्यू. आर. रेड्डी	महानिदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायत राज संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद (तेलंगाना)	मनोनीत सदस्य
17		रिक्त	मनोनीत सदस्य
18		रिक्त	मनोनीत सदस्य
19		रिक्त	मनोनीत सदस्य
20		रिक्त	मनोनीत सदस्य
21	सुश्री एस. ग्लोरी स्वरूपा	महानिदेशक, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), यूसुफगुड़ा, हैदराबाद	सदस्य सचिव

(अनुबंध - 3)

शिकायतों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी और सूचना हेतु निवेदन के लिए जन-सूचना अधिकारी आदि के पते

शिकायतों के समाधान के लिए:

संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) एवं प्रशारी प्रशासन
राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)
यूसुफगुडा, हैदराबाद- 500045
फोन नं. 040-23608544 / विस्तार क्र. 203
फैक्स नंबर 040-23608547
वेबसाइट: www.nimsme.org
ई-मेल: cao@nimsme.org सूचना और सुविधा काउंटर

सूचना और सुविधा काउंटर

तल मंजिल, सेन्डॉक भवन निम्समे
फोन नं. 040-23608544 / विस्तार नं. 235
तल मंजिल, नया प्रशिक्षण भवन निम्समे
फोन नं. 040-23608544 वि.नं. 217/260
एफ 'ब्लॉक, तल मंज़िल, गेस्ट रूम कॉम्प्लेक्स निम्समे
फोन नं. 040-23608544 /.विस्तारित नं. 270 / 280
सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
तल मंजिल, नया प्रशिक्षण भवन, निम्समे
फोन नं. : 040-23633260

जन सूचना अधिकारी का पता

संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) एवं प्रशारी प्रशासन
राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)
यूसुफगुडा, हैदराबाद- 500045
फोन नं. 040-23608528, 23633203
फैक्स नंबर 040-23608547

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी का पता

संकाय सदस्य (उ.प्र.स्कूल) एवं प्रभारी प्रशासन
राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे)
यूसुफगुडा, हैदराबाद- 500045
फोन नं. 040-23608528, 23633203
फैक्स नंबर 040-23608547
वेबसाइट: www.ni-msme.org ई-मेल : cao@nimsme.org

अनुबंध 4 -

सेवा निवृत्तियाँ			
क्र. सं.	**कर्मचारी का नाम**	**पदनाम**	**सेवा निवृत्ति की तिथि**
1.	श्रीमती एस. रमादेवी	अधीक्षक	30.04.2019
2.	श्री जी. वीरय्या	एमटीए	31.05.2019
3.	श्री एस. वेंकटेश्वर्लू	वरिष्ठ आशुलिपिक	30.06.2019
4.	श्रीमती के. नागमणी	अधीक्षक	30.06.2019
5.	श्री जी. रामचंदर	एमटीए	28.02.2019

वर्ष में पदों पर की गई भर्तियाँ 20-2019			
अ.क्र.	**अधिकारी का नाम**	**पदनाम**	**सेवा में शामिल होने की तिथि**
1.	श्रीमती एस. ग्लोरी स्वरूपा	महानिदेशक	18.03.2020

8.4 कार्यकारी परिषद के सदस्य

तालिका 1.7 : कार्यकारी समिति के सदस्य

अ.क्र.	नाम	पता	पदनाम
1	श्री ए.के. शर्मा भा.प्र.से	सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष
2	श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली- 110011	पदेन सदस्य
3	श्री विजोय कुमार सिंह, भा.प्र.से.	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, विकास आयुक्त (सू.ल.म. उद्यम), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
4	श्रीमती अलका एन. अरोड़ा, आईडीएएस.	संयुक्त सचिव, (लघु एवं मध्यम उद्योग)	पदेन सदस्य
5	श्री सुधीर गर्ग, भा.रे.बि.अ.से.	संयुक्त सचिव (कृषि एवं ग्रामोद्योग) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011	पदेन सदस्य
6	श्री एन. रवि कुमार	अध्यक्ष, डीआईसीसीआई, आंध्र प्रदेश चैप्टर, राज्य कार्यालय : 5-9-12/1, चौथी मंज़िल, ऑफिस ब्लॉक, सम्राट कॉम्प्लेक्स, सैफाबाद, हैदराबाद - 500004	मनोनीत सदस्य
7		रिक्त	
8	श्री शक्ति विनय शुक्ल	निदेशक, सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी) जी.टी. रोड, मकरंद नगर, कन्नौज 209725	मनोनीत सदस्य

अनुबंध 5 -

कार्यकारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मार्च 2019 तक शामिल पूर्व छात्र

क्र. सं	देश	कुल	क्र. सं	देश	कुल
1	अफगानिस्तान	575	21	कंबोडिया	114
2	अल्जीरिया	16	22	कैमरून	20
3	एंटीगुआ और बर्बूडा	13	23	केप वर्दे	2
4	अंगोला	4	24	चिली	14
5	अर्जेंटीना	2	25	चीन	2
6	आर्मीनिया	24	26	कोलम्बिया	9
7	आज़रबैजान	7	27	कोमोरोस	3
8	बांग्लादेश	553	28	कोस्टा रिका	21
9	बारबाडोस	12	29	कोट दि आइवर (आइवरी कोस्ट)	68
10	बेलारूस	5	30	क्रोएशिया	2
11	बेलीज	10	31	क्यूबा	23
12	बेनिन	8	32	चेक गणतंत्र	2
13	भूटान	193	33	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (ज़ैरे)	45
14	बोलीविया	3	34	जिबूती	2
15	बोत्सवाना	58	35	डोमिनिका	2
16	ब्राज़िल	8	36	डोमिनिकन गणराज्य	1
17	ब्रुनेई	5	37	इक्वाडोर	16
18	बुल्गारिया	3	38	मिस्र, अरब गणराज्य	148
19	बुर्किना फासो	12	39	एल. सल्वाडोर	20
20	बुरुण्डी	10	40	इरिट्रिया	34

क्र. सं	देश	कुल
41	एस्तोनिया	4
42	इथियोपिया	293
43	फ़िजी	61
44	गैबॉन	2
45	गाम्बिया	34
46	जॉर्जिया	14
47	घाना	442
48	यूनान	1
49	ग्वाटेमाला	12
50	गिन्नी	13
51	गिनी बिसाऊ	2
52	गुयाना	65
53	हैती	2
54	होंडुरस	14
55	इंडिया	3
56	इंडोनेशिया	178
57	ईरान इस्लामिक गणराज्य	63
58	इराक	213
59	जमैका	5
60	जापान	1
61	जॉर्डन	85
62	कजाखस्तान	140
63	केन्या	230

क्र. सं	देश	कुल
64	किरिबाती गणराज्य	11
65	कोरिया	28
66	किर्गिज़स्तान	57
67	लाओ पीडीआर	77
68	लेबनान	3
69	लिसोथो	31
70	लाइबेरिया	42
71	लीबिया	4
72	लिथुआनिया	17
73	मैसेडोनिया	4
74	मेडागास्कर	69
75	मालावी	158
76	मलेशिया	214
77	मालदीव	79
78	माली	42
79	माल्टा	5
80	मॉरीशस	239
81	मेक्सिको	22
82	मंगोलिया	76
83	मोरक्को	22
84	मोजाम्बिक	17
85	म्यांमार	349
86	नामीबिया	35

क्र. सं	देश	कुल
87	नेपाल	173
88	निकारागुआ	10
89	नाइजर	73
90	नाइजीरिया	343
91	ओमान	106
92	पाकिस्तान	4
93	फिलिस्तीन	25
94	पनामा	11
95	पापुआ न्यू गिनी	47
96	पैराग्वे	4
97	पेरू	11
98	फिलीपींस	251
99	पोलैंड	4
100	रोमानिया	3
101	रूस	95
102	रवांडा	12
103	समोआ	12
104	सऊदी अरब	2
105	सेनेगल	36
106	सेशेल्स	17
107	सियरा लिओन	118
108	सिंगापुर	5
109	सोलोमन आईलैण्ड	25

क्र. सं	देश	कुल
110	सोमालिया	13
111	दक्षिण अफ्रीका	104
112	दक्षिण सूडान	20
113	श्रीलंका	666
114	सेंट किट्स एंड नेविस (वे. इंडीज)	2
115	सेंट लूसिया (वे. इंडीज)	9
116	सेंट विंसेंट (वे. इंडीज)	4
117	सूडान	362
118	सूरीनाम	23
119	स्वाजीलैंड	26
120	सीरियाई अरब गणराज्य	154
121	तीजिकिस्तान	105
122	तंजानिया	386
123	थाईलैंड	170
124	तिब्बत	16
125	तिमोर लेस्ते	3
126	टोगो	17
127	टोंगा	7
128	त्रिनिदाद और टोबैगो	28
129	ट्यूनीशिया	33
130	तुर्की	20
131	तुर्कमेनिस्तान	12
132	तुवालु	1

क्र. सं	देश	कुल
133	युगांडा	378
134	संयुक्त अरब अमीरात	1
135	यूक्रेन	6
136	अमेरिका	15
137	उज़्बेकिस्तान	155
138	वैनुआतु	2
139	वेनेजुएला	5
140	वियतनाम	136
141	यमन	131
142	जाम्बिया	227
143	जिम्बाब्वे	217
	कुल	**10388**

प्रमुख उपलब्धियाँ

1964	काकीनाड़ा प्रयोग के दौरान प्रोके डेविड मैकलेलैंड के साथ मिलकर प्रोत्साहन उपलब्धि . बारे में एक अग्रणी अनुसंधान अध्ययन किया गया।
1967	लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के विकास में पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया।
1971	लघु उद्यम राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र (सेन्डॉक) नामक एक सूचना केंद्र की स्थापना की गई।
1974	तांज़ानिया की सरकार को लघु उद्योग विकास संगठन (सिडो) की स्थापना में सहायता की गई।
1979	गुवाहाटी में एक क्षेत्रीय केंद्र की शाखा की स्थापना की गई।
2001	अरुणाचल प्रदेश के वस्त्र और हस्तशिल्प क्षेत्र में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया।
2002	संस्थान को स्वयंपोषी स्वरूप प्राप्त हुआ।
2003	पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशिष्ट संसाधन आधार के लिए परियोजनाओं की पहचान के बारे में अध्ययन किया गया। मॉरीशस में महिला सशक्तीकरण के लिए दृष्टि दस्तावेज
2004	मॉरीशस के लिए एसएमई पर परियोजना की रूपरेखा का निर्माण
2000-07	युगांडा, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, नाइजीरिया, सूडान, कैमरून और घाना के साथ खरीदार से खरीदार लेनदेन।-
2004-07	एमएसएमई क्लस्टरों का कार्यान्वयननिगर ,ानी और आवश्यक सहायता का प्रावधान
2006-08	बैंक ऑफ घाना के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
	परंपरागत उद्योगों के लिए निधि पुनर्सृजन योजना (स्फूर्ति)हथकरघा ,, हस्तशिल्प क्लस्टरों के लिए हैंड होल्डिंग।
2008	नई दिल्ली में सूक्ष्मलघु एवं मध्यम उद्यम क्लस्टर विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का , आयोजन
	भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के अग्रदूत के रूप में अफ्रीका की महिला अधिकारियों के लिए आउटरीच कार्यक्रम।
2008-15	एनबीसीएफडीसी की विभिन्न राज्यों में जारी योजनाओं का मूल्यांकन अध्ययन
2008-09	बांग्लादेश लघु एवं कुटीर उद्योग निगम (बीएससीआईसी) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

2009-10	बौद्धिक संपदा अधिकार सुविधा केन्द्र (आईपीएफसी) की स्थापना
	सूक्ष्मलघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की एटीआई योजना के अंतर्गत कार्यक्रमों का , आयोजन
	आवास एवं शहरी गरीबी निर्मूलन मंत्रालय (एमएचयूपीए), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अनुसंधान अध्ययनों का निष्पादन
2010-11	हस्तशिल्प में पारंपरिक चित्रों के लिए संसाधन केंद्र की स्थापना
2012-13	भवन और अन्य निर्माण संबंधी पंजीकृत श्रमिकों के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम
	भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के अंतर्गत अफ्रीकी समुदाय के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन
2013-14	राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता संस्थान के कार्यक्रम।
	स्वर्णोत्सव समारोह का आयोजन ।
	विकास आयुक्त (सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यम ,) द्वारा प्रायोजित "निर्यात प्रोत्साहन" (पैकेजिंग और निर्यात के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रमकार्यक्रम (का मूल्यांकन।
2015-16	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एससीएम) पर जूनियर कमिश्नड ऑफिसरों / अन्य रैंक के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों (रक्षा कार्मिक) के लिए पुनर्वास उद्यमिता प्रशिक्षण।
	सौर ऊर्जा पर उद्यमिता / कैरियर उन्मुख प्रशिक्षण।
	पुष्प खेती के बारे में बांग्लादेश की महिला उद्यमियों / किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
	कोलंबो (श्रीलंका), ढाका (बांग्लादेश) और भूटान (नेपाल) में सार्क देशों में मूल्य विरहन बाधाओं माहौल की बाधाओं (एनटीएम) और मूल्य विरहण प्रावधान (एनटीबी)(एनटीबी) पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।
2016-17	लाइवलीहुड बिजिनेस इन्क्यूबेशन की स्थापना की गई।
	माल एवं सेवा कर जी)एसटी प्रकोष्ठ की स्थापना (की गई।
18-2017	उद्यमिता एवं उद्यमिता विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रकोष्ठ की (डीड-पीजी) स्थापना की गई।
	उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। (ईडी)
	अनुसूचित जाति / जन जाति के उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण ।
19-2018	सर्वोत्कृष्ट लम्बी अवधि का प्रशिक्षण कार्यक्रम पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन एन्ट्रेप्रेन्युअरशिप एण्ड एटरप्राइज डेवलपमेंट (पीजीडीड)
	तेलंगाना शेड्यूल्ड कास्ट्स को ,(टीएससीसीडीसीएल) .ऑपरेटिव डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि-तेलंगाना सरकार द्वारा प्रायोजित अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
	निम्समे की ओर से लगभग या क्लस्टरों में हस्तक्षेप तथा विकास का कार्य कि 125

	गया
	शोषित समुदाय के युवाओं के लिए व्यावसायिक रुचि की तलाश के लिए पहली बार 'दिशा' नामक पेटेंट के लिए आवेदन किया गया।
2019-20	अकादमिक शिल्प कौशल के लिए डेनिश कंसोर्टियम के साथ समझौता (डीसीएसी)
	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट) के साथ समझौता
	आईआईएम, त्रिची, आईआईएफटी, कोलकाता के प्रमुख संस्थानों के साथ रणनीतिक गठबंधन।
	नाटोनल कैश ट्रांसफर ऑफिस (एनसीटीओ) नाइजीरिया की संघ सरकार के साथ, 'सेव दि चिल्ड्रन' अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण योजना के तहत सरकारी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और हस्तक्षेप।

वित्तीय रिपोर्ट

M.V.NARAYANA REDDY & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
19-20
✆ : 040-2374 3975
040-2374 4448

लेखा परीक्षकों की स्वायत्त रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्य, राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम संस्थान

वित्तीय लेखा परीक्षण संबंधी बयानों पर रिपोर्ट

हमारी राय

हमने **राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम संस्थान (निम्समे) ('संस्थान')** के संलग्न विवरण का लेखा परीक्षण किया है। इसमें 31 मार्च 2020 तक का तुलन-पत्र, समाप्त वित्त वर्ष संबंधी आय और व्यय की तालिकाओं एवं भुगतान तथा प्राप्तियों की रसीदों के साथ वित्तीय विवरण संबंधी टिप्पणियों, जिनमें लेखा परीक्षण संबंधी महत्वपूर्ण नीतियों का सारांश के अतिरिक्त अन्य विश्लेषणात्मक जानकारी (जिसका इस रिपोर्ट में **"वित्तीय विवरण"** के रूप में उल्लेख किया गया है) भी शामिल हैं।

हमारी राय में हमें दी गई सर्वोत्कृष्ट सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार उपरोक्त वित्तीय विवरण संबंधित अधिनियम के अनुसार आवश्यक जानकारी देने के साथ ही भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखा परीक्षण के सिद्‌धांतों के अनुरूप स्पष्ट और यथार्थ सूचनाएँ प्रस्तुत करता है :

ए. तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च 2020 तक की संस्थान की विभिन्न मामलों की स्थिति।
बी. वर्ष की समाप्ति की तिथि पर आय और व्यय के बारे में, आय से अधिक व्यय के बारे में।
सी. प्राप्तियों और भुगतान संबंधी विवरण के बारे में, वर्ष समाप्ति की तिथि पर प्राप्तियों और भुगतान के बारे में।

राय का आधार हमने अपना लेखा परीक्षण कार्य इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्‌वारा जारी किये गये लेखा परीक्षण मानकों (एसएएस) के अनुरूप पूरा किया है। उन मानकों के अनुसार हमारी ज़िम्मेदारियों की जानकारी हमने अपनी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण खंड ड में लेखा परीक्षण और वित्तीय विवरण संबंधी लेखा परीक्षकों की ज़िम्मेदारी शीर्षक के अन्तर्गत अगले पृष्ठों पर स्पष्ट की हैं।

आईसीएआई द्‌वारा जारी संहिता और आचार नीति के अनुसार हम हम स्वायत्त व्यवस्था हैं, साथ ही हमने वित्तीय विवरण के अपने लेखा परीक्षण के लिए उचित नीतिपरक आवश्यकताओं की पूर्ति की हैं साथ ही हमने इन आवश्यकताओं के अनुरूप तथा नीति संहिता के अनुसार हमारी नैतिक ज़िम्मेदारियों को भी पूरा किया है। हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षण के लिए हमने जो भी प्रमाण प्राप्त किये हैं, वह उनके आधार पर हमारी राय का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त और सटीक हैं।

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Flat No. 504, Vijaya Sree Apartments, D.No. 8-3-941, Ameerpet, Hyderabad-500 073.
E-mail : reddymv_ca@yahoo.com

वित्तीय विवरण के बारे में प्रबंधन की ज़िम्मेदारी

संस्थान का प्रबंधन का उत्तरदायित्व है कि वह संस्था से संबंधित वित्तीय लेन-देन का विवरण उपलब्ध कराएँ, जिससे संस्थान की वित्तीय स्थिति तथा कार्य-प्रदर्शन के बारे में सही और न्यायोचित जानकारी प्राप्त हो सके, जो आईसीएआई द्वारा जारी किये गए लेखा मानकों सहित भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार्य लेखा परीक्षा मानदंडों के अनुरूप हो। इस ज़िम्मेदारी में संस्थान की परिसंपत्तियों को महफ़ूज़ रखने के लिए पर्याप्त दस्तावेजों का रखरखाव, भ्रष्टाचार या फिर अन्य अनियमितताओं से युक्त गतिविधियों की रोकथाम करने के साथ उनकी पहचान के लिए लेखा परीक्षण से संबंधित समुचित दस्तावेज़ों का रख-रखाव करना शामिल होता है। साथ ही योग्य लेखा नीतियों का चयन करना, न्यायोचित निर्णय लेना और तर्कसंगत आकलन तैयार करने के साथ लेखा दस्तावेज़ों को विशुद्ध एवं परिपूर्ण बनाए रखने के लिए अंतर्गत वित्तीय नियंत्रणों का रखरखाव करना का भी अनिवार्य होता है। इसी तरह अंतर्गत वित्तीय नियंत्रणोंका कार्यान्वयन और रखरखाव भी करना होता है, जिसका हम लेखा परीक्षण संबंधी दस्तावेजों की सटीकता तथा परिपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं, जो वित्तीय विवरणों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक हैं ताकि अनियमितता या फिर क्षुटी के कारण गुमराह करने वाले गलत विवरणों से रहित यथार्थ और स्पष्ट स्थिति का पता चल सके।

वित्तीय लेन-देन संबंधी तालिकाएँ तैयार करते समय प्रबंधन अपना व्यवसाय जारी रखने की अपनी क्षमता का मूल्यांकन करने के साथ ही आवश्यक पहलुओं के बारे में विवरण देने, अपने व्यवसाय से संबंधित मामलों की जानकारी देने तथा अपने व्यवसाय के स्वरूप के आधार पर लेखा परीक्षण करने के लिए तब तक जिम्मेदार रहता है, जब तक वह संस्था की संपत्तियों की बिक्री करने के लिए बाध्य नहीं होता, संस्था का संचालन पूरी तरह बंद नहीं करता या फिर ऐसा करने के लिए उसके पास अन्य कोई यथार्थवादी विकल्प उपलब्ध नहीं होता।

संस्था की वित्तीय रिपोर्ट प्रक्रिया का निरीक्षण करने करने की जिम्मेदारी संस्थान के सक्षम अधिकारियों की होती है।

वित्तीय घोषणाओं के बारे में लेखा परीक्षकों की ज़िम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी वह न्यूनतम सुनिश्चितता को कायम करना है, कि प्रस्तुत किया गया वित्तीय विवरण किसी भी तरह के भ्रष्टाचार अथा त्रुटी से मुक्त है या नहीं। हमें इस बारे में समुचित प्रमाण प्राप्त कर लेखा परीक्षण के बारे में हमारी राय भी देनी होती है। न्यूनतम सुनिश्चतता एक उच्चस्तर का आश्वासन मात्र है, और इसकी कोई गारंटी नहीं होती कि मानकों के आधार पर किया गये लेखा परीक्षण से भ्रष्टाचार अथवा जालसाजी से परिपूर्ण विवरण की पहचान करेगा ही। गलत विवरण किसी तरह के भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के कारण दिया जा सकता हैं और उन पर तभी विचार किया जा सकता है, जब वह व्यक्तिगत या फिर सामूहिक रूप से इन वित्तीय विवरणों के आधार पर आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की संभावना रखते हों।

M.V. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार लेखा परीक्षण के अन्तर्गत हमने सम्पूर्ण लेखा परीक्षण के दौरान पेशेवर न्यायवादिता और पेशेवर संदेहवादिता का उपयोग किया है। साथ ही हमने :

किसी भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के कारण दिये गये गलत बयानों की जोखिमों को पहचान कर उनका आकलन करने, उन जोखिमों के बारे में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार कर उनका उपयोग करने और लेखा परीक्षण के बारे में हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने वाले पर्याप्त और समुचित प्रमाण जुटाने का प्रयास किया है। किसी भ्रष्टाचार अथवा त्रुटी के फलस्वरूप दी गई गलत बयानबाज़ी का पता नहीं लगाने का जोखिम किसी एक व्यक्ति पर त्रुटी के कारण होने वाले प्रभाव से कहीं अधिक होता है, क्योंकि भ्रष्टाचार में मिलीभगत, धोखाधड़ी, अन्तर्गत चूक, गलत बयानबाज़ी अथवा अन्तर्गत नियंत्रणों पर हावी होना हो सकता है।

अन्तर्गत नियंत्रणों के बारे में जानकारी प्राप्त करना समुचित परिस्थितियों में लेखा परीक्षण प्रक्रिया की रूपरेखा बनाने के लिए आवश्यक होता है। संस्था की अन्तर्गत प्रभावशीलता के बारे में कोई राय व्यक्त करने के लिए नहीं।

प्राप्त किये गये लेखा दस्तावेजों के आधार पर व्यवसाय के बारे में प्रबंधन की उपयोगिता सटीकता संबंधी यह निष्कर्ष निकालना कि कहीं मुहैया कराए गए दस्तावेजों में विभिन्न गतिविधियों संबंधी बताए गए आंकड़े अवास्तविक तो नहीं हैं या फिर ऐसी कुछ गतिविधियों को तो अंजाम नहीं दिया गया है, जो अपना व्यवसाय जारी रखने की संस्थान की योग्यता पर संदेह उत्पन्न करती हो।

हम लेखा परीक्षण के दौरान अंतर्गत नियंत्रणों के बारे में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण कमियों के साथ ही लेखा संबंधी महत्वपूर्ण नतीजों, लेखा परीक्षण के नियोजित दायरे और समय-सीमा के अतिरिक्त अन्य मामलों के बारे में प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की है।

हमने शासन के सभी संबंधितों को भी तालिकाओं के साथ सूचित किया है कि हमने स्वायत्तता से संबंधित प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और साथ ही उन्हें सभी प्रकार के संबंधों तथा अन्य मुद्दों के बारे सूचनाएँ प्रदान करने, जो हमारी स्वायत्तता के बनाए रखने के लिए आम तौर पर आवश्यक है एवं जहाँ कहीं वह लागू हो या हमारी सुरक्षा से उनका संबंध हो, उनके बारे में जानकारी दी है।

अन्य वैधानिक तथा नियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

हम आगे यह भी स्पष्ट करते हैं कि :

ए. हमने अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक दस्तावेजों तथा सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों की मांग कर उन्हें प्राप्त किया है;

बी. हमारी राय में संस्थान द्वारा कानून के अनुसार आवश्यक उचित दस्तावेज़ रखे गए हैं और लेखा परीक्षण के दौरान वह सभी दस्तावेज़ हमारे समक्ष पेश किये गये, जिनका हमने परीक्षण किया है।

M.V.NARAYANA REDDY & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
✆ : 040-2374 3975
040-2374 4448

सी. इस रिपोर्ट के साथ संलग्न तुलन-पत्र (बैलेन्स शीट) और आय तथा व्यय संबंधी तालिकाएँ और प्राप्तियाँ तथा भुगतान लेखा दस्तावेजों के मानकों के अनुसार हैं और

डी. हमारी राय में उपरोक्त वित्तीय तालिकाएँ लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

For **M V Narayana Reddy & Co.,**
Chartered Accountants
Firm Registration No: 002370S

M.V.NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Subba Rami Reddy

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No:218248

UDIN: 20218248AAAAFP1282

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद- 500 045
31 मार्च 2020 तक का तुलन-पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
संचित / मूल निधि और देनदारियाँ:			
संचित / मूल निधि	1	423,561,217	446,597,992
आरक्षित निधि और अधिशेष	2	78,462,077	41,152,139
निश्चित की गई निधि / अक्षय निधि	3	233,314,905	88,529,398
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	4	108,027,632	96,769,653
कुल		**843,365,831**	**673,049,182**
परिसंपत्तियाँ :			
स्थिर परिसंपत्तियाँ	5	78,887,144	83,783,697
नगद निधि/ बैंक में जमा निधि	6	583,716,639	420,848,115
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ	7	180,762,048	168,417,370
कुल		**843,365,831**	**673,049,182**
महत्वपूर्ण लेखाकर्म नीतियाँ	16		
लेखा कार्य संबंधी टिप्पणियाँ	17		

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम. वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण क्र. 002370S

वाई सुब्बारामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या : 218248

स्थान : हैदराबाद
#VALUE!

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी
संकाय स्दस्य (उ.प्र. स्कूल) एवं प्रभारी प्रशासन

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045
31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष संबंधी आय और व्यय का लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	2019-20	2018-19
(ए) आय			
अनुदान / रियायतें	8	56,282,680	49,988,093
शुल्क / ग्राहकी शुल्क	9	55,714,245	70,277,154
आधारभूत सुविधाओं से आय	10	3,526,384	3,887,258
अर्जित ब्याज	11	25,682,576	24,598,128
अन्य आय	12	2,244,155	2,859,748
कुल (ए)		**143,450,039**	**151,610,381**
(बी) व्यय			
कार्यक्रम और परियोजना शुल्क	13	30,661,448	52,024,505
स्थापना लागत	14	67,874,563	58,454,390
प्रशासनिक लागत	15	62,114,409	50,276,728
अवमूल्यन		5,836,394	6,165,123
कुल (बी)		**166,486,814**	**166,920,746**
शुद्ध आय/ (व्यय)		(23,036,775)	(15,310,365)
अप्रयुक्त अनुदान में स्थानांतरण		-	-
मूल निधि में स्थानांतरित		(23,036,775)	(15,310,365)
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	16		
लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	17		

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान

कृते एम. वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण क्र. 002370S

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

वाई सुब्बारामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या : 218248

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी
संकाय स्दस्य (उ.प्र. स्कूल) एवं प्रभारी प्रशासन

स्थान : हैदराबाद
#VALUE!

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद - 500 045
31 मार्च 2020 के अंत तक की प्राप्तियाँ और भुगतान

	(राशि रुपए में)	(राशि रुपए में)		(राशि रुपए में)	(राशि रुपए में)
प्राप्तियाँ	**2019-20**	**2018-19**	**भुगतान**	**2019-20**	**2018-19**
1. शुरुआती जमा			**1. व्यय**		
(ए) नगद राशि	76,449	34,713	**(ए) स्थापना व्यय :**		
(बी)बैंकों में जमा राशि :			(1) वेतन और भत्ते	29,658,436	31,424,789
(1) एसबीआई, येल्लारेड्डी गुड़ा	27,976	28,626	(2) ईपीएफ में योगदान	-	160,463
(2) आंध्रा बैंक	11,917,506	10,932,845	(3) ईएल नगदीकरण सेवा	2,916,769	3,784,716
(3) आंध्रा बैंक, एस.आर. नगर	1,348,292	563,408	(4) भत्ते और बोनस	-	317,768
(4) एसबीआई, बलकमपेट	7,548,203	19,281,706	(5) कर्मचारियों का कल्याण	81,900	90,000
(5) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	159,322	1,117,599	(6) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	373,200	546,736
(6) देना बैंक	883,845	924,798	(7) एलटीसी	-	54,008
कुल 1 (बी)	**21,885,144**	**32,848,982**	(8) निधन-सह-सेवानिवृत्ति उपादान	4,844,548	5,764,919
			(9) अध्यापन शुल्क प्रतिपूर्ति		274,030
(सी) बचत खातों में :			**कुल 1 (ए)**	**37,874,853**	**42,417,429**
(1) एसबीआई, येल्लारेड्डीगुड़ा	282,966	254,760			
(2) एसबीआई, बल्कमपेट	115,445	3,791,148	**(बी) प्रशासनिक व्यय :**		
(3) आंध्रा बैंक (इं.गां.ने.उ.यू.)	11,464	11,071	(1) यात्रा पर व्यय	109,746	365,360
(4) आंध्रा बैंक (आरबीएफ)	1,350,310	2,295,227	(2) का.स./शा.स./संस्था की बैठकों पर व्यय	3,770	144,679
(5) एचडीएफसी बैंक	265,660	-	(3) लेखा परीक्षण शुल्क (अंतर्गत लेखा परीक्षण सहित	226,800	162,440
(6) इण्डियन बैंक	67,500	-	(4) विज्ञापन और प्रचार	27,153	57,949
(7) यस बैंक	508,149	-	(5) पेशेवर शुल्क	2,000	202,000
कुल 1 (सी)	**2,601,493**	**6,352,206**	(6) मरम्मत और रखरखाव	443,490	5,405,881
			(7) आईएसओ प्रमाणन शुल्क	124,933	255,130
कुल 1	**24,563,086**	**39,235,901**	(8) कानूनी खर्च	-	230,000
			(9) कार्यालय और स्टेशनरी पर व्यय	1,837,471	1,220,580
II. प्राप्त अनुदान			(10) बैंक शुल्क	57,610	34,848
(ए) भारत सरकार से			(11) संसदीय समिति की बैठकों पर व्यय	-	307,538
1. टीओटी/ईएडीपीएस/ईएसडीपी हेतु सू.ल.म. उद्यम	-	4,818,603	(12) पूर्व वर्ष संबंधी व्यय	14,193	40,750
2.कर्नाटक सरकार से	-	1,338,120	(13) किराया, दर और कर	6,639,128	1,097,554
3.विज्ञान और प्रौ. विभाग से	1,800,000	3,900,000	(14) एसएमई विश्वविद्यालय डीपीआर और अन्य व्यय	-	648,000
4.आंध्र बैंक से	-	12,000	(15) राजभाषा (हिन्दी) के कार्यान्वयन पर व्यय	38,199	71,019
5. सू.ल.म.उ. मंत्रालय से (स्फूर्ति) के लिए	145,685,507	16,127,700	**कुल 1(बी)**	**9,524,493**	**10,243,729**
6.एनएसएफडीसी	-	118,000			

7. एटीआई भवनों से निधि	20,000,000	-	(सी) गतिविधियों पर व्यय :		
8. आधारभूत संरचना के लिए सू.ल.म.उ.मं.से	18,367,800	-	(1) राष्ट्रीय घोषित कार्यक्रम	662,489	768,728
9. विदेश मंत्रालय से अनुदान	29,080,910		(2) राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	505,009	3,034,748
कुल 2 (ए)	**214,934,217**	**26,314,423**	(3) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	11,408,640	15,673,085
			(4) संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	61,400	136,352
(बी) राज्य सरकारों से :			(5) अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएँ	801,392	861,809
1. मेघालय सरकार से	-	24,780	(6) ब्रिटिश काउंसिल डिवीजन सदस्यता शुल्क	-	8,500
2. सेटविन, तेलंगाना सरकार से	-	181,695	(7) एटीआई के तहत एपेक्स कार्यक्रम	32,745	-
कुल 2 (बी)	**-**	**206,475**			
कुल 2	**214,934,217**	**26,520,898**	**कुल 1(सी)**	**13,471,675**	**20,483,222**
3. प्राप्त ब्याज			(डी) सामान्य आवश्यक सेवाएं:		
(ए) बैंक खातों पर	-	21,413,228	(1) व्यवसा विकास पर व्यय	100,216	1,353,136
(1) मियादी निधि की निकासी पर	195,800,233	2,600,000	(2) फोटो और वीडियो शुल्क	193,719	269,000
(2) मियादी जमा निधि पर	15,964,530	18,378,353	(3) डाक और टेलीग्राम	50,330	131,934
(3) बचत खातों पर ब्याज	212,463	434,875	(4) बिजली शुल्क	3,240,127	5,283,841
कुल 3	**211,977,226**	**21,413,228**	(5) जल शुल्क	1,214,447	4,030,478
			(6) गृह व्यवस्था पर व्यय	1,499,465	1,467,838
4. अन्य आय			(7) डीसीएसी पर व्यय	13,563	-
(ए) गतिविधियों से :			(8) मुद्रण और जिल्दकारी शुल्क	11,800	376,880
(1) राष्ट्रीय घोषित कार्यक्रमों से	-	79,465	(9) सेन्डॉक पर व्यय	-	32,302
(2) राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रमों से	-	913,178	(9) सीसीआईटी पर व्यय	466,027	375,895
(3) संगोष्ठियों और कार्यशालाओं से	-	31,380	(11)सदस्यता के साथ अन्य	-	80,624
(4) अनुसंधान/परामर्श परियोजनाओं से	-	10,170	(12) टेलीफोन और मनोरंजन	44,033	537,335
(5) सहयोगात्मक कार्यक्रमों से	-	12,748,964	(13) वाहन किराया शुल्क	5,322	44,770
(6) पीजीडीड के लिए शुल्क	6,018	45,510	(14) एनएसआईसी - टीसीएस	-	**462,720**
(7) डीसीएमएसएमई से अनुदान	1,700,000	-	**कुल 1 (डी)**	**6,839,050**	**14,446,753**
(8) आईपीएफसी सदस्यता शुल्क	274,620	208,816	**कुल 1**	**67,710,071**	**87,591,133**
कुल 4 (ए)	**1,980,638**	**14,037,483**			
(बी) अन्य			3. जारी पूँजीगत कार्य और		
(1) ग्रथालय सदस्यता शुल्क	-	735,731	स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय		
(2) ग्राहकी /प्रकाशनों की बिक्री	-	43,528	स्थिर परिसंपत्तियों की खरीदी :		
(3) आधारभूत संरचना सेवाएँ	-	238,668	(1) फर्निचर	-	186,013
(4) विविध स्रोतों से आय	168,783	77,405	(2) उपकरण	227,087	1,738,800
(5) आयकर वापसी पर ब्याज	1,069,502	-	(3) प्रिंटर	-	10,763
(6) शुल्क से की गई टीडीएस कटौती	5,257,748		(4) यूओएस- सर्वर और पुस्तकें	-	33,935
(7) अन्य - देनदार	66,151,597	51,355,311	(5) एयरकंडीशनर्स	73,438	
(8) अर्जित ब्याज	-	3,066,739	(6) टेनिस कोर्ट	-	20,000
			(7) एम- डीईएफ 1 मंजिल	-	554,521

कुल 4 (बी)	**72,647,630**	**55,517,382**	(8) एम - डायनिंग हॉल्स	-	50,000
(सी) अन्य प्राप्तियाँ			(9)एम - भवन	-	26,212
(1) एनआईएफटीईएम	-	-	(10) एम- कर्मचारियों के आवास	-	8,200
(2) विदेश मंत्रालय से		38,334,992	(11) नेटवर्किंग	-	58,147
(3) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय से		-	**कुल 3**	**300,525**	**2,686,591**
(4) सीईडी		71,980	4. अन्य भुगतान		
(5) एनएमडीसी		602,640	(1) बकाया व्यय	1,021,501	1,000
(6) वि.आ. (हथकरघा)		200,000	(2) जमा राशि (निविदाओं में सहभागिता)	-	10,000
(7) नाइपर		2,124	(3) कर्मचारियों के दिये गये ऋण और पेशगियाँ :		
	-	**39,211,736**	(i) पेशगियाँ (चिकित्सा)	71,219	153,345
(1) समूह बीमा		282,993	(ii) यात्रा पेशगियाँ	655,593	518,395
कुल 4 (सी)	**-**	**39,494,729**	(iii) सामयिक पेशगियाँ	1,823,017	2,252,452
			(iv) कार्यक्रमों के लिए पेशगियाँ	1,257,644	2,815,405
कुल 4	**74,628,268**	**109,049,594**	(5) अध्ययन दौरों के लिए पेशगियाँ	740,828	6,011,364
			(4) आईपी फेलोशिप पेशगियाँ	-	-
5. अन्य प्राप्तियाँ			(5) एलटीसी पेशगियाँ	-	135,126
(ए) कर्मियों से वसूल ऋण और पेशगियाँ:			(6) भूपरिदृष्य देय राशि	2,470,530	-
			(7) लेनदारों के लिए भुगतान	31,206,138	32,398,138
(1) स्टडी टूर की पेशगियाँ	25,513	98,188	(8) शुल्क से टीडीएस की कटौती	1,011,438	695,480
(2) सामयिक पेशगियाँ	99,758	261,562	(9) बीमा	24,780	29,795
(3) यात्रा पेशगियाँ	22,539	63,768	(10) ईएमडी /सुरक्षा जमा	1,154,178	880,118
(6) कार्यक्रम पेशगियाँ	98,368	177,161	(11) देय महँगाई भत्ता	322,114	244,512
(5) ईपीएफओ ऋण वसूली	282,129	-	(12) परामर्शदाताओं का देय मानधन	12,775,019	11,744,477
			(13) परामर्शदाताओं और विक्रेताओं की टीडीएस राशि	1,146,804	373,108
(बी) विविध लेनदार :	81,513	-	(14) परामर्शदाताओं पर आयकर	859,550	998,189
(सी) कर्मचारियों की कटौती			(15) थकित चेक	-	3,000
(1) निसिएट ट्रस्ट के सीपीएफ के लिए	44,873,809	-	(16) जीएसटी	-	1,146,414
(2) समूह बीमा	378,168	-	(17) जीएसटी विलम्ब शुल्क	61,360	1,500
(डी) अन्य :		-	(18) देय बिजली बिल	-	915,180
(1) जमा		110,000	(19)शुल्क और कर	8,962,728	3,842,210
(2) एलटीसी पेशगी		49,617	(20) कर्मचारियों की कटौती	61,850,819	17,115,334
(3) गृह व्यवस्था पर देय राशि	39,936	-	(21) बीमा का पूर्व भुगतान	49,559	158,177
(4) कयर बोर्ड और माइक्रो मॉल से किराया	42,000	67,626	(22) देय जल शुल्क	-	411,000
(5) ईएडी /सुरक्षा जमा राशि	135,000	620,000	(23) ईपीएफओ ऋण वसूली	1,599,428	-
(6) अग्रिम प्राप्त शुल्क /समायोज्य		-	(24) मियादी जमा निवेश	248,014,336	-
(7) वर्तमान देनदारियाँ		4,000	**कुल 4**	**377,078,583**	**82,853,719**
(8) वसूली योग्य एचबीए ब्याज		22,987			
कुल 5	**46,078,733**	**1,474,909**	**5. पूँजी निधि**		
			1. पूँजीगत अनुदान	1,057,862	-
			कुल 5	**1,057,862**	**-**

			6. अंतिम शेष		
			(ए) नगर राशि	23,851	76,449
			(बी) बैंक में जमा राशि :		
			(1) एसबीआई.येल्लारेड्डी गुडा	27,031	27,977
			(2) आंध्रा बैंक	76,773,249	11,917,506
			(3) आंध्रा बैंक एस.आर. नगर	53,505	1,348,292
			(4) एसबीआई, बल्कम पेट	4,449,535	7,548,203
			(5) आईडीबीआई, जुब्ली हिल्स	719,535	159,322
			(6) देना बैंक	350,343	883,845
			(सी) बचत खातों में :		-
			(1) एसबीआई, येल्लारेडडी गुडा	1,297,387	282,965
			(2) एसबीआई बल्कमपेट	38,327,504	115,446
			(3) आंद्रा बैंक (इग्नू)	11,464	11,464
			(4) आंध्रा बैंक (आरबीएफ)	1,157,108	1,350,310
			(5) एचडीएफसी बैंक	275,082	265,660
			(6) इण्डियन बैंक	2,029,500	67,500
			(7) यस बैंक	539,396	508,149
			कुल 6	**126,034,489**	**24,563,088**
कुल	**572,181,529**	**197,694,530**	**कुल**	**572,181,529**	**197,694,530**

हमारी समान तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते एम. वी. नारायण रेड्डी एण्ड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण क्र. 002370S

वाई सुब्बारामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या : 218248

स्थान : हैदराबाद
#VALUE!

कृते राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी
संकाय स्दस्य (उ.प्र. स्कूल) एवं प्रभारी प्रशासन

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुड़ा, हैदराबाद 500 045
31 मार्च 2020 तक के तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 - संचित निधि / पूँजीगत निधि : (राशि रुपए में)

विवरण	2019-20		2018-19	
वर्ष की आरंभिक शेष जमा राशि	446,597,992		410,407,657	
बढ़त : विशेष लुरक्षित निधि से स्थानांतरित	-		-	
बढ़त : अव्ययित राशि से स्थानांतरित (स्फूर्ति)	-		51,500,700	
बढ़त : सामान्य सुरक्षित निधि से स्थानांतरित	-		-	
कटौती : वर्तमान वर्ष का नुकसान	(23,036,775)		(15,310,365)	
वर्षांत के समय शेष जमा राशि		**423,561,217**		**446,597,992**

अनुसूची 2(ए) - सुरक्षित और अधिरोष (सरप्लस) :

विवरण	2019-20		2018-19	
1. पूँजीगत आरक्षित निधि (भूमि - अनुदान)	9,292,139		9,292,139	
बढत : एलबीआई संयंत्र और मशीनरी	-		-	
		9,292,139		**9,292,139**
2. विशेष सुरक्षित जमा राशि :	-		-	
कटौती : पूँजीगत निधि में स्थानांतरित	-		-	
		-		-
3. सामान्य सुरक्षित जमा :	-		-	
बढत : वर्ष का शुद्ध अधिरोष (सरप्लस)	-		-	
कुल	-		-	
कटौती : पूँजीगत निधि में स्थानांतरित	-	-	-	-
कुल- 2 (ए)		**9,292,139**		**9,292,139**

अनुसूची 2(बी) - पूँजीगत निधि :

विवरण	2019-20		2018-19	
सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय से आधारभूत सुविधाओं के लिए	31,860,000		31,860,000	
कटौती : भारत कोष में दी गई राशि	(1,057,862)			
बढत : एटीआई भवन अनुदान	38,367,800			
कुल - 2(बी)		69,169,938		31,860,000
कुल - 2		**78,462,077**		**41,152,139**

अनुसूची 3- सुनिश्चित /अक्षय निधि :

विवरण	2019-20		2018-19	
उपयोग में लायी गई निधि				
हर्बल नर्सरी के लिए आं.प्र. सरकार	442,448		442,448	
संकाय विकास कार्यक्रमों को वि.और प्रौ. विभाग	175,000		175,000	
सू.ल.म.उ. मंत्रालय से (स्फूर्ति)	207,047,457		62,261,950	
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	25,650,000		25,650,000	
कुल		**233,314,905**		**88,529,398**

अनुसूची 4 - वर्तमान उत्तरदायित्व और प्रावधान :

विवरण	2019-20		2018-19	
ए. वर्तमान उत्तरदायित्व				
वर्तमान अन्य उत्तरदायित्व	68,567,234		53,904,209	
कुल (ए)		**68,567,234**		53,904,209
बी. प्रावधान :				
1. उपागान आरंभिक जमा राशि	20,009,669		22,050,231	
बढ़त : वर्ष के लिए प्रावधान	4,912,045		3,724,357	
कटौती : आरबीएफसी के लिए भुगतान	4,912,046	20,009,669	5,764,919	20,009,669
2. अर्जित अवकाश नगदीकरण आरंभिक जमा	13,162,944		15,575,268	
बढत : वर्ष के लिए प्रावधान	2,928,933		1,372,392	
कटौती : आरबीएफसी के लिए भुगतान	2,928,933	13,162,944	3,784,716	13,162,944
3. अन्य प्रावधान	4,796,019	4,796,019	4,645,328	4,645,328
कर और शुल्क				
आउटपुट सीजीएसटी	14,932		1,339,248	
आउटपुट आईजीएसटी	1,839,908		2,679,660	
आउटपुट एसजीएसटी	(363,073)	1,491,767	1,028,596	5,047,503
कुल बी		**39,460,399**		42,865,445
कुल (ए+बी)		**108,027,632**		**96,769,653**

अनुसूची 6 - नगद और नगद समतुल्य :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
ए. सावधि निधि	457,682,149	**457,682,149**	396,285,028	**396,285,028**
बी. बैंकों में जमा राशिs				
चालू खाते में:	85,559,806		23,302,954	
बचत खातों में :	40,450,833		1,183,685	
कुल बी		**126,010,639**		**24,486,639**
सी. नगद जमा राशियाँ	23,851	**23,851**	76,449	**76,449**
कुल (ए+बी+सी)		**583,716,639**		**420,848,115**

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ और पेशगियाँ :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
ए. विविध देनदार (अन्य))	45,276,441	**45,276,441**	27,106,847	**27,106,847**
बी. अनुदान की प्राप्य राशियाँ	97,893,554	**97,893,554**	98,664,282	**98,664,282**
सी. ऋण /पेशगियाँ और अन्य परिसंपत्तियाँ				
1. ऋण				
परिवहन पेशगियाँ	-		-	
एलटीसी पेशगियाँ	31,317		27,411	
उत्सव पेशगियाँ	12,150		12,150	
		43,467		**39,561**
2. पेशगियाँ				
कार्यक्रम पेशगियाँ	692,985		685,209	
अध्ययन दोरे की पेशगियाँ	201,399		39,774	
सामयिक पेशगियाँ	521,573		758,760	
यात्रा पेशगियाँ	275,141		352,514	
ईपीएफ ऋण	327,291		-	
		2,018,389		**1,836,257**
3. जमा निधि				
सेवाशुल्क न्यायाधिकरण के पास जमा	17,890,911		17,890,911	
न्यायालयीन अपीलों के लिए जमा	318,525		318,525	
जमा (निविदाओं के लिए)	610,000		610,000	
आंध्र प्रदेश ट्रान्सको	652,235		652,235	
दूरसंचार	43,481		43,481	
जलापूर्ति विभाग	33,186		33,186	
		19,548,338		**19,548,338**

4. अर्जित ब्याज				
1 निवेशित राशि पर	234,522		1,816,024	
2) अन्य	-	**234,522**	-	**1,816,024**
5. अन्य				
टीडीएस प्राप्य राशि	15,666,831	**15,666,831**	19,240,178	**19,240,178**
जीएसटी पर टीडीएस प्राप्य राशि	30,948	**30,948**	7,705	7,705
6. पूर्व भुगतान व्यय				
बीमा	49,559	**49,559**	158,177	**158,177**
कुल		**180,762,048**		**168,417,370**

31.-3.2-02-20 को समाप्त वर्ष की आय और व्यय की अनुसूची

अनुसूची 8 - अनुदान / रियायतें :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
(अप्राप्य अनुदान और प्राप्त रियायतें				
1) केंद्र सरकार	56,282,680		49,676,398	
2) राज्य सरकारें	-		-	
4) सरकारी एजेंसियाँ /मंत्रालय/ विभाग, राज्य सरकारी विभाग..	-		311,695	
कुल		**56,282,680**		**49,988,093**

अनुसूची 9 - शुल्क / ग्राहकी शुल्क :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
वार्षिक शुल्क /ग्राहकी शुल्क	664,966		735,631	
राष्ट्रीय घषित कार्यक्रम	3,030,386		3,307,735	
राष्ट्रीय प्रायोजित कार्यक्रम	36,948,232		38,155,443	
सहयोगात्मक कार्यक्रम	12,545,517		17,411,583	
संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	733,881		10,137,503	
बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र सदस्यता और भराई	142,880		289,206	
पीजी डीडी कार्यक्रम के लिए आवेदन शुल्क	6,183		38,698	
ओडीओपी परामर्श परियोजना	1,642,200			
घोषित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का शुल्क	-		201,355	
कुल		**55,714,245**		**70,277,154**

अनुसूची 10 - आधारभूतसुविधाएँ :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
आवास सुविधा एवं खान-पान प्राप्तियाँ	3,526,384		3,887,258	
कुल		**3,526,384**		**3,887,258**

अनुसूची 11- अर्जित ब्याज :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
1) शेड्यूल्ड बैंकों में जमा राशि :				
ए) मियादी जमा	25,477,651		24,163,253	
बी) बचत खाते	204,925		434,875	
कुल		**25,682,576**		**24,598,128**

अनुसूची 12 - अन्य आय :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
लाइसेंस शुल्क	62,244		43,701	
आयकर प्रतिपूर्ति राशि पर ब्याज	1,069,502		333,918	
किराया आय	68,000		347,746	
पत्र-पत्रिकाओं का ग्राहकी शुल्क	-		31,664	
अन्य आय	1,025,009		2,023,174	
विविध आय	19,400		79,545	
जल और बिजली विभाग से प्राप्य राशि	-			
Totalकुल		**2,244,155**		**2,859,748**

अनुसूची 13 - कार्यक्रम और परियोजना शुल्क :

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
घोषित राष्ट्रीय कार्यक्रम	913,362		1,947,312	
प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम	7,561,673		22,407,435	
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	21,239,267		25,284,595	
संगोष्ठियाँ और कार्यशालाएँ	15,750		191,597	
परामर्श परियोजनाएँ	931,396		2,193,566	
कुल		**30,661,448**		**52,024,505**

अनुसूची 14 - स्थापना शुल्क

विवरण	**2019-20**		**2018-19**	
ए) वेतन और मजदूरी भुगतान	48,676,465		43,837,429	
बी) भत्ते और बोनस	5,947,233		4,375,531	
सी) भविष्य निर्वाह निधि में योगदान	5,095,724		4,571,947	
डी) कर्मचारियों के कल्याण पर व्यय	381,663		503,840	
ई) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ पर व्यय	7,773,478		5,165,643	
कुल		**67,874,563**		**58,454,390**

ई) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति ला

विवरण	2019-20		2018-19	
विज्ञापन और प्रचार लागत	879,497		1,146,689	
मंत्रालय के लिए प्रकाशन	-		-	
निविदा दस्तावेजों की खरीदी	7,000		10,000	
बिजली और ऊर्जा	3,228,888		5,458,258	
जल शुल्क	5,142,583		4,428,225	
मरम्मत और रखरखाव	110,000		-	
मरम्मत और रखरखाव	5,168,749		6,272,776	
किराया, मूल्य और करों का भुगतान	6,646,838		1,097,554	
वाहन खर्च और रखरखाव	2,100,508		1,845,249	
डाक, दूरसंचार और संचार लागत	1,132,449		1,274,490	
छपाई और स्टेशनरी	2,067,554		2,613,498	
पूजा खर्च	14,900			
यात्रा और परिवहन	4,313,797		3,550,938	
आईएसओ प्रमाणन शुल्क	349,933		255,130	
ग्राहकी शुल्क व्यय (सदस्यता)	-		80,624	
शुल्क पर व्यय (सेन्डॉक)	1,246,631		1,626,734	
व्ययवसाय शुल्क	389,806		492,550	
नेशनल एससी/ एसटी हब	9,161,700			
ओडीओपी परियोजना व्यय	87,039			
डीसीएसी व्यय	45,040			
सांविधिकलेखा परीक्षण शुल्क	45,000		41,300	
आतिथ्य पर व्यय	12,001,766		15,000,080	
व्ययवसाय विकास पर व्यय	2,019,797		1,662,758	
सुरक्षा सेवाएँ	2,062,193		1,629,631	
वेबसाइट विकास पर व्यय	255,439		-	
संसदीय समिति की बैठकों पर खर्च	-		165,094	
बीमा	182,957		29,795	
बैंक शुल्क	57,319		34,838	
एमएसएमई इंटरनेशनल डे पर व्यय	2,887,930		-	
इंटरनेट पर व्यय	-		-	
विविध व्यय	5,328			
अन्य : विधिक व्यय	-		230,000	
एसएमई विश्वविद्यालय के लिए विस्तृत परियोजना	-		728,000	
राजभाषा (हिन्दी) के कार्यान्वयन	398,866		435,432	
का.स./शा.स./संस्था की बैठकों पर व्यय	104,903		167,086	
कुल		**62,114,409**		**50,276,728**

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुडा, हैदराबाद 500 045

अनुसूची - 16
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1 **लेखांकन की विधि:**
वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए जाते हैं और संस्थान लगातार आधार पर लेखाकार्य प्रणाली का पालन करता है ।

2 **स्थिर आस्तियाँ :**
अचल संपत्ति अधिग्रहण की लागत पर कहा जाता है जिसमें परिवहन और आकस्मिक लागत, शुल्क और कर और उसके स्थापना से संबंधित खर्च शामिल हैं ।

3 **अवमूल्यन :**
ए. इमारतों और पुस्तकों/पत्रिकाओं सीपीडब्ल्यूडी नियमों के तहत निर्धारित दरों पर उनके लिखित मूल्यों पर मूल्यह्रास के अधीन हैं ।

बी. अन्य सभी परिसंपत्तियां दरों पर अवमूल्यन और आयकर नियमों के नियम 5 के तहत प्रदान किए गए तरीके के अधीन हैं।

4 **सरकारी अनुदान :**
परियोजना और कार्यक्रम अनुदानों को राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है और उसके आवेदन को उस वर्ष के खर्चों के रूप में माना जाता है जिससे वे संबंधित हैं, और अप्रयुक्त अनुदानों को मान्यता दी जाती है और लेखा वर्ष के अंतिम दिन के रूप में इस प्रकार का हिसाब दिया जाता है ।

5 **कर के लिए प्रावधान :**
संस्थान आयकर (छूट), हैदरबाद, 8 जून 2007 से धारा 12एए के प्रावधानों के तहत एक पंजीकृत सोसायटी है, और वर्ष के लिए अपने शुद्ध अधिशेष के संबंध में आयकर के अधीन नहीं है।

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उदयम संस्थान
8-3-289/4, यूसुफगुडा, हैदराबाद 500 045
अनुसूची - 17
लेका संबंधी टिप्पणियाँ

1 **सरकारी अनुदान :**
समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, इंस्टीट्यू को सू.ल.म. उद्यम मंत्रालय के साथ-साथ केंद्र सरकार के अन्य मंत्रालयों से परियोजना और कार्यक्रम अनुदान प्राप्त हुए हैं । प्राप्त ऐसे अनुदानों का विवरण, खर्च किया गया और 31.03.2020 के रूप में अप्रयुक्त राशि के तहत संक्षेप में प्रस्तुत किया जाता है:-

क्र.सं.	**विवरण**	**राशि**
ए.	एमएसएमई मंत्रालय से प्राप्त समग्र परियोजनाएं/कार्यक्रम अनुदान	62,369,600
	कटौती : वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	24,001,800
	अप्रयुक्त राशि 31.03.2020 को	38,367,800
b.	अन्य मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त कुल परियोजनाएं/कार्यक्रम अनुदान	29,551,608
	कटौती : वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	29,551,608
	31.03.2020 को अप्रयुक्त राशि	Nil
c.	राज्य सरकार से प्राप्त समग्र परियोजनाएं/कार्यक्रम अनुदान	37,712,857
	कटौती : वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	37,712,857
	31.03.2020 को अप्रयुक्त राशि	Nil

कुल उपयोग की गई राशि 31.03.2020 तक 3,83,67,800 रुपये है। इसे यथासमय समायोज्य किया जाएगा ।

2 संस्थान ने 31-03-2020 से पहले कई पोजेक्ट्स और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन पूरा कर लिया है। इस संबंध में प्राप्त अनुदान राशि का कुल 31.03-2020 रुपये है जो 9,78,93,554 रुपये है। इसकी शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने हैं।

3 कार्यक्रम कार्यान्वयन, पर्यटन और यात्रा और अस्थायी प्रकृति के अग्रिमों के संबंध में कर्मचारियों के लिए अग्रिम बकाया हैं । इस संबंध में संबंधित राशियां इस प्रकार हैं:-
1) कार्यक्रम अग्रिम- 6,92,985 रु.
2) कर्मचारियों की पशगी - 43,467 रु.
3) अध्ययन दौरों की पोशियाँ -2,01,399 रु.
4) सामयिक पेशगियाँ - 5,21,573 रु.
5) यात्रा पेशगियाँ -2,75,141 रु.

उपरोक्त अग्रिमों का निपटारा किया जाना चाहिए और प्राथमिकता के आधार पर इसका हिसाब लगाया जाना चाहिए और संस्थान उसी का पालन करते हुए नियमित रूप से रहा है ।

4 संस्थान में आयोजित सेमिनार, कार्यशाला और आयोजनों के संबंध में विभिन्न दलों से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 4,52,76,440.64 रुपये के विविध देनदारों के साथ-साथ सहयोगात्मक कार्यों से संबंधित है। संस्थान ने इसके बाद नियमित किया है ।

5 **आकस्मिक देनदारियां:**

क) संस्थान की कार्यकारी समिति के निर्देशों के अनुपालन में, इस कार्यालय ने इस मामले को प्रधान आयुक्त के समक्ष उठाया है, केंद्रीय कर, हैदराबाद आयुक्तालय और तीन (3) सेवाओं अर्थात मंडप कीपर सेवाएं, प्रबंधन परामर्श सेवाएं और 2015-16 से 2017-18 की अवधि के लिए अचल संपत्ति को किराए पर लेने के लिए 55,41,574 रुपये का सेवा कर का भुगतान किया गया, जो 13,43,88,875 रुपये की मांग के खिलाफ जून तक है। मामले का निस्तारण किया जाता है।

इसी तरह केंद्रीय कर विभाग के आयुक्त ने वर्ष 2004-05 से 2014-15 की अवधि के लिए 26 करोड़ रुपये के सेवा कर के भुगतान की मांग उठाई। हमने सीई एस टैट में एक मामला दायर किया और मंडप कीपर सेवाओं, प्रबंधन परामर्श सेवाओं और अचल संपत्ति के किराए पर लेने के खिलाफ सेवा कर बढ़ाने के लिए केंद्रीय कर विभाग से मांग करके मामले का निपटारा किया गया। तदनुसार, सेवा कर विभाग ने इस कार्यालय को सलाह दी कि वह लगभग 26 करोड़ रुपये की पहले की मांग के मुकाबले 1,15,86,047 रुपये की सेवा कर राशि का भुगतान करे। इस कार्यालय ने सेवा कर की दिशा में उपरोक्त अवधि के दौरान विभिन्न मंत्रों में किए गए 1,78,90,911 रुपये का पूर्व जमा किया और आयुक्तालय से अनुरोध किया कि हमारे पूर्व जमाओं के विरुद्ध मांगे गए सेवा कर को समायोजित किया जाए । यह मामला कमिश्नरेट, सेंट्रल टैक्स, हैदराबाद के पास लंबित है।

ख) संस्थान के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स और पूर्व सांविधिक लेखा परीक्षकों ने आयकर से संस्थान की आय के विस्तार से संबंधित छूट आदेशो से संबंधित छूट आदेशों से संबंधित विस्तार प्राप्त करने के मामले में प्रदान की गई सेवाओं के लिए अपने शुल्क के लिए 818203 रुपये के शुल्क का दावा करते हुए एक वाद दायर किया, जैसा कि पहले बढ़ाया गया है । 2010 के ओ. एस. नं. 2507 में सिटी सिविल कोर्ट ने उनके पक्ष में डिक्री पारित की । हालांकि संस्थान ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष चुनाव लड़ा है । माननीय उच्च न्यायालय ने 2015 के सीकैंप नंबर 210 में 2015 के सीकैंप 290 में एक अंतरिम निर्देश पारित किया कि पहले दी गई अंतरिम रोक प्रतिवादी (एनआई-एमएसएमई) की शर्त पर पूर्ण रूप से दी गई है। 14.08.2015 को माननीय न्यायालय में चालान के माध्यम से 318525.33 रुपये की राशि जमा की गई। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

ग) वित्त वर्ष 2016-17 के लिए आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट को देर से दाखिल करने के लिए AY 2017-18 के लिए आयकर विभाग से प्राप्त सूचना और छूट को अस्वीकार कर दिया और 22,08,06,769 रुपये की मांग उठाई और संस्थान ने न्यायात्मक मूल्यांकन अधिकारी के समक्ष सुधार आवेदन दायर किया है और सुधार आदेश का अभी भी इंतजार है

6 31 मार्च, 2020 तक शेष पत्रक के अभिन्न अंग से और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय के लिए 1 से 17 तक कार्यक्रम संलग्न किए गए हैं।

7 पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहां भी आवश्यक हो, पुन समूहीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है ।

कृते एम. वी. नारायण रेड्डी एण्ड क.
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण क्र. 002370S

एस.ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

वाई. सुब्बारामी रेड्डी
साझेदार
सदस्यता क्र. : 218248

डॉ. के. विश्वेश्वर रेड्डी
सं.स. (उ.प्र.स्कूल) और प्रशासन प्रभारी

स्थान :हैदराबाद
#VALUE!

कर निर्धारिती का नाम	**राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान**
पता	8-3-289/4 यूसुफगुड़ा हैदराबाद - 500 045
दर्जा	स्वायत्त संस्थान
मूल्यांकन वर्ष	2020-21
पूर्व समाप्त वर्ष	31 मार्च 2020
पंजीकरण तिथि	4/27/1962
पैन नं.	**AAAJN0177F**
दायरा	जेडीआईटी /एडीआईटी (छूट)

कुल आय और कर देयता का परिकलन विवरण

विवरण	**राशि रु.**	**राशि रु.**
अन्य स्रोतों से आय :		
पूँजीगत अनुदान	38,367,800	
अनुदान / रियायतें	56,282,680	
शुल्क और ग्राहकी शुल्क	55,714,245	
आधारभूत संरचना सुविधाओं से आय	3,526,384	
बैंक से प्राप्त ब्याज	25,682,576	
अन्य आय	2,244,155	
कुल आय		181,817,839
कटौती : धारा 11(1) (क) के अन्तर्गत		21,517,506
आय की 15% राशि की भविष्य के लिए कटौती की गई		160,300,333
कटौती : धारा 11 (1) (डी) के अन्तर्गत छूट		38,367,800
		121,932,533
कटौती : परोपकारी कार्यों के लिए उपयोग में लायी गई आय		166,486,814
अक्षय निधि पर अतिरिक्त विनियोग		(44,554,281)
कर योग्य आय		शून्य
कर तालिका		
आयकर		-
कटौती : प्राप्य टीडीएस		1,650,114
धनवापसी		1,650,114

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान

एस. ग्लोरी स्वरूपा
महानिदेशक

Table of Contents

1. Overview 1

1.1 Background 1

1.2 ni-msme Charter 3

1.3 Institute's Clientele 4

1.4 Administration and Management 5

1.5 Statutory Meetings 5

Governing Council (GC) & Annual General Meeting (AGM) 5

1.6 Grievance Cell 6

1.7 Intellectual Growth Facilities 6

1.8 Schools of Excellence 6

1.9 Infrastructural Facilities 7

1.9.1 Guest Room Complex: 8

1.9.2 Closed Circuit Cameras 8

1.9.3 Sports and games 8

1.9.4 Medical Care 8

1.9.5 Recreational Facilities 8

1.9.6 Water Treatment (RO) Plant 8

1.9.7 Parking Area 9

1.9.8 Laundromat 9

1.9.9 Solar Panels 9

1.10 Staff Strength 9

1.11 Organogram 10

2. New Initiatives 11

2.1 Minister Visits Campus / Plantation related events 11

3. School Wise National Programmes (Announced and Sponsored) 12

3.1 School of Enterprise Development (SED) 12

3.1.1 Management Development Programme on Project Financing and Management 12

3.1.2 Recycling of Wastes in MSMEs Sector 13

3.1.3 Training programme on Solar PV Grid Connected Power Plants 15

3.1.4 EDP Valediction in Mysore 16

3.1.5 PAC meet for 2019-20 17

3.1.6 Art & Craft training for teachers of TMREIS 18

3.1.7 Planning and Promotion of MSMEs 18

3.1.8 Round Table Print Circle Conclave 2019 19

3.1.9 Training programme on Micro Enterprises Development for Project officers and field Officers 20

3.1.10 E-Waste Management & Recycling options for MSMEs 21

3.1.11 Programme on Current Requirement in E.I.A 22

3.1.12 Training Programme on Solar Energy Technologies and Applications 23

3.1.13 Induction Training to Industrial Extension Officers of Industries & Commerce, Govt of Kerala. 24

3.1.14 E-Waste Management & Recycling Options for MSME's. 25

3.1.15 Faculty at EDP on Industrial Promotional activity 26

3.1.16 One-day Workshop Review Meet of State Khadi and Village Industries Boards 26

3.1.17 Waste Management Perspectives 31

3.2 School of Enterprise Management (SEM) 32

3.2.1 Programmes on GST 32

3.2.2 Workshop on Implications of GST on MSMEs 32

3.2.3 Training programme on GST 32

3.2.4 GST: Reconciliation, Audit & Annual Return 33

3.2.5 Training Programme on GST 34
3.2.6 Training Programme on GST 34
3.2.7 Executive Development Programme for Junior Officers of NMDC 35
3.2.8 Conference on Upskilling 36
3.2.9 Faculty Development Program on Intellectual Property Rights 38
3.2.10 AMP Academic Excellence Awards 38
3.2.11 Training in International Trade Operations 39
3.2.12 Training on Patent Application Drafting and Filing Procedures 39
3.2.13 IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs 40
3.2.14 Capacity Building Training by ni-msme 41
3.2.15 Programme for Symbiosis Institute for Business Management (SIBM) 41
3.2.16 Start and Improve Your Business 42
3.2.17 IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs 43
3.2.18 Programme on EXIM 43
3.2.19 Branding and Marketing Strategies for MSMEs 44
3.2.20 Training on Start up Support 44
3.2.21 Programme on Legal Compliances for MSMEs 45
3.2.22 Programme on Product Identification and Marketing Strategies 45
3.2.23 GST Taxation Filing and Returns at Cochin 46
3.2.24 FDP on Entrepreneurship Development 47
3.2.25 Training to Work Smart 47
3.2.26 FDP at Chirala 48
3.2.27 Idea Generation for Entrepreneurs 48
3.2.28 Certificate Programme on Entrepreneurship 49
3.2.29 IPR & its Implications for MSME's 50
3.2.30 Programme on Leadership for Young Managers 50
3.2.31 Social Media Marketing 52
3.3 School of Enterprise and Extension (SEE) **53**
3.3.1 Post Graduation Diploma in Entrepreneurship 53
3.3.2 ToT on Entrepreneurship Development 53
3.3.3 Interactive Meet with Bamboo Artisans 54
3.3.4 ToT on Entrepreneurship Development in Primary Sector 55
3.3.5 Foreign Visits / Capacity Building of ni-msme Faculty 56
3.3.6 EDP for Singareni Collieries' Women Entrepreneurs 57
3.3.7 Programme on Agro-based Entrepreneurship Development 57
3.3.8 Planning & Promotion of Agro & Food Enterprises 59
3.3.9 Strategies for Development of Food Processing Enterprises 59
3.3.10 EDP sponsored by DST-NIMAT 60
3.3.11 FDP at Chirala 60
3.3.12 EDP at Amravati 61
3.3.13 FDP at Hyderabad 61
3.3.14 FDP at Visakhapatnam 63
3.3.15 Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agro and Food Entrepreneurship 64
3.4 International Programmes **65**
3.4.1 Post-Training Reflections 65
3.4.2 Capacity Building Training on Skill Development and Entrepreneurship 66
3.4.3 Phase- I International Programmes Inaugurated 68
3.4.4 Empowerment of Women through Enterprises (EWE) 69
3.4.5 Promotion and Development of Micro, Small & Medium Enterprises (PDMSME's) 71
3.4.6 Promotion of Micro Enterprises (POME) 71
3.4.7 Phase-I International Participants Bids Farewell 73
3.4.8 Phase II IEDP Inaugurated 74
3.4.9 Training for Nigeria Government Officials 75
3.4.10 Intellectual Property Management Strategies for SMEs (IPMSS) 76
4. Centre of Excellence 79

4.1 National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) 79
4.1.1 Soft and Hard Interventions in MSME Clusters 79
4.1.2 Global Business - Inclusiveness of Women 80
4.1.3 Programme on Techniques of Communicating Ethical Values 81
4.1.4 Training Programme on Promotion and Development of Coir Clusters 82
4.1.5 Training Programme on Promotion and Development of Rural Clusters 83
4.1.6 Training Programme on Delayed Payments to MSEFC's 84
4.1.7 Infrastructure Development in MSME Clusters 84
4.1.8 Programme on Delayed Payments 85
4.2 Consultation Workshop on Horticulture Clusters 86
4.3 Visit to SFURTI Clusters 87
4.4 Mothkur Ikkat Handloom Cluster Visit 88
4.5 Meeting of Project Steering Committee at Coir Board, Kochi 88
4.6 Meeting with Senior Officials of Government of Andhra Pradesh 89
4.7 ODOP Visits 89
4.7.1 Visit to Gorakhpur, Maharajganj, Azamgarh and Prayagraj: 89
4.7.2 Visit to Kalpi (Orai), Sultanpur & Rampur 90
4.8 ESDPs Concluded 95
4.8.1 Job Fair at Campus 96
4.8.2 ESDP Valedictory 97
4.9 MoU Signed with various institutes 97
4.9.1 MoU with Institute of Directors (IoD) 97
4.9.2 MoU with DCAC 98
4.9.3. MoU with IIM-Trichy 98
4.9.4 MoU with CIPET 98
5. Other Activities and Achievents 100
5.1 Conference on Environment 100
5.2 Faculty on NIOS Committee 101
5.3 MSME Conclave 102
5.4 Bangladesh Delegation Visits Campus 102
5.5 International MSME Day in Delhi 103
5.6 ni-msme welcomes delegates from Denmark 104
5.7 Breakfast Meeting 105
5.8 National Workshop 105
5.9 DG meets KTR 105
5.10 DG at Business Ka Booster Meet 105
5.11 D. Chandra Sekhar assumes charge as Director of ni-msme. 107
5.12 National Festivals 107
5.12.1 Celebrations of the Independence Day 107
5.12.2 Republic Day Celebrations 107
5.13 Other Events at Campus 109
5.13.1 Anti-Terrorism Day 109
5.13.2 Surveillance Audit ISO 9001-2015 109
5.13.3 Yoga Day at Campus 110
5.13.4 New members of ni-msme Employees Recreation Club 111
5.13.5 ni-msme Co-operative, Credit Society 111
5.13.6 Health Initiative at Campus 112
5.13.7 National Unity Day 112
5.13.8 Vigilance Awareness Week 113
5.13.9 Joyful Gifting 113
5.13.10 Quami Ekta Week 114
5.13.11 Book Fair at Campus 114
5.13.12 Kudos to ni-msme Campus 115
5.14 Bidding Farewell 116

5.14.1 S. Rama Devi, Superintendent....116
5.14.2 G. Veeraiah, MTA....116
5.14.3 Smt. K. Nagamani, Superintendent & Shri. S. Venkateswarlu,....117
Sr. Stenographer....117
6. Swachh Bharat....119
6.1 Swachhata Pakhwada....119
6.2 Swachh Bharat Activity....120
7. Physical and Financial Performance....121
7.1 Financial Performance....121
7.2 Physical Performance....122
8. Citizens' Charter & RTI Act....123
8.1 ni-msme Charter....123
8.2 Right to Information Act....123
8.3 Members of the Governing Council....124
8.4 Members of the Executive Council....127
ni-msme's Global Alumni....131
Major Milestones....133
Financial Report....135

List of Figures

Figure 1.1: Different Milestones....08
Figure 1.2: Widenening the scope of activities....09
Figure 1.3: ni-msme Charter....10
Figure 1.4: The spectrum of the Institute's activities/ services....11
Figure 1.5: Schools of Excellence....14
Figure 1.6: Organisational Structure....17
Figure 2.1: Shri. Pratap Chandra Sarangi, Minister of State for MSME visits Campus....18
Figure 2.2: Shri. Malla Reddy, Minister, Govt. of Telangana Visits Campus....18
Figure 2.3: Tree Plantation....18
Figure 3.1: Lighting of the lamp Capacity building training on skill development & entrepreneurship 19
Figure 3.2: Recycling of Wastes in MSMEs....20
Figure 3.3: Valedictory Session for Recycling of Wastes in MSMEs....21
Figure 3.4: Training programme on Solar PV Grid Connected Power plants....22
Figure 3.5: Training programme on Solar PV Grid Connected Power plants....23
Figure 3.6: EDP Valediction in Mysore....24
Figure 3.7: PAC meet for 2019-20....24
Figure 3.8 Art & Craft training for teachers of TMREIS....25
Figure 3.9 Planning and Promotion of MSMEs....26
Figure 3.10 Round Table Print Circle Conclave 2019....26
Figure 3.11: E-Waste Management & Recycling options for MSMEs....28
Figure 3.12: Programme on Current Requirement in E.I.A....29
Figure 3.13: Valediction of Current Requirement in E.I.A....30
Figure 3.15: Induction Training to Industrial Extension Officers of Industries & Commerce, Govt of Kerala
....31
Figure 3.16: E-waste Management & Recycling Options for MSME's....33
Figure 3.17: Waste Management Perspectives....38
Figure 3.18: Waste Management Perspectives....39
Figure 3.19: Workshop on Implications of GST on MSMEs....40

Figure 3.20: Training programme on GST 41
Figure 3.21: GST Audit 41
Figure 3.22: Training programme on GST 42
Figure 3.23: Training programme on GST 43
Figure 3.24: Programme for Junior Officers of NMDC 44
Figure 3.25: Conference on Upskilling Barbers 45
Figure 3.26: IPR Training 46
Figure 3.27: AMP Academic Excellence Awards 47
Figure 3.28: Training on Patent Application Drafting and Filing Procedures 48
Figure 3.29: IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs 48
Figure 3.30: Capacity Building Training by ni-msme 49
Figure 3.31: Programme for Symbiosis Institute for Business Management (SIBM) 50
Figure 3.32: Start and Improve Your Business 50
Figure 3.33: Programme on EXIM 51
Figure 3.34: Branding and Marketing Strategies for MSMEs 52
Figure 3.35: Branding and Marketing Strategies for MSMEs 53
Figure 3.36: Valedictory of Identification and Marketing Strategies 54
Figure 3.37: FDP on Entrepreneurship Development 55
Figure 3.38: Training to Work Smart 56
Figure 3.39: Idea Generation for Entrepreneurs 57
Figure 3.40: Certificate Programme on Entrepreneurship 57
Figure 3.41: Programme on Leadership for Young Managers 59
Figure 3.42: Social Media Marketing 60
Figure 3.43: PG Diploma in Entrepreneurship 61
Figure 3.44: ToT on Entrepreneurship Development 62
Figure 3.45: Interactive Meet with Bamboo Artisans 62
Figure 3.46: ToT on Entrepreneurship Development in Primary Sector 64
Figure 3.47: EDP for Singareni Collieries' Women Entrepreneurs 65
Figure 3.48: Programme on Agro-based Entrepreneurship Development 66
Figure 3.49: Valedictory of Planning & Promotion of Agro & Food Enterprises 67
Figure 3.50: Valedictory of Strategies for Development of Food Processing Enterprises 68
Figure 3.51: FDP at Hyderabad 70
Figure 3.52: FDP at Visakhapatnam 71
Figure 3.53: Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agro and Food Entrepreneurship 72
Figure 3.54: Post-Training Reflections 73
Figure 3.55: Lighting of the lamp Capacity building training on skill development & entrepreneurship 73
Figure 3.56: Valedictory Session for Capacity building training on skill development & entrepreneurship 75
Figure 3.57: Shri. Malla Reddy, Minister for Labour and Employment, Factories, Women & Child Welfare and Skill Development, Govt. of Telangana inaugurated 77
Figure 3.58: Empowerment of Women through Enterprises (EWE) 78
Figure 3.59: Promotion and Development of Micro, Small & Medium Enterprises (PDMSME's) 79
Figure 3.60: Promotion of Micro Enterprises (POME) 80
Figure 3.61: Phase-I International Participants Bids Farewell 82
Figure 3.62: Phase II IEDP Inaugurated 83
Figure 3.63: Training for Nigeria Government Officials 84

Figure 3.64: Intellectual Property Management Strategies for SMEs (IPMSS) 85
Figure 4.1: Training for Clusters...............................87
Figure 4.2: Certificates to Young Officials...............................88
Figure 4.3: Global Business – Inclusiveness of Women 88
Figure 4.4: Programme on Techniques of Communicating Ethical Values 89
Figure 4.5: Training Programme on Promotion and Development of Coir Clusters 90
Figure 4.6: Training Programme on Promotion and Development of Rural Clusters 92
Figure 4.7: Training Programme on Delayed Payments to MSEFC's 92
Figure 4.8: Infrastructure Development in MSME Clusters 93
Figure 4.9: Programme on Delayed Payments...............................94
Figure 4.10: Consultation Workshop on Horticulture Clusters...............................94
Figure 4.11: Mothkur Ikkat Handloom Cluster Visit...............................96
Figure 4.12: Visit to Gorakhpur, Maharajganj, Azamgarh and Prayagraj 98
Figure 4.13: Hand Made Paper – Kalpi (Orai) 99
Figure 4.14: Moonj Products – Sultanpur 99
Figure 4.15: Moonj Products – Amethi...............................99
Figure 4.16: Visit of Bulandshar, Rampur, Farookhabad...............................100
Figure 4.17: Refresher Training on Audit & Accounts for KVIC 100
Figure 4.18: Training in Strategic Approaches for MSME Development 101
Figure 4.19: Training Programme on Establishment and Management of Business Incubator 101
Figure 4.20: Review Meet Workshop of State KVIC 102
Figure 4.21: One District One Product (ODOP), Uttar Pradesh 103
Figure 4.22: ESDPs Concluded 104
Figure 4.23: Job Fair at Campus...............................104
Figure 4.24: Press Covrage of Job Fair 105
Figure 4.25: ESDP Valedictory 105
Figure 4.26: Institute of Directors (IoD)...............................106
Figure 4.27: MoU with CIPET 107
Figure 5.1: Lighting of Lamp by Prof. S. Ramachandram...............................108
Figure 5.2: Conference on Environment 108
Figure 5.3: MSME Conclave 110
Figure 5.4: Bangladesh Delegation Visits Campus...............................111
Figure 5.5: International MSME Day in Delhi...............................112
Figure 5.6: ni-msme welcomes delegates from Denmark 113
Figure 5.7: D. Chandra Sekhar assumes charge as Director of ni-msme...............................115
Figure 5.8 Celebrations of the Independence Day 115
Figure 5.9: Republic Day Celebrations 116
Figure 5.10: Anti-Terrorism Day...............................117
Figure 5.11: Surveillance Audit ISO 9001-2015...............................117
Figure 5.12: Yoga Day at Campus...............................118
Figure 5.13: New members of ni-msme Employees Recreation Club...............................119
Figure 5.14: ni-msme Co-operative Credit Society...............................119
Figure 5.15: Health Initiative at Campus...............................120
Figure 5.16: National Unity Day 120
Figure 5.17: Vigilance Awareness Week 121
Figure 5.18: Joyful Gifting 122

Figure 5.19: Quami Ekta Week 122
Figure 5.20: Book Fair at Campus 123
Figure 5.21: Retirement Function of Smt. S. Rama Devi 124
Figure 5.17: Retirement Function of Shri. G. Veeraiah 125
Figure 5.18: Retirement Function of Smt. K. Nagamani, Superintendent 125
Figure 5.19: Retirement Function of Shri. S. Venkateswarlu, Sr. Stenographer 126
Figure 6.1: Swachhata Pakhwada 127
Figure 7.1: National Training Programmes and Participants 130
Figure 7.2: Income through different programmes 130

List of Tables

Table 1.1: Total Number of Programmes Conducted 09
Table 1.2: Institute's Clientele 11
Table 1.3: Staff Strength 16
Table 1.4: List of International Programmes 85
Table 1.5: Financial Report 129
Table 1.6: Members of the Governing Council 133
Table 1.7: Members of Executive Committee 136

1. Overview

1.1 Background

Origin: Following the recommendations of the Working Group on the Third Five Year Plan for Small Scale Industries, the Government of India decided to set up an institution. Accordingly, “Central Industrial Extension Training Institute (CIETI)” was created in Delhi in October 1960 as Department of Central Government under the Ministry of Commerce and Industry. The main objective was to provide training to the personnel of the Central Small Industries Organisation and of the Departments of Industries of the State Governments.

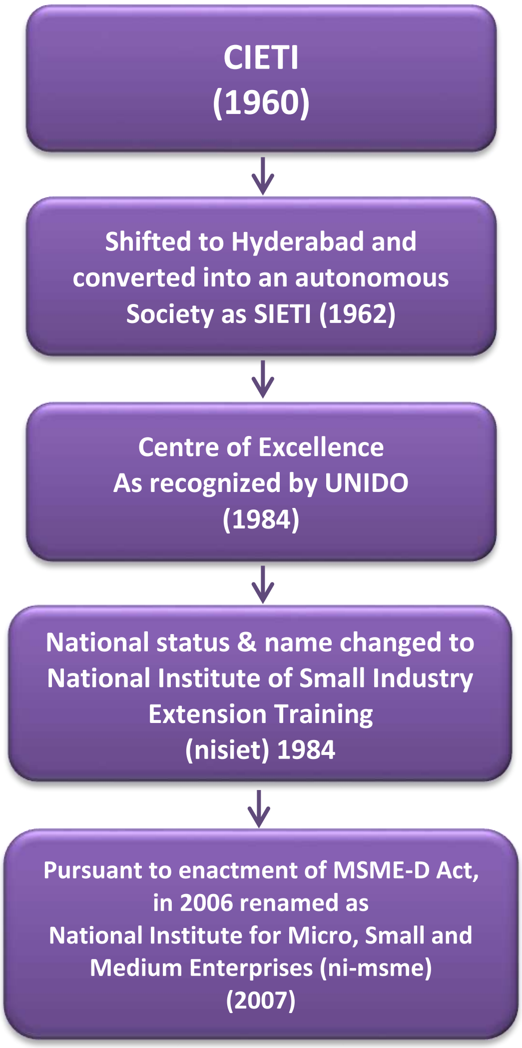

Figure 1.1: Different Milestones

The Institute was associated with prestigious world bodies such as UNIDO, UNESCO, ILO, Commonwealth Fund for Technical Cooperation (CFTC), United Nations Children’s Education Fund (UNICEF), Afro-Asian Rural Development Organization (AARDO), ARB Bank (Ghana) and GIZ (Germany). The Institute’s collaborative efforts with various international organisations and institutions make its endeavor’s more result-oriented.

- Entrepreneurship
- Cluster Development
- Skill Development
- Micro Finance
- Business Development Service
- Sub-Sector Development

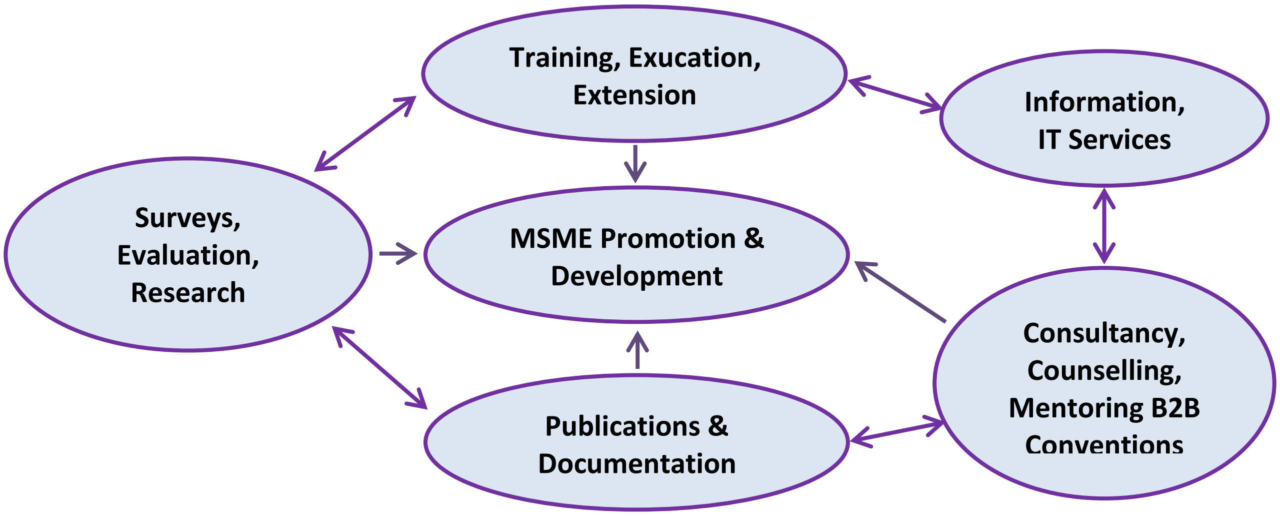

Figure 1.2: Widenening the scope of activities

The Institute's programmes are globally compatible and upgraded according to the expertise accomplishments. Around 300 executives across the world participate and benefited in taking away the blended flairs and potentials every year. **ni-msme** is widely recognised as one of the world's best Institute for its facilities of training, research and extension.

The following table indicates the total number of programmes conducted, participants trained and research, consultancy projects executed during the period 1962-63 to 2019-20.

Table 1.1: Total Number of Programmes Conducted

Sr. No.	Activities	Numbers
1.	No. of training programmes	16,102
2.	No. of participants trained	5,40,877
3.	Research and consultancy projects	942

The number of participants trained includes 10,388 executives from 143 different developing countries, who attended the international programmes conducted exclusively for the executives sponsored under International Technical Co-operation Programme (ITEC) of the Ministry of External Affairs (MEA), AARDO, SCAAP, TCS-Colombo plan and Ministry of Finance, Govt. of India respectively.

1.2 ni-msme Charter

Focused attention on specific topical specification issues through conferences, seminars and programmes with special emphasis on need based programmes

Evaluation Studies and publications

Paradigm shift towards client driven approach & innovative interventions

Keeping in line with the national objective of economic development through industrialisation and based on the expertise available, ni-msme has identified following thrust areas for prominent and exploration.

Entrepreneurship Development	Technology Upgradation & Transfer
Policy Issues	Networking with Micro and Small Enterprises
Environment Concerns	Cluster Development
Skill Development	Management Consultancy
Quality Management Services	Financial Services
Information Services	Intellectual Property Rights (IPR)

Figure 1.3: ni-msme Charter

Enterprise promotion and entrepreneurship development being the central focus of **ni-msme's** functions, the competencies of the Institute converge on the following domains:

- Enabling enterprise creation
- Capacity building for enterprise growth and sustainability
- Creation, development and dissemination of enterprise knowledge
- Diagnostic and development studies for policy formulation

Figure 1.4: The spectrum of the Institute's activities/ services

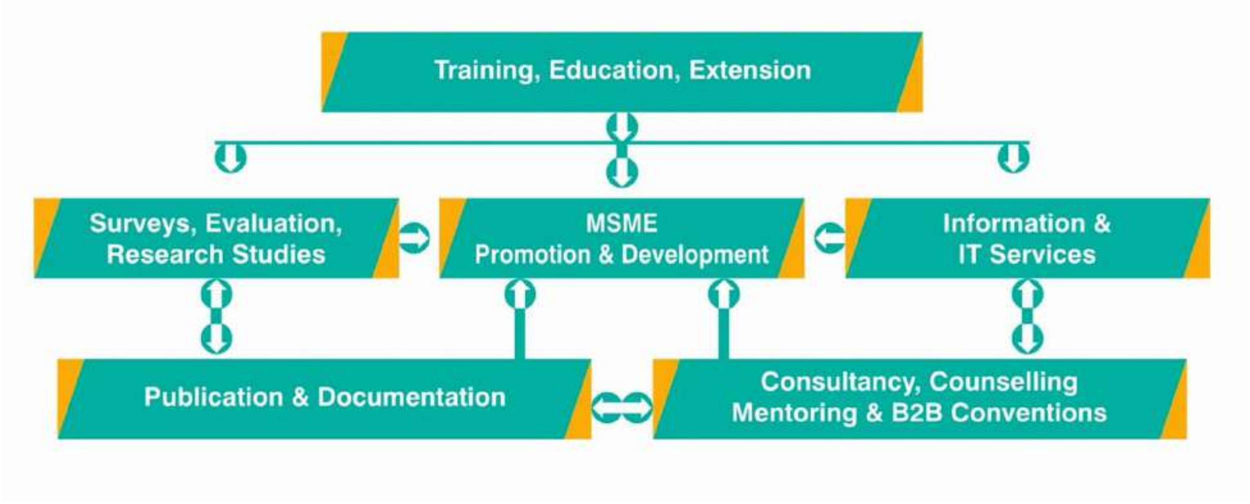

1.3 Institute's Clientele

Table 1.2: Institute's Clientele

Central Ministries/Departments	State Governments
Ministry of MSME Ministry of Food Processing Industries Ministry of Finance Ministry of External Affairs Ministry of Textiles Ministry of Minority Affairs Ministry of Agriculture Farmers Welfare Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation Ministry of Environment, Forestry and Climate Change Ministry of Human Resource Development Ministry of Defence Ministry of Rural Development National Mineral Development Corporation Hindustan Petro-Chemicals Ltd. Mahatma Gandhi National Institute for Rural Education (MGNIRE) Panchayati Raj Ministry of Science & Technology	Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Chattisgarh, Jharkhand, Karnataka, Kerala, Odisha, Punjab, Madhya Pradesh, Maharashtra, Meghalaya, Telangana, Uttar Pradesh and West Bengal. **State Boards/Autonomous Bodies** Building & Other Construction Workers' Welfare Board of Andhra Pradesh Rajeev Gandhi National Institute for Youth Development (RGNIYD) SETWIN, Hyderabad Krishi Vigyan Kendras (KVK) Quality Council of India (QCI) Indian Council of Medical Research (ICMR) Indian Council of Agricultural Research (ICAR) APITCO
Banks	**Private Organisations**
Reserve Bank of India Small Industrial Development Bank of India Nationalised banks MUDRA Bank, Canara Bank, SBI, Allahabad Bank, Andhra Bank	Industries Associations Association for Rural and Urban Needy (ARUN) Gap Skills Learning Solutions Pvt. Ltd. Hiregange & Associates

	Reddy's Foundation Rainbow Foundation CARE Hospitals Heritage Foods Ltd. Azim Premji Foundation
International Organisations	
UNESCO, UNDP, Ford Foundation, GTZ, USAID, UNIDO, ILO, RITES, AARDO, BSIC, CFTC, Agricultural Development Projects of Nigeria, SIDO of Tanzania, Bank of Ghana, ARB Apex.	

1.4 Administration and Management

The affairs of the Society are managed, administered, directed and controlled through the Governing Council constituted by the Government of India as per Rule 22 (a & b) of Rules and Regulations of the Society. The Society, as provided under Rule 3 of Rules and Regulations, was constituted by the Government of India.

Shri. Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of State (Independent Charge) of MSME, GoI is the President of the Society and Chairman of the Governing Council of **ni-msme**. The Secretary to the GoI, Ministry of MSME is the Vice-President of the Society, Vice-Chairman of the Governing Council and Chairman of the Executive Committee. The Additional Secretary to the GoI and Development Commissioner (MSME) is the Vice-Chairman of the Executive Committee. Dr. Sanjeev Chaturvedi is the Director of the Institute. The list of Members of the Governing Council and the Executive Committee are provided at **Annexure I and II**, respectively.

The Governing Body acts through the Director. The Director is the academic and executive head of **ni-msme**. He functions under the guidance of the Governing Council and the Executive Committee. The academic activity is organised through different academic Schools of Excellence. The Chief Administrative Officer / Director (Admin. & Logistics) is the head of overall administration and general administrative matters, on behalf of the Director.

1.5 Statutory Meetings

Governing Council (GC) & Annual General Meeting (AGM)

The 12th Council meeting of **ni-msme** was held at 02:00 p.m. on 03.09.2019 at Udyog Bhawan, New Delhi under the Chairmanship of the Hon'ble Minister for Ministry of MSME. The Hon'ble Chairman of GC was enlightened of the progress report on activities of the Institute for the year 2018-19 by Director General, **ni-msme**. The other issues like appointment of nominated members of GC were noted and approval of appointment of statutory auditors for 2018-19 and Annual Report together with audited accounts for 2017-18 was accorded.

In the subsequent 11th Annual General Meeting was held on the same day, the aforesaid issues were approved by the AGM.

1.6 Grievance Cell

To bring about transparency and to institute an effective Public Grievance Redress and Monitoring System, **ni-msme** has set up a Grievance Cell and Information and Facilitation Counters. The state of public grievances serves as a barometer to gauge the efficiency and effectiveness of the administrative processes and policies of the Institute and the Grievance Cell and the Counters form important components of the machinery set up to facilitate timely redressal of public grievances. Complaints may be lodged at the Grievance Cell and information may be sought from the Facilitation Counters. The addresses are indicated at **Annexure-III.**

1.7 Intellectual Growth Facilities

Since its inception, **ni-msme** has been rendering services to MSMEs. **ni-msme's** intellectual activities are pursued by its four Schools of Excellence, through their eleven existing centers, which also include four theme focused cells devoted to specific disciplines.

The schools themselves are inter-disciplinary in nature, focusing on training, research, consultancy, education, extension and IT services in their areas of expertise for the benefit of client organisations, entrepreneurs, association leaders, government officers, bureaucrats, public and private company's executives, academicians, trainers, students and unemployed youth.

1.8 Schools of Excellence

The activities of **ni-msme** are executed through four Schools of Excellence with each school having under its theme focused Centres and Cells. The four Schools are indicated in the following chart:

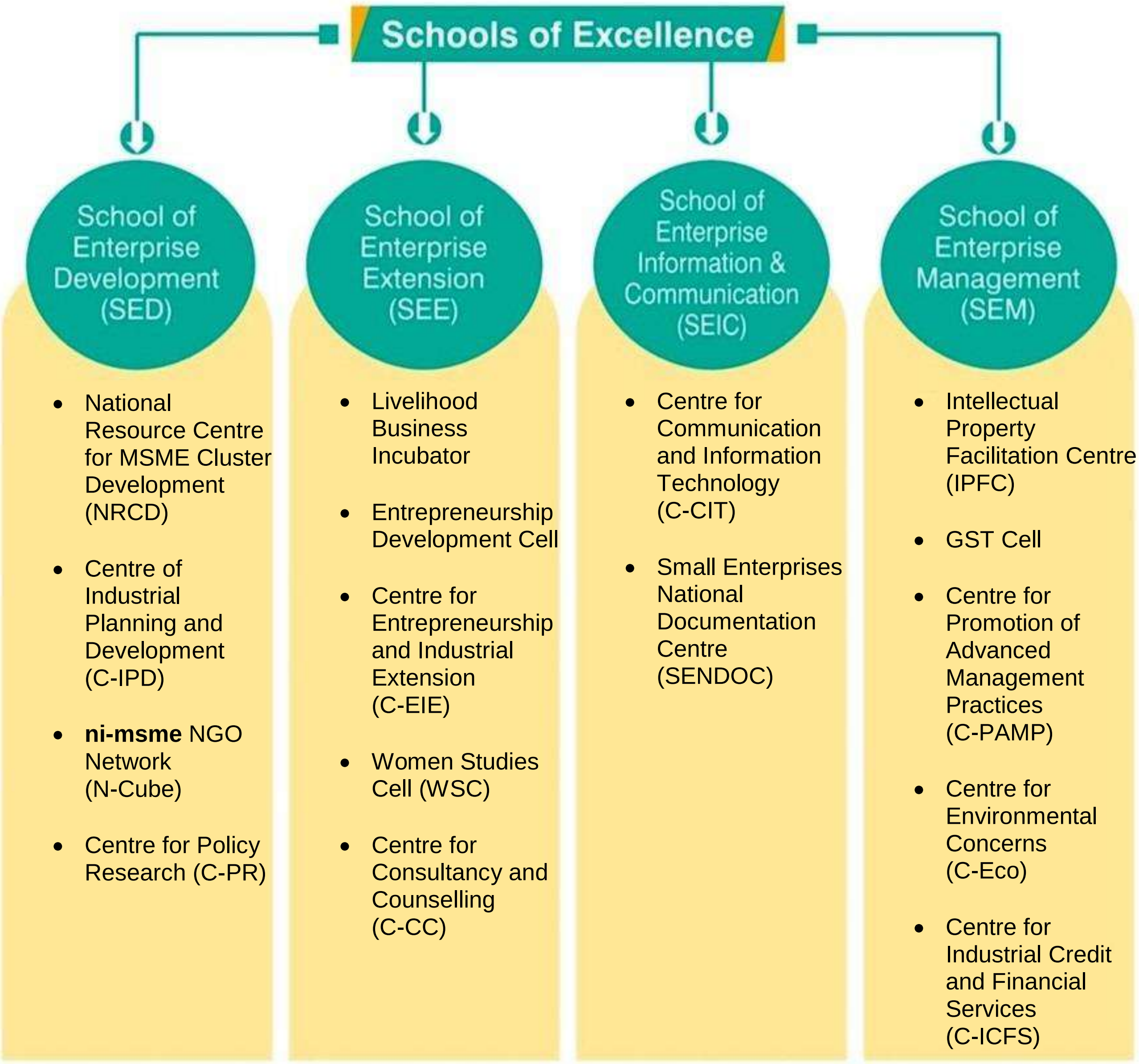

Figure 1.5: Schools of Excellence

1.9 Infrastructural Facilities

Well-laid infrastructure provides the framework for better and efficient functioning of an organisation. **ni-msme's** facilities are spread over several hectares of sylvan surroundings and are ranked among the best in the world. Apart from the facilities for teaching and training, the Institute provides an excellent library that offers internet facility with round-the-clock reference-cum-reading rooms. Spacious and well-equipped air-conditioned classrooms and conference halls, with state-of-the-art instructional and functional gadgets, computers with specific software for cutting edge IT courses; advanced laptops and other instructional tools make learning at **ni-msme** a pleasant pursuit. The infrastructure at the Institute includes:

- Auditorium : 350 persons capacity
- Conference Hall : 125 persons capacity
- 18 Lecture Halls : 30 – 40 persons capacity each
- Faculty work-stations with support services

1.9.1 Guest Room Complex:

The Institute's clean and comfortable guest rooms, with modern amenities on par with international standards, can accommodate over 280 guests. The hostel complex has clean and hygienic dining facilities, serving appetising cuisines that make the campus a home away from home for the participants. The hospitality wing has the following features:

- Multi-cuisine mess with five dining halls
- Accommodation – 140 rooms that can house up to 280 persons
- Guests and participants are accommodated in Air-Conditioned rooms.
- Suites for VIP's and dignitaries
- All rooms are equipped with TV, Wi-Fi and intercom facilities.

1.9.2 Closed Circuit Cameras

32 CC cameras with a limited set of monitors are located at strategic points on the **ni-msme** campus for surveillance.

1.9.3 Sports and games

Fitness, enthusiasts among the participants at the Institute use the jogging track and gym on the campus. The campus also has facilities for playing tennis and football (outdoor games); and for badminton, table tennis, chess and caroms (indoor games).

1.9.4 Medical Care

A visiting physician is available in the campus during fixed hours and also available 24/7 on call to attend health issues.

1.9.5 Recreational Facilities

The amphitheatre Kalangan provides an ideal venue for staging entertainment concerts and to show-case the creative talents of the participants. Musing is another outdoor location within the campus, set amidst tall trees beside a pond that is best suited for get-togethers. **Utsav** is a wonderful location for outdoor meetings and social gatherings. The Herbal Vista, which houses medicinal and aromatic plants, is well maintained and visitors can soak in the natural ambience.

1.9.6 Water Treatment (RO) Plant

A water treatment plant was installed on the top floor of the canteen. The plant is planned to meet the requirement of drinking water in all the buildings located in the campus and supply pure drinking water to the national and international participants and the staff of the Institute.

1.9.7 Parking Area

Two new facilities have been added to the campus infrastructure by way of a covered walkway connecting the New Training Building and the dining block, and a covered parking space for four wheelers and two wheelers. Coincidentally, the ground at the premises has also been graded and levelled to suit the contour of the land.

1.9.8 Laundromat

For the bulk cloths washing and handling an Industrial Washing machine is installed for hygiene. Also in floor of the hostel washing machines are installed for the International Executives.

1.9.9 Solar Panels

Solar panels are installed to make the campus greener and for complementing the electricity consumptions.

1.10 Staff Strength

The staff strength of the Institute as on 31st March, 2020 is given in the table below. The retirements from and appointments to the services of the Institute during the year are given in **Annexure-IV**.

Table 1.3: Staff Strength

Staff Strength as on 31st March, 2020				
Sr. No	Category	Sanctioned Strength	Posts filled	Posts vacant
1.	A	23	12	11
2.	B	06	01	05
3.	C	95	33	62
	Total	124	46	78

1.11 Organogram

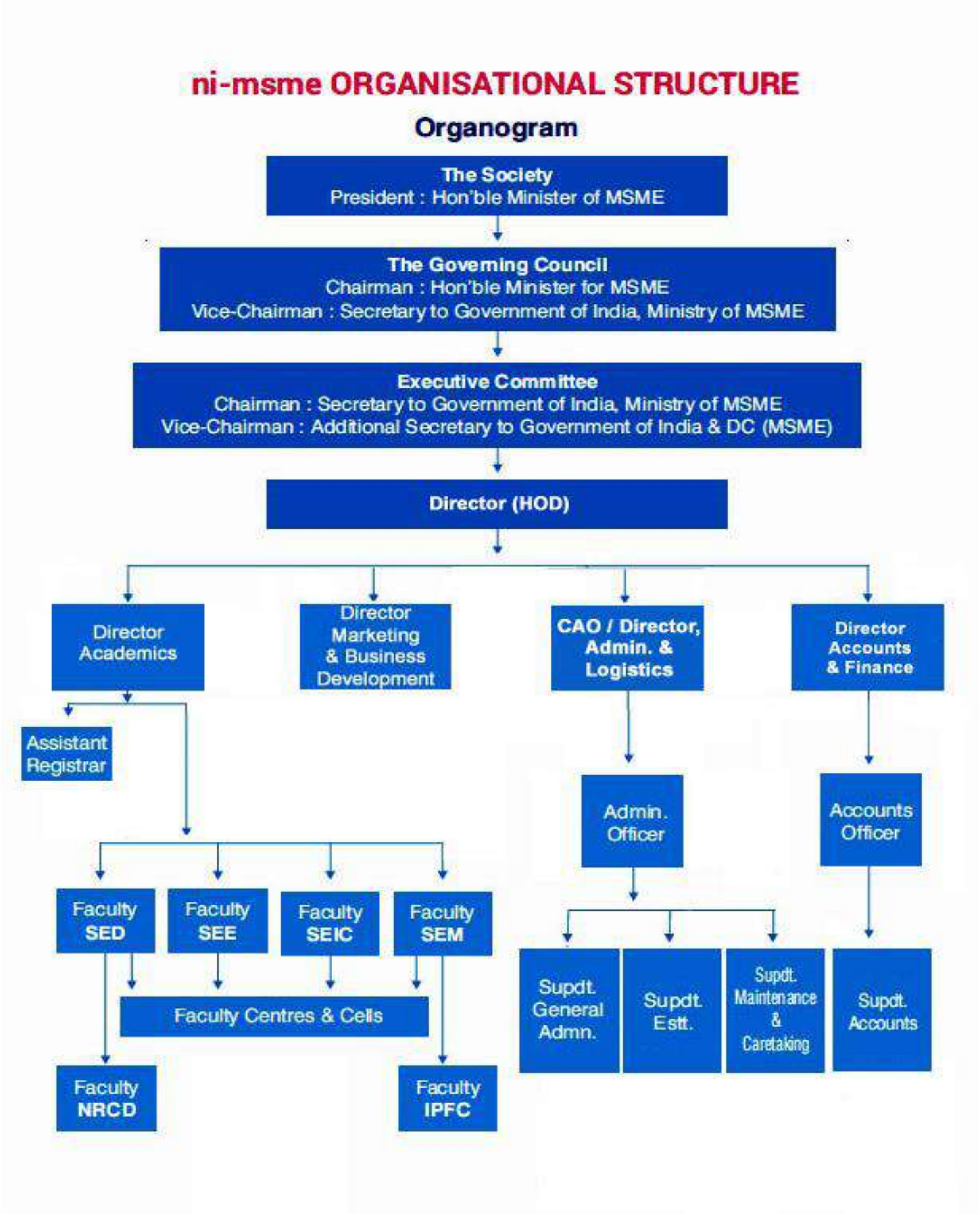

Figure 1.6: Organisational Structure

2. New Initiatives

2.1 Minister Visits Campus / Plantation related events

Figure 2.1: Shri. Pratap Chandra Sarangi, Minister of State for MSME visits Campus

Figure 2.2: Shri. Malla Reddy, Minister for Labour and Employment, Factories, Women & Child Welfare and Skill Development, Govt. of Telangana Visits Campus

Figure 2.3: Tree Plantation

3. School Wise National Programmes (Announced and Sponsored)

3.1 School of Enterprise Development (SED)

3.1.1 Management Development Programme on Project Financing and Management

The SED of **ni-msme** had organised a Management Development Programme on Project Financing and Management for Managing Directors/Senior Officers of State Channelising Agencies (SCAs) of NBCFDC and Regional Rural Banks (RRBs), during 19-21 May 2019. The participants hailing from Gujarat, Chattisgarh, Tamil Nadu, Karnataka, Puduchhery, Andhra Pradesh, Kerala and Telangana states took the training, in addition to the officials of NBCFDC head-quarters.

Figure 3.1: Programme on Project Financing and Management

Mr. K. Narayan, Managing Director, NBCFDC, in his inaugural address, alluded to the recent changes incorporated in the NBCFDC lending scheme to help improve its spread and effectiveness. He advised the SCAs and banks to submit the Annual Action Plans along with Utilization Certificate and list of identified OBC beneficiaries. The National e-Governance Division (NEGD), Department of Electronics and Information Technology (GoI), in collaboration with the Union Ministry of Social Justice and Empowerment (MSJ & E) is in the process of developing a software, free of cost, for application in the social sector. He urged all the SCAs to avail the facility and depute officers for attending the familiarisation workshops being organised in Delhi. The MSJ&E has approved Dr. Ambedkar Chair in various universities under it to evaluate the schemes for realistic features and requested the SCAs to extend assistance to the evaluators when necessary.

Later, Mrs. Anupama Sood, General Manager Project, NBCFDC welcomed all the participants and made a brief presentation on NBCFDC financing initiatives, loan schemes, technology up-gradation of clusters, marketing linkages, CSR/IT initiatives, etc. She said, NBCFDC provides marketing exposure opportunities for the target group artisans through participation in exhibitions.

She advised the participants to nominate beneficiaries for Shilpotsav, Dilli Haat IITF, Pragati Maidan (14-27 Nov. 2019) and Surajkund International Craft Mela, Faridabad (1-15 Feb. 2020). The new Technology Up-gradation of Cluster Scheme of NBCFDC provides certain interventions through channel partners.

The main objective of the scheme is to enable the target group to face the competition in domestic and international markets and to improve the quality and productivity of their products/services. SCAs can send relevant proposals in the prescribed format and become implementation agencies for the projects under the scheme.

Other sessions included presentations by NBCFDC officers on: LEAP software by Mr. Sanjeev Sharma, AM (Project); skill development initiatives, by Ms. Ranjana, Asst. Manager (SD); whereas Mr. Tanikella Ramakrishna, Resource Person gave inputs on Stress and Time Management.

Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty of **ni-msme** focused on cluster development methodology and shared experiences of **ni-msme** in handloom and handicraft clusters, and interventions taken with the help of NBCFDC in Mysore Wooden craft cluster and Palakkad Pottery cluster. Mr. S.N. Panigrahi spoke about critical aspects in project management, while Mr. B.N.V. Parthasaradhi discussed case studies on monitoring and recovery.

In the concluding session, the participants made presentations on implementation of NBCFDC schemes and shared their experiences. They expressed satisfaction with the programme, which helped them in effective implementation of the schemes and thanked **ni-msme** and NBCFDC.

3.1.2 Recycling of Wastes in MSMEs Sector

The SED of **ni-msme** had organised a one-week training programme on Recycling of Wastes in MSMEs during 20-24 May 2019 in the campus. Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing & Business Development); Mr. Ankit Bhatnagar, AFM, SEM addressed the inaugural session. They stressed on the need for systematic disposal of wastes to make India free of garbage and clean. Mr. Bhatnagar highlighted the importance of liaisoning with the entrepreneurs, both prospective and practising, to improve the business environment. Effective planning would bring good prospects; therefore a meticulous plan of action is essential.

Figure 3.2: Recycling of Wastes in MSMEs

The programme aimed at devising a system that would render disposal of wastes profitable. The faculty urged the participants to derive maximum benefit from this training, and asked the stakeholders and waste management agencies to propose suggestions emanating from

their practical experience in waste disposal to guide the garbage disposal activities their respective states. Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED and Programme Director outlined the objectives of the programme: to create awareness among the stakeholders and the community about the need for systematic recycling of wastes, which are a risk to human health and environment if not disposed scientifically. The programme content was designed to enable the participants to set up recycling units in their respective work sites.

The training inputs include elucidation of various concepts of waste management options, energy recovery, wealth from wastes and business opportunities to set up recycling units in the industrial sector by presentations and lectures on basics of waste management and recycling. Recycling of mixed wastes, like e-wastes, plastics, glass and shipyard wastes recycling, bio/fish/food, automobile and industrial hazardous wastes transport storage and disposal facilities (TSDF), etc., were also discussed at length. As part of the training, exposure visits were arranged to waste recycling units.

Apart from **ni-msme** faculty, five resource persons were invited to share their knowledge in specific subjects: Dr. K. Srinivas, Head & Technical, Ramky Group; Mr. P. Bakka Reddy, Executive Director JETL, Mr. Y.V.M. Reddy, CEO & Adviser of PRATHAM Enviro Consultancy, Hyderabad; and Mr. A.V.R. Krishna, Director, CIPET, Hyderabad addressed the sessions.

Senior sanitary inspectors, voluntary awareness agencies under various municipal councils (MC), environmetal engineers, recycling unit's stakeholders, assistant engineer, GHMC-Hyderabad also made presentations on the theme. During the valedictory held on 24th May 2019, the trainees rated the programme as Good and Very Good. The participants categorically stated that the training was conducted in a systematic way.

Figure 3.3: Valedictory Session for Recycling of Wastes in MSMEs

Mr. K. Surya Prakash Goud addressed the valedictory session. He said that it was hearching that private participants as well as government departments had actively participated in the programme. Further he suggested that the participants use **ni-msme** as a platform to improve their knowledge through interactions with experts, officials, faculty and co-participants by sharing their experiences besides class-room sessions. Focusing on human relations, he touched upon the strength of belongingness and contentment. He further stressed upon key factors like aspiration, planning, interest in the work, etc., for individual and organisational growth. Besides, he highlighted the wide scope for business and

enterprise for the MSME sector, and assured the potential entrepreneurs of all possible support by way of capacity building training at different levels.

3.1.3 Training programme on Solar PV Grid Connected Power Plants

A three day Training programme on Solar PV Grid Connected Power plants (Installation & Business Opportunities) was conducted during 27-29 May 2019.

The SED of **ni-msme** had conducted a three-day campus programme on Solar Grid Connected Power Plants during 27-29 May 2019, directed by Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED. About 35 participants from Hyderabad, Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Odisha States.

Mr. M. Suresh, Domain Expert was the Chief Guest. Speaking on the occasion, he highlighted the importance of solar energy and solar photovoltaic cells, grid connected mechanism for trapping the solar energy on a wide range at grass-root level. Earlier, Mr. K.S.P. Goud, FM, SED welcomed the gathering and spoke about the activities of **ni-msme** in the field of alternative energy options and innovative technologies for installation of solar photo voltaics.

Figure 3.4: Training programme on Solar PV Grid Connected Power plants

The increasing demand for power has led to considerable burning of fossil fuels, which has, in turn, had an adverse impact on environment. Therefore, efficient use of energy and its conservation are of paramount importance. Directly or indirectly, such programmes benefit the community and help small industries to conserve energy and become energy efficient, thus enhancing the quality of life and economic well being of the local population. It even supplements our efforts to cope with power requirements, apart from reducing fossil fuel consumption. The Programme Director spoke about the design and objectives of the programme. He observed that the programme would help the developing countries to evolve strategies to face the situation of limited energy resources and rural electrification.

Col. Dr. Surendra, Solar Technical Expert, Surabhi Institute of Renewable Energy (SIRE), Begumpet, Hyderabad and Mr. Ramakrishna Kumar, Project Director, Telangana State Renewable Energy Development Corporation (TSREDCO) addressed the theme sessions, apart from Mr. Koteswara Rao. A short film on solar energy utilisation was also screened. Mr. M. Y. Reddy, Chief Manager, Retd. SBH, Hyderabad was the Chief Guest of the valedictory function. He interacted with the participants and expatiated on the banker's view of project apprisal.

Earlier, the Programme Director presented a report on the programme. The participants, shared their views, suggested to include few more topics such as energy audit.

Figure 3.5: Training programme on Solar PV Grid Connected Power plants

Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing & Business Development) focused on solar energy applications, costs, devices and indigenous solar technologies. Then he informed that Germany is generating 25 percent of energy from solar power and other

The programme ended with the distribution of training completion certificates to the participants by Mr. Bhatnagar and the Chief Guest, accompanied by Mr. K.S.P. Goud, FM, SED.

3.1.4 EDP Valediction in Mysore

Two EDPs in Mysuru, sponsored by NBCFDC, New Delhi, were concluded through a formal valediction on 19th June 2019, at the training venue. Mrs. Anupama Sood, General Manager (Projects), NBCFDC, New Delhi was the Chief Guest for both events. Mr. Chennapa, Deputy Director (Retd.) of Deveraj Urs Backward Classes Financial Development Corporation, Bengaluru; and Mr. K. Mohan of Mohan Wooden Arts and Crafts, Mysuru, a National Awardee 2013 were the Guests of Honour.

Figure 3.6: EDP Valediction in Mysore

Others present at the event included local prominent citizens and 20 participants who aspired to be self-employed in the natural wood inlay art and rosewood handicrafts. The Chief Guest interacted with all the EDP trainees and noted their impressions about the programme conducted by Mohan Wooden Arts and Crafts, which is the programme venue.
The Programme Director and Faculty of **ni-msme**, spoke briefly about **ni-msme** activities, and urged the trainees to take up self-employment.

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme**, in his message to the trainees, observed that sincere hard work fetches good results, and suggested that those who choose wage employment should think of becoming self-employed after gaining experience through wage employment. He outlined the schemes of the Ministry and stated that he would persuade the banks to provide loans to those proposing to start micro/small enterprises. In the end, he wished success to the trainees in their endeavours.

The trainees expressed satisfaction with the programme inputs and design, and stated they had learned useful things through the training, especially regarding setting up an enterprise and support services available. The event ended with distribution of training completion certificates to the EDP participants by the Chief Guest.

The second event was EDP and skill up-gradation training in wooden arts and crafts at Arun Fine Arts, conducted by Mr. S. Ashok Kumar, National Awardee 2015. Mrs. Anupama Sood distributed training completion certificates and tool kits to all the participants.

3.1.5 PAC meet for 2019-20

Mr. J, KoteswaraRao, AFM, SED of **ni-msme** attended the Project Appraisal Committee meeting on implementation of Employment through Skill Training and Placement (EST & P) programmes for the financial year 2019-20, held at the MEPMA camp office in Vijayawada on 1st July 2019.

Figure 3.7: PAC meet for 2019-20

Under the National Urban Livelihood Mission, the EST&P component is designated to impart livelihood generating skills to the unskilled urban poor as well as to upgrade their existing skills. The programme will provide for skill training of the urban poor so that they can set up self-employment ventures or get placed in salaried jobs in the private sector.

3.1.6 Art & Craft training for teachers of TMREIS

The SED of ni-msme conducted a training programme of the Telangana State Government on the 7th August 2019 to improve the skill set of Art and Craft teachers of Telangana Minorities Residential Educational Institutions Society (TMREIS). Mr. Surya Prakash Goud, Faculty Member along with team ni-msme conducted a conference at the campus to understand the requirements of the Art and Craft teachers of TMREIS. Five facilitators from varied fields of art were the resource persons for the programme. In addition, traditional artists and craftsmen were also invited to the campus to showcase their work. Participants were encouraged to soak in nature's beauty and create art with natural material available in the campus within a time period of 15mins. The participants showed enthusiasm as they brought to life what they visualised and presented to their faculty. Later, a brainstorming session was conducted between trainers and teachers to understand the requirements and resources from the perspectives of both the teachers and the students.

Figure 3.8: Art & Craft training for teachers of TMREIS

3.1.7 Planning and Promotion of MSMEs

The SED of ni-msme organised a one week training programme from 19-23 August 2019 on Planning and Promotion of MSMEs at the campus for Deputy Commissioners/General Managers of DICs and Deputy Directors deputed from Directorate of Industries, Government of Gujarat and Maharashtra states. The participants were nominated by the Directorate of Industries, Government of Gujarat and Maharashtra. The Programme Director, Shri J. Koteswara Rao introduced the faculty members to the participants and gave a brief outline of the programme content and objectives as Shri. Vivek Kumar, AFM (SED) welcomed the

dignitaries and outlined the training activities of ni-msme and the benefits to industries and various organisations. Shri. K. Surya Prakash Goud, Faculty (SED) further explained the importance of Deputy Commissioners/General Managers/ Deputy Directors in the development of industries in the states. The main objective of the programme is to provide the knowledge and skills necessary for the preparation of DSR and DPR further creating awareness regarding their significance. The participants were taken on a field trip to Amazon to interact with the entrepreneurs there. A quiz was conducted as part of the closing session and the valedictory & certificate distribution was held on the 23 August.

Figure 3.9: Planning and Promotion of MSMEs

3.1.8 Round Table Print Circle Conclave 2019

The All India Federation of Master Printers (AIFMP), and the Telangana Offset Printers Association (TOPA) organised a Round Table Print Circle Conclave at the campus on 26th August 2019, supported by MSME-DI (Development Institute), Khadi and Village Industries Commission (KVIC), National Small Industries Corporation (NSIC), ICICI Bank and the host institute ni-msme. Sessions delivered on different schemes, subsidies and facilities available to micro, small and medium scale printers were discussed. Emphasis was laid on the advantages of cluster approach through the convenience of Common Facility Centre.

Figure 3.10: Round Table Print Circle Conclave 2019

3.1.9 Training programme on Micro Enterprises Development for Project officers and field Officers

Mr. K. Surya Prakash Goud, Senior Faculty of SED formally inaugurated the programme speaking on the occasion he highlighted the necessity for being acquired with the latest industrial policies of the respective states for their successful implementation.

Earlier, the programme director gave an overview of the programme structure, inputs and outlined its main objectives of the training programme.

The regular sessions were commenced covering the de-librations about the schemes like MUDRA Bank, Prime Minister Employment Generation Programme (PMEGP) sponsored by Ministry of MSME, Poverty Alleviation and Employment Generation Programmes in India.

MSME policy, prospects and retrospect, identification of viable enterprises, project feasibility (Technical, Financial and Market) and project report preparation and presentation. Participants were encouraged to conduct market survey for field experience.

As a part of the programme the participants taken to field visit to Micro Enterprises set up in association of lady entrepreneurs of AP (ALEAP) seeing in believing ancient living, a natural product manufacturing unit, fabrication unit and Leather bags unit, the visit reinforced the class room theoretical and gave practical exposure. Visited Rural Technology Park (RTP) located at NIRD-Rajendranagar Hyderabad various facets of well established Micro Enterprises were seen.

During the programme an attempt was made to provide essential inputs like various schemes i.e., PMEGP, MUDRA Bank guidelines opportunities and support to prospective entrepreneurs. Those aspiring to acquire additional knowledge to start and maintain an enterprise.

All participants appreciated the programme and the benefits acquired from the technical sessions and clarifications against their queries by subject domain experts. They also appreciated the faculty and the amenities of **ni-msme**.

Apart from giving valuable suggestions on various attributes, the participants had rated the programmes should be organized at frequent intervals.

Dr. Dibyendu Choudhury Faculty Member of SEM has graced the valedictory function. Interacted with programme participants .all participants shared their impressions about the programme. He suggested them to inculcate the habit of upgrading their knowledge time to time by referring sources of information. Participants deputed from DIC Officials to utilize the knowledge they gained in the programme and implement on their respective work environment. Also urged the participants to put into practice what they have learnt during the training programme and improve their professionalism by encourage entrepreneurs to setup the enterprises in their respective worksites.

The training programme provides the insights of various government schemes on self employment and helps in tackling the challenges coming across in establishing enterprises and its Management.

He also highlighted about the MSME Sector is second after agriculture in economic growth of the country. He highlighted the schemes introduced by the Ministry of MSME for the development and promotion of MSMEs.

The programme participation certificates were distributed to the participants on their successful completion of the programme by the Dr. Dibyendu Choudhury Faculty Member of SEM along with Programme Director.

3.1.10 E-Waste Management & Recycling options for MSMEs

The SED of ni-msme organised a three day training programme on “E-Waste Management & Recycling options for MSMEs” during 18-20 September 2020 at our campus The Programme Director Mr. J. Koteshwara Rao said, that 8 participants have come from various capacities, some of them are /CEOs/ Managers / Deputy Directors/Assistant Managers and entrepreneurs who belonged to the states of Maharashtra, Uttar Pradesh, Rajasthan, Tamilnadu, Haryana, Gujarat and Telangana.

Figure 3.11: E-Waste Management & Recycling options for MSMEs

The programme highlighted the hazards of e-wastes, the need for its appropriate management and options that can be implemented at grass root level. Emphasis was laid on Treatment technologies, their potential and financial mechanisms available for promoting such technologies in India and the various instruments existing in local governments that can be used for promoting measures available with local governments for reduction of Green House Gases.

Eminent subject specialists were invited as resource persons to address the theme sessions and interact with the trainees. They included Dr. P. Veeranna, Retd. Sr. Scientist (Environment), TSPCB-Hyderabad who addressed the participants on “Regulatory

framework and compliance requirements" and Shri. Y V. Mallikarjuna Reddy, CEO, Pratham Envirotech Solutions, Gachibowli, Hyderabad highlighted on "Recycling e-waste: practices & challenges", A Case study of German experience and Dr. E. Ramesh, Scientist of E-Centre for Materials for Electronics Technology (C-MET), IDA Phase-II, Cherlapally, Hyderabad spoke on Sustainable product design, Development of procedure for recycling of e-waste and Development of standard procedure for analysis.

Certificates were awarded to participants on successful completion of course during the valedictory function held on 20 September.

3.1.11 Programme on Current Requirement in E.I.A

The SED **ni-msme** conducted a 3 day campus training on Current Requirements in Environmental Impact Assessment (EIA) - Process & Procedures (as per MoEF Guidelines) during 25 – 27 September, 2019.

EIA is a formal study process used to predict environmental risk and assist decision-makers in considering the proposed project's environmental costs and benefits. A total of 25 no. of Officials were participated in the training programme inaugurated by Thiru. T. M. Venkateshan, Mentor & Chairman of Focus 5, a reputed Energy Auditor, Hyderabad. He highlighted the importance of the Environmental Impact Assessment (EIA) reports in the clearance of projects in the MoEF process.

Figure 3.12: Programme on Current Requirement in E.I.A

The Programme Director Mr. J. Koteswara Rao addressed the participants briefing them on the programme details, theme, E.I.A methods, Ad-hoc methods, matrix methods, Network method Environmental Media Quality Index method, overlay methods, cost/Benefit Analysis.

The programme was concluded through a formal valediction on 27th September. The participants shared their impressions about the programme and rated it as very good and expressed gratitude to **ni-msme** for organising it. They promised that they would implement the skills and knowledge they acquired here in their respective work situations. The programme ended with the distribution of training completion certificates to all the participants.

Figure 3.13: Valediction of Current Requirement in E.I.A

3.1.12 Training Programme on Solar Energy Technologies and Applications

ni-msme organised a three day programme on Solar Energy Technologies and its Applications for budding and prospective SC/ST Entrepreneurs / Engineers, Executives, Renewable energy professionals under the National SC/ST Hub scheme.

The Chief Guest Col. Dr. T. S. Surendra, Chief Advisor, Surabhi Institute of Renewable Energy (SIRE), Begumpet, Hyderabad inaugurated the programme and said “the increasing demand for power has lead to considerable burning of fossil fuels and in turn has an adverse impact on environment. Therefore, efficient use of energy and its conservation are of paramount importance. Directly or indirectly, such programmes benefit the community and help small industries to conserve energy and become energy efficient, thus enhancing the quality of life and economic well-being of the local population. It even supplements our efforts to cope with power requirements, apart from reducing fossil fuel consumption”. He further spoke on the Solar Photovoltaic cells for trapping the Solar energy at wide spread range of gross root level.

The Programme Director Mr. J. Koteswara Rao spoke about the vast potential for renewable energy resources, especially in areas such as solar power, biomass and wind power adding to it, he stated that the programme would help the developing countries to evolve strategies to face the situation of limited energy resources and rural electrification. He later briefed the students about the design and objectives of the programme.

Apart from the **ni-msme** faculty, two resource persons -Mr. N. Ramachander, Associate Professor, BVRIT College of Engineering, Narsapur, Hyderabad and Mr. Ashok Kumar, Senior Consultant from L. B. Nagar were invited to share their knowledge on Regulatory framework and compliance requirements for installation of Solar Photovoltaic, MNRE Guidelines and various schemes implemented by the Government of India and Battery technology.

Figure 3.14: Training Programme on Solar Energy Technologies and Applications

As part of their field exposure visit, the participants were taken to solar technology park located at National Small Industries Corporation-Technical Service Centre, Kamala Nagar, ECIL Hyderabad. The Valedictory Ceremony was held on 25th October, Mr. Y. Nagesh Kumar, AGM-SME Division, Andhra Bank, Zonal Office, Hyderabad was the Chief Guest for the event. Participation Certificates were distributed to all participants by the Chief Guest and Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty of SED.

3.1.13 Induction Training to Industrial Extension Officers of Industries & Commerce, Govt of Kerala.

The School of Enterprise Development (SED) of **ni-msme** conducteda four week induction training programme on MSME promotion for Industrial Extension Officers from 18 November -13 December 2019 sponsored by the Directorate of Industries & Commerce, Govt of Kerala. 30 no.of Industrial Extension Officers from Directorate of Industries & Commerce, Govt of Kerala participated in the training.

Figure 3.15: Induction Training to Industrial Extension Officers of Industries & Commerce, Govt of Kerala

Mr. J. Koteswara Rao and Mr. K. Surya Prakash Goud, faculties of SED highlighted the importance of Make in India programme and further stressed the indispensability of quality in productivity.

Mr. J. Koteswara Rao, Associate Faculty Member, SED and Programme Director outlined the objectives and contents of the programme. They further spoke on the MUDRA scheme, PMEGP, Poverty alleviation and employment generation programmes in the country, MSME policies, MSME Schemes, Bank guidelines, Project Report Preparation, Technical, Marketing and Financial feasibilities, Project Feasibility-financial aspects, Project report preparation and

identification of viable Micro Enterprises. The trainees were also encouraged to take up market research.

Apart from the in-house Faculty, Guest faculty like: Mr. VBSS Koteswara Rao, from Global Exim Institute, Mr. B. Sai Sudhakar Rao and Mr. P. Udaya Shankar, former Faculties of **ni-msme** Mr. T. M. Venkateshan, Mentor, Focus-5, Hyderabad. Mr. S. Radha Krishna, facilitator of Krish Personality Development and Shri. B.N.V. Pardhasaradhi, Retd Bank Manager etc. were invited as resource persons to give insight into the subject. Exposure visits were arranged for the group to Rural Technology Park located at NIRD-Rajendra Nagar, Indian Institute of Chemical Technology (IICT)-Uppal area, and Aerospace & Precision Engineering park at Special Economic Zone located at Adibatla village and Micro Max Mobile Phone Manufacturing Unit located at Fab city etc. These visits to micro units were aimed to provide the participants with firsthand insight into production operations of varied enterprises.

3.1.14 E-Waste Management & Recycling Options for MSME's.

A three day training programme on "E-waste Management & Recycling options for MSMEs" was organized from 18-20 December 2019 under National SC/ST Hub scheme at **ni-msme** campus. A total of 26 SC/ST budding and Prospective Entrepreneurs attended the programme from the states of Andhra Pradesh and Telangana.

Shri. K. Surya Prakash Goud, Faculty member of School of Enterprises Development (SED) inaugurated the training programme and said that the training programme is aimed at devising a system where disposal of wastes could be profitable and urged the participants to take maximum benefit of the training and asked the stakeholders and waste management agencies to put forth suggestions regarding their practical experiences in disposal of wastes. Shri. J. Koteswara Rao AFM-SED briefed about the objectives of the training programme presented the outline of the programme to the participants. He said that the programme was designed to enable the participants to set up recycling units in their respective worksites. He further presented a brief review of activities of **ni-msme** and its significant role in promoting Entrepreneurial activities related to the green initiatives of MSMEs.

The programme topics included elucidation of various concepts of waste management options, Energy recovery, Wealth from wastes and business opportunities to set up e-waste recycling units in industrial sectors, Recycling of mixed wastes, various wastes like E-Wastes, plastics, Glass and ship yard wastes recycling, Bio/Fish/Food, Automobile and Industrial hazardous wastes transport storage disposal facilities (TSDF). etc. Apart from in-house faculty, three resource persons were invited to share their knowledge from organizations like RAMKY, JETL and TSPCB.

The valedictory function was held on 20 December 2019 and Shri. Prashant Kamat, functional Manager, District Industries Centre, Govt. of Goa was the chief guest. Participant certificates were awarded to all participants as they expressed their gratitude for the learning experience they had at **ni-msme.**

Figure 3.16: E-waste Management & Recycling Options for MSME's

3.1.15 Faculty at EDP on Industrial Promotional activity

Shri. J. Koteswara Rao AFM-SED, **ni-msme** attended an Entrepreneurship Development Programme (EDP) Awareness Programme on Industrial Promotional activity held on 23rd December 2019 at Uday Aditya Bhavan Conference hall, Collectorate Office, Nalgonda District organized by District Industrial Centre (DIC). Mr. Rao spoke on various Government schemes and compliances required for setting up of Micro Enterprises at their respective worksites and guidelines for PMEGP Scheme were explained in detail by showing success stories / case studies. About 200 budding and Prospective Entrepreneurs from all over the District attended the EDP.

3.1.16 One-day Workshop Review Meet of State Khadi and Village Industries Boards

A one-day workshop-cum-review meet of state khadi and village industries boards was held on 25th February 2020, at the ni-msme campus in Hyderabad. While the meet was being held upstairs in the Conference Hall of the New Training Building, a display of a wide range of products made by the units registered with the boards was arranged in the ground floor of the same building.

The programme took off with the auspicious lamp lighting as per the tradition of the land, signifying the unhindered dispersion and spread of knowledge in all directions. The dignitaries from the KVIC and the state boards participated in the event, while the house looked on.

The panel consisted of eight officers, including four senior executives of KVIC as follows: Mr. Vinai Kumar Saxena, Chairman; Ms. Preeta Verma, I.P.S., Chief Executive Officer; Mrs. Usha Suresh Iyer, I.E.S., Financial Adviser; and Mr. Y.K. Baramatikar, Jt. CEO.

Mr. Y.K. Baramatikar, in his welcome remarks, observed that the KVIC has a wide range of schemes that aim at providing rural populace with income generating activities. The state boards play an important role in implementing the schemes of KVIC at district and block levels. He narrated in detail the extent and reach of the boards in respect of different schemes, and their success. The initiative of boards in training, skill development, marketing and capacity building is also expanding gradually. The boards are also acting as implementing agencies in cluster development under SFURTI implementation. They will evolve a better road map for khadi and village industries in the year 2020-21.

The house recessed for tea and reassembled for the rest of the sessions after about a half hour.

The post-tea session was addressed by Mr. R.S. Pandey, Dy. CEO, Khadi. Khadi provides employment to rural folk as well as others. Under employment model, 12,500 openings were created. Business partners were selected from outside. Initially, fifty villages from all over the country were identified at state level. So far, only khadi institutions worked in this area. Under cluster model, 200 looms and 500 charkhas will be given to artisans in the village, and the village will be called Khadigaon. Infrastructure poses a big problem. KVIC will give support in this regard. If a village has over 250 looms, khadi based business enterprises can be developed. Up to 40 crore of funds will be given, and 25% of the profit will directly go to the artisan. The Ministry of MSME is our main partner. KVIC will support in respect of marketing, working capital as required day -today operations. They may upgrade themselves to make khadi contribution maximum. Selection of business stakeholders and certification are very important. Our production will be 100% khadi. KVIC will support the boards. Proposals are being placed before the SSC. Funds will be released immediately to whoever is working in the scheme. Participation in the scheme should be well in time.
Ms. Preeta Verma remarked: a village with 200 charkhas and 50 looms and a business partner will have the opportunity to create employment. But get the business partner first. We need to get other players on the boards. We are also holding zonal level awareness campaigns and hand-holding through khadi institutes. The biggest challenge is the marketing strategy. You need to diversify into other areas. Bring as many people as possible on board.

...(speaker) Marketing of khadi products is the main challenge. Expose yourselves in more and more exhibitions in different countries. KVIC extends support under marketing development assistance scheme. You can nominate a person, send their details. If any board is doing well, they can request for an exhibition. State offices will coordinate for you. The details are available in the portal.

When participating, do we inform the boards, someone asked. The clarification was: Sometimes the ministry notifies at short notice. Visit the online portal. The rates are attractive, orders are huge, assured markets. Inform the target. We are pleased to inform very soon we are likely to get 200 crore worth of railway supplies - pillows, dastries, etc. - rate contract. Over 2,000 institutions are certified to supply. How much they can supply will come out in working details. The contract is valid for three years. To participate in any institution, Rs. 5,000 is the token registration fee.

One delegate said, RYG want to see working models. Suggested, involve department of MSME. Some confusion seems to have occurred. In MP, KVIC is not under MSME. Circulars issued by KVIC must reach the boards. They are not reaching. We should be in MSME.

Solar charkhas is an amazing innovation. Narada village of Bihar proved it very successful. The ministry of MSME has launched the Mission Solar Charkha with the objective of creating one lakh employment. In fact, all GoI schemes have the primary objective of maximal employment generation. Around one lakh beneficiaries are being supported through 50 clusters by way of looms, twisting and dyeing, 50 kW solar grid, capacity building and six months working capital. Project monitoring units (PMU) watch the implementation. Existing khadi institutions can implement the scheme. Independent entrepreneurs too can join. Once DPR is received, the PMU will appraise it and forward to the Secretary, after whose approval funds will be released.

KVIC also has khadi trade marks: Khadi India, Sarvodaya and Kutir, which find favour in Germany, Australia and the UK apart from India. Many of the boards also use khadi mark. Wherever khadi is used, it can be continued. If other names are used without the word khadi in it, KVIC has no objection. The boards are advised not to register any trade mark with khadi as suffix or prefix. A policy decision is being taken regarding boards using registered trademarks. We suggest, boards not register trade marks including the word khadi. Approach us with their choice and we will register it and assign it to them. There should be more control over trade mark. Those who have already registered May assign their trade marks to KVIC. We will bear the cost involved in the process. A letter has been issued to this effect.

Ms. Preeta Verma said, we do not want boards clashing with KVIC. KVIC will register the trade mark and assign. Let us review the matter in a months time.

...(person) Any khadi institution can apply for solar charkha. Minimum size is 200 charkhas and 100 looms. How SPV will be formed, can the villagers take the charkhas and looms to their homes and work there, and other questions will be answered when implementing the project. MDA benefit is not applicable to solar charkha scheme. It is a business model. You will have to look for marketing channels. It is eco friendly. Differentiating between solar cloth and khadi cloth is very difficult as they are largely similar. As solar cloth does not get any assistance, producers of solar cloth may pass it off ad khadi, in order to claim MDA benefits. Solar product is not given khadi mark or khadi certification. Someone has to monitor the process, otherwise the makers may mix up both, which is not legal. We do not want to give MDA to solar charkha products, but we can have a rebate scheme so that the makers will not feel left out.

SFURTI is an effort towards organising traditional artisans into clusters so they may benefit through collective strength. It is a three-tiered intervention consisting of a nodal agency, a technical agency, and an implementing agency. KVIC is the nodal agency. The technical agency does hand-holding through the implementing agency for the artisans in rural areas. The scheme steering committee is the apex body. The artisans are expected to reach next level with the knowledge they possess. We will facilitate learning what they do not know and bridge the knowledge gaps. They are provided with latest with machinery and tool kits, raw material bank and training interventions.

Products should complement each other. The implementing agency cannot discontinue at will. It is felt that 500 artisans per cluster is not tenable. Guidelines are being simplified to bring down the size to 100 to 150 artisans. Identify potential clusters - certainly small clusters of 30 to 40 artisans will not be difficult.

Mr. Radhakrishnan, Director, spoke about the success of honey bee cluster. Ministry of MSME has the list of the tool making units. A new package is to be implemented in the honey cluster. Details of financial package can be obtained from us. There are two types of interventions: soft and hard. Soft interventions consist of awareness programme. It is followed by training in honey extraction. The implementation procedure is briefly outlined. For more result, boards should cooperate more.

Performance of PMEGP in 2019-20 was focused next. The procedure is now completely online. We aim to surpass the achievement of 2018-19 in bank credit and margin money disbursal. We have fulfilled the targets allocated. Additional achievement can be accommodated. EDP is a bottleneck. Every time we have to request the ministry for

exemption. EDP should be made completely online so beneficiary can download, and apply from their home/office, reach banks and get the clients.

A delegates question got the answer that government is being persuaded to introduce khadi in school uniforms. Whether khadi makers can meet the demand fully is the question. There is a task force committee with DIC as the convener and member-secretary. One delegate interposed: why task force committee? we have to wait six weeks for their appraisal. It would save time if it can be directly forwarded. The response to this was, the matter has been taken into consideration already, and revision may come through in 2020-21. One delegate shared a grievance that the task force faults them if their achievement exceeds the target. The delegate was advised to make the targets realistic.

The PABGP meet was good, motivating, giving recognition to those who do well. Participatory management is the need of the hour, to deal with high rejection rate.

The proceedings were adjourned to allow lunch break for the delegates. The house re-convened to continue the proceedings, after an hour.

The post-lunch sessions began with film show. Two short films on khadi were shown. After that, the state boards made their presentations.

The first presentation was by south zone Karnataka, on the board's achievements and schemes implemented. They implemented incentive wages scheme, based on the quantum of production/sales. At present it is limited to 150 days in a year. Soon it will be revised to 300 days. Under infrastructure scheme, renovation of khadi bhandars - both metro and non-metro - was undertaken. Under interest subsidy scheme beneficiaries paid the principal while government took the interest burden. The BPL scheme waived off loan plus interest. CMEGP, applicable only to rural units, provided grant up to Rs. 10 lakh. People are attracted more towards PMEGP because of higher limit. Participation in exhibitions and consortium bank credit are the other schemes. Khadi plaza is not yet implemented. Raw material availability is a problem. GST exemption is available only on khadi cloth and not on garments. A query regarding online facility was answered that online system is not working well, but the team closely monitors the process and the security system is foolproof.

Central zone U.P. came next. Their focus is sectoral and are working on cost reduction. Over six lakh people are employed in khadi, which supplies 2,35,000 uniforms. The rozgar scheme for potters provides 25% capital subsidy. They have marketed 6,000 blankets through GeM portal. They also implement the interest waiver scheme, and have training provision. In Bihar and Jharkhand they established two showrooms.

East zone Jharkhand was next. The presentation was about new initiatives in khadi. A new production centre of cotton and silk yarn has been set up in Jharkhand. Implementation of rural initiatives has been preferred for naxal thick areas, with the objective of helping them join mainstream. A 15-day training has been provided. Deogarh people are earning Rs. 250 per day making paper weights. People who go to remote areas are provided with bus pass.

North-east zone Tripura made the next presentation. The KVIC sanctioned funds for their building. Soon they will make a tripartite agreement. They are implementing honey clusters and bee keepers training. For cluster 500 persons limit is not practical, 200 may be considered. They are producing double mattress covering and going for khadi dashamsho

and khadi pavilion. At least one day week, government officers must wear khadi. Convocation dresses must be khadi made. Following the best practices is their aim.

The next presentation was by North zone Rajasthan. The board was established in 1955. Its organisation structure was explained. They implemented laghu khadi vikas yojana. District level exhibitions were organised. They had also conducted fashion shows for designer wear. They send the material to Gujarat for dyeing. The trend is encouraging. From 2nd October they have been implementing 35% rebate. They have set up three training centres: in Jaipur, Push kar and Abu. Recruitment is their major challenge. They face problems mainly in KVIC schemes funds release, and GST. A khadi plaza in Bikaner is being planned. Khadi branding, bar coding and computer using are being considered.

West zone Gujarat made the next presentation. The state board there was set up in 1960. They are implementing MDA, total 15% and 5% for artisans. Their domain is khadi cotton, woollen, polyvastra. There is a grant for solar looms. Artisan bears 35% and the rest by the government. Hundred looms have been sanctioned. Khadi utsav exhibition has been held. At present the transactions are offline, but trying to go online as soon as possible.

The last speaker of the session was the chief of Telangana khadi board. He said: Khadi is a vast subject connecting with earth and nature. DIC gives 60% subsidy, KVIC gives 35% in rural areas, which makes it unattractive. It should be raised to 45%. DLTFC may be given to the board. The CGTSME is of no use because bankers trouble the clienUnk. The buildings of the mahavidyalaya are outdated and are unsuitable for safe housing of people. Give us twenty crore to re-build. We are not short of land. We can develop several things under PPP. Under PMEGP urban areas also may be allowed. As part of village development, we are encouraging herbal tourism, organic farming and solar energy. We hope the Commission will expedite our requirements.

Ms. Preeta Verma summed up the day's work. She observed: After a long time we have conducted such workshop. It is a satisfying experience to have all boards and KVIC on one platform. The aim is to try to generate maximum employment. We look forward to similar cooperation. Guidelines modification is recommended removing rural-urban difference. There should be no communication gap, information should be complete. Better coordination may be achieved. We will meet again at zone level.

Mr. Vinay Kumar Saxena, Chairman, KVIC spoke the concluding words. KVIC and the boards are two faces of the same coin. However, in time, boards grew smaller and KVIC grew larger. We will certainly make zone groups. Small group interaction is much easier and better. Recently we had such an event in the north-east. Our schemes should be well familiarised among the people. Honey mission is a good programme with great possibilities. It provides livelihood opportunities to illiterates. Their income expands. It proved a huge success in Jammu and Kashmir. Our clay cups are in use by the Railways in 450 stations. Para militaries will use only khadi. Encourage people to make and take khadi. We cannot thank the government enough for their support. The present government especially is giving khadi its due honour. Demand for village industries products is also growing. Ensure quality and make products of acceptable quality. Railways have empanelled khadi as hundred per cent supplier. So, marketing is laid down. You have to maintain quality. My dream is to make khadi international. There is a lot more to share. We will be meeting more frequently. Make a success of taking khadi to the highest pinnacle.
The workshop concluded with vote of thanks by Dr. Greep.

3.1.17 Waste Management Perspectives

Figure 3.17: Waste Management Perspectives

A two days workshop on "Industrial Waste Management in SME Sector" conducted on 27-28 February 2020. The Workshop was sponsored by Telangana state Pollution Control Board (TSPCB), Hyderabad. The workshop organized by School of Enterprise Development (SED) of National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**) Yousufguda, Hyderabad.

Details of the two day Workshop for specific industrial emissions abatement targeting various stakeholders including industry, municipal and regulatory authorities would further strengthen the implementation of control strategies in these sectors. This is because of lack of Awareness among the public, neediness of the waste discharging industries to use treatment, disposal equipments.etc. Dr. K. Srinivas, Head (Technical), Ramky Enviro Engineers Pvt. Ltd, GachiBowli, Hyderabad inaugurated the workshop. Contents and theme of the workshop was briefly explained by Workshop Director, Mr. J. Koteswara Rao, AFM, (SED).

Figure 3.18: Waste Management Perspectives

Chief Guest Dr. K. Srinivas, Head-Technical, Ramky Enviro Engineers Pvt. Ltd, GachiBowli, Hyderabad Was delivered keynote address after the inaugural function. He highlighted about advanced technologies in Industrial Waste Management. The main objective of workshop is to sensitize the Stakeholders on various management issues like source, Industrial waste collection, handling of waste, storage, transportation, processing and disposal of Industrial hazardous Waste.

3.2 School of Enterprise Management (SEM)

3.2.1 Programmes on GST

The GST cell of **ni-msme** conducted two campus events in April 2019: a workshop on implications, and a certification training programme. Both were directed by Dr. E. Vijaya, FM, SEM.

3.2.2 Workshop on Implications of GST on MSMEs

The workshop was on Implications of GST on MSMEs a one day event held on the 16th April 2019, in association with the Indian Chamber of Commerce (ICC). The workshop aimed at bringing MSMEs, financial institutions, private and public sectors and the government on a common platform to help the stakeholders to envision and deliberate on transformational changes for the sustainability of MSME sector.

Figure 3.19: Workshop on Implications of GST on MSMEs

3.2.3 Training programme on GST

The certification training was a 3 day event, conducted during 22-24 April. The trainees belonged to different streams of activities: government officials, entrepreneurs, tax consultants and accountants. The main objective of the programme was to impart practical knowledge about GST law and tax compliances, which would enable them to support enterprises and individuals to file returns under the new law and equip the youth with relevant skills to benefit from the wider opportunities in the job market.

Figure 3.20: Training programme on GST

The inputs focused on GST law, place and time of supply, input tax credit, practical understanding of registration process, invoicing, RCM, returns filling, payments and refunds under GST. The sessions were addressed by **ni-msme** Faculty, GST experts, officials of GST department and tally experts. During the valedictory session, Mr. Sandeep Bhatnagar, Director, Marketing & Business Development, **ni-msme** suggested that the participants send post-implementation feedback on GST compliance in their organisations. He advised them to use the **ni-msme** GST cell services to sort out their compliance issues.

3.2.4 GST: Reconciliation, Audit & Annual Return

The GST cell, **ni-msme** had organised a one-day workshop on GST: Reconciliation – Audit - Annual Return on 19th May 2019. A total of 63 participants comprising entrepreneurs, business owners, professionals, tax consultants and salaried employees attended the training programme. The programme was directed by Dr. E. Vijaya, Faculty member, **ni-msme**.

Figure 3.21: GST Audit

The main objective of the workshop was to enlighten the participants regarding insights on litigated issues of GST & Discussions on Practical issues, discussions with check list for filing of Annual Returns and detailed analysis with actual Formats & Templates along with online practical presentations. Mr. SN Panigrahi, versatile Practitioner, GST Expert has handled the sessions on practical issues arising from the Annual Returns and GST Audit.

3.2.5 Training Programme on GST

GST cell of **ni-msme** has organized a three day certification training programme on Goods & Services Tax (GST) during 29 - 31 July, 2019. Participants from different streams such as Government officials, Entrepreneurs, Tax consultants and Accountants attended the training programme.

Programme Director Dr. E. Vijaya, Faculty member, **ni-msme** said that the main objective of the programme is to educate the trainees with practical knowledge about GST law and tax compliances so that they can support enterprises and individuals to file returns under the new law and will also help the youth to equip with the relevant skills to benefit from the wider opportunities in the job market.

The three days training programme was mainly focused on imparting the knowledge about GST law, place & time of Supply, Input tax credit, practical understanding of Registration process, Invoicing, RCM, return fillings, payments and refunds under GST. The sessions were handled by **ni-msme** faculty, GST experts, and officials from GST department and also Tally experts.

Figure 3.22: Training Programme on GST

During the valedictory session, Director (Academics), **ni-msme**, congratulated the participants for successful completion of their training and also suggested the participants to send their feedback after post implementation of GST tax compliance in their organizations. He also advised the participants to utilize the services from GST cell, **ni-msme** with regard to tax compliance issues.

3.2.6 Training Programme on GST

GST cell of **ni-msme** has organized a three day certification training programme on Goods & Services Tax (GST) during 21-23 September, 2019. Participants from different streams such as Government officials, Entrepreneurs, Tax consultants and Accountants attended the training programme.

Programme Director Dr. E. Vijaya, Faculty member, **ni-msme** said that the main objective of the programme is to educate the trainees with practical knowledge about GST law and tax compliances so that they can support enterprises and individuals to file returns under the new law and will also help the youth to equip with the relevant skills to benefit from the wider opportunities in the job market.

The three days training programme was mainly focused on imparting the knowledge about GST law, place & time of Supply, Input tax credit, practical understanding of Registration process, Invoicing, RCM, return fillings, payments and refunds under GST. The sessions were handled by **ni-msme** faculty, GST experts, and officials from GST department and also Tally experts.

Figure 3.23: Training Programme on GST

During the valedictory session, Director (Academics), **ni-msme**, congratulated the participants for successful completion of their training and also suggested the participants to send their feedback after post implementation of GST tax compliance in their organizations. He also advised the participants to utilize the services from GST cell, **ni-msme** with regard to tax compliance issues.

3.2.7 Executive Development Programme for Junior Officers of NMDC

A two-week Executive Development Programme for Junior Officers of NMDC was organised by the School of Enterprise Management (SEM), **ni-msme** during 13-25 May 2019.

A total of 13 participants working in Secretarial, Finance, Personnel and Materials department of NMDC attended the training. The programme was directed by Dr. Dibyendu Choudhury, FM and Mrs. V. Swapna, AFM of SEM.

Figure 3.24: Programme for Junior Officers of NMDC

Customised for the junior officers of NMDC, the training aimed at building up their competencies to undertake challenging responsibilities and negotiate management related issues, while achieving personal growth within the organisation. The inputs included sessions on Leadership skills, Quality management, Time management, Business ethics, HRD activities, CSR activities, Personnel and financial orientation, as well as imparting soft skills.

The programme was formally inaugurated on the 13th May 2020. During the inauguration, Mr. Sandeep Tula, Director (Personnel); Mrs. G. Reeta, DGM (HRD); and other officials of NMDC were present. Mr. Tula spoke about the importance of executive development training, designed as per the needs of NMDC, which is striving to turn out dynamic leaders for achieving its cherished goals, vision and mission. The Programme Director outlined the objectives and contents of the programme. He focused on three important abilities: managerial skills, soft skills and functional skills which would help the delegates to become successful executives. Recalling the association of **ni-msme** with NMDC, he reminisced on their long standing relationship.

The theme sessions were addressed by **ni-msme** faculty as well as by NMDC officials.

A formal valedictory was held on the 24th May 2020, chaired by Mrs. G. Reeta, DGM (HRD) of NMDC, and Dr. Ashwani Goel, Director, Academics, **ni-msme**. Mrs. Swapna welcomed the gathering and presented a short report on the proceedings of the two week programme. The trainees expressed their views about the programme. Dr. Ashwani Goel congratulated the trainees for their attentive participation and appreciated the faculty team and programme directors for their committed efforts in conducting the programme. The programme concluded with the award of training completion certificates to all participants.

On the 25th May 2020, an examination was conducted to evaluate the learning of the trainees. Each of the participants also made a presentation about the programme outcome. The programme was well received by the participants and was rated as very good.

3.2.8 Conference on Upskilling

A national level conference on Training for Up-skilling of the Barber Community was organised at **ni-msme** campus on 21st May 2019, in association with NBCFDC and State Barbers' Associations. The main objective is to encourage the small saloon owners/barbers, who are micro entrepreneurs, to participate in the programme so as to enhance their competency levels, which would result in enhanced earnings and, consequently, better living conditions for them.

Figure 3.25: Conference on Upskilling Barbers

ni-msme proposed implementing a training programme to this effect across all the states. The training modules are prepared based on NSQF curriculum; conformity to quality standards across the industry can be maintained and overall quality standard in the sector can be improved. The proposal was well received by NBCFDC, and the formal acceptance was announced vide the conference.

Training academies in the Twin Cities, popular for their unique curriculum, were invited to participate in the discussions, including VLCC Academy, Zamm's Academy, Loreal Training Academy and Mahesh Academy.

Mr. Srikanth Maha, Consultant at **ni-msme** opened the discussion with the introduction of programme objective. Mr. Ankit Bhatnagar, AFM, SEE and programme coordinator narrated the expected outcomes, while the representatives of the academies enumerated the

components required for sustained operation of the saloons and enlarging the client base, and ensuring continuance of patronage. The emphasis was on soft skills, and adaptability to changing fashions and shifting preferences.

It is fit to recall here that a similar programme was initiated at the Institute campus, with the cooperation of reputed wellness expert Mr. Jawed Habib, a couple of years before.

3.2.9 Faculty Development Program on Intellectual Property Rights

The Intellectual Property Facilitation Centre, **ni-msme** organised a three-day Faculty Development Programme on Intellectual Property Rights during 27-29 May 2019, directed by Ms V. Swapna, AFM, SEM. The programme is intended for the faculty of educational institutions so that they may provide quality training and facilitate research, develop teaching capacity and also help in the process of successful creation and utilisation of IPR. This programme, in turn, helps the faculty to disseminate the information to educate and empower the youth who are an invaluable asset to our nation.

Figure 3.26: IPR Training

During the valedictory session on 29th May, the trainees shared their impressions about the programme. Overall they rated it as very good and expressed satisfaction.

Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing & Business Development), **ni-msme** addressed the participants. He highlighted the importance of IPR for MSMEs.

The programme concluded with the distribution of training completion certificates to the participants.

3.2.10 AMP Academic Excellence Awards

Dr. Dibyendu Choudhury, FM-SEM had been identified by the search committee as one of the potential recipients of AMP Academic Excellence Awards as the "Best Professor in Marketing and Retail Management" as part of Academic Excellence Awards 2019 on 16th June, 2019 at Park Continental Hotel by Trance, Hyderabad

Figure 3.27: AMP Academic Excellence Awards

3.2.11 Training in International Trade Operations

ni-msme had organised a three-day training programme on Export-Import Documentation Procedures during 25-27 June 2019, at the Institute campus. Dr. K. Visweswara Reddy, Faculty Member, SEM directed the programme. The participants ranged from software engineers to export house executives. The main focus of the training was on familiarising the participants with documentation procedures for exporting and importing of commodities.

Dr. K.Visweswara Reddy, Programme Director formally inaugurated the programme. Being an expert in International Business, he elaborated on the broad changes that have taken place in the documentation procedures in the post-liberalisation period.

The inputs included export-import documentation procedures, importance of export-import business, and benefits to small businesses, INCO terms, International and local bodies, types of transportation, containers and packing, EXIM finance, shipping documents, customs procedures, triangular shipment, high sea sales, etc. Mr. RamanathanIyer, an expert in Export-Import Documentation Procedures, emphasised the importance of export-import business, and the benefits the small business going to get. Mr. S. N. Panigrahi, Adjunct Faculty of **ni-msme**.

3.2.12 Training on Patent Application Drafting and Filing Procedures

Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) organized a three day training programme on "Patent Application Drafting and Filing procedures" from 8-10 July 2019. A Total of 16 participants from various research institutes attended the programme. Topics like Patent law in India, Inventions that are not patentable under Indian Patent Law, Types of Patent Applications, Patent filing process & procedure in India, PCT system & Patent filing procedures in US & EU countries were dealt with in the programme highlighting the various Government schemes in IPR promotion.

The sessions addressed theoretical and practical aspects of patent specification & claims drafting. As part of practical sessions, the participants were given patent drafting exercises. Programme Director V. Swapna, Associate Faculty Member (SEM), IPFC & eminent speakers in the IP field contributed in training the participants.

Figure 3.28: Training on Patent Application Drafting and Filing Procedures

The training programme received positive feedback as participants were enthusiastic to implement all that they learnt during the training.

3.2.13 IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs

"Intellectual Property Facilitation Center (IPFC) for MSMEs" organized a three day training programme on "IP Strategy for Startups and Entrepreneurs" from 16-18 September 2019 at **ni-msme**.

Participants from ICAR (Indian Council of Agricultural Research) institutes, Film Institutes, incubators, Startups & independent consultants attended the programme. The programme is an aim to impart knowledge as to how one should identify and protect intellectual property and how to incorporate a successful IP strategy in the management, commercialization and monetization of their IP and technologies.

The Programme Director Mrs. V. Swapna, Associate Faculty Member-AFM (SEM) highlighted the Government schemes available on IP promotion& eminent speakers from various IP firms were invited to shed light on the legal aspects. Participants expressed their joy as they received their certificates and shared how the training will help them grow as successful entrepreneurs managing their IP strategy.

Figure 3.29: IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs

3.2.14 Capacity Building Training by ni-msme

ni-msme organized Free Capacity building training programmes for SC-ST Aspiring and Existing Entrepreneurs under National SC/ST Hub scheme. Three programs have been organized during the month of September, 2019 and a total of 60 SC/ST Existing/Aspiring entrepreneurs attended the programs.

The programs were Export and Import opportunities for MSMEs from 23-27 September, 2019, Project Appraisal and Risk Analysis from 25th -27th September, 2019, and Project Report preparation skills for MSMEs from 25th -27th September, 2019. The programmes were directed by Dr.E.Vijaya, Faculty member, **ni-msme**.

The main objective of these programmes is to create awareness about MSME schemes, legal compliances, export and import opportunities, project report preparation and improve the quality of the appraisal process in the widest sense – demonstrating how the process of project and capital expenditure appraisal can be used to dramatically improve cost control and deliver as risk-free as possible expenditure. The sessions were handled by **ni-msme** faculty and experts from Banks, Industries and Government officials.

Figure 3.30: Capacity Building Training by ni-msme

The participants expressed their views about the programme positively. They complimented that the programmes were very useful and informative appreciating the faculty of **ni-msme**.

3.2.15 Programme for Symbiosis Institute for Business Management (SIBM)

The SEM of **ni-msme** had organised a one week Customised Entrepreneurship Development Programme (EDP) for the Students of Symbiosis Institute for Business Management (SIBM), from 14-18 October 2019. The programme was sponsored by the SIBM, Pune and directed by Dr. Dibyendu Choudhury, FM (SEM), & Dr. Shreekant Sharma, AFM (SEE) and coordinated by Mrs. P. Anjali Prasanna.

Dr. Dibyendu Choudhury, in his inaugural address briefed about the entire process of entrepreneurship development. Dr. Shreekant Sharma, welcomed all the participants and spoke briefly about **ni-msme**. Two resource persons, Mr. Sampath and Mr. Chaganti were also invited to share their knowledge.

As part of the training programme, exposure visits were arranged for the participants: IKEA stores and Birla Planetarium on 15th; T-hub and International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials (ARCI) on 16th and Mothkur Cluster on 17th.

During the Valedictory held on 18th, the participants made presentations sharing their experiences individually and received their training completion certificates by Dr. Choudhury and Dr. Sharma.

Figure 3.31: Programme for Symbiosis Institute for Business Management (SIBM)

3.2.16 Start and Improve Your Business

ni-msme organised Free Capacity building training programme on “Start and Improve your Business” from 14-18 October,2019, for SC-ST Aspiring and Existing Entrepreneurs under National SC/ST Hub scheme. A total of 20 SC/ST participants attended the program directed by Dr. E. Vijaya, Faculty Member, **ni-msme**.

The main objective of these programmes is to create awareness about National SC/ST Hub schemes, legal compliances and how to start and improve business. The sessions were handled by **ni-msme** faculty and experts from industries and Government officials. A visit was arranged to the Rural Technology Park at the NIRD, where they had the opportunity to take stock of innovations in housing, agriculture, handicrafts and solar domains, and could interact with the entrepreneurs.

Figure 3.32: Start and Improve Your Business

The participants expressed their views about the programme positively. They complimented that the programmes were very useful and informative, appreciating the faculty of **ni-msme** and the guest speakers.

3.2.17 IP Strategy for Start-ups and Entrepreneurs

The Intellectual Property Facilitation Center (IPFC) of the School of Enterprise Management (SEM), **ni-msme** organised a One Week Training Programme from 14-18 Oct 2019 on IP Strategy for Startup and Entrepreneurs sponsored by National ST/SC Hub, Ministry of MSME, Govt. of India. The objective of the programme is to throw light on the different types of Intellectual Property, their benefits and costs; How to identify their assets and determine the best forms of Protection and Methods to reduce the risk of theft or unauthorized disclosure of ideas. The programme was inaugurated by Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member-SEM & Ms. V. Swapna, Programme Directors.

3.2.18 Programme on EXIM

Dr. K.Visweswara Reddy, Faculty Member of School of Enterprise Management organised a three day Training Programme on “Export-Import Management and Documentation Procedures” from 21^{st} to 25^{th} October, 2019. A total of 20 existing and aspiring SC/ST entrepreneurs seeking knowledge in international business participated in the programme. Focus was laid on making the participants familiar with documentation procedures for Exporting and Importing of commodities.

The Programme was formally inaugurated by the Programme Director Dr. K. Visweswara Reddy. Being an expert in International Business, he elaborated on the broad changes that have taken place in the documentation procedures in the post liberalization period.

Guest Faculty Mr. Ramanathan Iyer, an expert in Export-Import Documentation Procedures has emphasized on the importance of Export – Import Business, and the benefits the small businesses get. Topics like INCO Terms, International and Local Bodies, Types of Transportation, Containers and Packing, Shipping Documents, Customs Procedures, Triangular Shipment, High Sea Sales etc were discussed in detail. Mr. S.N. Panigrahi, Adjunct Faculty of **ni-msme** took sessions on EXIM Finance, GST implications and risk Management.

Figure 3.33: Programme on EXIM

The Valedictory function was chaired by Mr. S. N. Panigrahi, Adjunct Faculty of **ni-msme**. He awarded certificates to the participants for successful completion of training.

3.2.19 Branding and Marketing Strategies for MSMEs

A one week training programme on “Branding and Marketing Strategies for MSMEs” was conducted by School of Enterprise Management (SEM), from 21-25 October 2019 sponsored by the National SC/ST Hub (NSSH), Ministry of MSME and Government of India.

The Programme was formally inaugurated on 21st October, 2019 by Dr. Dibyendu Choudhury, as he welcomed all the officials and the participants and spoke about **ni-msme** and its activities. Dr. Shreekant Sharma, gave an introduction about the training programme, the topics to be covered through theentire week, their significance and the connection with thepresent scenario giving examples for each.

Emphasis was laid on: Consumer Behavioral Changes, Porter’s 5 M’s, Advertisement, Relevance of Marketing & e-Marketing, AIDA, Search Engines and e-Commerce, Using Amazon andother e-commerce Portals, Hands on Workshop- Business Account Set-up- Amazon, Flip kart etc. The sessions were addressed by both the in-house and guest faculties giving insight into practical aspects of the market. During the valedictory session, all trainees shared their experience as to how they would implement their learning in realizing their dreams. Certificates were awarded to all participants for successful completion of training.

Figure 3.34: Branding and Marketing Strategies for MSMEs

3.2.20 Training on Start up Support

ni-msme organized a three day Free Capacity Building Training Programme for SC/ST Aspiring & Existing Entrepreneurs on “MSME Schemes and Start up Support” from 23-25 October, 2019. A total of 20 existing and aspiring SC/ST entrepreneurs attended the training programme directed by Dr. E. Vijaya, Faculty member, **ni-msme**.

Figure 3.35: Branding and Marketing Strategies for MSMEs

3.2.21 Programme on Legal Compliances for MSMEs

ni-msme organized a Free Capacity building Training Programme on “Legal Compliances for MSMEs” from 23-25 October, 2019 for SC/ST Aspiring and Existing Entrepreneurs under National SC/ST Hub scheme. A total of 20 entrepreneurs attended the program. The main objective of this program is to create awareness about National SC/ST Hub schemes, knowledge about legal compliances and registration formalities required during the startup business.

The sessions were handled by **ni-msme** faculty and experts from industries and Government officials. Guest faculty were invited to deal with the topics of MSME schemes, legal compliances, various registrations procedures such as Firm registration, UAM, GST and brand registrations.

The participants expressed their views about the programme positively. They complimented that the programmes were very useful and informative, appreciating the faculty of **ni-msme** and the guest speakers.

3.2.22 Programme on Product Identification and Marketing Strategies

The School of Enterprise Management (SEM) organised a national programme on “Product Identification and Marketing Strategies for Micro Entrepreneurs” from 13th to 15th November 2019 formally inaugurated by the Programme Director Dr. K. Visweswara Reddy & Dr. E. Vijaya of Faculty Members SEM. Speaking on this occasion Dr. K. Visweswara Reddy emphasized the importance of product identification and marketing in the success of MSMEs and gave an overview of the programme to the participants. Dr. E. Vijaya, Faculty Member presided over the function and highlighted the role of National SC-ST Hub in promoting SC/ST Entrepreneurs.

Figure 3.36: Valedictory of Identification and Marketing Strategies

In total there were 20 SC/ST aspiring and existing Entrepreneurs. The main focus of the training programme was on the Product Identification and Marketing Strategies required by Micro Entrepreneurs. It has covered a wide range of topics on Market Survey, Business Opportunity Identification, Marketing Plan, Product Differentiation, Product and Innovation, Social Media Marketing, Marketing through e-commerce: Amazon / Flipkart, Customer Engagement and Experience analysis etc.

The valedictory was held on 15th November. The Programme Director collected individual feedback and presented certificates to the participants.

3.2.23 GST Taxation Filing and Returns at Cochin

A training programme on “GST Taxation Filing and Returns” at Cochin for officials of O/o Development Commissioner (MSME) Ministry of MSME, Government of India was conducted by **ni-msme**, Hyderabad. The programme was directed by Dr. Dibyendu Choudhury, FM and Dr. Shreekant Sharma, AFM.

Mr. Satyen Lama, Director, O/o DC-MSME was the chief guest for the inaugural function. Speaking on the occasion, he spoke on the importance of GST in the current economic scenario and encouraged the participants to learn the concepts and practical aspects of GST and interact with the experts to clarify their doubts.

Training sessions were taken by in-house and guest faculty on topics: Overview of Goods and Service Tax, Registration process under GST, Levy and Exemptions from Tax, Mixed Supply and Composite Supply, Composition Levy, GST Valuation and Payment, GST Compliance Rating, and Online Filing of GST. Guest faculty included GST practitioners, CAs, GST department officials and academicians. The participants were taken on a visit to MSMEs, Coir Museum & Coir Research Institute, Fishing Industry Visit and Dry Dock Yard Industry for practical understanding. Dr. E. Vijaya, FM, GST Cell gave sessions on implication of GST for MSMEs.

Mr. Anil Tripathi, Director, O/o DC-MSME was the chief guest for the valedictory session. Feedback was individually collected and **ni-msme** was appreciated for successful completion of the programme.

3.2.24 FDP on Entrepreneurship Development

One Week Training Programme on "Faculty Development Programme (FDP) on Entrepreneurship Development for Faculty of Higher Education, Odisha State" was organised by the School of Enterprise Management (SEM), at **ni-msme** campus from 18-22 November, 2019 sponsored by Department of Higher Education, Govt. of Odisha.

The Programme was conducted in 2 batches- 29 participants in Batch-I and 31 participants in Batch-II. The Programme was formally inaugurated by Programme Directors Dr. Dibyendu Choudhury and Dr. Shreekant Sharma on 18th November, 2019.

During the welcome address, Dr. Shreekant Sharma briefed about the activities of **ni-msme**, the objective of the programme and its contents. The Programme covered varied topics that included: Soft Skills for Entrepreneurs, Entrepreneurial Personality, Marketing for MSMEs and Start-Ups, Implications of GST for MSMEs, Eight Habits of Effective Peoples, Starting a New Venture, Financial Management and aspect for MSME, Institutional Support for MSMEs and GET Test etc. The sessions were addressed by both in-house faculty and eminent speakers from the industry. Participants were taken to T-Hub where they got the opportunity to learn of the initiatives of the Telangana state in promoting entrepreneurship.

Figure 3.37: FDP on Entrepreneurship Development

Shri. P. Udaya Shankar, Director General I/C, (Retd), **ni-msme** has graced the valedictory session on 22nd November 2019 as the Chief Guest. The participants shared their impressions about the programme and expressed that the training would be very useful and would help them to reach out to the students in order to promote Entrepreneurship in Odisha State. The session came to a close with the distribution of programme certificates to all participants.

3.2.25 Training to Work Smart

The School of Enterprise management (SEM) organised a "One Week Training Programme on Improving Role Efficiency and Enhancing Productivity Through Working Smarter for Supervisors of South Central Railway" from 18th – 22nd November 2019. There were 24 participants from different departments of the South Central Railways. The main focus of the training programme was to make the participants proficient in the art of mid – level management.

The Programme was formally inaugurated by Dr. Ashwani Goel Director (Academics) and Dr. K. Visweswara Reddy gave an overview of the programme and the various topics to be covered during the training programme such as: Procrastinations (Eat the Toad First) /

Interruptions / Mental blocks - Planning and Prioritizing priorities – ABCDEF way of Prioritization, Constructive Feedback Time Management or Self-Management & Stress free environment, The art of Possibility Thinking - Distinguish between tension-relieving and result-achieving activities, Work place conversations, Motivation to work in teams, Initiative & Ownership, Effective communication Skills for success at work Or Being an Effective Manager, Delegation – The Ways to Delegate or The Art of Delegation & Pareto's principle & Improving Productivity, Creating an environment of trust , Complex Problem Solving & Critical Thinking, Coordinating with others & Emotional Intelligence, Building confidence and self-esteem and Building a high performance culture etc.

The participants shared their feedback during the Valedictory function on 22nd November 2019 and participation certificates were distributed to the participants. The session concluded with the vote of thanks proposed by Dr. K. Visweswara Reddy.

Figure 3.38: Training to Work Smart

3.2.26 FDP at Chirala

The SEE Department conducted a Faculty Development program on Entrepreneurship Development for the Faculties of Engineering Colleges in and around Chirala from 25th November to 7th December 2019 at St Ann's College of Engineering & Technology.

The Chief Guest was Dr. P. Ravi Kumar, Principal. In his inaugural address said that this Faculty Development Program (FDP) on Entrepreneurship Development is aimed at equipping the teachers with skills and knowledge that are essential for inculcating entrepreneurial values in students and monitoring their progress towards entrepreneurial career.

3.2.27 Idea Generation for Entrepreneurs

The School of Enterprise Management (SEM) organised a national programme on "Idea Generation for Entrepreneurs" from 02-04 December, 2019. The Programme was formally inaugurated by Dr. K. Visweswara Reddy & Dr. E. Vijaya (Faculty Members of SEM). Speaking on this occasion Dr. K. Visweswara Reddy emphasized the importance of idea generation and its incubation for start-ups and presented an overview of the programme to the participants. Dr. E. Vijaya, Faculty Member presided over the Inaugural function. She further highlighted the role of NSSH in the training of SC/ST Entrepreneurs.

In total there were 20 SC/ST aspiring and existing Entrepreneurs. The main focus of the training programme was on the Idea generation and its incubation for start-ups, Product identification and marketing strategies required by micro Entrepreneurs. The programme

covered a wide range of topics on Idea Generation Methods, Market Survey, Business Opportunity Identification, Marketing Plan, Product and Innovation, NSSH Schemes and support System, Finance for Micro Enterprises, Customer Engagement and Experience analysis etc.

The Three day training programme was concluded on 4th December. The valedictory was presided over by the Programme Director Dr. K. Visweswara Reddy. He took the feedback of the participants and appreciated them for their honest comments about the programme. The training concluded with the presentation of certificates to the participants.

Figure 3.39: Idea Generation for Entrepreneurs

3.2.28 Certificate Programme on Entrepreneurship

The School of Enterprise Management (SEM) organised a national programme on "Certificate programme on Entrepreneurship" from 9-13 December 2019. The Programme was formally inaugurated by Dr. K. Visweswara Reddy & Dr. E. Vijaya (Faculty Members SEM). Speaking on this occasion Dr. K. Visweswara Reddy emphasized the importance of Entrepreneurship and further spoke about the support given by Ministry of MSME. He presented an overview of the programme to the participants. Dr. E. Vijaya, Faculty Member presided over the inaugural function. She highlighted the role of NSSH in the promotion of SC/ST Entrepreneurs.

Figure 3.40: Certificate Programme on Entrepreneurship

In total there were 20 SC/ST aspiring and existing Entrepreneurs. The main focus of the training programme was on the various aspects of entrepreneurship training. The programme covered a wide range of topics on Entrepreneurship motivation Training, Market Survey, Business Opportunity Identification, Marketing Plan, Market Feasibility, Technical Feasibility,

Financial feasibility, Business Plan Preparation, Project report preparation, PMEGP scheme etc.

The Five day training programme was concluded on 13th December. The valedictory function was presided over by the Programme Director Dr. K. Visweswara Reddy. He took the feedback of the participants and appreciated them for the honest comments about the programme. The training concluded with the presentation of certificates to the participants.

3.2.29 IPR & its Implications for MSME's

A three day Training programme on "Intellectual Property Rights and its Implications for MSMEs" sponsored by National ST SC Hub, Ministry of MSME, Government of India was organized by the Intellectual Property Facilitation Center (IPFC), School of Enterprise Management (SEM), National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), Yousufguda, Hyderabad from 18-20 December 2019.

The objective of the workshop is to raise the level of awareness and interest / knowledge about IPR issues and provide insights on the creation, ownership and protection of intellectual property. To familiarize on various types of IPR, Viz., Patents, Trade Marks, Copy Rights, Geographical Indications (GIs), Industrial Designs, Utility Models, Collective marks, Certification Marks & Trade Secrets & IPR Incentive schemes and to develop a broad understanding of the need to integrate IP in MSME Sectors with proper strategies and business planning.

The programme was formally inaugurated by the Programme Director, Dr. Dibyendu Choudhury FM, SED. He welcomed the participants and briefed them about the activities of **ni-msme** and presented the programme outline and also highlighted about the IPR policy that enables all creators and inventors to realize their potential for generating, protecting and utilizing IP which would contribute to wealth creation.

The valedictory function was held on 20th December 2019. Dr. Dibyendu Choudhury, Faculty Member & Programme Director appreciated the participants for their active participation in interactions, discussions and sharing their experiences. The programme was concluded with the distribution of training completion certificates.

3.2.30 Programme on Leadership for Young Managers

A training programme on Leadership for Young Managers was organised in the Institute campus during 20 to 24 January 2020 Sponsored by ECIL, Hyderabad, the programme was directed by Dr. Dibyendu Choudhury, FM, SEM, while Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE was the co-director. The programme was inaugurated on the 20th January 2020, during which Mr. C. Munikrishna, GM-HRD of ECIL was present.

During the inauguration, the Programme Director outlined the objectives and contents of the programme and enumerated the physical facilities and infrastructure at the campus. He under scored the importance of e-commerce and digital marketing and cited some practical cases and shared his experience vis-à-vis leadership qualities.

The inputs included Corporate governance and RTI; Habits of successful people; Change management and intrapreneurship; Conflict and stress management; Strategic management – businessand customer centric orientation; Effective and non-verbal communication; Effective team building; Strategic management -corporate and vendor development plan and programme.

Among the resource persons were Mr. G. Jayakar Rao, Trainer; Dr. Anupama Modigonda, IBS, Hyderabad and Mr. Munikrishna; apart from ni-msme faculty. The interesting feature was Mr. S. Radha Krishna's session, which prompted the participants do some easy exercises while being seated. He showed several videos demonstrating that leading a stress-free life is quite easy and only asks for a few minutes every day. He also fielded questions. The participants were delighted with the session.

The training concluded through a formal valediction on the 24^{th} Mr. Y. Nageswara Rao, GM (Finance), ECIL presided over the event. Addressing the trainees, he said that the purpose of the trainingwas to equip the young managers of their organisation with skills essential for fostering managerial culture among the staff, encouraging them to develop leadership qualities, to guide andmonitor their progress in that direction.

Mr. Nageswara Rao (GM- Finance); Mr. M. Mrutyumjayudu, Dy. GM-HRD; Mr. D. Chandra Sekhar, Director General of ni-msme; Dr. Shreekant Sharma and Mr. Shivanandaji Maharaj of Ramakrishna Mission participated in the event.

The Director General of **ni-msme** congratulated the trainees on successful completion of the training and wished them success intheir endeavours. Earlier, the participants, expressing their views, said that the programme was useful and appreciated the Programme Director for smooth conduct of the programme andtimely guidance. Rating the programme as very good, they promised to practise the skills and knowledge acquired here in theirwork places. They thanked all the functionaries of **ni-msme** fortheir hospitality and for making their stay at the campus comfortable.

Figure 3.41: Programme on Leadership for Young Managers

ni-msme distributed T-shirts inscribed with the **ni-msme** and ECIL logos, captioned "Young Leaders", to all the participants. Mr. Nageswara Rao and Mr. Mrutyumjayudu, along with the Director General of ni-msme, distributed training completion certificates among the participants. The programme was coordinated by Mrs. T. Padmaja.

3.2.31 Social Media Marketing

Sponsored by the National SC-ST Hub, Ministry of MSME, Govt. of India, the SEM of **ni-msme** had organised a one week training programme on the Internet and Social Media Marketing for SMEs during 20 to 24 January2020. The programme was directed by Dr. Dibyendu Choudhury and Mrs. V. Swapna.

Figure 3.42: Social Media Marketing

The Programme Director welcomed all the participants and introduced the trainees to the Institute's activities. A total of 20 participants from different organisations and institutions were trained in the programme.

The inputs focused on consumer behavioural changes, social media marketing - goals and strategies, marketing plans, e-marketing, identifying target audiences, social media platform and network site, AIDA, CRM, legal challenges and IP issues, etc.

During the concluding session, the participants shared their impressions about the programme and facilities. The Programme Director appreciated the participants for their eager participation in interactions, discussions and sharing their experiences. Overall, the programme feedback was favourable and rating was "very good". The programme concluded with the distribution of training completion certificates andvote of thanks by Mr. Satya Prasad, Senior Faculty Consultant (Social Media), **ni-msme**.

3.3 School of Enterprise and Extension (SEE)

3.3.1 Post Graduation Diploma in Entrepreneurship

ni-msme has launched a one-year part-time post-graduate diploma in Entrepreneurship. The course is divided into trimesters. The program focuses on the different facets of entrepreneurship. The academic themes discussed in the programme include opportunity discovery, evaluation, creativity, innovation, finance, entrepreneurial marketing, corporate and contemporary challenges in entrepreneurship. The programme is mainly aimed at the entrepreneurs already rooted in the field, as well as the aspiring entrepreneurs.

Figure 3.43: PG Diploma in Entrepreneurship

The participants, backed by the study, will be able to figure out how to recognize and refine market openings, how to create and assess marketable strategies, how to secure financing and oversee strategic partnerships. The candidates received inputs on different ideas including the leadership, basics of management, authority, motivations, inspiration, decision-making, human resource development, conflict management, advertising, marketing and sustaining the organisation. Additionally, they get essential information of accounting practices and finance.

3.3.2 ToT on Entrepreneurship Development

The SEE of **ni-msme** had organised a one-week Faculty Development Programme in Entrepreneurship Development during 13-17 May 2019 at **ni-msme** campus. In all, 10 participants from the Entrepreneurship Development and Innovation Institute, Tamil Nadu; professionals and trainers took the training.

The coverage of inputs included EMT, micro lab, behavioural tests, GET, FBEI, market survey, curriculum development, training methods, preparation of business proposals, marketing management, organisation development and HR, financial practices, legal options, Telangana Government T-Ipass, MSME schemes, MyMSME apps, etc. Expert talks by eminent domain specialists were arranged to enrich the knowledge base of the trainees.

Figure 3.44: ToT on Entrepreneurship Development

The experts include officials of DIC, banks, charted accountants and successful entrepreneurs. Industrial visit to the Livelihood Business Incubation Centre at **ni-msme** and Rural Technology Park (RTP) of NIRD & PR was facilitated, where the participants interacted with entrepreneurs.

The **ni-msme** distributed reading material, MSME schemes, Case Studies, **ni-msme** publications including National EDP Calendar, Training Manual, etc., to the participants. The programme was directed by Dr. N. Srinivasa Rao, Faculty Member of **ni-msme**.

Dr. Ashwani Goel, Director (Academics), **ni-msme** distributed the training completion certificates to the participants on 17th, at the end of the valedictory. Dr. Goel advised the participants to implement and practice the knowledge and skills learned during the training.

3.3.3 Interactive Meet with Bamboo Artisans

Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE of **ni-msme** had participated in the interactive meet with bamboo artisans was organised on 28th May 2019 at the Telangana Horticulture Training Institute (THTI) by the Director, Horticulture, Govt., of Telangana. The artisans mostly belonged to the "Medari" (Mahendra) community.

Figure 3.45: Interactive Meet with Bamboo Artisans

Dr. Sharma deliberated on the importance of entrepreneurship development in the bamboo processing sector. He stated that **ni-msme** will be soon initiating a range of training and

entrepreneurship development programmes in respect of bamboo processing. Mr. L. Venkatram Reddy, Commissioner of Horticulture (FAC) and State Mission Director, National Bamboo Mission said that **ni-msme** has been allotted 1 ha of bamboo plantation for demonstration purpose and soon the state mission will also be conducting training and research along with **ni-msme**. Mr. B. Babu, Deputy Director of Horticulture presented various bamboo processing techniques along with Mr. B. Sridhar Rao and Ms. D. Vijaya Lakshmi, both Assistant Directors of Horticulture.

Mr. Seshagiri Rao, P.V.S., Bamboo Expert interacted with the artisans on their needs, expertise and expectations. Mr. Vijay and Mr. Prashant, belonging to bamboo industry, clarified the doubts of the artisans. Mr. Srinivasa, leader of the Medari community highlighted the challenges faced by the community with respect to marketing, subsidy and profitability in the business. The house suggested starting a bamboo plaza (market yard) exclusively for bamboo products, and to promote the use of bamboo through digital campaign (Bamboo Doot / Bamboo Mitra) to replace plastics, which also helps environmental concerns. Ms. Radha Rani, Programme Officer, GHMC said they have formed 16 groups of Medari community, consisting of about 200 families, primarily engaged in bamboo based activities.

ni-msme will be preparing a plan for the development of the Medari community and work for the development of bamboo processing enterprises, meeting their various needs.

3.3.4 ToT on Entrepreneurship Development in Primary Sector

ni-msme had organised Training of Trainers (ToT) in Entrepreneurship Development in the Primary Sector, during 3-15 June 2019, jointly with the Andhra Pradesh State Skill Development Corporation (APSSDC). The training, sponsored by the APSSDC, was held at the Institute campus.

Dr. Chukka Kondaiah, Officer on Special Duty, APSSDC & former Director General of **ni-msme**; and Dr. C. Rani, former Director **ni-msme**, inaugurated the programme on 3rd June. They conducted Entrepreneurial Motivation Lab (EMT) for the participants, which equipped the participants with skills of enhancing achievement motivation level, identifying entrepreneurial qualities, recognising risk taking capabilities, and understanding time management among entrepreneurs. The participants learned and practised the EMT lab including entrepreneurial exercises, games, instruments, etc.

Mr. Narendra and Mrs. Phani Priya from Samunnati, both agri professionals, elucidated the methods of developing micro and small enterprises in agriculture and horticulture sector.

Further Mr. Sudheer Kumar, Assistant Director, MSME-DI, Hyderabad expatiated on identification of business opportunities, selection of enterprises and locations, and developing entrepreneurs in various sectors. Dr. Suresh Rathod, Veterinary Expert discussed developing animal husbandry related enterprises. The team visited the National Fisheries Development Board (NFDB), where the staff gave insights into developing aqua/fishery/shrimp related enterprises. Mrs. Anupama, Marketing Expert focused on marketing strategies and understanding the competition.

Figure 3.46: ToT on Entrepreneurship Development in Primary Sector

Dr. Nune Srinivasa Rao, Faculty Member, SEE discussed entrepreneurship, market survey in connection to primary sector. Mr. A.N.V. Subba Rao, SBILD, Machilipatnam spoke about bankable project preparation. Dr. E. Vijaya, Faculty Member, SEM gave inputs on GST. Mr. K.S.P. Goud, Faculty Member, SED spoke about cluster development and KVIC programmes. Mrs. V. Swapna, AFM, SEM discussed ISO standards and IPR. Mr. J. Koteswara Rao, AFM, SED enumerated the PMEGP schemes and environment concerns for MSMEs. Visits were arranged to RTP-NIRD, MANAGE, NAARM and the Directorate of Poultry Research to facilitate first-hand knowledge on different real time enterprises. The programme, directed by Dr. Nune Srinivasa Rao and Dr. Shreekant Sharma, concluded with distribution of training completion certificates to the trainees.

3.3.5 Foreign Visits / Capacity Building of ni-msme Faculty

Dr. Shreekant Sharma, AFM, School of Entrepreneurship and Extension, visited Surabaya, Indonesia to attend "Capacity Building Programme on Enhancing the Development of Small and Medium Industry" from 02 to 13 July 2019. The objective of the course was to provide participants from the Colombo Plan member countries with an opportunity to update relevant approach and knowledge on enhancing the development of Small and Medium Industry (SMI), particularly of SMI in Indonesia, from the policy, services, and cooperation to infield practices and SMI experiences. This training programme was organised by The Ministry of Industry of the Republic of Indonesia, in coordination with the Ministry of State Secretariat of the Republic of Indonesia. There were many sessions and visits for understanding the SMI development in Indonesia.

As part of evaluation, participants were divided into four groups and Dr. Shreekant Sharma was made a group leader and his group was awarded the best group. Individually he was acknowledged as the most participative and interactive participant in the training programme.

3.3.6 EDP for Singareni Collieries' Women Entrepreneurs

The School of Entrepreneurship and Extension (SEE) of **ni-msme** conducted a one week Entrepreneurship Development Programme (EDP) during 8-12 July 2019 at **ni-msme** campus for 20 prospective women entrepreneurs from Ramagundam & Manuguru areas and five Singareni Seva Samithi employees. The programme was sponsored by The Singareni Collieries Company Limited, Singareni Seva Samithi and Singareni Employees Wives' Association (SEWA).

The programme was inaugurated by Shri. Chandra Sekher, Director (HOD) Singareni Collieries Company Limited. Mr. Mahesh, PRO, SCC, Dr.Nune Srinivasa Rao, Programme Director & Faculty, SEE and Mr. G. Sudarshan, FM, SEE participated in the inauguration programme.

During the training, the faculty provided intensive training on entrepreneurial behavioral aspects, idea generation, market survey, market-technical-financial feasibility, enterprise registration, statutory legal compliance, TS-Ipass, project report preparation, knowledge on finance from banks, MSME schemes, Udyog aadhar, Enterprise management and development. Further, the team visited the Pochamapally Textile Park and interacted with the entrepreneurs there.

Figure 3.47: EDP for Singareni Collieries' Women Entrepreneurs

The EDP valedictory was conducted on 12th July 2019 and Mr. Mahesh, PRO and prajakavi Shri. Jayaraj were extinguished guests who distributed certificates to participants. The **ni-msme** faculty members Dr. Nune Srinivasa Rao and Mr. G. Sudarshan also participated in the programme.

3.3.7 Programme on Agro-based Entrepreneurship Development

A three weeks duration training programme from 16th September to 4th October 2019 entitled 'Agro-Based Entrepreneurship Development' sponsored by Acharya NG Ranga Agricultural University (ANGRAU), Andhra Pradesh was organized by Programme Directors Dr. N Srinivasa Rao, FM, SEE and Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE. In this 30 programme students pursuing their graduate studies in agriculture and agricultural engineering participated from various colleges under the university.

After the inauguration of programme an Entrepreneurship Motivation Training (EMT) session was conducted. This was followed by technical sessions on setting up of agro based enterprises. The programme contained detailed sessions on technical, marketing, finance

and legal aspects including Intellectual Property Rights (IPR) aspects for setting-up an enterprise. The government schemes for supporting the new and existing enterprises were discussed in great details by the experts. The participants also got an opportunity to visit CSIR - Central Food Technological Research Institute (CFTRI), National Institute of Rural Development and Panchayati Raj (NIRD&PR), Indian National Centre for Ocean Information Services (INCOIS), Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants (CIMAP), HITEX and exhibitions. Towards the end of the programme the participants presented their individual and group presentation on their business plan on which they were also evaluated.

On the valedictory function held on 04th October 2019 the participants expressed their satisfaction about the programme and rated it to be highly useful and enriching. The certificated were distributed by Dr. Dibyendu Choudhury, FM, SEM and Dr. Shreekant Sharma. Dr. Dibyendu Choudhury advised the participants and motivated them to start their business and to visit ni-msme as successful entrepreneurs. The programme ended with vote of thanks from Dr. Shreekant Sharma in which he extended his special thanks to Dr. S.R. Koteswara Rao, Dean of Agriculture (FAC), ANGR Agricultural University for sponsoring the training programme and extending his fullest cooperation.

Figure 3.48: Programme on Agro-based Entrepreneurship Development

3.3.8 Planning & Promotion of Agro & Food Enterprises

A training programme for existing and prospective SC and ST agri entrepreneurs was organised from 25^{th} to 29^{th} Nov 2019 on Planning & Promotion of Agro & Food Enterprises sponsored by the National SC and ST Hub. A total of 20 participants attended the programme directed by Dr. Shreekant Sharma, AFM.

The Programme Director along with Dr. E. Vijaya, FM inaugurated the training programme. The participants had sessions on Entrepreneurship Motivation Training, Starting a New Agri Business Enterprise, Udhyog Aadhar Registration and TS-iPASS / T-PRIDE, GST implication for MSME, PMEGP Scheme, Financial Management for Food Processing and Institutional Support and Agricultural Entrepreneurship. As a part of study tour participants were taken to Poultry India 2019 exhibition (Asia's largest international poultry exhibition for exhibiting poultry farming equipment and processing technologies) organised at Hitex Exhibition Ground.

Figure 3.49: Valedictory of Planning & Promotion of Agro & Food Enterprises

The valedictory was conducted on the 29^{th} Nov 2019 during which the participants shared their feedback and interest in starting their own business. The certificates were distributed by Dr. Shreekant Sharma.

3.3.9 Strategies for Development of Food Processing Enterprises

A training programme on "Strategies for Development of Food Processing Enterprises" was organised from 25^{th} to 29^{th} Nov 2019. The programme was directed by Dr. Shreekant Sharma, AFM a total of 20 participants attended the training sponsored by the National SC and ST Hub and 2 participants were self-financed.

The programme was formally inaugurated by Dr. Shreekant Sharma and Dr. E. Vijaya, FM. Training was conducted in both lecture and case study method. Topics ranging from how to start a food processing enterprise, institutional support, Udhyog Aadhar Registration and TS-I PASS / T- PRIDE, Finance and GST, PMEGP etc. were covered during the training period. As part of field visit, the participants visited the Poultry India 2019 exhibition organised at Hitex. (Asia's largest international poultry exhibition for exhibiting poultry farming equipment and processing technologies) to inculcate practical learning and networking skills.

Figure 3.50: Valedictory of Strategies for Development of Food Processing Enterprises

The valedictory was on the 29th Nov 2019. Participation certificates were distributed and feedback was collected. The participants expressed enthusiasm to start their own food processing enterprises and thanked the faculty for the motivation and training provided.

3.3.10 EDP sponsored by DST-NIMAT

Entrepreneurship Development Programme (EDP) was started in Hyderabad with an aim to convert Job Seekers into Job Providers. A total of 25 participants from different backgrounds attended the programme. The programme Director Mr. G. Sudharshan inaugurated the programme and presented an overview of the training.

The topics covered were: How to setup an Enterprise, How to prepare Detailed Project Report, Business Registration, Import and export Documentation and the marketing of the project. As part of providing practical exposure, the participants were taken on a visit to NIRD Hyderabad (National Institute of Rural Development).

The valedictory was on the 7th December 2019. Participation certificates were distributed and feedback was collected. The participants expressed gratitude for providing training and sharing knowledge in setting up an enterprise.

3.3.11 FDP at Chirala

The SEE Department conducted a Faculty Development program on Entrepreneurship Development for the Faculties of Engineering Colleges in and around Chirala from 25th November to 7th December 2019 at St Ann’s College of Engineering & Technology.

The Chief Guest was Dr. P. Ravi Kumar, Principal. In his inaugural address said that thisFaculty Development Program (FDP) on Entrepreneurship Development is aimed at equipping the teachers with skills and knowledge that are essential for inculcating entrepreneurial values in students and monitoring their progress towards entrepreneurial career.

3.3.12 EDP at Amravati

The National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises (**ni-msme**) organised a 4 week Entrepreneurship Development Programme (EDP) sponsored by Department of Science & Technology (DST) under DST NIMAT-EDII project at KLEF (Koneru Lakshmaiah Education Foundation- KLEF, K.L University) Amravati, AP from 2nd to 30th December 2019. The programme Director was Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE and Ms. Hatkar Srilatha, Consultant was the Programme Coordinator.

The Chief Guest of the programme was Shri. R.P.L. Kantham, Registrar, K.L University lit the lamp along with Shri. D.P.S. Raju Director (Development), Shri. Dr. K. Raja Sekhar, Associate Dean for Centre for Innovation, Incubation and Entrepreneurship (CIIE), the local coordinator Dr. K. Raghava Rao Head for CIIE along with Mr. R. Naga Rajesh Jr. Consultant, **ni-msme**.

In the inaugural address, the chief guest spoke about the significance of Entrepreneurship Development Programme and thanked **ni-msme** and Department of Science & Technology (DST) Govt of India for extending their support. He urged the participants to become job providers rather than job seekers.

The topics that were dealt with during the 4 week programme were: Charms of Being an Entrepreneur, Developing Entrepreneurial Competencies (Achievement Motivation Training), Institutional support & Schemes for prospective and practicing entrepreneurs, UAM (Udyog Aadhar Memorandum) registration, state govt industries department incentive policy, how to identify business opportunities, criteria of selection, sources of information, business plan preparation, market survey, financial management, IPR, copy rights, trade mark, legal formalities in an enterprise (firm registration, factory act, PF, labour laws etc.) bankable project report preparation. The sessions were taken by eminent resource persons as per schedule.

The valedictory function was held on 30th December 2019, The Director Operations of the University Shri D.P.S. Varma was the chief guest. The participants gave their valuable feedback and expressed their heartfelt thanks to **ni-msme**, DST, Govt. of India for imparting the training on entrepreneurship which would be helpful towards launching their own successful ventures. The certificates were distributed to participants for successful completion the training programme.

3.3.13 FDP at Hyderabad

The National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (ni-msme), Yousufguda organaised Faculty Development Programme on (FDP) during 06.01.2020 to 18.01.2020. The programme was sponsored by Department of Science and Technology (DST), under DST NIMAT-EDII project for the FY 2019-20. Dr. Shreekant Sharma AFM SEE was the programme director and Ms. Srilatha coordinator for this training programme. In this programme 23 faculty from different science and technology colleges participated.

The programme was inaugurated by Dr. Shreekant Sharma AFM SEE spoke about the significance of Faculty Development Programme and thanked Department of Science &Technology (DST) Govt of India for extending their support.

The following content was delivered in the training programme i.e. Emerging trends & Role of DST in promoting Entrepreneurship, Curriculum Development for promoting

Entrepreneurship amongst S&T target groups, Business opportunity identification and Guidance, Creativity & Problem Solving, Market Survey : Need importance, Tools & techniques, Entrepreneurs Selection, MSME institutional support (Role of supporting agencies like DIC, MSME-DI, NSIC, KVIC and **ni-msme**), Business opportunity identification and guidance, MSME Schemes, R&D institutions for Technologies for commercialization, Promoting entrepreneurship :role, task and challenges, skills required to be an effective, How to prepare business plan, Sources of funds : Venture Capital, Need and importance of Financial Management, BEP, working capital assessment, importance of IPR and patent registration, and mentoring. The programme Director arranged the field trip to CSIR (CSIR-Indian Institute of Chemical Technology) and Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials (ARCI) for understanding these research institution's entrepreneurship development process.

During the valedictory function Dr. Dibyendu Choudhury, F.M and Mr. Shreekant V Maha were the chief guest. The participants gave their valuable feedback and expressed their heartfelt thanks to ni-msme, DST, Govt. of India. The certificates were distributed to participants for successful completion the training programme. The Programme Director wished them all the success in their future endeavors of entrepreneur creation.

Figure 3.51: FDP at Hyderabad

3.3.14 FDP at Visakhapatnam

ni-msme organaised Faculty Development Programme (FDP) in Entrepreneurship Development at Vignan's Institute of Information Technology (VIIT),Visakhapatnam in Andhra Pradesh during 10.02.2020 to 22.02.2020. The programme was sponsored by Department of Science and Technology (DST), under DST NIMAT-EDII project for the FY 2019-20. Dr. Shreekant Sharma AFM SEE was the programme director and Ms. Srilatha was coordinator for this training programme.

The programme was inaugurated by Dr. B. Arundhathi Principal VIIT, Dr. V. Madhusudhanarao Rector of the institute along with Dr. Murali Krishna Sr.Faculty, Management Department & programme coordinator for FDP at VIIT, Ms. Naga Jyothi local coordinator of VIIT (incubation & MSME) and Ms. Padmaja on behalf of ni-msme participated the inauguration event.

The Faculty Development Programme (FDP) aims at equipping science and technology faculty with skills and knowledge that are essential for inculcating entrepreneurial values among students guiding and monitoring their progress towards successful entrepreneurial career.

Figure 3.52: FDP at Visakhapatnam

In this FDP sessions were delivered on Entrepreneurship in Education, Emerging trends & Role of DST in promoting Entrepreneurship, Curriculum Development for promoting Entrepreneurship amongst S & T target groups, Business opportunity identification and Guidance, Creativity & Problem Solving, Market Survey : Need importance, Tools & techniques, Entrepreneurs Selection, MSME institutional support (Role of supporting agencies like DIC, MSME-DI, NSIC, KVIC and ni-msme), Business opportunity identification and guidance, MSME Schemes, R&D institutions for Technologies for commercialization,

Interaction with bankers for understanding the sanction process of loan for setting up of new enterprises, Promoting entrepreneurship: role, task and challenges, skills required to be an effective entrepreneurship trainer-motivator, How to prepare business plan, Business plan: cost of project and means of finance, Marketing management in small business, Inputs on: Environmental/Pollution control/Energy saving/Non-conventional energy sources, Sources of funds : Venture Capital, Need and importance of Financial Management, BEP, working capital assessment, importance of IPR and patent registration, curriculum development. The programme coordinator arranged the field trip for the participants & interacted with successful entrepreneurs in Visakhapatnam industrial estate.

On the valedictory the principal, rector and programme coordinator of the institute with Mr. R. Naga Rajesh Jr.Consultant ni-msme chaired the dais. The principal & rector of VIIT and all programme participants thanked to DST, ni-msme Govt of India for imparting the training on Entrepreneurship which would be helpful to motivate their students towards entrepreneurship. The certificates were distributed to the programme participants.

The vote of thanks was given by Ms. Naga Jyothi and the programme ended with National anthem with due respect to mother land.

3.3.15 Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agro and Food Entrepreneurship

A training programme on Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agro and Food Entrepreneurship was organised during 02nd to 06th March-2020, at ni-msme. In this programme seven participants attended from Telangana, Maharashtra, and West Bengal.

Programme Director Dr. Shreekant Sharma, AFM inaugurated the training programme and informed to the participant about the institute and programme schedule. During the one week programme the participants were had sessions on Alchemy of Self (Personality Development), Entrepreneurship Risk Management, Agri Business Plan Preparation, MSMEs Schemes, Incubation Center Management, and Business Opportunities in Agi Inputs Sector.

The valedictory was conducted on 06th March-2020 during which participants appreciated the programme during the feedback session and showed their commitment to start their own business. The programme concluded with certificates distribution by programme director.

Figure 3.53: Training of Trainers (ToT) on Promotion of Agro and Food Entrepreneurship

3.4 International Programmes

3.4.1 Post-Training Reflections

Three of the former international trainees of **ni-msme** shared their thoughts and feelings vis-a-vis **ni-msme** international training programmes.

Figure 3.54: Post-Training Reflections

Lydia Nakayima of Uganda, who attended the CBALO 2017 (4 Sep to 27 October) batch, says: I am a presidential speech writer and I also do community work in villages mobilising children. But mostly for livelihoods, I work with women. CBALO training in India gave me the opportunity to identify alternative means of livelihood; and the first thing I implemented was a bee project. Eight of my hives are already colonised. I am working on a 5-year plan to transform my three acres of land into a permaculture food forest. I planted an acre of bananas and maize to supplement my chicken project.... rearing broilers and rainbow chicken, though small scale, and also venturing into rabbit multiplication on my 3-acre land. Last month I embarked on making charcoal briquettes from which I am getting daily income. Yet I cannot even satisfy the market due to rainy season. I hope to buy a charcoal briquette making machine, to empower women in my community, but the only impediment is investment in the briquette machine. For bees, there is hope of packaging organic honey made in Uganda. I thank the Govt. of India for the eye opening opportunity and I am looking forward to many more such training opportunities especially in branding and packaging alternatives. My life has changed with this training. I no longer buy charcoal, food for my family, and use less herbicide on my farm, which will soon be a model centre.

Thank you, Dr. Vivek and your team for CBALO is always in my memories and that is great legacy.

Mavzuna of Tajikistan was a participant of PDMSME- 2018 (6 Aug. to 26 Oct. 2018). She says: Hello, my best friend Mr. Vivek Kumar. I am working at the finance and economic university. This training has made good impression on me especialy on how to make a project for the products of small enterprises, and also for good business in India. I learned how to identify people for different works, with good salary. This summer I made a project for the sale of ice cream. Some people are selling ice cream and getting good money. By handicrafts some of my friends and me are making clothes for men who request and also for a factory. It fetches good money. My plan is to open a one-stop shop for different goods. I want to bring goods from our borders at Uzbekistan.

Thanks India, thanks **ni-msme**, and thanks so much for all of kind people of **ni-msme** specially for the good director of **ni-msme**.

Anundun Koothan of Mauritius attended POME 2018 (12 Nov. to 21 Dec. 2018) batch. She shares: We are actually engaged in the setting up of co-operative credit unions in poverty regions across the country. With the POME experience, we are in a better position to approach and convince the people in remote areas to join together into credit unions which, at a later stage, will help them financially to set up or boost their micro enterprises.

We are sharing the experience we had during the training, to motivate and encourage the people here to indulge in micro enterprise activities. Hoping that in the near future we will succeed in this mission.

Ms. Bote Sarah Charity of Zimbabwe was a participant of CBALO 2017 (4 Sep. to 27 Oct.) batch. She states: Hi, Sir. Here in the ministry we managed to mobilise women to engage in self-help projects, and luckily we managed to get sponsors for the dress-making project. About 15 women altogether are working for this. They are making work-suits and dresses.

The Silvera organisation helped us with 30 sawing machines and 700 metres of garment material. Firstly, they undergo training on how to saw and use the sawing machines. Professional tailors were hired to train them. The women have improved their livelihood through selling clothes. They can now afford to send their children to school and buy foodstuffs for themselves.

We invite our trainee alumni to be in touch with their programme directors and faculty, and share with us their experience in implementing the training concepts in real time projects.

3.4.2 Capacity Building Training on Skill Development and Entrepreneurship

A one-week capacity building training on skill development and entrepreneurship was organised during 6-12 May 2019, for the programme directors and coordinators of different training institutes of India and Nepal. About 11 participants representing 6 training institutes in India, Nepal, etc., took part in the capacity building training. The opening session was presided over by Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director of **ni-msme**. Faculty members, trainers and participants from various training institutes had attended the session.

The programme commenced with the lighting of the lamp by Dr. Chaturvedi, with Mr. Sandeep Bhatnagar, Director of Marketing & Business Development and Programme Director; Mr. Vivek Kumar, AFM and some of the trainees joining. A short introduction of the Institute and the programme followed. Mr. Vivek Kumar outlined the programme objectives, course content and day-to-day activities of the programme.

Speaking on the expectation from the training programme, Mr. Thupten Samphel, Director of the SOS training institute based in Nepal, said: “I expect to build my competency so as to build and develop the skill training programme for my institute in the best way, and also to learn more about entrepreneurship in order to make our youth more self-reliant and sustainable”.

Figure 3.55: Lighting of the lamp Capacity building training on skill development & entrepreneurship

Another participant, Ms. Tenzing Migmar, from ENVISION programme based in New Delhi, stated: "As our organisation mostly works with the youth, my expectation from this training is to understand the different employable skills required in today’s job market and to learn about how to develop collaboration with like-minded institutes".

Figure 3.56: Valedictory Session for Capacity building training on skill development & entrepreneurship

The training coordinator from Tibet Mr. Thupten Rinzin said that the purpose of this one-week training was to expand the knowledge base and facilitate interaction with the programme director and coordinator on skill development and entrepreneurship. The training would serve as a platform for sharing ideas and exchanging experience and lessons among the participants. It would also build a closer association among the different institutes for better working relation and partnership in future.

The training, funded by the USAID, is part of the capacity building programme of Youth Empowerment Support (YES) section of the Department of Home (DoH), Central Tibetan Administration. The content focused on overview of skill development programmes, identification of potential areas for training, counselling techniques to promote self-employment, follow-up with pass-outs, hand-holding the trainees for effective career path, formats / processes and procedures / checklist for effective compliance, model guidelines, effective networking for customising a win-win situation, monitoring, evaluation and

monitoring the progress on skill development activities. The participants also prepared group projects: two persons in each group.

Thus unique five group projects were created. The project topics were: Skill Development Training for Livelihood Development; Standard Operating Procedure (SOP); Selection of Trades; Identification of Implementing Agencies; and Entrepreneurship Model.

Exposure visit was arranged to SETWIN in the old city of Hyderabad. SETWIN (Society for Employment Promotion & Training in Twin Cities) is an organisation owned by the Government of Telangana to create employment and self-employment opportunities for the unemployed in the twin cities of Hyderabad and Secunderabad by providing training in different trade skills at a nominal fee. The participants interacted with the technical faculty, from computer lab to as high as automobile mechanic classes, from mehendi design to fashion designing, from airline ticketing course to AC and refrigeration reparing classes.

They were also taken to Pochampally Handloom Park, incepted in 1998. Pochampally Handloom Park Ltd. is engaged in manufacturing, supplying and trading a large assortment of Ikat sarees, furnishing material, single and double bed sheets, textile fabrics, dress material, upholstery, silk sarees, Ikat fabrics and many more.

It is a public limited company which is an integrated handloom textile facility, whose entire aim is to provide all facilities concerning handlooms under a single roof with focus on sustaining the unique Ikat technique in textiles. The Park was started with the aim of building and supporting the art of Ikat weaving. Supported by the Ministry of Textiles, GoI, the then AP state government and IL&FS-CDI was instrumental in establishing the company. The products are available in trendy designs, in a wide range of colour combinations, with an impressive look, alluring patterns and many more attributes.

The visit mainly focused on the departments of designing, tye & dye, weaving, made-ups, warehouse, packaging, quality control, etc. The participants also eagerly interacted with the rural women who are the backbone of this park.

3.4.3 Phase- I International Programmes Inaugurated

The National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises hosted its First Phase of the International Executive Development Programme - 2019 (IEDP) from 10 October 2019. The Chief Guest, Shri Ch. Malla Reddy, Hon’ble Minister for Labour & Employment, Factories, Women & Child Welfare and Skill Development, Govt. of Telangana graced the inaugural function.

The Hon’ble Minister participated in the plantation activity symbolizing growth and prosperity before heading towards the inaugural ceremony. The programme is sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India under the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) which is Indian Government’s flagship programme in capacity building.

Shri Ch. Malla Reddy, himself an entrepreneur in the field of education, in his inaugural address welcomed the participants to Hyderabad. He said that the city is a growing hub for entrepreneurship and stands top in the country. He greeted the participants and wished them a pleasant stay and a good time of learning.

Figure 3.57: Shri. Malla Reddy, Minister for Labour and Employment, Factories, Women & Child Welfare and Skill Development, Govt. of Telangana inaugurated

Director General, Mr. D. Chandra Sekhar expressed his pleasure as he welcomed the participants and said "**ni-msme** has a history of training over 10,000 international students in its 60 years of journey. This year we have about 70 international participants from 31 countries in our campus today. This programme is for the benefit of the developing and underdeveloped countries. The aim is to promote entrepreneurship and address the problems of micro, small and medium enterprises".

The programme is scheduled in 4 phases each spanning 6 weeks. The following are the courses and the Programme Directors for Phase-I:

1. Empowerment of Women through Enterprises (EWE): Programme Directors: Dr. K. Visweswara Reddy & Mr. G. Sudarshan
2. Promotion and Development of Micro, Small and Medium Enterprises (PDMSMEs): Programme Directors: Mr. J. Koteswara Rao & Mrs. V. Swapna
3. Promotion of Micro Enterprises (POME): Programme Directors: Mr. KSP Goud & Dr. E. Vijaya

3.4.4 Empowerment of Women through Enterprises (EWE)

The International Executive Development Programme on Empowerment of Women through Enterprises (EWE) was successfully conducted from 7th October to 15th November 2019 for 28 International Participants at **ni-msme**. The participants were officials working in different capacities from financial institutions, commercial banks, government departments and non-governmental organisations with the responsibility of formulating and implementing Entrepreneurship Development Programmes for women in their countries.

The Programme Directors, Dr. K. Visweswara Reddy and Mr. G. Sudharshan taught and trained the participants on topics of: Gender issues, women entrepreneurship,

Entrepreneurship Development, Enterprises for Women, Business Counselling, Achievement motivation training, Designing a curriculum etc.

Figure 3.58: Empowerment of Women through Enterprises (EWE)

The participants were taken on Field visit to:Indian Institute of Management (IIM) Bangalore, Industrial and Technology Trade Centre Bangalore, Hindustan Aeronautical Ltd Bangalore, Association of Women Entrepreneurs Of Karnataka (AWAKE), Mushroom Cultivation Centre, Mysore, Vivekananda Institute for Leadership Development (V-LEAD) and its Industries in Mysore, RUDSETI, Mysore, State Institute of Urban Development (SIUD), Mysore, CIPET-Central Institute Of Plastics Engineering And Technology, Mysore and to a few selected Micro and Small Enterprises & Local Site Seeing.

Impressions of EWE participants:

Ms. Wint Thinzar Maung from Myanmar says "I gained valuable insight as to the ways one can improve women's lives and how to gain Government support. We received some great advice to implement Myanmar sustainable Development Plan. I also have irreplaceable memories of the professors who taught critical thinking and solutions to practical systems, all the staff of ni-msme who warmly welcomed all participants and delegates. I also have some knowledgeable experiences from not only **ni-msme** but also all international delegates."

Mrs. Phyo PhyoThuzar Mg from Myanmar says "The culture of the two countries is similar and so I felt a friendly and safe atmosphere in Indian society. I expect to build skills such as creative thinking with a strong emphasis on practical experience from ni-msme. Furthermore, it is also a worldwide program including different countries around the world. Therefore, we can share knowledge and experiences with each other from our respective motherlands."

Mrs. Babooram Lata from Mauritius says "Attending lectures from the core resource faculty of ni-msme has been beneficial in helping me to better understand and critically analyze the specific domain related to empowerment of women through enterprises. As a participant, I have gained much more confidence which has allowed me to improve the art of public speaking and doing a presentation.The successful completion of the training programme has empowered me to be in a position to perform the multi-dimensional role of motivator, trainer, counselor, technical adviser and administrator."

3.4.5 Promotion and Development of Micro, Small & Medium Enterprises (PDMSME's)

The International Executive Development Programme on Promotion and Development of Micro, Small & Medium Enterprises (PDMSME's) was successfully conducted from 7th October to 15th November 2019 for 16 International Participants at **ni-msme**. The participants were officials (middle and senior level managers) belonging to private & public sector organisations, representatives from planning ministries and sectoral planning units, government corporations, development banks etc.

Figure 3.59: Promotion and Development of Micro, Small & Medium Enterprises (PDMSME's)

The Programme Directors, Mr. J. Koteswara Rao & Smt. V. Swapna taught and trained the participants on topics of: Modern MSME's in Developing Economics, Traditional Industries and Rural Enterprises, Industrial Infrastructure, Institutional Support, Cluster Development and Self-employment promotion, Entrepreneurship& Extension methods, Technology, Marketing and Quality Consciousness, Project feasibility and Appraisal Techniques.

The participants were taken on study tour to Bangalore & Mysore to gain in-depth practical knowledge on the subject.

Impressions of PDMSME Participants:

The programme apart from theoretical aspects also exposed us to acquisition of skills required for identification of industrial opportunities. We had visits to: Indian Institute of Chemical Technology (IICT), Atal Incubation Centre -Centre for Cellular and Molecular Biology, NATCO Pharma Limited (Formulation division), The Viswesrayya Industrial and Technological Museum, The Heritage Centre and Aerospace Museum located at Hindustan Aeronautical Limited.

We also visited the Regional Office & Central Institute of Coir Technology (CICT), ACE Designers Limited, Aerospace Spare Parts Manufacturing Unit at Sathvic Engineers Pvt.Ltd, Central Food Technology Research Institute (CFTRI-Mysore).

All our visits helped us to identify various industrial possibilities. We are glad to express that our Indian experience will remain rooted in our hearts and will cherish it all the days of our lives.

The International Executive Development Programme on Promotion of Micro Enterprises (POME) was successfully conducted from 7th October to 15th November 2019 for 29 International Participants at **ni-msme**. The participants were personnel associated with policy formulation, planning, promotion and development of micro enterprises and income generating activities in government, non-governmental and voluntary organisations devoted to weaker sections.

The Programme Directors, Mr. K. Surya Prakash Goud and Dr. E. Vijaya taught and trained the participants on topics of: Planning for Micro Enterprises, Support mechanism for Micro Enterprises, Human Resource Development, Micro Finance, Product Feasibility studies, Product Identification and Preparation of Product Profiles, Project appraisal techniques etc.

Figure 3.60: Promotion of Micro Enterprises (POME)

The participants were taken on study tour to Bangalore & Mysore to gain in-depth practical knowledge on the subject. At Bengaluru, the participants visited Paskle Global Technology Services (PiNC Squares)- an Incubation Center, Khadi Bhawan, Karnataka Small Scale Industries Association (KASSIA), Central Institute of Coir Technology and Regional Design & Technical Development Centre (RDTDC). The participants also participated in Vendor Development Programme organized by KASSIA with the support of NSIC. At Mysuru, the participants visited Handicrafts Mega Park at Channapatna and Wooden craft Cluster, Mahajana Educational Society and Sri Jayachamarajendra College of Engineering. The participants observed the functioning of various wood working machineries, interacted with craftsmen on raw materials, designs, production cost and profit margins and understood the role of technology in improving quality and productivity.

The participants interacted with the faculty of Social Sciences, Life Sciences, Tourism and Management on their educational programmes at Mahajana Educational Society in addition to research being carried out and social development projects and also attended "National Women Science Congress" in which 150 women scientists were deliberating on the science and technology sector.

The interactions with entrepreneurs and officials facilitated us to review the policies of participating countries and replicate back home. We express joy and satisfaction about our Indian training experience. We are amazed as to how India promotes and expands its value added craft products. Moreover, the field visits exposed us to the hardships, strengths, weaknesses and challenges faced by the artisans in their day to day activities. We appreciate Indian government's support to MSMEs.

3.4.7 Phase-I International Participants Bids Farewell

The valedictory of Phase I of International Executive Development Programme, 2019-20 was held on 14 November 2019. 70 International Delegates from 28 Countries derived the benefit of Indian MSME experience in the past 6 week intensive training. The Chief Guest for the event was Shri. G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of State for Home Affairs, and the Guest of Honor was Shri. Hemendra K. Sharma, Director (DPA-II) Ministry of External Affairs, GoI.

The valediction was given to three courses of Phase-I namely:

1. Empowerment of Women through Enterprises (EWE): **Programme Directors:** Dr. K. Visweswara Reddy & Mr. G. Sudarshan
2. Promotion and Development of Micro, Small and Medium Enterprises (PDMSMEs): **Programme Directors:** Mr. J. Koteswara Rao & Smt. V. Swapna
3. Promotion of Micro Enterprises (POME): **Programme Directors:** Mr. KSP Goud & Dr. E. Vijaya.

Addressing the Delegates, Shri. Hemendra K. Sharma, the Director (DPA-II), Ministry of External Affairs, GoI highlighted the Genesis of ITEC- Indian Technical and Economic Cooperation which is India's flagship programme on capacity building and the importance of Vasudhaiva Kutumbakam on the lines of which ITEC functions and IEDP is made possible. He congratulated **ni-msme** for its contribution and support to the Ministry of External Affairs.

The Chief Guest, Mr. Reddy expressed greetings to the International Delegates and congratulated **ni-msme** for its untiring efforts in training and development of MSME sector. He said, "The phase of development has undergone a sea change in the past 5 years and the MSME sector which is vibrant and dynamic is making good strides towards promotion of entrepreneurship contributing majorly towards country's economy" He added, that the Prime Minister, Shri D. Narendra Modi is the reason behind Skill India and his contributions towards the MSME sector are immense. He lauded the measures taken in regard to the MSME sector mentioning a few: MUDRA, Portals for Marketing support and new portal sanctioning 1 crore loan in 59 mins etc. He emphasized that skill should be part of basic education and the new education policy stands proof of it. He concluded by welcoming the participants to link their businesses with Indian businesses, promising the Union Government's support in all aspects of growth.

The Director General, Shri. D. Chandra Sekhar in his welcome address spoke on the training the international participants received in the form of: Class room sessions, in plant visits and study visits to Bangalore and Mysore enhancing their knowledge in all facets of entrepreneurship. He added that **ni-msme** during its journey of nearly 6 decades have trained 10,132 International executives representing 143 countries and have trained 5,32,000 participants by organizing 15,800 programmes for Indian Nationals.

As part of the valediction, three international participants namely, Mr. Teshore Gudissa Degu from Ethiopia, Ms. Navika Kamunga from Zambia and Mr. Mahendra Raj from Mauritius shared their impressions on the training they received and expressed their gratitude to the Ministry of External Affairs. The day moved forward with, Shri. Pratap Chandra Sarangi, Hon'ble Minister of State for Micro, Small &Medium Enterprises gracing the Cultural Nightas the Chief Guest.
The Minister planted a sapling at the **ni-msme** garden signifying growth and prosperity. He visited the stalls set up for exhibition displaying articles prepared by students from their

learning under the ATI scheme- Assistance to Training Institutes Scheme. He was curious posing questions to students as they displayed their skill and talent in baking, fashion designing, photography, IT Hardware, show pieces made of coir etc.

Figure 3.61: Phase-I International Participants Bids Farewell

An evening of melody, cultural evening was afloat at Kalangan, in the campus for Phase-I of the Institute's International Executive Development Programmes 20190-20. The evening took off with the traditional lamp-lighting by the Chief Guests, Shri. Pratap Chandra Sarangi, Hon'ble Minister of State for MSME and Shri. Hemendra K. Sharma, Director (DPA-II) Ministry of External Affairs, GoI.

The Director General, **ni-msme** D. Chandra Sekhar, Programme Directors, faculty, staff, and participants of all the three programmes joined in the joyful event. The trainees participated with delight and enthusiasm, presenting solo as well as group performance and activities of their native culture. Towards the end of the show, the happy participants thanked the Director General, the faculty and the functionaries for creating a friendly atmosphere, elucidative training and a comfortable stay at **ni-msme**.

3.4.8 Phase II IEDP Inaugurated

The National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises, Yousufguda begins its Phase-II of International Executive Development Programme - 2019 (IEDP) from 4 December 2019.

The Chief Guest, Dr. P. Jyothi, Professor & Dean, School of Management Studies, University of Hyderabad (UoH) graced the inaugural function at 11 am at the **ni-msme** campus, Yousufguda.

The Executive programme is sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India under the Indian Technical and Economic Cooperation (ITEC) (Indian Government's flagship programme in capacity building).

Dr. Ashwani Goel, Director (Academics), addressed the gathering sharing rich training and handholding history of **ni-msme** and its association with the M/o External Affairs through ITEC. He expressed joy in welcoming the Chief Guest on behalf of the Director General D. Chandra Sekhar and felicitated her along with Dr. Dibyendu Choudhury, Admn i/c and Faculty Member and Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing & Business Development).

Figure 3.62: Phase II IEDP Inaugurated

The Chief Guest, Dr. P. Jyothi in her inaugural address started off with a famous Sanskrit quote from a sloka- “Tamaso Maa Jyotir-Gamaya”, as she lit the lamp along with few international participants and Programme Directors. She said that the significance of the lighting of the lamp is to lead us from darkness to light and from ignorance to knowledge. She congratulated **ni-msme** for providing training in areas that are of prominence today. She spoke on the sustainability of the motivation level in the participants and shared few tips on keeping up the momentum and further emphasised the need to develop an Ecosystem where the knowledge gained by the participants can be applied in daily life situations and it itself will be a major take away for the students.

She concluded by greeting the students a comfortable stay in Hyderabad and successful training to help strengthen their industries & businesses back home.

The Phase-II Interatnional Programmes 64 deligates from 33 countries were trained in the areas of SME Financing- Approaches and Strategies by Programme Directors: Dr. E. Vijaya & Dr. K. Visweswara Reddy and Tourism and Hospitality management by Programme Directors: Dr. Dibyendu Choudhury and Dr. Shreekant Sharma.

3.4.9 Training for Nigeria Government Officials

The National Institute for Micro, Small & Medium Enterprises (**ni-msme**) organized a training cum study tour programme on “Beneficiary’s Capacity Building on Savings, Economic Group Management and Empowerment” sponsored by Save the Children International for National Cash Transfer Office (NCTO), Federal Government of Nigeria from 09-14 December, 2019.

The Programme Director, Dr. Shreekant Sharma during the inaugural function shared with the participants about the rich history of **ni-msme** in international training. He said, “This programme is one of its kind, as it has an objective to strengthen the capacity of NCTO Officers at both federal and States levels for effective implementation of savings schemes and group mobilization”.

During the programme, the NCTO Officers got an opportunity to interact and learn from the stakeholders’ perspective about the various cash transfer programs. They also learnt from first-hand experiences from a wide range of stakeholders about the challenges faced by beneficiaries in the cash transfer programme. Sessions by experts explored topics like new approaches and methods in administration, tracking and management of savings groups and entrepreneurial skill development. Participants were taken on field visits to meet

beneficiaries, Self Help Groups (SHGs) especially women saving groups, Telangana Cooperative Bank, Centre for Development of Advanced Computing (CDAC) along with a tour of the Hyderabad city and fun time at a recreation park- Ramoji Film City.

Figure 3.63: Training for Nigeria Government Officials

Dr. Dibyendu Choudhury, Programme Director distributed the certificates at the valedictory function held on 14th December 2019 during which the participants expressed gratitude for the memorable time and hospitality they received at **ni-msme**. They wanted to have more such programmes and collaborations in future.

3.4.10 Intellectual Property Management Strategies for SMEs (IPMSS)

The phase-III International Executive Development Training Programme 2019-20 on Intellectual Property Management Strategy for SMES (IPMSS) was organised during 27 January - 06 March 2020, sponsored by Ministry of External Affairs, Government of India under ITEC. Total 27 participants from 17 countries attended the programme. Programme Directors : Dr.Dibyendu Choudhury & Mrs.Swapna .

Inaugural function for Phase III International Executive Development Programme sponsored by Ministry of External Affairs, was held on 29th January 2020 at auditorium, New Training Building, ni-msme. Inaugural function was chaired by Dr. Ravi Kumar Jain Director Symbiosis Institute of Business Management, Hyderabad as Chief Guest presided by Mr. D Chandra Sekhar, Director General (ni-msme) and Programme Directors.

The sessions were delivered by nimsme faculty and also by experts from IP firms. Programme focused on IP Filings, Geographical Indications, Plant Varieties, Patent filing procedure in India, International patent filing procedures, IP Enforcement and counterfeiting, patent landscaping, trademark filing, copyrights, Indian case studies etc. Apart from the theoretical sessions the participants was also exposed to industrial visits to NIRD, IICT, Silk board, Handicrafts, CFTRI, PCT, etc., at Hyderabad, Banglore & Mysore locations

Programme was concluded on 5th March 2020. Shri D. Chandra Sekhar, Director General (ni-msme) addressed during formal valediction and advised the participants to focus on the objectives of the MSME and ITEC scheme, and also congratulated the participants for the satisfactory completion of training. On behalf of all the participants Ms. MS. XIMENA ARAYA PATINO given the feedback regarding the facilities at the campus and inputs gained during

the training programme. The participants appreciated the infrastructure, amenities at the campus, and the tireless dedication of the faculty and functionaries. They thanked the MEA, Govt. of India for the sponsorship, and the respective programme directors for their efforts and knowledge sharing. At the end of the event, certificates of training completion were distributed by the Director General ni-msme, and Programme Director.

Figure 3.64: Intellectual Property Management Strategies for SMEs (IPMSS)

Table 1.4: List of International Programmes

Sr. No.	Programme Title	Phase	No. of Participants	Duration	Programme Director
1	Capacity Building Training for Programme Officer on Skill Development, Supported by Youth Empowerment Support (YES) Section, Dept. of Home, Central Tibetan Administration (CTA)	Special	11	06 May to 12 May 2019	Mr. Vivek Kumar
2	Empowerment of Women through Enterprises (EWE)	Phase-1	28	07 Oct - 15 Nov 2019	Dr. K. Visweswara Reddy & Mr. G. Sudarshan
3	Promotion and Development of Micro, Small and Medium Enterprises (PDMSMEs)	Phase-1	14	7 Oct - 15 Nov 2019	Mr. J. Koteswara Rao & Mrs. V. Swapna
4	Promotion of Micro Enterprises (POME)	Phase-1	28	7 Oct - 15 Nov 2019	Mr. K. Surya Prakash Goud & Dr. E. Vijaya

5	Tourism and Hospitality Management (THM)	Phase-2	34	2 Dec 2019 - 10 Jan 2020	Dr. Dibyendu Choudhury & Dr. Shreekant Sharma
6	SME Financing - Approaches and Strategies (SMEFAS)	Phase-2	28	2 Dec 2019 - 10 Jan 2020	Dr. E. Vijaya & Dr. K. Visweswara Reddy
7	Beneficiary's Capacity Building on Savings, Economic Group Management and Empowerment, Save the Children International for National Cash Transfer Office (NCTO), Federal Government of Nigeria	Special	14	09 Dec to 14 Dec 2019	Dr. Shreekant Sharma & Dr. Dibyendu Choudhury.
8	Capacity Building for providing Alternative Livelihood Opportunities for Poor (CBALO)	Phase-3	28	27 Jan - 06 Mar 2020	Dr. Shreekant Sharma & Mr. J. Koteswara Rao
9	Intellectual Property Management Strategies for SMEs (IPMSS)	Phase-3	27	27 Jan - 06 Mar 2020	Dr. Dibyendu Choudhury & Mrs. V. Swapna
10	Training of Trainers in Entrepreneurship and Skill Development (ToT- ESD)	Phase-3	29	27 Jan - 06 Mar 2020	Mr. G. Sudarshan & Mr. K. Surya Prakash Goud
11	SME Policy and Institutional framework for Developing Countries (SPIDC)	Special	15	24 Feb to 06 Mar 2020	Dr. K. Visweswara Reddy & Dr. E. Vijaya
		Total	**256**		

4. Centre of Excellence

4.1 National Resource Centre for Cluster Development (NRCD)

4.1.1 Soft and Hard Interventions in MSME Clusters

The NRCD of **ni-msme** had conducted two campus training programmes of one week duration, on Implementation of Soft and Hard Interventions for MSME Clusters. Both were directed by Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty Member, SED of **ni-msme**.

The first programme was conducted during 11–16 April 2019, sponsored by Mukhya Mantri Laghu Evam Kutir Udyam Vikas Board (MMLEKVB) of Government of Jharkhand. About 20 officials from sponsoring organization and Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation (JIIDC) have attended the programme. The programme was designed to help the participants in identification of potential clusters for interventions, cluster diagnosis and preparation of Diagnostic Study Report (DSR) / Detailed Project Report (DPR), understand role of various stakeholders, implementation and monitoring of the project including documentation and project review.

Figure 4.1: Training for Clusters

The second programme was held during 22–26 April 2019. The participants hailed from Adivasi Yuva Seva Sangh (Ayush), Palghar, Maharastra. As per the request of the participants, the programme was redesigned and given inputs for development of art and craft clusters.

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director of **ni-msme** congratulated the young officials for their interest for attending the training. He urged the trainees to start up new clusters and take guidance from Mr. Goud and his team. The programme concluded with the distribution of training completion certificates.

Figure 4.2: Certificates to Young Officials

Dr. Sanjeev Chaturvedi clarification on Bamboo clusters. Dr. Sanjeev Chaturvedi suggested that the trainees to implement the inputs received here at their work places. He told them that a Bamboo Centre will be started soon at the campus and told them to focus on development of bamboo clusters. The programme concluded with distribution of training completion certificates. The delegates thanked the Programme Director.

4.1.2 Global Business - Inclusiveness of Women

The Federation of Telangana Chambers of Commerce and Industry (FTCCI) had organised a conference on Global Inclusiveness of Women on 26th April 2019 at House, Hyderabad. The focus of the conference was on the role of women in global value chain and leveraging the technology for business growth.

Figure 4.3: Global Business – Inclusiveness of Women

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme**; Ms. Deepthi Ravula, CE, We-Hub, Govt. of Telangana; and Mr. Debashish Mishra, DGM, State Bank of India; C.A. Arun Luharuka, President, FTCCI; and Mr. Ramakanth Inani, Vice President, FTAPCCI, along with other Managing Committee members and staff, were present on the occasion.

Dr. Sanjeev Chaturvedi gave special address on financial needs of women for starting an enterprise. He stressed on preparing bankable business plan so as to convince the bankers to release funds for their proposed business. On the same occasion, **ni-msme** signed an MoU with FTCCI to take-up collaborative activities for development of MSME sector.

The women artisans of Mothkur Ikkat Handloom Cluster, Pembarthi Metalware Cluster and Ieeja Gadwal Cluster and entrepreneurs, who are taking the PG-DEED programme at **ni-msme**, also participated and displayed their products. The conference delegates interacted with cluster women artisans/entrepreneurs and enquired about production process, demand and sales. The visitors were impressed by the products displayed.

4.1.3 Programme on Techniques of Communicating Ethical Values

The NRCD of **ni-msme** had organised a week-long campus training on Techniques of Communicating Ethical Values for Administrative Assistants of KVIC, during 10–14 June 2019.The programme was sponsored by KVIC, Mumbai and directed by Mr. K. Surya Prakash Goud, assisted by Mr. L. Vijay Kumar and Mr. G. Raj Kumar, Coordinators. About 40 officers of KVIC offices in different states of the country attended this programme.

During the inaugural session, Mr. Goud welcomed the batch of trainees. He outlined the programme objectives, design and expected outcome, as also the activities of **ni-msme** and the campus facilities.

Figure 4.4: Programme on Techniques of Communicating Ethical Values

The resource persons and the topics they discussed were as follows. Mr. S. Radha Krishna, C.E.O & Facilitator, Krish Academy, Hyderabad gave inputs on communication methods; Mr. H.V. Ramana Murthy, Trainer, FOCUS-5, Hyderabad elucidated 5S and Kaizen application in office environment; Mr. Ramakrishna Tanikella Director-Psychologist, Institute of Positive Management Solutions, Hyderabad spoke about time management for timely execution of tasks and on stress management in daily routine, Mr. Ramesh, Senior Audit officer focused on Central Civil Services (Conduct Rules 1964 and 1965) and the participants obtained clarifications about the departmental issues facing them. Mr. Mohd. Ismail, Consultant, **ni-msme** explained the grammatical usage, noting, drafting and administrative procedures, and on citizens' charter. Mr. Rama Nagappa Rao from A.G. Office, Hyderabad gave input on CCS

Rules and calculation of Income Tax. Mr. L. Vijay Kumar, Consultant described the application of Ms-Windows and Ms-Office tools and other operating systems. Mr. Vijay Kumar and Mr. Raj Kumar coordinated the study visits and accompanied the trainees on the visits.

4.1.4 Training Programme on Promotion and Development of Coir Clusters

The NRCD of **ni-msme** had conducted a week long campus training programme on Promotion and Development of Coir Clusters during 19 – 23 July 2019 sponsored by Coir Board. The programme was attended by 57 participants from various parts of the country including representatives of Implementing Agencies and Technical Agencies, Cluster SPV members, Cluster Development Executives and nodal officers of coir board.

After inauguration of the programme Mr K.Surya Prakash Goud, Programme Director & Faculty Member of SED discussed on significance of cluster development strategy, identification of beneficiaries, methodology for implementation of SFURTI and guidelines of SFURTI. Later Mr. T.Sekhar, Deputy Vice President of M/s. ITCOT Consultancy and services Ltd, Chennai explained the significance of Cluster Diagnosis and preparation of detailed project report where as Mr. K. Surya Prakash explained the role of Implementing Agency, Technical Agency and briefed on formation of SPV and its responsibilities. Sri T.C. Manikandan Pillai, Personnel Secretary to Chairman, Coir Board has given inputs on the Approach to Capture national / International to market for coir products.

Figure 4.5: Training Programme on Promotion and Development of Coir Clusters

On the second day Mr. Yathiraj Agarwal, Proprietor of M/s. Ya Training shared his experiences and enlightened participants on Cluster Vision and highlighted importance of Trust Building and Team Building in cluster development process. Mr. Raghunandan V.C has explained on the Basics of Accounting and Book Keeping with special focus on SFURTI. Mr.

B.N.V. Parthasarathi Ex Bank Officer of Bank of Bahrain spoke on Working Capital Management with case studies. Mr. T. Sekar has explained on preparation of Tender documents, inviting tenders, scrutinizing quotations and issuing work orders in detail.

On third day Mr. H.K. Chary, National Head (Skills) of IL&FS Clusters Initiatives Ltd discussed on importance of Business Development service providers and involving them in cluster development where as Mr. Ram Chandra Murthy, Faculty of National Institute of Design explained on product design and development of new designs to compete in the market. Mr. Keshav Murthy, Coir Board Sub Regional Officer has shared his experiences on Marketing of Coir Products with the participants. On forth day Mr. H.V. Ramana Murthy, Director of Focus-5 has briefed on Quality improvement with Lean Methods and Techniques by taking examples. Mr. Vijaybhasker Reddy, an IPR expert gave presentation on Brand Protection through Trade Mark, Designs and Geographical Indication and attended questions raised by the participants. Mr. L. Vijay Kumar, Consultant, **ni-msme** accompanied the participants to observe designs of coir products and their presentation at IKEA store. On the last of the programme, Mr. Shakir ali, IT expert and entrepreneur gave inputs on social Media & Digital Marketing to sell the products thru social networking and e-commerce etc. Mr. S.N. Panigrahi, Tax & GST Expert gave inputs on network models for project management and also Lean project methods to follow in Cluster interventions. The programme was concluded in presence of Shri Gorthy Harinath, Director (Administration) in which the participants shared their experiences. The participants felt happy about the programme and mentioned that the inputs help a lot in smooth implementation of cluster development programmes in their clusters. Shri Gorthy Harinath along with the officials of coir board and Program Director K.Surya Prakash distributed the certificates.

4.1.5 Training Programme on Promotion and Development of Rural Clusters

The training programme on Promotion and Development of Rural Clusters was conducted during 26 – 30 August, 2019. A total of 17 participants attended from Implementing agencies, representatives of Special Purpose Vehicles (SPVs), Cluster Development Executives (CDEs and officials of Maharashtra Bamboo Development Board. The programme has been designed to provide required skills and knowledge for identification of potential clusters for undertaking interventions, schemes being implemented by various Ministries, implementation and monitoring mechanism. Apart from the classroom inputs the participants have visited clusters and interacted with beneficiaries.

Figure 4.6: Training Programme on Promotion and Development of Rural Clusters

4.1.6 Training Programme on Delayed Payments to MSEFC's

The National Resource Centre for Cluster Development of **ni-msme** conducted a two day Training programme on "Delayed Payments to Micro & Small Enterprises for members / officials of MSEFC's at the campus. The Programme Director, Mr. K. Surya Prakash, Faculty Member of SED welcomed 35 participants from different states of the country who are officials & members from facilitation council and District Industries Centre.

Figure 4.7: Training Programme on Delayed Payments to MSEFC's

Sri Suresh Dhole, Retired Supreme Court Advocate, Shri. S. H. Piyush Agarwal, Deputy Director (MSME Policy), D.C.MSME, New Delhi and Sri M. Gopala Krishna Retired Bank Officer, Senior Advocate were the Guest Speakers for the programme.

Aspects of legal issues, Policy acts, procedure issues, MSME acts, sensitization of stake holdersand creating the awareness to CPSUs and Central Government Department/Institutions/Arbitration Lawyers etc, MSME Samadhan issues, Draft Rules of MSEFC and Frame work issues were dealt with during the training sessions.

Certificates were awarded to participants for successful completion of the training programme during the valedictory function held on 20 September.

4.1.7 Infrastructure Development in MSME Clusters

The National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) of **ni-msme** conducted a week long training programme on "Infrastructure Development in MSME Clusters through Public Private Partnership" from 25th to 29th November, 2019 at **ni-msme** campus.

The Programme Director, Mr. K. Surya Prakash, Faculty Member SED welcomed the participants who belonged to different states of the country and working in different capacities from Assistant Professors of C.B.I.T Engineering College to officials from Department of Forestry and cluster participants from Maharashtra Bamboo Board.

Figure 4.8: Infrastructure Development in MSME Clusters

Apart from in-house faculty, Guest speakers Mr. S.N. Panigrahi was invited to share their knowledge on the Case study of Health Care, Pharma, I.T etc and Mr. H.K. Chary, Advisor of I.L.F.S organisation spoke on Trust building, Establishment and Management of the Common Facilitation Centre and procedural methods.

The training covered topics like: cluster, concepts and importance of the cluster & cluster methodology and ways to identify clusters and location which benefits the artisans. The programme director explained the varied MSE – CDP schemes and spoke on SFURTI. Mr. G. Raj Kumar (Con) discussed about Cluster visits and coordinated a study visit to Mothkur Ikat Handloom Cluster & Ikea show room. Mr. J. Koteswara Rao briefed on Export Opportunities for MSME Clusters and identification Deployment of Business Providers. Mr. L. Vijay Kumar & G. Raj Kumar of NRCD also took sessions on varied topics of Infrastructure Development.

The Valedictory was held on 29th November and programme completion certificates were distributed to the participants.

4.1.8 Programme on Delayed Payments

The National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) of **ni-msme** conducted a two day Training programme on "Delayed Payments to Micro & Small Enterprises for members / officials of MSEFC's at the campus. The Programme Director, Mr. K. Surya Prakash, Faculty Member of SED welcomed 19 participants from different states of the country who are officials & members from facilitation council.

Shri. Y. Ranjit Kumar, Commissioner of Industries, Gujarat, Shri. Suresh Dhole, Retired Supreme Court Advocate, Guest Expert, Shri. M. Gopala Krishna Retired Bank Officer, Advocate, Shri. G. S. Gill Senior Consultant, Shri. L. Vijay Kumar, Shri. G. Rajkumar, Shri. K. Bikshapathi and Mrs. K. Niveditha were present in the inauguration of the programme.

Aspects of legal issues, Policy acts, procedure issues, MSME acts, sensitization of stake holders and creating the awareness to CPSUs and Central Government Department/ Institutions/ Arbitration Lawyers etc, MSME Samadhan issues, Draft Rules of MSEFC and Frame work issues were dealt with during the training sessions.

Certificates were awarded to participants for successful completion of the training programme during the valedictory function held on 20 December.

Figure 4.9: Programme on Delayed Payments

4.2 Consultation Workshop on Horticulture Clusters

The National Horticulture Board (NHB), New Delhi invited Mr. Surya Prakash Goud, FM, SED and Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE of **ni-msme** for the two-day national level Stakeholders Consultation Workshop on Horticulture Cluster Development, held during 22-23 April 2019.

Figure 4.10: Consultation Workshop on Horticulture Clusters

The National Horticulture Board (NHB), Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India has identified three important crops namely Banana, Mango and Pomegranate for initiating cluster development scheme.

The NHB has been working for horticulture development in the country, mostly focusing the individual farmer. Looking at the success of cluster development approach in the Ministry of MSME and Ministry of Textiles, the NHB organised this workshop in New Delhi, with the objective of formulating a national level policy, schemes and guidelines for implementing cluster approach in agriculture.

Dr. M. Ariz Ahammed, IAS, Managing Director, National Horticulture Board made a detailed presentation on the scope for development of clusters in mango, banana and pomegranate cultivation in the country.

The workshop was attended by the officials of the research institutions of ICAR, Ministry of Agriculture, state agriculture departments, private companies working in the areas of horticulture, and developmental agencies.

Success stories of farmer groups who have benefitted by forming clusters like NDDB, Sahyadri Farms, Maha Grapes, Tanflora, etc., were presented in the workshop. They also shared their experiences and their journey into global business.

Mr. KSP Goud and Dr. Sharma participated in the group discussion on “Identification phase & Embryonic / Promotion phase of cluster development” and “Risks and mitigation strategies of cluster development” respectively. They also made presentation on behalf of the group members. Further, crop-wise cluster development plan was also prepared by the team. The audience and NHB appreciated the work done in the field of MSME cluster development by the Ministry of MSME and **ni-msme**. They incorporated the suggestions and recommendations with respect to the scheme.

4.3 Visit to SFURTI Clusters

Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty member (SED) visited Vijayawada, Kondapally, Pedana, Rajahmundry, Vizag and Vizianagaram during 1-4 July 2019 to facilitate implementing agencies, technical agencies and SPV members in implementation of SFURTI programme. On 1st July, he met the Project Director (DRDA), Mr. Krishna along with CDE and SPV members of Kondapally Wooden Toys cluster and discussed on transfer of MPLAD funds towards construction of CFC and procurement of machinery for cluster. He suggested CDE and SPV to prepare building drawings, machinery specifications and also coordinate with Asst Project Manager of DRDA for release of funds. The Project Director, DRDA assured to support in all respects.

On 2nd July 2019, Mr. KSP Goud organized a meeting with SPV members of Pedana Kalamkari cluster regarding delay in implementation of the project. The members present mentioned that they are facing challenges due to competition from imitated screen printed products from other states, pollution related issues because of usage of chemicals by some entrepreneurs/ artisans, poor response from the market and reduced orders etc. They wanted to establish CFC with power looms to produce required fabric for the cluster units as most of them are procuring fabric from Erode, Surat, Nagari. He had visited proposed site for CFC along with the SPV members. The members discussed various options for speedy implementation of the project. The SPV agreed to send revised proposal in a week days after consulting technical expert.

On 3rd July 2019, Mr. Goud had visited regional office of Coir Board at Rajhmundry and discussed on proposed new coir projects with Mr. Ramachandra Rao, Regional Officer and coir entrepreneurs. The issues of Vizianagaram and Chittor coir clusters, preparation of DPR for Amalapuram and Kadiyapulanka Coir clusters etc were discussed in detail. He gave details of SFURTI scheme for some of the coir entrepreneurs.

Later he has visited proposed CFC site of Jonnada Food Processing Cluster along with Mr. Rajababu, President of Implementing agency and interacted with the artisans regarding their business activities including raw material procurement, production and marketing of pickles. He suggested IA to take immediate action for preparation of CFC drawings and machinery specifications and to finalize tender documents. The plan of action for implementation of soft and hard interventions was discussed in detail with the Implementing agency.

As per the request of Aditya Global Business Incubator, Mr. Goud visited Aditya Educational Institutions at Surampalem and met vice-chairman, Mr. N. Satish Reddy and Principal of

Aditya Global Business School, Dr D. Astha Sharma and gave a presentation on cluster development strategy, scope for development of clusters in East Godavari District and briefed about guidelines of cluster development schemes namely MSECDP and SFURTI. Around 40 members including management faculty and students participated in the event.

On 4th July 2019, Mr. Goud participated in purchase committee meeting of vijayanagaram Coir Cluster along with Regional Officer of Coir Board, officials of APITCO Ltd. The members of purchase committee visited the Common Facility Centre (CFC) of Vizianagaram Coir Cluster and reviewed the progress of the Machinery Fabrication with the Machinery Supplier, Shri. Chandan Viswakarma. He has requested the Purchase Committee for releasing of the payments as per the tender norms, against the machinery supplied at CFC location. The purchase committee advised M/s Chandan Engineering Works to speed up the fabrication of balance machinery and also to commence the pipeline work from boiler to various points inside the Common Facility Centre (CFC). The meeting concluded with a vote of thanks proposed by CDE, Mr. Vijaya Saradhi.

4.4 Mothkur Ikkat Handloom Cluster Visit

The Mothkur Ikkat Handloom Cluster at Mothkur, Yadadri Bhuvanagiri district was visited by G. Raj Kumar, Consultant, NRCD, SED on 2nd July 2019. A meeting was convened with an implementing agency and SPV members regarding the SFURTI cluster implementation.

Figure 4.11: Mothkur Ikkat Handloom Cluster Visit

The President, J. Ramaiah, briefed about the activities conducted. The SED Faculty Member visited the Skill Training and Production Centre (Common Facility Centre) where he interacted with the spinners and weavers regarding the production of varieties and observed the products displayed in the sales show room. Sri M. Govardhan, Chairman, SPV explained that the products very in good demand. Mr. Sri P. Laxminarsaiah, Director instructed Mr. V. Narsaiah, Manager to plan on conducting design development training.

4.5 Meeting of Project Steering Committee at Coir Board, Kochi

The Coir Board has organized a meeting of Project Steering Committee at Coir Board on 9th July 2019 to discuss on Detailed Project Reports submitted by the Technical Agencies for Implementation of SFURTI programe. Being a Technical Agency, **ni-msme** as proposed two coir clusters, namely Amalapuram and Kadiyapulanka Coir clusters. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty of **ni-msme** had participated in the meeting of SFURTI and made presentation

on SFURTI proposed projects along with regional officer, Mr. Ramachandra Rao. The Secretary, Mr. M. Kumara Raja and Mrs. Anita Jacob, Joint Director gave suggestions with regard to CFC infrastructure and suggested to recast DPR accordingly. Later he discussed with the Secretary (Coir Board) and Mrs Anita Jacob, Joint Director regarding proposed coir training programmes. The programme design, resource faculty, methodology, group discussions, etc were discussed in detail. Accordingly intimated to Regional officers of coir board, and technical agencies to communicate to implementing agencies, cluster development executives and SPV members and other cluster stakeholders.

4.6 Meeting with Senior Officials of Government of Andhra Pradesh

The Secretary Coir Board, Mr. M. Kumara Raja had visited Vijayawada in connection with implementation of SFURTI in the state of Andhra Pradesh during 16-17 July 2019. A meeting was organized to discuss on new projects to implement SFURTI on 16th July 2019. Mr. K. Surya Prakash Goud, Faculty of **ni-msme** had participated in the meeting. The coir entrepreneurs from East Godavari and West Godavari Districts were present in the meeting and discussed on preparation of DPR for Godavari and Konaseema coir clusters. The proposed infrastructure, availability of land, and SPV contribution etc were discussed in detail and finalized DPRs of Amalapuram and Kadiyapulanka coir clusters. On 17th July 2019, the Secretary Coir Board, the regional officer of Rajhmundry along with coir entrepreneurs met the Hon'ble Minister for Industries, Mr. M. Goutham Reddy, The Principal Secretary (Industries) Mr. Rajat Bharghav, and Commissioner of Industries Mr. Siddarth Jain, made a presentation on scope for development of coir sector in the state of Andhra Pradesh. The secretary of coir board briefed about interventions of coir board for development of coir industry, projects under progress and proposed new projects. The proposed new SFURTI proposals viz., Godavari and Konaseema coir clusters were presented and requested for recommendation of state. Later, the Secretary met Mr. L. V. Subramanyam, Chief Secretary, Andhra Pradesh State and appraised the outcome of the meetings.

4.7 ODOP Visits

The Department of MSME & Export Promotion, ODOP Cell, Government of Uttar Pradesh has assigned the project of preparation of Diagnostic Study Reports (DSRs) for ten districts of Uttar Pradesh. Accordingly Mr. L. Vijay Kumar, Mr. G. Raj Kumar, Mr. Ganesh (consultants) of the School of Enterprise Development (SED) have taken up the assignment.

4.7.1 Visit to Gorakhpur, Maharajganj, Azamgarh and Prayagraj:

Mr. G. Raj Kumar, visited Gorakhpur, Azamgarh, Maharajganj and Prayagraj Districts. He met the District Magistrates, Dy. Commissioners, DICs, Line Department officials, National Awardees, State Awardees, Senior Artisans, Artisans, Raw Material Suppliers and Machinery Suppliers. Later he discussed with artisans in respective districts and collected data/ information for the preparation of DSRs.

Figure 4.12: Visit to Gorakhpur, Maharajganj, Azamgarh and Prayagraj

4.7.2 Visit to Kalpi (Orai), Sultanpur & Rampur

Mr. L. Vijay Kumar of **ni-msme** visited the Orai, Sultanpur, Rampur Districts in UP. He met the District Magistrate, General Manager of District Industries Centre and line department in the three districts. He further interacted with Unit Owner’s & Artisans on their traditional product production process, raw material gathering, marketing linkages and other issues. He briefed them on the utilisation of ODOP and gathered information to establish CFC along with the General Manager of DIC KVIB, Banker’s and other departments.

Figure 4.13: Hand Made Paper – Kalpi (Orai)

Figure 4.14: Moonj Products – Sultanpur

Figure 4.15: Moonj Products – Amethi

4.7.3 Visit of Bulandshar, Rampur, Farookhabad:

Mr. B. Ganesh, visited Bulandshar, Rampur & Farookhabad Districts. He collected data and information for the preparation of DSRs and attended the meeting of Udhaam Samadham in Bulandshar.

Figure 4.16: Visit of Bulandshar, Rampur, Farookhabad

4.7.4 Refresher Training on Audit & Accounts for KVIC

Organised a three-day Refresher Training Programme on Audit & Accounts for Internal Audit Personnel of KVIC during 2 to 4 January 2020, at the Institute campus. important topics deliberated upon in the sessions included IFMS implementation in KVIC, Uniform format of accounts for central accounts bodies, Risk based internal auditing, Public finance management system (PFMS), CCS rules, General financial rules 2017, Audit para and techniques of drafting audit replies and internal auditing in electronic environment. In addition to interactive sessions, Mrs. Geeta Varier, Director (Audit), with the support of audit team, reviewed the pending UC audit, Financial audit and Audit paras, besides discussing the Action plan for implementation of IFMS, PFMS and utilization of web portal developed by the IT team of KVIC

Figure 4.17: Refresher Training on Audit & Accounts for KVIC

4.7.5 Training in Strategic Approaches for MSME Development

During January-February 2020, ni-msme had organised two weeklong training programmes on strategic approaches to MSME development, at the Institute campus The inputs included Innovation, Incubation, Entrepreneurship, MSME policy and schemes, Cluster development strategy, Micro finance and SHGs, Skill development initiatives for MSME development , Technology incubators for start-ups, Public Private Partnership (PPP) for infrastructure development, Corporate social responsibility (CSR), Export promotion as MSME

development strategy, Intellectual property rights and business opportunities in waste management

Figure 4.18: Training in Strategic Approaches for MSME Development

4.7.6 Training Programme on Establishment and Management of Business Incubators

Organized a one-week campus training programme on Establishment and Management of Business Incubators, during 10 to 14 February 2020. Officials of the Department of Industries and Commerce of Goa, professors of G. Narayanamma Institute of Technology and Science and TKR Engineering College participated in the training. The sessions focused on opportunities and challenges for innovators, promoting innovation and entrepreneurship in institutions, initiatives for setting up incubators, managing business incubators, role of stakeholders in the success of business incubators, promoting business networks through incubators, promoting innovation in MSME clusters and financing innovative businesses.

Figure 4.19: Training Programme on Establishment and Management of Business Incubator

4.7.7 Review Meet Workshop of State KVIC

A one-day workshop-cum-review meet of state khadi and village th industries boards was held on 25 February 2020, at **ni-msme** campus. Khadi institutions/ PMEGP entrepreneurs displayed a wide range of products on the occasion. The programme took off with the auspicious lamp lighting by Mr. Vinai Kumar Saxena, Chairman, KVIC in the presence of Ms. Preeta Verma, I.P.S., Chief Executive Officer; Mrs. Usha Suresh Iyer, I.E.S., Financial Adviser and Mr. Y.K. Baramatikar, Jt. CEO and dignitaries from the KVIC and the state

boards. KVIC has a wide range of schemes that aim at providing rural populace with income generating activities. The state boards play an important role in implementing the schemes of KVIC at district and block levels. The initiative of the boards in training, skill development, marketing and capacity building is also expanding gradually. The boards are also acting as implementing agencies in cluster development under SFURTI implementation

Figure 4.20: Review Meet Workshop of State KVIC

4.7.8 Visit of Bhatinda Honey Processing Cluster, Bhatinda, Punjab

Vvisited the cluster on 26 February along with Mr. Brar, Functional Manager (FM) of the District Industries Centre, the Implementing Agency (IA) of the cluster. In the meeting, the SPV President The cluster will benefit about 1,200 farmers. After detailed discussions on the project, on 27th of February, NA, IA, TA and SPV, visited machinery suppliers at Ludhiana to inspect the machinery to be installed at the CFC. The SPV members were encouraged to deposit their remaining SPV contribution so that the cluster work will be completed at the earliest.

4.7.9 Hoshiarpur Wooden Inlay and Lacquer ware Cluster, Punjab

Visited the cluster on 28 February 2020 along with Mr. Manpreet Singh of Grant Thornton India LLP, which is the Technical Agency and the representatives of the implementing agency. The Branch Manager of Punjab National Bank was also present in the meeting. They had discussion with the artisans and the SPV president Mr. Satyog Singh, who was advised to motivate the artisans and expedite the process of setting up the CFC. At a meeting chaired by Mr. Amarjit Singh, General Manager, DIC, Hoshiarpur, a timeline was agreed upon to set up the CFC. The operation of CFC is expected to increase the output and improve the quality of cluster products.

4.7.10 One District One Product (ODOP), Uttar Pradesh

The Department of MSME & Export Promotion, ODOP Cell, Government of Uttar Pradesh has assigned the project of preparation of Diagnostic Study Reports (DSRs) for ten districts of Uttar Pradesh. Conducted Small Group Meetings, Focus Group Meetings, OUR ni-msme staff Mr. L. Vijay Kumar & G. Raj Kumar has visited the districts of Uttar Pradesh interacted with officers, Senior Artisans, Artisans, Raw Material Suppliers, Machinery Suppliers,

Bankers and other officials in the concerned districts. Conducted Stake Holers meetings in the districts of Gorakhpur, Maharajganj, Azamgarh, Prayagraj, Kalpi (Orai), Sultanpur, Rampur, Bulandshar, Rampur and Farookhabad.

Figure 4.21: One District One Product (ODOP), Uttar Pradesh

4.8 ESDPs Concluded

A formal valediction was organised by the of ATI and LBI centres of **ni-msme** on 6th May 2019. Two batches of the trainees had attended the function. Training completion certificates were distributed to 50 successful candidates. Successful candidates also shared their experiences of training. Some of the candidates were trainees were appreciated for their efforts in training and project completion. About 35 candidates were honoured for their job offers. They all thanked the faculty and staff members for their diligent training efforts.

Figure 4.22: ESDPs Concluded

The MD & VC of Telangana Scheduled Classes Cooperative Development Corporation Ltd., Shri. Lachiram Bhukya and Mr. Anand Kumar, General Manager (Projects) were present during the event.

During the valedictory session, Mr. Sandeep Bhatnagar, Mr. Shreekant V. Maha, and Mr. Ankit Bhatnagar were present, while the training completion certificates were being distributed.

4.8.1 Job Fair at Campus

A job fair was held at the Institute campus on 31st May 2019, for the participants trained in ESDPs conducted by **ni-msme**. Approximately 2,414 walk-ins and 2,109 plus candidates tried to find their career line through this platform.

Figure 4.23: Job Fair at Campus

A total of 57 companies participated in the placement drive to fulfill their requirements of skilled human resource. The entire event was coordinated by Mr. Ankit Bhatnagar, AFM (SEM), planned and scheduled in consultation with the HR managers and consultants, and the support of all project coordinators, faculty and lab assistants of ATI, LBI and administration.

The event was well covered by press and electronic media.

Figure 4.24: Press Covrage of Job Fair

4.8.2 ESDP Valedictory

The Valedictory Function of the Entrepreneurship Skill Development Programme (ESDP) was held on 26th November 2019. 120 participants from Baking, Beautician, Photography and Account Executive courses received training completion certificates after 3 months of rigorous training. ESDP is an initiative of The Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, GoI through Assistance to Training Institutions Scheme (ATI) and Skill Indiato benefit the unemployed youth and the socially and economically weaker sections of the society.

Figure 4.25: ESDP Valedictory

4.9 MoU Signed with various institutes

4.9.1 MoU with Institute of Directors (IoD)

ni-msme was in strategic partnership with the Institute of Directors (IoD), who organised the Regional MSME Convention on 14th June 2019 at **ni-msme** campus. The theme of the event was: MSME – Innovation, Growth and Transformation.

Over 160 delegates representing the industry segment (manufacturing and services), investor community, policy makers, up-coming/start-up entrepreneurs, banking and financial institutions, professionals, consultants, trainers and academia had participated in the event, making it an assemblage of savants and thinkers in the arena of MSME. Among the resource persons were some of the best professionals, who had joined together with the delegates and shared their experiences.

Mr. Srikanth Badiga, Chairman, Indo American Chamber of Commerce, Telangana & AP Chapter was the Chief Guest of the event. Delivering the inaugural address, he observed that continuous training is essential for augmenting one's skills, supported by the enthusiasm to achieve success in entrepreneurial ventures.

Mr. Suresh Chukkapalli, Honorary Consulate General of Republic of Korea in Hyderabad was the Guest of Honour. Speaking on the occasion, he expressed happiness at the coming together of two stalwart organisations like **ni-msme** and the IoD for conducting meaningful events that would improve MSME performance and output. Alluding to the success story of the Republic of Korea, he stated that the government's encouragement to the thousands of MSMEs in the country has pushed the GDP high.

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme** – the host - introduced the event. In his address, he set the tone for the convention by underscoring that any entrepreneur can succeed with the right training, knowledge and guidance. Referring to the genesis of **ni-msme**, he stated that **ni-msme**'s mission is to take the concept of entrepreneurship to anyone with an idea, regardless of their economic situation.

At the end of the inaugural session, the IoD and **ni-msme** had signed and exchanged a Memorandum of Understanding to work together and collaborate in their activities. The MoU envisages exchange of technical expertise, know-how, and training opportunities between their respective members/networks.

Figure 4.26: Institute of Directors (IoD)

The MoU was signed by: Lt. Gen. J. S. Ahluwalia, PVSM (Retd), President, Institute of Directors, New Delhi on behalf of IoD; and Mr. Gorthy N.V.R.S. Haranath, Director (Administration) on behalf of **ni-msme**.

4.9.2 MoU with DCAC

The National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**) along with the five member Delegation of Danish Consortium for Academic Craftsmanship (DCAC) of Denmark sign an MoU at the Ministry of MSME on 3rd October 2019 in the presence of Smt. Alka Nangia Arora, IDAS Joint Secretary (MSE) for collaboration in Vocational Education Training (VET) at Udyog Bhawan, New Delhi.

4.9.3. MoU with IIM-Trichy

The Director General Mr. D. Chandra Sekhar signs MoU with IIM Trichy to impart training to IEDS cadre officers and other MDP programmes on 16th Oct 2019.

4.9.4 MoU with CIPET

Shri. P Raghavendra Rao IAS, Secretary, Department of Chemicals & Petro Chemicals, GOI visited **ni-msme** on 11th December 2019 and interacted with the Director General, officers and international participants. He said that he was impressed with **ni-msme**, and instructed the Central Institute of Plastics Engineering & Technology (CIPET) to sign an MOU with **ni-msme** for collaborative programmes.

Figure 4.27: MoU with CIPET

5. Other Activities and Achievents

5.1 Conference on Environment

The Conference was inaugurated with the lighting of lamp by Prof. S. Ramachandram, Vice-Chancellor, Osmania University. Guests of Honour Dr. Satheesh Shenoi, Director, INCOIS; Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme**; Mr. M.V. Krishna Rao, IPS, former Director General of Police, Andhra Pradesh; Mr.C. Achalender Reddy, IPS, Director, CIPS. Earlier, Dr. Babu Ambat, Executive Director of CED welcomed the distinguished personages and the house, and introduced background and the theme of the Conference.

Prof. Ramachandram delivered the inaugural address on Green Computing, followed by the release of the Conference volume, by all the Guests of Honour.

Figure 5.1: Lighting of Lamp by Prof. S. Ramachandram

The Telangana Environment Congress 2019 was held at **ni-msme** campus during 16 & 17 April 2019. The two-day event was organised by the Centre for Environment and Development (CED), together with **ni-msme**, the Centre for Innovations in Public Systems (CIPS), and the Pure Earth Foundation (PEF). Over 300 delegates from various scientific establishments, academic institutions, Government departments and other private/public sector organisations had attended the sessions.

Figure 5.2: Conference on Environment

The focal theme of the Congress was Science, Technology and Innovation for Environment and Sustainable Development.

Dr. Sateesh Shenoi delivered the keynote address on the Need for an Ocean Observing System to Monitor the Changing Climate. Other Guests of Honour spoke about the need and significance of scientific research, technological and innovative developments for environment and sustainable social development.

Prof. V.K. Damodaran, Chairman, CED presided over the inaugural session, while Dr. A. Perumal, Principal Adviser, CED proposed the vote of thanks and the inaugural session was concluded with rendering the National Anthem.

Dr Chaturvedi spoken about action orientated initiatives to be taken with a zeal to protect environment. He also mentioned many such initiatives like Solar as alternatives already done in **ni-msme** which may save atleast 55% of the expense on electricity as well as it will help save the environment. Regular planting of trees world-wide will certainly help in reducing global warming.

Eminent scientists and academicians including Padmshree Awardee Dr. D.P. Rao, former Director, NRSC; Mr. K. K. Pappan, former Scientist, NRSC, Hyderabad; Mr. Subhash Singh, former SE, Public Health and Engineering, Telangana; Dr. H.C. Mishra, IFS, former Additional PCCF, Telangana; Prof. Kavita Daryani Rao, Vice-Chancellor, JNAFAU; Prof. V. Bikshma, Dept. of Civil Engineering, Osmania University; Prof. S. Kumar, Principal, SPA, JNAFAU; Dr. R. Nagaraja, former Scientist, NRSC; Dr. J. Ramanamurthy, former Scientist, NRSC; Mr. B. Ramesh, former Scientist, NRSC; Dr. C.S. Jha, Sr. Scientist, NRSC chaired the technical sessions.

The valedictory session was addressed by Dr. Rakesh Mishra, the present Director of CCMB, Hyderabad. Mr. Avik Chakraborthy, Project Officer, CIPS, followed by Dr. Babu Ambat and Dr. K. Jayachandra, Regional Director, CED, Hyderabad Centre and Convenor of TEC 2019.

Awards for best oral presentation and best poster presentation were given to B.Tech students Mr. M. Satish of CBIT, and Ms. B. Hemamalini of JNAFAU.

5.2 Faculty on NIOS Committee

Dr. Nune Srinivasa Rao, FM, SEE and Dr. Shreekant Sharma, AFM, SEE were invited to be members of the Curriculum Development Committee of the National Institute of Open Schooling (NIOS), constituted of five academicians representing the reputed national level entrepreneurship development institutes in the country. The committee was convened on 30th April 2019. After Ms. Anshul Kharbanda, Academic Officer, External Relations Coordinator, NIOS performed the introductions, the committee discussed the importance of including “Entrepreneurship” course in the secondary level curriculum of NIOS schools.

5.3 MSME Conclave

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme** participated in a business conclave on 'Leveraging Technology & Capitalization on Finance for MSME Competitiveness', organised on 4th May 2019 in Hyderabad jointly by the CII and the HDFC Bank.

Figure 5.3: MSME Conclave

Mr. Sanjay Singh, the preceding Chairman, CII made opening remarks on MSME statistics in India. Mr. Madhusudhan Hegde, Head, Branch Banking, HDFC said that 15% HDFC holding comes from their MSME segment.

Dr. Chaturvedi was the lead speaker. Starting with the introduction of **ni-msme** and its successful projects, he shared some success stories from the micro segment of MSMEs. He said, there is no dearth of SME loans and the success rate is remarkably high, and enumerated other schemes available with the Ministry of MSME. Speaking about the research studies **ni-msme** has on hand, he closed with thanks to the conclave organisers. Mr. Ankit Bhatnagar, AFM, **ni-msme** accompanied Dr. Chaturvedi to the conclave.

Mr. Jayesh Ranjan, Principal Secretary to Govt. of Telangana reiterated Dr. Chaturvedi's observations.

The event concluded with proposing vote of thanks to the chair, the organisers and the delegates.

5.4 Bangladesh Delegation Visits Campus

A six-member delegation comprised of the officials of National Institute of Local Government (NILG), Dhaka, Bangladesh, headed by Mr. Md. Golam Yahia, Director (Additional Secretary), Training and Consultancy, visited **ni-msme** on 9th May 2019.

The NILG is a Training and Research Institute under Government of Bangladesh, responsible for training officials, both elected and appointed, of local government in Bangladesh, and is located in Agargaon, Dhaka, Bangladesh. It is under the Local Government Division of the Ministry of Local Government, Rural Development and Co-operatives. The delegation had was in India to enlarge their capacity in e-learning. The NILG is planning an ambitious project to enhance its reach to difficult rural areas in a cost effective manner through use of

Information Technology (IT). They visited **ni-msme** to gain knowledge on e-learning content, modules, training delivery system, methodology, certification, monitoring and quality assurance.

Figure 5.4: Bangladesh Delegation Visits Campus

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director of **ni-msme** welcomed the delegation and highlighted the importance of IT in reaching remote rural areas in an effective manner. He also gave a brief introduction to **ni-msme** e-learning projects. After a formal introduction of all the members of **ni-msme** faculty, Dr. Dibyendu Choudhury, FM, SEM gave a detailed presentation on the e-learning projects of **ni-msme**, focusing the "Entrepreneurship e-learning module project for the Government of MP" and "Career Paramarsha Kendra Project for the Government of West Bengal".

The presentation captured the attention of the delegates, and they obtained clarifications on its implementation, monitoring and quality.

5.5 International MSME Day in Delhi

The Union Ministry of MSME celebrated the International MSME Day by hosting a two-day International SME Convention at Eros Hotel in New Delhi, in association with India SME Forum and **ni-msme**, during 28-29 June 2019. The theme of the Convention was: Indian MSMEs - Global Aspirations.

Mr. Nitin Gadkari, Union Minister for MSME and Road Transport & Highways inaugurated the Convention, in the presence of Mr. Pratap Chandra Sarangi, MoS, Ministry of MSME, and Animal Husbandry, Dairying and Fisheries.

Dr. Arun Kumar Panda, Secretary (MSME) to Govt. of India; Mrs. Alka Arora, Jt. Secretary, Ministry of MSME; Mr. Rammohan Mishra, AS&DC (MSME); senior officials representing the Govt. of India, trade commissioners, delegates, embassy officials from various countries and thought leaders from across the industry had participated in the Convention and addressed the sessions. About 175 participants including delegations and entrepreneurs from 44 countries, and 1,200 entrepreneurs from India had made their presence at the event.

The Convention was designed as a platform for intensive business discussions and interactions on Indian market opportunities. It was a unique opportunity for enterprises from around the world to present their products and services to select Indian entrepreneurs; to

facilitate collaborations, joint ventures, trade relationships and business partnerships; to share the best international practices in enterprise development and to encourage trade.

Figure 5.5: International MSME Day in Delhi

Hundred SMEs, selected from among 34,011 nominations from across the country, were felicitated for their outstanding performance during the Convention, under the aegis of the Annual India SME 100 Awards.

5.6 ni-msme welcomes delegates from Denmark

The National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**) welcomes a five member Delegation of the Danish Consortium of Academic Craftsmanship (DCAC) from Denmark on 30 September 2019. The objective of the visit is to collaborate with DCAC in Vocational Education and Training (VET).

The Danish Consortium of Academic Craftsmanship accredited by the Danish Ministry of Education, Denmark is the largest vocational consortium of Denmark offering more than a 100 vocational programmes, widely spread across 32 campuses covering most of Denmark serving about 20,000 full time students every year and with an annual turnover of USD 300 millions.

The Danish Delegation comprised of: Sudhanshu Rai, Associate Professor, Copenhagen Business School. (Advisor & Participating members & representing CBS in DCAC), Michael Kaas Andersen, CEO of ZBC (Zealand Business College), Finn Karlsen, CEO of EUC Syd (Vocational Education Centre South), Jens Gamauf Madsen, CEO of IBC (International Business College), Vibeke Norgaard, Special advisor to the DCAC Board of Directors and representative of TEC (Technical Education Copenhagen)

Figure 5.6: ni-msme welcomes delegates from Denmark

As part of their visit to **ni-msme**, the Danish team enthusiastically planted saplings signifying growing ties and partnership with **ni-msme**. Further, they were taken on a tour to the campus library in the SENDOC building and also to the Livelihood Business Incubation Centre (LBI) where in the baking section they were treated to cakes and pastries baked by students and in the fashion designing section, they interacted with the local students and were amused to see the students perform the tie & dye technique to colour fabric in a patterned way and later to the MSME Development Institute, Balanagar.

5.7 Breakfast Meeting

The Director General Mr. D. Chandra Sekhar had a breakfast meeting with Mr. Mekapati Goutham Reddy, Hon'ble Minister for Industries, Commerce, Information Technology, Government of Andhra Pradesh on 24th Oct 2019.

5.8 National Workshop

The Director General Mr. D. Chandra Sekhar addressed the gathering at the National Level Workshop on Advanced Solar PV Technologies and Vendor(s) Meet – 2019 jointly organised by MSMEDI, TSREDCO & Andhra Chamber of Commerce and inaugurated by the Chief Guest – the Hon'ble Govenor of Telangana, Dr. Tamilisai Soundararajan at IICT Conference Hall, Tarnaka, Hyderabad on 14th Oct 2019.

5.9 DG meets KTR

The Director General, D. Chandra Sekhar met Sri Kalvakuntla Taraka Rama Rao, Hon'ble Minister for IT E&C, MA & UD and Industries & Commerce Departments, Govt. of Telangana on 19th November 2019 regarding MSME Technology Centre at Warangal under Hub & Spoke model and other MSME related issues.

5.10 DG at Business Ka Booster Meet

The Director General, D. Chandra Sekhar was invited as the Chief Guest for the "Business Ka Booster" meet for the PLASTIVISION INDIA 2020 at Hotel Park, Somajiguda on 22nd November 2019.

Hindi Day and Hindi fortnight celebrated

Hindi Day and Hindi Fortnight was celebrated by National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises with enthusiasm on the occasion of 14th September, 2019. The celebration was inaugurated on 13th September, 2019 at 11 am at the Mini Auditorium of New Training Building. Shri Abdul Hameed, Retired Assistant General Manager, NABARD was present as Chief Guest on this occasion. The event was presided over by Shri G. Haranath, Director (Admin. & Logistics).

In this programme, Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator, ni-msme welcomed the Chief Guest and The President as well as all officers, staff members and participants of various programmes of the Institute. Addressing the function, Shri Abdul Hameed highlighted the contribution of Hindi in struggle made for freedom of the country. He also highlighted the importance of Hindi Day and special status given to Hindi after independence. He explained the provisions made in the Constitution regarding usage of Hindi. He explained the importance of language. He said that Hindi is the easiest language to speak, understand and write.

The Director, Administration and Logistics of the Institute expressed thanks for the Chief Guest for participating in the event and greeted everyone for Hindi Day. He focused the efforts of the Institute being made for implementation official language Hindi and given details of the competitions being organized for the officers, staff members and participants of various training programmes of the Institute.

In this event a short speech competition in Hindi was conducted for the employees as well as participants of various programmes. Among the students of the training programmes being conducted under ATI V. Santosh bagged the first prize, while Sohail clinched third and Smt. Neetu Singh received the incentive award. Smt. Sujata Rupnar, Administrative Assistant of the Institute secured the second prize. The programme concluded with vote of thanks by translator Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni.

5.11 D. Chandra Sekhar assumes charge as Director of ni-msme.

Figure 5.7: Shri D. Chandra Sekhar assumes charge as Director, ni-msme

5.12 National Festivals

5.12.1 Celebrations of the Independence Day

ni-msme celebrates Independence Day Amidst the tri-coloured illuminated campus, replicating the Indian National Flag and the patriotic fervor of the employees of ni-msme, the 73rd Independence Day of India was celebrated at the campus with great pomp. Director General Shri. D. Chandra Sekhar, unfuled the National flag at 8.50 am as the gathering saluted and sang the National anthem with a sense of patriotism. On this occasion, he shared his vision and mission for nimsme contributing to the country's development at large. The celebrations were fol- lowed by fellowship breakfast and few cultural programmes.

Figure 5.8: Celebrations of the Independence Day

5.12.2 Republic Day Celebrations

The 71 Republic Day of the nation was celebrated at ni-msme campus in a spirit of joy and dedication. Every year the Institute celebrates the th 26 of January to commemorate the constitution of independent India th coming into force on 26 January 1950. All the officers and staff and the national and international trainees in the campus attending different programmes, assembled in front of the New Training Building, at the flag post, at 8.50 a.m. The celebration began with the hoisting of the national flag by the Director General Mr. D. Chandra Sekhar. The flag hoisting was followed by the rendition of India's National Anthem,

to which all the Indians gave their voice. The Director General addressed the assemblage in English, explaining the importance of the event. He first gave greetings of the occasion to the gathering. Then he discussed the role of the Government of India in the development of MSME sector and highlighted how ni-msme has been working with the mandate of assisting the start-ups and MSMEs. A cultural programme, in which all the talented enthusiasts had participated, followed the ceremony. The entire campus was illuminated in tricolour for the occasion, with serial electric bulbs, reflecting the image of the National Flag.

Figure 5.9: Republic Day Celebrations

5.13 Other Events at Campus

5.13.1 Anti-Terrorism Day

The Anti-Terrorism Day was observed at **ni-msme** on 21st May 2019. All the employees of **ni-msme** had gathered in the Mini Conference Hall, New Training Building of the Institute at 11.00 a.m. Director (Admn. & Logistics) of the Institute enlightened the gathering about the importance of Anti-Terrorism Day, which was being observed to wean away the youth from terrorism and the cult of violence by highlighting the sufferings of common people and pointing out that it is prejudicial and harmful to the nation's interest and well-being.

Figure 5.10: Anti-Terrorism Day

Director (Admn. & Logistics) administered a pledge to the assemblage of employees, first in Hindi, followed by the English version, which emphasises the necessity for mass awakening against terrorism and violence.

5.13.2 Surveillance Audit ISO 9001-2015

The first TUV Nord conducted Annual Surveillance Audit of ISO 9001:2015 of **ni-msme** during 23-24 May 2019, by the TUV Nord team.

Figure 5.11: Surveillance Audit ISO 9001-2015

Mr. Harmeet Singh Rait and Mr. Sreenivas Kovalluri, comprising the audit team, visited the Institute for the purpose. From **ni-msme** side, Dr. Ashwini Goel, Director, Academics; Mr. Gorthy N.V.R.S. Haranath, Director, Admn., and Logistics; Mr. Murali Kishore, Assistant Registrar; Faculty Members, ISO consultants Mr. J.K. Srivastava and Mr. Rajesh Srivastava were present during the opening meet. Mr. Rait, Auditor elucidated the members about TUV Nord activities and the approach and process of audit. He also interacted with Ms. V. Swapna, Associate Faculty Member (QMS coordinator) and reviewed the Quality Policy,

Quality Manual, internal audits and management reviews, organisation context and the risk assessment documents to understand the organisational activities and requirements of the standard. Mr. Rait and Mr. Kovalluri, along with Ms. V. Swapna visited various departments and reviewed all relevant documented information that evidences the management system's conformity with all the requirements of the standard.

During the closing meeting, TUV NORD Auditor presented their observations to the Director (Academics) and the Director (Administration), the IQMS coordinator, all faculty and officials of various departments, and made a few suggestions for improvements in the administration, training and library facilities.

5.13.3 Yoga Day at Campus

Yoga is a symbol of India's ancient culture, history and heritage and it is practised with great enthusiasm across the world.
Shri Nitin Jairam Gadkari, Hon'ble Union Minister for MSME

The 5th International Yoga Day was celebrated at the **ni-msme** campus on 21st June 2019 with great enthusiasm, by the faculty, staff and students participating together.

Yoga means union of body, mind and soul. The joint Yoga sessions in the campus brought about moral integration among the employees across the cadres, singularly focusing on development of the Institute.

The International Yoga Day activities started at morning 7.15 a.m. at Utsav, the outdoor theatre in the campus. At the outset, Mr. N.S. Rao and Mrs. N.V. Rama, Yoga trainers spoke about the importance of Yoga practice in everyday life, and then guided the participating employees in basic postures (aasanas). The **ni-msme** Yoga Trainer also taught the correct method of doing pranayamas.

Figure 5.12: Yoga Day at Campus

Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director of **ni-msme** emphasised the importance of Yoga in enhancing personal and organisational efficiency. The government is promoting the culture of Yoga, so as to make it an integral part of people's daily routine, which would ensure a happy, blissful and healthy life. Mr. Gorthy N.V.R.S. Haranath, Director (Administration & Logistics) said that daily practice of Yoga leads to a healthy life. It may be mentioned here that **ni-msme** is currently providing Yoga sessions in all its international programmes, which the participants had immensely appreciated. **ni-msme** is planning to extend this facility to

selected national programmes. Basic Yoga practice helps improve concentration and health. The employees thanked the trainer for good tips.

5.13.4 New members of ni-msme Employees Recreation Club

Figure 5.13: New members of ni-msme Employees Recreation Club

Dr. Dibyendu Choudhury - Chairman, Shri. J. Koteswara Rao - Secretary, Smt. T. Padmaja - Joint Secretary, Shri. J. J. Bikshapathy - Organising Secretary, Smt. K. Sandhya - Treasurer, Smt. B. Neeraja - Ladies welfare Activities, Smt. P. Anjali Prasanna - Cultural Activities Member, Smt. Sujata Rupener - Sports Activities Member.

5.13.5 ni-msme Co-operative, Credit Society

Figure 5.14: ni-msme Co-operative Credit Society

New executive body of the **ni-msme** Co-operative Credit Society was formed on 01.07.2019.

Shri J. Koteswara Rao, President – CCS, Shri. R. Ranjith Kumar,Vice-President , Shri G. Laximinarayana, Secretary , Shri K. Sai Kiran,Jt. Secretary ,Smt Urmila Waghere ,Treasurer ,Shri K. Jagan Mohana Rao,Member, Smt G. K. Rama Devi, Member, Smt T. Padmaja,Member.

5.13.6 Health Initiative at Campus

The Lions Club of Kapra, Kamalanagar through Mr. Janapareddy Ravinder, President of the club set up a Homeopathy camp at **ni-msme** and freely distributed Homeo preventive medicine for dengue on 4 October 2019 at the New training Building.

Figure 5.15: Health Initiative at Campus

The free distribution camp was inaugurated by Mr. Sandeep Bhatnagar, Director (Marketing & Business Development) and Mr. K. Surya Prakash Goud, FM- SED. The **ni-msme** family stood in queues and collected their share of medicine from Dr. Srilatha Janapareddy (BHMS) and her team.

The Director General lauded the initiative taken.

5.13.7 National Unity Day

ni-msme observed the Rashtriya Ekta Diwas – National Unity Day – at the campus on 31st October 2019. The Ekta Divas was introduced in 2014, in commemoration of Sardar Vallabhbhai Patel's contribution to the formation of Indian Union, to be observed on the day of his birth anniversary.

Figure 5.16: National Unity Day

All the employees of **ni-msme** gathered in the Mini Conference Hall in the New Training Building of the Institute on 31st October 2019 at 11.00 a.m. Dr. Ashwani Goel, Director

(Academics) of the Institute enlightened the gathering about the importance of the National Unity Day emphasizing the need for unity among the people of all sections of the country. Thereafter, he administered a pledge to the assemblage of employees.

Mr. J. Kiran Kumar Jr. AA (A), Mr. Ravi Kanth (Con- GAD), Dr. Shirish Kulkarni, Hindi Translator went to Sri Kumar's High School in Rehmatnagar and made students aware of the importance of unity and celebrated with the students there.

5.13.8 Vigilance Awareness Week

The vigilance awareness week was observed in a befitting and enthusiastic manner at **ni-msme** from 28 October – 2 November 2019. The theme for this year was, Integrity-A way of Life. The activities undertaken during the week, as part of the observance, included the following.

On 28^{th} October, all the employees of the Institute assembled in the Mini Conference Hall of the New Training Building in the campus. The Director General elucidated the significance of the concept and its observance. Later, He administered the Vigilance Pledge to the employees. He encouraged all the employees to individually take the integrity pledge online on the website of Central Vigilance Commission and download certificates. Adhering to the DG's call, most employees took the integrity pledge online and shared their certificates on social media promising to serve the institute and the country at large with integrity.

An essay writing competition on the subject of vigilance was organised during the Vigilance Awareness Week on 31^{st} October 2019. A committee constituted to evaluate the essays will declare the results soon.

Figure 5.17: Vigilance Awareness Week

5.13.9 Joyful Gifting

The Director General gave away Rice Cookers as a present to all employees of **ni-msme** on 20^{th} November 2019. He encouraged all employees to work with dedication and uprightness for the betterment of the institute. The Employees Union, General Secretary Mr. Sai Kiran thanked the DG on behalf of the **ni-msme** family.

Figure 5.18: Joyful Gifting

5.13.10 Quami Ekta Week

ni-msme observed the "Quami Ekta Week" (National Integration Week) from 19th to 25th November 2019. On 19th November, the employees of **ni-msme** gathered in the Mini Conference Hall of the New Training Building at 11.00 a.m. The Administrative In-charge, Dr. Dibyendu Choudhury administered the pledge to the assemblage of employees and enlightened about the importance of "Quami Ekta Week" emphasizing the spirit of Communal Harmony, National Integration and sense of belonging among the people. In observance of the same, a poem recitation competition was conducted on the 25th November with Mr. M. A. Bari (Admin Officer) and Dr. M. Kashif, Scientist from NRIUMSD being invited as chief guests to judge the competition.

Figure 5.19: Quami Ekta Week

Prize money was awarded to the winners: 1. Mrs. T. Padmaja (A.A), 2. Mr. R. Naga Rajesh (Jr. Con) and 3. Dr. Shreekant Sharma (AFM- SEE)

5.13.11 Book Fair at Campus

A two day book fair was organised at the Institute campus from 30th November to 1st December 2019, with a view to guiding the participants of phase-I international training programmes to use their book allowance fruitfully by selecting titles relevant to their training themes and occupational domains.

Mr. D. Chandra Sekhar, Director General inaugurated the exhibition and complimented the book sellers for readily responding to the call of **ni-msme**. He appreciated the efforts of SENDOC in coordinating the event in a grand way. As part of the inauguration, Dr. K. Visweswara Reddy, FM-SEM, explained about the procedures connected with availing the book allowance, and appreciated the Ministry of External Affairs, Govt. of India for sponsoring the international training programmes and for supporting the trainees with a generous book allowance to meet their academic needs.

All the faculty, Programme Directors and staff of **ni-msme** were present at the inauguration. The participants lauded the efforts of **ni-msme** for saving their rationed time, which they can wisely spend on their project and assignments.

Figure 5.20: Book Fair at Campus

5.13.12 Kudos to ni-msme Campus

The Institute introduced the initiative of membership for the use of its SENDOC library way back around the turn of millennium. The members are allowed the privilege of using the reading and reference sections of the library, as well as the use of open grounds annexed to SENDOC, for reading, pondering and discussion. The main objective was to help young college graduates of different disciplines to make career decisions through cool contemplation and mutual idea-sharing in a peaceful setting without distractions – one of them may be motivated to opt for an entrepreneurial career!

Most of the users are, however, fresh technical and professional graduates preparing for advanced examinations that would help give a decisive turn to their careers. A recent happy outcome is 17 members, who were preparing for CA Final, qualified successfully. Medicine students who appeared for PG entrance qualified and 2 students are selected for AIIMS, allotted for (PGI- Chandigarh).

A few of them expressed their opinions about the facilities and conveniences of the campus. They state in one voice that the atmosphere at the campus is extremely suitable for concentration, contemplation and knowledge acquisition, that the staff and functionaries are friendly and reaching out, that they have a comfortable time. The setting is fully oriented to focusing with clarity on equipping themselves well for the chosen pursuit.

5.14 Bidding Farewell

5.14.1 S. Rama Devi, Superintendent

Mrs. S. Rama Devi, Superintendent (Establishment) retired from the services of the Institute on 30th April 2019, on attainment of the age of superannuation.

Figure 5.21: Retirement Function of Smt. S. Rama Devi

A get-together was organised to give farewell greetings and best wishes to the out-going employee. Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director; Mr. Gorthy N.V.R.S. Haranath, Director (Admn. & Logistics); Dr. Dibyendu Choudhury, FM (SEM); Mr. J. Koteswara Rao, AFM (SED); Mr. N. Murali Kishore, Asst. Registrar; Mrs. K. Nagamani, Supdt. (Accts); Mr. S. Venkateswarlu, Sr. Stenographer; and Mr. K. Sai Kiran, A.A. & General Secretary, **ni-msme** Employee’s Union; Mrs. B. Neeraja, A.A.; Mrs. K. Sandhya, A.A.; Dr. Shirish Prabhakar Kulkarni, Hindi Translator and others spoke about Mrs. Rama Devi’s contribution to the Institute during her tenure.

The Director presented the out-going employee with a token gift on behalf of the Institute. Mrs. Rama Devi was seen off with wishes for a healthy and contented post-retirement life.

5.14.2 G. Veeraiah, MTA

Mr. G. Veeraiah, MTA retired from the service of the Institute on 31st May 2019, on attainment of the age of superannuation. Dr. Sanjeev Chaturvedi, Director, **ni-msme**; Mr. J. KoteswaraRao, AFM-(SED), & Secretary, **ni-msme** Recreation club, Dr. K. Visweswara Reddy, FM (SEM); Mr. N. Murali Kishore, Asst. Registrar; Mrs. K. Nagamani, Supdt. (Accts); Mr. S. Venkateswarlu, Sr. Steno; and Mr. K. Sai Kiran, A.A. & General Secretary, **ni-msme** Employee’s Union and others spoke about the outgoing employee's contribution to the Institute during his tenure.

Figure 5.22: Retirement Function of Shri. G. Veeraiah

The Director presented him with a token gift on behalf of the Institute. Mr. G. Veeraiah was seen off with wishes for a healthy post-retirement life.

5.14.3 Smt. K. Nagamani, Superintendent & Shri. S. Venkateswarlu, Sr. Stenographer

Mrs. K. Nagamani, Superintendent (Accounts) and Mr. S. Venkateswarlu, Sr. Stenographer retired from the services of the Institute on 28th June 2019 (29th and 30th being weekend), on attaining the age of superannuation. A get-together was organised to see them off. The event was attended by all the employees of the Institute.

Mr. Gorthy N.V.R.S. Haranath, Director (Admn. & Logistics); Dr. Dibyendu Choudhury, FM (SEM); Mr. Koteswara Rao Jagannadham, AFM (SEM); Mrs. V. Swapna, AFM(SEM); Mr. Vivek Kumar, AFM (SED); Mr. N. Murali Kishore, Asst. Registrar; Mr. Mohd. Ismail, Advisor to Director; Mr. K. Pandu Ranga, A.A.; Mr. K. Sai Kiran, A.A. and General Secretary, **ni-msme** Employee's Union; Mrs. UrmilaWaghre, A.A. spoke words of appreciation about the commitment and character of the outgoing employees.

Figure 5.23: Retirement Function of Smt. K. Nagamani, Superintendent

Figure 5.24: Retirement Function of Shri. S. Venkateswarlu, Sr. Stenographer

A number of former faculty and staff of **ni-msme** also participated in the event. Mr. P. Udaya Shanker, Mr. B. Chalva Rai, Mr. L. Ashok Kumar, Mr. K.S. Krishna Mohan, Mrs. G. Girija Bai, Mrs. Sarala reminisced nostalgically about their work association with the outgoing employees while they were in service.

Towards the end, the Director (Administration & Logistics) and Director i/c felicitated the outgoing employees and presented token gifts on behalf of the Institute. All those present gave them the wishes for a healthy, contented and happy post-retirement life.

6. Swachh Bharat

6.1 Swachhata Pakhwada

In compliance with the directive of the Ministry of MSME, swachhata pakhwada was observed at **ni-msme** campus during 16-30 June 2019. A scheme of events and activities to be executed on each day of the fortnight was prepared and implemented. All members of **ni-msme** family had taken part in the scheduled activities in a spirit of dedication and missionary zeal. The details of the fortnight's agenda are discussed below.

The programme took off with an awareness workshop on Importance of Cleanliness, on the 16th. Dr. Vasudev Chaturvedi, General Secretary, Swastha Cancer Society addressed the assemblage, followed by a practical presentation.

Other activities undertaken were: cleaning the fallen leaves on the pathways and placing them in the colour coded garbage bins; segregating the plastic waste, creating social awareness on the harmful effects of plastic waste among morning walkers at a park, coordinated by Mr. Ankit Bhatnagar, AFM; collecting e-waste from different sections for proper disposal; creating compost pit for organic and kitchen waste; distributing mini hygiene kits (containing dettol, cotton, soap, tooth brush and paste, and a mini shaving kit in a re-usable pouch) to commuters at a city bus stand, railway station and nearby slums; distributing women-centric hygiene kits essentially in slums, by woman employees; plantation drive for a medicinal plant nursery, with the help of State Horticulture Department; cleaning the solar panels in the campus;

Figure 6.1: Swachhata Pakhwada

creating a nursery of medicinal plants and distributing to by-passers; pond cleaning; creative art campaign; planting different species of bamboo under the guidance of Dr. Shreekant Sharma, AFM.

An essay writing and painting competition was held for school students, Yogyata – Pratiyogita. Students of Joyce the Play School, Sri Sai Ram High School and Sri Kumar's High School, and MMCC Talent High School, Rahmat Nagar participated in the event. They were divided into five groups based on their age and the class of study. The sub-juniors were asked to colour a pre-loaded painting, using their imagination. Juniors were asked to draw and colour, while the seniors were asked to make a poster. The senior students were asked

to write an essay on Swachh Bhaarat abhiyaan. The children were accompanied by the principals and senior teachers of the respective school.

6.2 Swachh Bharat Activity

In compliance with the directive of the Ministry of MSME, Swachh Bharat activity was conducted at **ni-msme** campus on 30th September 2019. **ni-msme** family enthusiastically planted saplings, segregated & discarded wastes in their respective bins and also initiated action towards phasing out single use plastic by adopting proper plastic disposal methods.

7. Physical and Financial Performance

7.1 Financial Performance

The Institute generated an income of Rs.1,434.50 lakh through various activities during 2019-20, as against Rs.1,516.10 lakh during 2018-19. This may be attributed to the decrease in the number of entrepreneurship and skill development programmes under ATI and Non-ATI schemes during the current year over the previous year. The comparative financial performance of both the years is presented in the following table:

Table 1.5: Financial Report

(Rs. in lakhs)

Activity	2019-20			2018-19		
	Progs.	**Trainees**	**Income**	**Progs.**	**Trainees**	**Income**
1	2	3	4	2	3	4
(a) Programmes under ATI Scheme	**53**	**1590**	**240.02**	**25**	**750**	**101.08**
(b) Programmes under Non-ATI						
1. National Programmes	125	2911	564.74	208	11534	535.81
2. International Programmes	9	231	283.31	11	300	400.96
3. Seminars & Workshops	5	385	7.34	22	655	11.35
4. Research & Consultancy	1		16.42	4		166.78
5. Others			322.67			300.12
Sub Total (b) Non-ATI	**140**	**3527**	**1194.48**	**245**	**12489**	**1415.02**
Grand Total (a+b)	**193**	**5117**	**1434.50**	**270**	**13239**	**1516.10**

7.2 Physical Performance

Programmes **Participants**

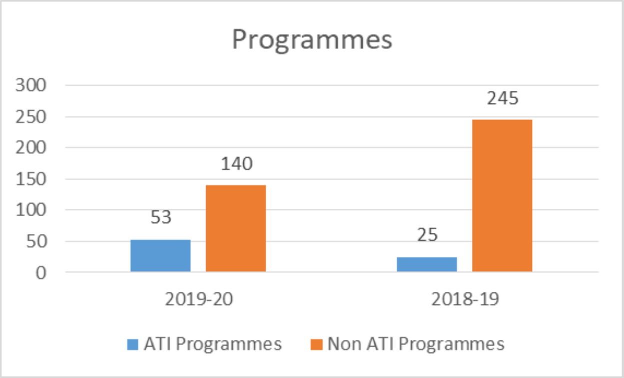

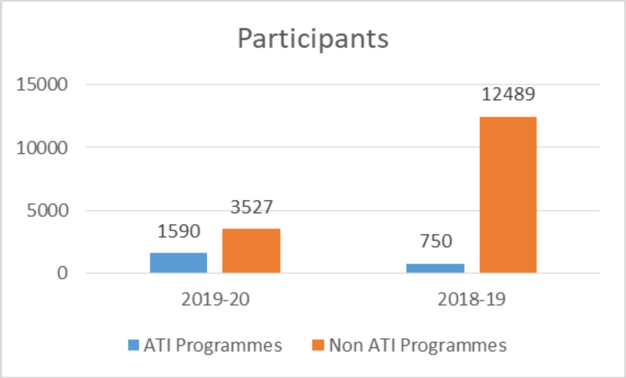

Figure 7.1: National Training Programmes and Participants

In the year 2019-20, the total number of training programmes conducted was 193 and the participants were 5,117 as compared to 270 programmes and 13,239 participants during 2018-19. The decrease in the number of programmes and participants over the previous year was mainly due to less number of programmes under ATI scheme of the Ministry during 2019-20.

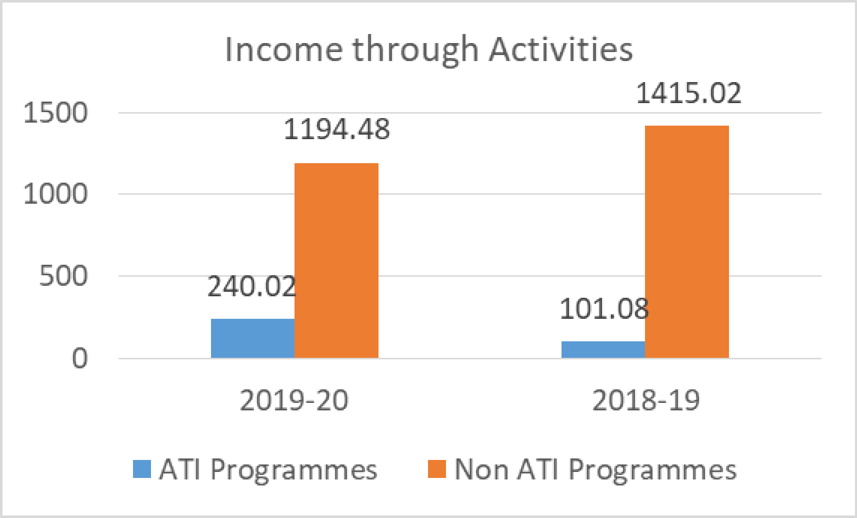

Figure 7.2: Income through different programmes

8. Citizens' Charter & RTI Act

8.1 ni-msme Charter

As specified in the Result Framework Document (RFD), Sevottam Compliant Citizens' Charter, a Sevottam Compliant Grievance Redress Mechanism is mandatory. Accordingly, a Citizens' Charter has been adopted for the Institute and the same can be viewed at the Institute's website.

The objectives of the Institute are to conduct training programmes or seminars and workshops for national and international executives, for employees of all MSME service providers. It undertakes and executes research and consultancy projects for the development and promotion of enterprises, offers skill-based training programmes for youth and also provides information relating to MSME to citizens and clients.

8.2 Right to Information Act

For information under the Right to Information (RTI) Act, 2005, citizens may approach the Public Information Officer (RTI) located in the New Training Building (Ground Floor: Assistant Registrar's Office), **ni-msme**, Yousufguda, Hyderabad-500 045 on any working day. During the year 2019-20, the Institute received nine applications. Out of them, eight were disposed and Three Applies received, out of them, three were disposed duly furnishing replies, as on 31st March 2020.

8.3 Members of the Governing Council

Table 1.6: Members of the Governing Council

S.No.	Name	Address	Designation
1.	Shri Nitin Gadkari	Hon'ble Minister of State Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan, New Delhi -110011	Chairman (ex-officio)
2.	Shri A.K. Sharma, IAS	Secretary to the Govt. of India Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110 011	Vice-Chairman (ex-officio)
3.	Shri Devendra Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India, Nirman Bhavan, Moulana Azad Road, New Delhi -110 011	Ex-officio Member
4.	Shri Vijoy Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Financial Adviser, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110011	Ex-officio Member
5.	Smt. Alka Nangia Arora, IDAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110011	Ex-officio Member
6.	Shri Sudhir Garg, IRSEE	Joint Secretary (Agro & Rural Industries) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi -110011	Ex-officio Member

7.	Chairman	Coir Board Coir House M.G. Road, Ernakulam Kochi-682016, Kerala	Ex-officio Member
8.	Chairman and Managing Director	Small Industries Development Bank of India (SIDBI), MSME Development Centre, C-11, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai- 400051 Maharashtra	Ex-officio Member
9.	Chief Executive Officer	Khadi & Village Industries Commission, Gramodaya, 3 IRLA Road Vile Parle (West) Mumbai - 400056	Ex-officio Member
10.	Chairman and Managing Director	National Small Industries Corporation (NSIC) NSIC Bhawan, Okhla Industrial Estate New Delhi-110020	Ex-officio Member
11.	Director	Entrepreneurship Development Institute of India (Via Ahmedabad Airport & Indira Bridge) P.O. Bhat-382428, Gujarat	Ex-officio Member
12.	Principal Secretary	Ministry of Industries & Commerce (FP&MSME), Govt. of Telangana, Secretariat, Hyderabad-50002	Nominated Member (Tenure Completed)
13	Chief General Manager	State Bank of India, Local Head Office, Hyderabad-500 095	Nominated Member
14	Ms. Sushma Morthania	Director General, India SME FORUM, 404, Durga Chambers, Veera Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri West, Mumbai-400053	Nominated Member (Tenure Completed)

15	Shri V. Sundaram	President Coimbatore District Small Industries Association (CODISSA), G.D. Naidu Towers, Post Box No.3827 Huzur Road, Coimbatore-641 018 Tamil Nadu	Nominated Member (Tenure Completed)
16	Dr. W.R. Reddy	Director General, National Institute of Rural Development & Panchayatraj Rajendra Nagar Hyderabad Telangana	Nominated Member (Tenure Completed)
17		Vacant	Nominated Member
18		Vacant	Nominated Member
19		Vacant	Nominated Member
20		Vacant	Nominated Member
21	Ms. S. Glory Swarupa	Director General National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises, Yousufguda, Hyderabad-500 045	Member Secretary

8.4 Members of the Executive Council

Table 1.7: Members of Executive Committee

1.	Shri A.K. Sharma, IAS	Secretary to the Govt. of India, Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110011	Chairman
2.	Shri Devendra Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Development Commissioner (MSME), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Govt. of India Nirman Bhavan Moulana Azad Road New Delhi-110011	Vice Chairman
3.	Shri Vijoy Kumar Singh, IAS	Additional Secretary & Financial Adviser Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110011	Member
4.	Smt. Alka N. Arora, IDAS	Joint Secretary (SME) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110 011	Member
5.	Shri Sudhir Garg, IRSEE	Joint Secretary (Agro & Rural Industries) Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises Govt. of India Udyog Bhavan New Delhi-110011	Member
6.	Shri N. Ravi Kumar	President DICCI Andhra Pradesh Chapter, State Office: 5-9-12/1, 4th Floor, Office Block Samrat Complex, Saifabad, Hyderabad-500004	Nominated Member (Tenure Completed)
7		Vacant	Nominated Member

8	Shri Shakti Vinay Shulkla	Director Fragrance and Flavour Development Centre (FFDC), GT Road, Makrand Nagar Kannauj-209725, UP	Nominated Member (Tenure Completed)
9.	Ms. S. Glory Swarupa	Director General National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (**ni-msme**), Yousufguda, Hyderabad-500045	Member Secretary

Annexure - III

The addresses of Nodal Officer for grievances and Public Information Officer for soliciting information.

For redressing grievances:
Faculty Member (SEM) & Admin i/c
ni-msme, Yousufguda
Hyderabad 500 045
Tel No: 040-23608544/Extn.203
Fax No: 040-23608547
Website:www.nimsme.org
E-mail:cao@nimsme.org

Information and FacilitationCounters
Ground floor of SENDOC building, **ni-msme**
Tel No: 040-23608544 Extn. 235
Ground floor of New Training Building, **ni-msme**
Tel No: 040-23608544 Extn.217/260
F' Block (Ground floor), Guest Rooms Complex **ni-msme**
Tel No: 040-23608544 Extn.270/280
Right to Information Act, 2005
Ground Floor, New Training Building, **ni-msme**
Tel No: 040-23633260

Address of Public Information Officer
Faculty Member (SEM) & Admin i/c
ni-msme, Yousufguda, Hyderabad-500045
Tel no.040-23633258,23633203
Fax no.040-23608547

Address of First Appellate Authority
Director (Academics)
ni-msme, Yousufguda
Hyderabad 500 045
Tel No: 040-23608544/Extn.203
Fax No: 040-23608547
Website:www.ni-msme.org
E-mail:cao@nimsme.org

Annexure - IV

Retirement from service			
Sl. No.	**Name of employee**	**Designation**	**Date of Retirement**
1	Smt. S. Rama Devi	Superintendent	30.04.2019
2	Shri G. Veeraiah	Multi Task Attender	31.05.2019
3	Shri S. Venkateswarlu	Senior Stenographer	30.06.2019
4	Smt. K. Nagamani	Superintendent	30.06.2019
5	Shri G. Ramchander	Multi Task Attender	31.01.2020

Recuitment against posts during 2019-20			
Sl. No.	**Name of the officer**	**Name of the post**	**Date of Joining**
1.	Smt. S. Glory Swarupa	Director General	18.03.2020

ni-msme's Global Alumni

Sr.	Country	Total
Sr. No	**Country**	**Total**
1.	Afghanistan	575
2.	Algeria	16
3.	Antigua and Barbuda	13
4.	Angola	04
5.	Argentina	02
6.	Armenia	24
7.	Azerbaijan	07
8.	Bangladesh	553
9.	Barbados	12
10.	Belarus	05
11.	Belize	10
12.	Benin	08
13.	Bhutan	193
14.	Bolivia	03
15.	Botswana	58
16.	Brazil	08
17.	Brunei	05
18.	Bulgaria	03
19.	Burkina Faso	12
20.	Burundi	10
21.	Cambodia	114
22.	Cameroon	20
23.	Cape Verde	02
24.	Chile	14
25.	China	02
26.	Colombia	09
27.	Comoros	03
28.	Costa Rica	21
29.	Cote D'Ivoire (Ivory Cost)	68
30.	Croatia	02
31.	Cuba	23
32.	Czech, Republic	02
33.	Democratic Republic of Congo (Zaire)	45

Sr.	Country	Total
Sr. No	**Country**	**Total**
34.	Djibouti	02
35.	Dominica	02
36	Dominican Republic	01
37	Ecuador	16
38	Egypt, Arab Rep. of	148
39.	El Salvador	20
40.	Eritrea	34
41.	Estonia	04
42.	Ethiopia	293
43.	Fiji	61
44.	Gabon	02
45.	Gambia, The	34
46	Georgia	14
47	Ghana	442
48.	Greece	01
49.	Guatemala	12
50.	Guinea	13
51.	Guinea Bissau	02
52.	Guyana	65
53.	Haiti	02
54.	Honduras	14
55.	India	03
56.	Indonesia	178
57.	Iran, Islamic Rep. of	63
58.	Iraq	213
59.	Jamaica	05
60.	Japan	01
61.	Jordan	85
62.	Kazakhstan	140
63.	Kenya	230
64.	Kiribati, Rep. of	11
65.	Korea	28
66.	Kyrgyzstan	57
67.	Lao PDR	77
68	Lebanon	03
69.	Lesotho	31
70.	Liberia	42

No		
71.	Libya	04
72.	Lithuania	17
73.	Macedonia	04
74.	Madagascar	69
75	Malawi	158
76.	Malaysia	214
77	Maldives	79
78.	Mali	42
79	Malta	05
80.	Mauritius	239
81.	Mexico	22
82.	Mongolia	76
83.	Morocco	22
84.	Mozambique	17
85.	Myanmar	349
86.	Namibia	35
87.	Nepal	173
88.	Nicaragua	10
89.	Niger	73
90.	Nigeria	343
91.	Oman	106
92.	Pakistan	04
93.	Palestine	25
94.	Panama	11
95.	Papua New Guinea	47
96.	Paraguay	04
97.	Peru	11
98.	Philippines, The	251
99.	Poland	04
100.	Romania	03
101.	Russia	95
102.	Rwanda	12
103.	Samoa	12
104.	Saudi Arabia	02
105.	Senegal	36
106.	Seychelles	17
107	Sierra Leone	118
108	Singapore	05

No		
109.	Solomon Islands	25
110.	Somalia	13
111.	South Africa	104
112	South Sudan	20
113.	Sri Lanka	666
114.	St. Kitts & Nevis (WI)	02
115.	St. Lucia (WI)	09
116.	St. Vincent (WI)	04
117.	Sudan	362
118.	Suriname	23
119.	Swaziland	26
120.	Syrian Arab Rep.	154
121.	Tajikistan	105
122.	Tanzania	386
123.	Thailand	170
124.	Tibet	16
125.	Timor Leste	03
126.	Togo	17
127.	Tonga	07
128.	Trinidad & Tobago	28
129.	Tunisia	33
130.	Turkey	20
131.	Turkmenistan	12
132.	Tuvalu	01
133.	Uganda	378
134.	United Arab Emirates	01
135.	Ukraine	06
136.	USA	15
137.	Uzbekistan	155
138.	Vanuatu	02
139.	Venezuela	05
140.	Vietnam	136
141.	Yemen	131
142.	Zambia	227
143	Zimbabwe	217
	Total	**10388**

Major Milestones

1964	Conducted a Pioneering Research Study in Achievement Motivation in association with Prof. David McClelland when conducting the Kakinada Experiment
1967	First International Training Programme in Small and Medium-Sized Enterprises (SME) Development
1971	Established an Information Centre, the Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC)
1974	Assisted the Tanzanian Government in establishing Small Industries Development Organization (SIDO)
1979	Established a Branch Regional Centre at Guwahati
2001	Techno-economic feasibility studies in Textiles and Handicrafts Sector of Arunachal Pradesh
2002	Achieved self–sufficiency
2003	Study on identification of projects for specific resource base in North Eastern RegionVision document for empowering women in Mauritius
2004	Project profiles on SMEs for Mauritius
2000-07	B2B Transactions with Uganda, Namibia, South Africa, Bhutan, Nigeria, Sudan, Cameroon and Ghana
2004-07	Hand-holding, monitoring, implementation of MSME Clusters
2006-08	International programmes for Bank of Ghana
	Hand-holding of Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Handlooms, Handicrafts Clusters
2008	National workshop on MSME Cluster Development conducted in New Delhi
	Outreach programme for African women executives as a fore-runner to the India-Africa Forum Summit
2008-15	Evaluation study of ongoing schemes of NBCFDC in different States
2008-09	International programmes for Bangladesh Small & Cottage Industries Corporation (BSCIC)
2009-10	Establishment of Intellectual Property Rights Facilitation Centre(IPFC)
	Programmes under ATI Scheme of the Ministry of MSME
	Execution of research studies sponsored by the MHUPA,GoI
2010-11	Establishment of Resource Centre for Traditional Paintings in Handicrafts
2012-13	Skill Up-gradation Training Programmes for Registered Building & Other Construction Workers
	International Training Programmes on Food Processing for Africans under India-Africa Forum Summit
2013-14	NIFTEM Programmes
	Celebrated Golden Jubilee
	Evaluation of the Scheme “Export Promotion (Training Programmes on Packaging for Exports)” sponsored by the DC-MSME
	Entrepreneurship Training for Retiring Soldiers (Defence Personnel) and

2015-16	Resettlement Training on Supply Chain Management (SCM) for JCOs/OR (at AOC Centre, Hyderabad)
	Entrepreneurship/Career Oriented Training on Solar Energy
	Capacity Building of Women Entrepreneurs/Farmers of Bangladesh in Floriculture
	Training of Trainers on Non-Tariff Barriers (NTB) and Non-Tariff Measures (NTM) Environment in SAARC countries at Colombo (Srilanka), Dhaka (Bangladesh) and Bhutan (Nepal)
2016-17	Established Livelihood Business Incubation (LBI)
	Established GST (Goods & Services Tax) Cell
2017-18	Established Post Graduation Diploma in Entrepreneurship and Enterprise Development (PG-DEED) Cell
	Established Entrepreneurship Development (ED)Cell
	Training for SC/ST candidates
2018-19	A flagship long term Post Graduate Diploma in Entrepreneurship and Enterprise Development (PG-DEED)
	Residential Training Programme for educated SC Youth Sponsored by Telangana Schedule Castes Co-operative Development Corporation Ltd. (TSCCDCL) Govt. of Telangana
	ni-msme has successfully intervened and developed nearly 125 clusters
	First time applied for a Patent named “Disha” on finding Vocational Interests for the underprivileged youth.
2019-20	Collabaration with Danish Consortium for Academic Craftsmanship (DCAC)
	MoU with Central Institute of Plastics Engineering & Technology (CIPET)
	Stragic tie-up with Premier Institutions viz IIM, Trichy, IIFT, Kolkata
	Natonal Cash Transfer Office (NCTO) Federal Government of Nigeria, Training and Intervention for the Government Officials under the funding of Save the Children International

Financial Report

M.V.NARAYANA REDDY & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS

19-20

✆ : 040-2374 3975
040-2374 4448

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of
National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

Report on the Audit of Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying financial statements of **National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises (NI-MSME) ("the Institution")**, which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2020, and the Statement of Income & Expenditure and Receipts & Payments for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of the significant accounting policies and other explanatory information (herein after referred to as "Financial Statements").

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

a. in case of Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2020

b. in case of Income and Expenditure Statement, of Excess of expenditure over income for the year ended on that date.

c. in case of Receipts and payments Statement, of the receipts and payments for the year ended on that date.

Basis of Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Institute in accordance with the Code of Ethics issued by the ICAI together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Institution's Management is responsible with respect to the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and financial performance of the Institute in accordance with the Accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI. This responsibility also includes the maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Institute and for preventing and detecting the frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgment and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the entity's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Flat No. 504, Vijaya Sree Apartments, D.No. 8-3-941, Ameerpet, Hyderabad-500 073.
E-mail : reddymv_ca@yahoo.com

Those charged with governance are responsible for overseeing the entity's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the entity's internal controls.

Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Institute's ability to continue as a going concern.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We further report that:

a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

b. In our opinion, proper books of account as required by act have been kept by the Institution so far as it appears from our examination of those books;

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

M.V.NARAYANA REDDY & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
✆ : 040-2374 3975
040-2374 4448

c. The Balance Sheet, and the Statement of Income & Expenditure and Receipts & Payments dealt with by this Report are in agreement with the books of account;

d. In our opinion, the aforesaid financial statements comply with the Accounting Standards.

For **M V Narayana Reddy & Co.,**
Chartered Accountants
Firm Registration No: 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS FR No. 002370S HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No:218248

UDIN: 20218248AAAAFP1282

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2020

(Amount in Rs)

DESCRIPTION	Schedule	2019-20	2018-19
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES:			
Corpus / Capital Fund	1	42,35,61,217	44,65,97,992
Reserves And Surplus	2	7,84,62,077	4,11,52,139
Earmarked / Endowment Funds	3	23,33,14,905	8,85,29,398
Current Liabilities And Provisions	4	10,80,27,632	9,67,69,653
TOTAL		**84,33,65,831**	**67,30,49,182**
ASSETS:			
Fixed Assets	5	7,88,87,144	8,37,83,697
Cash & Bank Balances	6	58,37,16,639	42,08,48,115
Current-Assets, Loans, Advances	7	18,07,62,048	16,84,17,370
TOTAL		**84,33,65,831**	**67,30,49,182**
Significant Accounting Policies	16		
Notes to Accounts	17		

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterpries

S. Glory Swarupa
Director General

Dr. K. Visweswara Reddy
FM(SEM)&Admin Incharge

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2020

(Amount in Rs)

DESCRIPTION	Schedule	2019-20	2018-19
(A) INCOME			
Grants / Subsidies	8	5,62,82,680	4,99,88,093
Fees / Subscriptions	9	5,57,14,245	7,02,77,154
Income from Infrastructure facilities	10	35,26,384	38,87,258
Interest Earned	11	2,56,82,576	2,45,98,128
Other Income	12	22,44,155	28,59,748
Total (A)		**14,34,50,039**	**15,16,10,381**
(B) EXPENDITURE			
Programs and Project costs	13	3,06,61,448	5,20,24,505
Establishment Costs	14	6,78,74,563	5,84,54,390
Administrative Costs	15	6,21,14,409	5,02,76,728
Depreciation		58,36,394	61,65,123
Total (B)		**16,64,86,814**	**16,69,20,746**
Net income/ (Expenditure)		(2,30,36,775)	(1,53,10,365)
Transfer to Unutilized Grant		-	-
Transfer to Capital Fund		(2,30,36,775)	(1,53,10,365)
Significant Accounting Policies	16		
Notes to Accounts	17		

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

Subba Rami Reddy

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterpries

S. Glory Swarupa
Director General

Dr. K. Visweswara Reddy
FM(SEM)&Admin Incharge

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 2020

RECEIPTS	(Amount - Rs.) 2019-20	(Amount - Rs.) 2018-19	PAYMENTS	(Amount - Rs.) 2019-20	(Amount - Rs.) 2018-19
I. OPENING BALANCES			**I. EXPENSES**		
(a) Cash in hand	76,449	34,713	**(a) Establishment Expenses:**		
(b) Bank balances:			(i) Pay and allowances	2,96,58,436	3,14,24,789
(1) SBI, Yellareddyguda	27,976	28,626	(ii) Contribution to EPF	-	1,60,463
(2) Andhra Bank	1,19,17,506	1,09,32,845	(iii) EL encashment in service	29,16,769	37,84,716
(3) Andhra Bank, S.R.Nagar	13,48,292	5,63,408	(iv) Allowances and Bonus	-	3,17,768
(4) SBI, Balkampet	75,48,203	1,92,81,706	(v) Staff welfare	81,900	90,000
(5) IDBI, Jubilee Hills	1,59,322	11,17,599	(vi) Medical Reimbursement	3,73,200	5,46,736
(6) Dena Bank	8,83,845	9,24,798	(vii) LTC	-	54,008
Total I (b)	**2,18,85,144**	**3,28,48,982**	(viii) Death-cum-Retirement Gratuity	48,44,548	57,64,919
			(ix) Tuition fee Reimbursement		2,74,030
(c) In Savings accounts:			**Total I(a)**	**3,78,74,853**	**4,24,17,429**
(1) SBI, Yellareddyguda	2,82,966	2,54,760			
(2) SBI, Balkampet	1,15,445	37,91,148	**(b) Administrative Expenses:**		
(3) Andhra Bank (IGNOU)	11,464	11,071	(i) Travelling expenses	1,09,746	3,65,360
(4) Andhra Bank (RBF)	13,50,310	22,95,227	(ii) EC/GC/Society meeting expenses	3,770	1,44,679
(5) HDFC Bank	2,65,660	-	(iii) Audit Fees (including internal audit)	2,26,800	1,62,440
(6) INDIAN Bank	67,500	-	(iv) Advertisement & Publicity	27,153	57,949
(7) YES Bank	5,08,149	-	(v) Professional Charges	2,000	2,02,000
Total I (c)	**26,01,493**	**63,52,206**	(vi) Repairs and Maintenance	4,43,490	54,05,881
			(vii) ISO certificate charges	1,24,933	2,55,130
Total I	**2,45,63,086**	**3,92,35,901**	(viii) Legal Expenses	-	2,30,000
			(ix) Office expenses and stationery	18,37,471	12,20,580
II. GRANTS RECEIVED			(x) Bank charges	57,610	34,848
(a) From Government of India:			(xi) Parliamentary committee meeting exp	-	3,07,538
1.M/o.MSME for ToTs/EDPs/ESDPs	-	48,18,603	(xii) Expenditure pertaining to previous year	14,193	40,750
2.Govt of Karnataka	-	13,38,120	(xiii) Rent, Rates & Taxes	66,39,128	10,97,554
3.Deptt.of Science & Technology	18,00,000	39,00,000	(xiv) SME UNIVERSITY DPR&OTHER EXP	-	6,48,000
4.Grant from Andhra Bank	-	12,000	(Xv) Implementation of Official Language (Hindi)	38,199	71,019
5.M/o.MSME (SFURTI)	14,56,85,507	1,61,27,700	**Total I(b)**	**95,24,493**	**1,02,43,729**
6. NSFDC	-	1,18,000			

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

7. Grant from ATI Buildings	2,00,00,000	-	(c) Activity Expenses:		
8.Grant From M/o.MSME for Infrastructure	1,83,67,800	-	(i) National Announced Programs	6,62,489	7,68,728
9.Grant From MEA	2,90,80,910		(ii) National Sponsored Programs	5,05,009	30,34,748
Total II(a)	**21,49,34,217**	**2,63,14,423**	(iii) International Programs	1,14,08,640	1,56,73,085
			(iv) Seminar and Workshops	61,400	1,36,352
(b) From State Governments:			(v) Research & Consultancy Projects	8,01,392	8,61,809
1.GOVT OF MEGHALAYA	-	24,780	(vi) British council division membership fee	-	8,500
2.Setwin ,Govt of Telangana	-	1,81,695	(vii) APEX Programme under ATI	32,745	-
Total II(b)	-	**2,06,475**			
Total II	**21,49,34,217**	**2,65,20,898**	**Total I(c)**	**1,34,71,675**	**2,04,83,222**
III. INTEREST RECEIVED			(d) Comon Essential Services:		
(a) On Bank Accounts	-	2,14,13,228	(i) Business development expenses	1,00,216	13,53,136
(i) FD withdrawn	19,58,00,233	26,00,000	(ii) Photo and video charges	1,93,719	2,69,000
(ii) Interest On FD's	1,59,64,530	1,83,78,353	(iii) Postage and telegrams	50,330	1,31,934
(iii) Interest on savings a/c	2,12,463	4,34,875	(iv) Electricity charges	32,40,127	52,83,841
Total III	**21,19,77,226**	**2,14,13,228**	(v) Water charges	12,14,447	40,30,478
			(vi) House keeping expenses	14,99,465	14,67,838
IV. OTHER INCOME			(vii) DCAC expenses	13,563	-
(a) From Activities:			(viii) Printing and binding charges	11,800	3,76,880
(i) National Announced Programs	-	79,465	(ix) SENDOC expenses	-	32,302
(ii) National Sponsored Programs	-	9,13,178	(x) CCIT expenses	4,66,027	3,75,895
(iii) Seminars and Workshops	-	31,380	(xi) Membership with others	-	80,624
(iv) Research/Consultancy Projects	-	10,170	(xii) Telephones & Entertainment	44,033	5,37,335
(v) Collaborative Programs	-	1,27,48,964	(xiii) Vehicles hire charges	5,322	44,770
(vi) Application fee for PGDEED	6,018	45,510	(xiv) NSIC - TCS	-	**4,62,720**
(vii) Grant DCMSME	17,00,000	-	**Total I(d)**	**68,39,050**	**1,44,46,753**
(viii) IPFC MEMBERSHP	2,74,620	2,08,816	**TOTAL I**	**6,77,10,071**	**8,75,91,133**
Total IV (a)	**19,80,638**	**1,40,37,483**			
(b) Others			III.EXPENDITURE ON FIXED ASSETS AND		
(i) Library Membership Fee	-	7,35,731	CAPITAL WORKS-IN-PROGRESS		
(ii) Subscription/sale of publications	-	43,528	Purchase of Fixed Assets:		
(iii) Infrastructure services	-	2,38,668	(i) Furniture	-	1,86,013
(iv) Misc Income	1,68,783	77,405	(ii) Equipment	2,27,087	17,38,800
(v) Interest on Income Tax refund	10,69,502	-	(iii) Printers	-	10,763
(vi) TDS deducted from fee	52,57,748		(iv) UOS - Servers &Books	-	33,935
(vii) Others - Debtors	6,61,51,597	5,13,55,311	(v) AIRCONDITIONERS	73,438	
(viii) Accrued Interest	-	30,66,739	(vi) TENNIS COURT	-	20,000
			(vii) M - DFF I FLOOR	-	5,54,521

Total IV (b)	**7,26,47,630**	**5,55,17,382**	(viii) M - DINING HALLS	-	50,000
(c) Other receivables			(ix)M-BUILDING	-	26,212
(i) NIFTEM	-	-	(x) M - STAFF QUARTERS	-	8,200
(ii) M/o. MEA		3,83,34,992	(xi) NETWORKING	-	58,147
(iii) M/o. Minority Affairs(MANAS)		-	**Total III**	**3,00,525**	**26,86,591**
(iv) CED		71,980	IV. OTHER PAYMENTS		
(v)NMDC		6,02,640	(1) Outstanding expenses	10,21,501	1,000
(vi) DC (Handlooms)		2,00,000	(2) Deposits (Participation in Tenders)	-	10,000
(vii) NIPPER		2,124	(3) Loans and Advances given to Staff:		
	-	**3,92,11,736**	(i) Advance (Medical)	71,219	1,53,345
(i) Group Insurance		2,82,993	(ii) Tour advance	6,55,593	5,18,395
Total IV(c)	-	**3,94,94,729**	(iii) Temporary Advance	18,23,017	22,52,452
			(iv) Program's Advance	12,57,644	28,15,405
Total IV	**7,46,28,268**	**10,90,49,594**	(v) Study Tour Advance	7,40,828	60,11,364
			(4) IP Fellowship allowances	-	-
V. OTHER RECEIPTS			(5) LTC Advance	-	1,35,126
(a) Loans and Advances recovered from Staff:			(6)Land scaping Payable	24,70,530	-
			(7) Payment to Creditors	3,12,06,138	3,23,98,138
(i) Study Tour advance	25,513	98,188	(8) TDS deducted from fee	10,11,438	6,95,480
(ii) Temporary advance	99,758	2,61,562	(9) Insurance	24,780	29,795
(iii) Tour advance	22,539	63,768	(10) EMD/Security Deposits	11,54,178	8,80,118
(iv) Program Advances	98,368	1,77,161	(11) DA arrears Payable	3,22,114	2,44,512
(v) EPFO Loan recoveries	2,82,129	-	(12) Consultants Remuneration Payable	1,27,75,019	1,17,44,477
			(13) TDS on Consultants & Vendors	11,46,804	3,73,108
(b) Sundry creditors:	81,513	-	(14) Income Tax on Consultants	8,59,550	9,98,189
(c) Staff deductions			(15) Stale cheques	-	3,000
(i) CPF of NISIET Trust	4,48,73,809	-	(16) GST	-	11,46,414
(ii) Group Insurance	3,78,168	-	(17) GST Late Fee	61,360	1,500
(d) Others:		-	(18) Electricity Charges Payables	-	9,15,180
(i) Deposits		1,10,000	(19)Duties & Taxes	89,62,728	38,42,210
(ii) LTC Advance		49,617	(20)Staff Deductions	6,18,50,819	1,71,15,334
(iii) House keeping payable	39,936	-	(21)Pre-Paid Insurance	49,559	1,58,177
(iv) Rent from Coir Board & Micro Mall	42,000	67,626	(22) Water Charges Payables	-	4,11,000
(v) EMD/Security deposit	1,35,000	6,20,000	(23) EPFO Loan recoveries	15,99,428	-
(vi) Fee Received in Advance/adjustable		-	(24) Fixed Deposit investments	24,80,14,336	-
(vii) Current Liabilities		4,000	**TOTAL IV**	**37,70,78,583**	**8,28,53,719**
(viii) Interest on HBA Recoverable		22,987			
TOTAL V	**4,60,78,733**	**14,74,909**	**V. CAPITAL GRANTS**		
			1. Capital Grant	10,57,862	-
			TOTAL V	**10,57,862**	-

			VI. CLOSING BALANCES		
			(a) Cash in hand	23,851	76,449
			(b) Bank balances:		
			(1) SBI, Yellareddyguda	27,031	27,977
			(2) Andhra Bank	7,67,73,249	1,19,17,506
			(3) Andhra Bank, S.R.Nagar	53,505	13,48,292
			(4) SBI, Balkampet	44,49,535	75,48,203
			(5) IDBI, Jubilee Hills	7,19,535	1,59,322
			(6) Dena Bank	3,50,343	8,83,845
			(c) In Savings accounts:		-
			(1) SBI, Yellareddyguda	12,97,387	2,82,965
			(2) SBI, Balkampet	3,83,27,504	1,15,446
			(3) Andhra Bank (IGNOU)	11,464	11,464
			(4) Andhra Bank (RBF)	11,57,108	13,50,310
			(5) HDFC Bank	2,75,082	2,65,660
			(6) INDIAN Bank	20,29,500	67,500
			(7) YES Bank	5,39,396	5,08,149
			TOTAL VI	**12,60,34,489**	**2,45,63,088**
TOTAL	**57,21,81,529**	**19,76,94,530**	**TOTAL**	**57,21,81,529**	**19,76,94,530**

As per our report of even date attached

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

For and on behalf of National Institute of Micro, Small and Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

Dr. K. Visweswara Reddy
FM(SEM)&Admin Incharge

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2020

Schedule 1 - Corpus / Capital Fund: (Amount in Rs.)

Particulars	2019-20		2018-19	
Balance as at the beginning of the year	44,65,97,992		41,04,07,657	
Add: Transfer from Special Reserve	-		-	
Add: Transfer from Unpsent Grant (SFURTI)	-		5,15,00,700	
Add: Transfer from General Reserve	-		-	
Less: Current Year Loss	(2,30,36,775)		(1,53,10,365)	
Balance as at the year - End		**42,35,61,217**		**44,65,97,992**

Schedule 2(A) - Reserves And Surplus:

Particulars	2019-20		2018-19	
1. Capital Reserve (Grant-Land)	92,92,139		92,92,139	
Add:LBI Plant & Machinery	-		-	
		92,92,139		**92,92,139**
2. Special Reserves:	-		-	
Less: Transfer to Capital Fund	-		-	
		-		-
3. General Reserve:	-		-	
Add: Net Surplus for the year	-		-	
Total	-		-	
Less: Transfer to Capital Fund	-	-	-	-
Total - 2(A)		**92,92,139**		**92,92,139**

Schedule 2(B) - Capital Grants:

Particulars	2019-20		2018-19	
M/o MSME, Infrastructure	3,18,60,000		3,18,60,000	
Less: Amount paid to Bharath Kosh	(10,57,862)			
Add: Grant From ATI Buildings	3,83,67,800			
Total - 2(B)		6,91,69,938		3,18,60,000
Total - 2		**7,84,62,077**		**4,11,52,139**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Schedule 3- Earmarked/Endowment Funds:

Particulars	2019-20		2018-19	
Unutilised Grants				
Govt. of AP for Herbal Nursery	4,42,448		4,42,448	
DST for Faculty Development programs	1,75,000		1,75,000	
M/o MSME (SFURTI)	20,70,47,457		6,22,61,950	
M/o Minority Affairs (MANAS)	2,56,50,000		2,56,50,000	
Total		**23,33,14,905**		**8,85,29,398**

Schedule 4 - Current Liabilities And Provisions:

Particulars	2019-20		2018-19	
A. Current Liabilities				
Other current liabilities	6,85,67,234		5,39,04,209	
Total (A)		**6,85,67,234**		5,39,04,209
B. Provisions:				
1. Gratuity opening balance	2,00,09,669		2,20,50,231	
Add: Provision for the year	49,12,045		37,24,357	
Less: paid to RBFC	49,12,046	2,00,09,669	57,64,919	2,00,09,669
2. Earned Leave Encasement Opening Balance	1,31,62,944		1,55,75,268	
Add: Provision for the year	29,28,933		13,72,392	
Less: paid to RBFC	29,28,933	1,31,62,944	37,84,716	1,31,62,944
3. Othe Provisions	47,96,019	47,96,019	46,45,328	46,45,328
Duties & Taxes				
Output CGST	14,932		13,39,248	
Output IGST	18,39,908		26,79,660	
Output SGST	(3,63,073)	14,91,767	10,28,596	50,47,503
Total B		**3,94,60,399**		4,28,65,445
Total (A+B)		**10,80,27,632**		**9,67,69,653**

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
F.R.No. 002370S
HYDERABAD

Schedule 6 - Cash And Cash Equivalents:

Particulars	2019-20		2018-19	
A. Fixed Deposits	45,76,82,149	**45,76,82,149**	39,62,85,028	**39,62,85,028**
B. Bank Balances				
Current Accounts:	8,55,59,806		2,33,02,954	
Savings Accounts:	4,04,50,833		11,83,685	
Total B		**12,60,10,639**		**2,44,86,639**
C. Cash Balances	23,851	**23,851**	76,449	**76,449**
Total (A+B+C)		**58,37,16,639**		**42,08,48,115**

Schedule 7 - Current Assets -Loans And Advances:

Particulars	2019-20		2018-19	
A. Sundry Debtors (Others)	4,52,76,441	**4,52,76,441**	2,71,06,847	**2,71,06,847**
B. Grant Receivables	9,78,93,554	**9,78,93,554**	9,86,64,282	**9,86,64,282**
C. Loans/Advances And Other Assets				
1. Loans				
Conveyance Advances	-		-	
LTC Advances	31,317		27,411	
Festival Advances	12,150		12,150	
		43,467		**39,561**
2. Advances				
Program Advances	6,92,985		6,85,209	
Study Tour Advances	2,01,399		39,774	
Temporary Advances	5,21,573		7,58,760	
Tour Advances	2,75,141		3,52,514	
EPF Loans	3,27,291		-	
		20,18,389		**18,36,257**
3. Deposits				
Deposit with Service tax Tribunal	1,78,90,911		1,78,90,911	
Deposit for Court Appeals	3,18,525		3,18,525	
Deposit (for Tenders)	6,10,000		6,10,000	
AP Transco	6,52,235		6,52,235	
Telephones	43,481		43,481	
Water works	33,186		33,186	
		1,95,48,338		**1,95,48,338**

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
F.R.No. 002370S
HYDERABAD

4. Accured Interest				
i) on Investments	2,34,522		18,16,024	
ii) others	-	**2,34,522**	-	**18,16,024**
5. Others				
TDS Receivable	1,56,66,831	**1,56,66,831**	1,92,40,178	**1,92,40,178**
TDS Receivable On GST	30,948	**30,948**	7,705	7,705
6. Prepaid Expenditure				
Insurance	49,559	**49,559**	1,58,177	**1,58,177**
Total		**18,07,62,048**		**16,84,17,370**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR YEAR ENDED 31.03.2020

Schedule 8 - Grants/Subsidies:

Particulars	2019-20		2018-19	
(Irrevocable Grants & Subsides Received)				
1) Central Government	5,62,82,680		4,96,76,398	
2) State Government (s)	-		-	
4) Government Agencies/Ministry/Depts., State Depts..	-		3,11,695	
Total		5,62,82,680		4,99,88,093

Schedule 9 - Fees/Subscriptions:

Particulars	2019-20		2018-19	
Annual Fee /Subscriptions	6,64,966		7,35,631	
National Announced Programs	30,30,386		33,07,735	
National Sponsored programs	3,69,48,232		3,81,55,443	
Collaborative programs	1,25,45,517		1,74,11,583	
Seminar and Workshops	7,33,881		1,01,37,503	
IPFC Membership & Filling Fee	1,42,880		2,89,206	
Application fee For PG Deed	6,183		38,698	
ODOP Consultant project	16,42,200			
Fee International Announced	-		2,01,355	
Total		5,57,14,245		7,02,77,154

Schedule 10 - Infrastructure Facilities:

Particulars	2019-20		2018-19	
Boarding & Lording Receipt	35,26,384		38,87,258	
Total		35,26,384		38,87,258

Schedule 11 - Interest Earned:

Particulars	2019-20		2018-19	
1) On Deposits with scheduled Banks:				
a) Term deposits	2,54,77,651		2,41,63,253	
b) Savings Account	2,04,925		4,34,875	
Total		2,56,82,576		2,45,98,128

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Schedule 12 - Other Income:

Particulars	2019-20		2018-19	
License Fee	62,244		43,701	
Interest on income tax refund	10,69,502		3,33,918	
Rental Income	68,000		3,47,746	
Subscription for Periodicals	-		31,664	
Other Income	10,25,009		20,23,174	
Miscellaneous Income	19,400		79,545	
Water Electricity Receivables	-			
Total		**22,44,155**		**28,59,748**

Schedule 13 - Programmes And Project Costs:

Particulars	2019-20		2018-19	
National Announced programs	9,13,362		19,47,312	
National Sponsored programs	75,61,673		2,24,07,435	
International programs	2,12,39,267		2,52,84,595	
Seminar and Workshops	15,750		1,91,597	
Consultancy project	9,31,396		21,93,566	
Total		**3,06,61,448**		**5,20,24,505**

Schedule 14 - Establishment Costs:

Particulars	2019-20		2018-19	
a) Salaries and Wages	4,86,76,465		4,38,37,429	
b) Allowances and Bonus	59,47,233		43,75,531	
c) Contribution to Provident Fund	50,95,724		45,71,947	
d) Staff Welfare Expenses	3,81,663		5,03,840	
e) Expenses on Employees Retirement and Terminal Benefits	77,73,478		51,65,643	
Total		**6,78,74,563**		**5,84,54,390**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Schedule 15 - Administrative Costs:

Particulars	2019-20		2018-19	
Advertisement and Publicity	8,79,497		11,46,689	
Publications for Ministry	-		-	
Tender Documents Purchase	7,000		10,000	
Electricity and power	32,28,888		54,58,258	
Water charges	51,42,583		44,28,225	
Emd Tender Fee	1,10,000		-	
Repairs and maintenance	51,68,749		62,72,776	
Rent, Rates and Taxes	66,46,838		10,97,554	
Vehicles Running and Maintenance	21,00,508		18,45,249	
Postage, Telephone and Communication Costs	11,32,449		12,74,490	
Printing and Stationary	20,67,554		26,13,498	
Pooja Expenses	14,900			
Travelling and Conveyance	43,13,797		35,50,938	
ISO Certificate charges	3,49,933		2,55,130	
Subscription Expenses (Memberships)	-		80,624	
Expenses on Fees (SENDOC)	12,46,631		16,26,734	
Professional Fees	3,89,806		4,92,550	
NATIONAL SC SC HUB	91,61,700			
ODOP Project Exp	87,039			
Dcac Expenses	45,040			
Statutory Audit fee	45,000		41,300	
Hospitality Expenses	1,20,01,766		1,50,00,080	
Business Development Expenses	20,19,797		16,62,758	
Security Services	20,62,193		16,29,631	
Website Development Expenses	2,55,439		-	
Parliamentary Committee meeting Exp	-		1,65,094	
Insurance	1,82,957		29,795	
Bank Charges	57,319		34,838	
MSME International Day Expenses	28,87,930		-	
Internet Expenses	-		-	
Misc Expenses	5,328			
Others: Legal expenses	-		2,30,000	
Sme University Dpr& Other Expenses	-		7,28,000	
Implementation of Official language (Hindi)	3,98,866		4,35,432	
EC/GC/Society meeting Expenses	1,04,903		1,67,086	
Total		**6,21,14,409**		**5,02,76,728**

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

FIXED ASSETS 5 - FIXED ASSETS

Name of the Asset	Gross Block					Depreciation					Total	Capital Fund	Adjustment on account of				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2020	Net Block as on 31.3.2019
	As on 1.04.2019	Additions upto 30.9.2019	Additions after 30.9.2019	Sale/ Adjust ment	Total	As on 1.4.19	Rate %	For the Year	Adjust ment			Grants			Total			
												Upto 31.3.19	For 2019-20	Adjus				
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
Modernisation of ni-msme																		
Buildings	2,26,78,710	-	-	-	2,26,78,710	11,27,122	3	85,890		12,13,012	1,81,15,993	-			-	1,93,29,005	33,49,705	34,35,595
A Block	2,82,377	-	-	-	2,82,377	93,571	3	4,720		98,291	-	-			-	98,291	1,84,086	1,88,806
B Block	80,39,079	-	-	-	80,39,079	4,41,525	3	1,48,737		5,90,263	16,48,067	-			-	22,38,330	58,00,749	59,49,487
C Block	41,95,945	-	-	-	41,95,945	1,98,097	3	18,879		2,16,976	7,42,686	25,00,000			25,00,000	34,59,662	7,36,283	7,55,162
DEF Block (Gr.Floor)	2,03,47,745	-	-	-	2,03,47,745	2,42,903	3	0		2,42,903	2,01,04,841	-			-	2,03,47,744	1	1
DEF Block (addl.floor)	3,35,60,307	-	-	-	3,35,60,307	11,056	3	1,231		12,288	-	3,35,00,000			3,35,00,000	3,35,12,288	48,019	49,251
Security Block	5,09,207	-	-	-	5,09,207	8,505	3	0		8,505	5,00,701	-			-	5,09,206	1	1
Training Building	3,82,25,437	-	-	-	3,82,25,437	20,18,077	3	1,18,600		21,36,677	1,42,70,000	1,71,93,356			1,71,93,356	3,36,00,033	46,25,404	47,44,004
Staff Quarters	9,22,784	-	-	-	9,22,784	1,62,319	3	15,117		1,77,437	59,508	96,260			96,260	3,33,205	5,89,579	6,04,697
VIP Guest House	84,032	-	-	-	84,032	1,050	3	0		1,050	82,981	-			-	84,031	1	1
SENDOC Building	25,21,117	-	-	-	25,21,117	1,56,787	3	10,991		1,67,777	17,77,664	1,47,044			1,47,044	20,92,485	4,28,632	4,39,622
Ducts & Drains	3,58,222	-	-	-	3,58,222	4,478	-	-		4,478	3,53,743	-			-	3,58,221	1	1
Borewell/Pumpset	6,65,687	-	-	-	6,65,687	98,501	3	12,832		1,11,333	53,921	-			-	1,65,254	5,00,433	5,13,265
External Drainage	22,66,376	-	-	-	22,66,376	1,875	-	-		1,875	5,12,281	-			-	5,14,156	17,52,220	17,52,220
Internal Roads	70,05,214	-	-	-	70,05,214	-	-	-		-	31,71,750	23,08,000			23,08,000	54,79,750	15,25,464	15,25,464
Infrastructure	35,46,465	-	-	-	35,46,465	-	-	-		-	11,58,784	-			-	11,58,784	23,87,681	23,87,681
Landscaping	44,30,730	-	-	-	44,30,730	7,70,463	3	40,653		8,11,116	20,34,143	-			-	28,45,259	15,85,471	16,26,124
Furniture & Fixtures	86,08,494	33,850	-	-	86,42,344	21,37,274	10	1,66,502		23,03,777	27,40,825	20,99,222			20,99,222	71,43,824	14,98,520	16,31,173
Electric Sub-Station	82,86,287	-	-	-	82,86,287	7,90,904	3	459		7,91,363	74,20,314	56,728			56,728	82,68,405	17,882	18,341
Equipment	1,13,76,830	8,15,554	-		1,21,92,384	39,28,797	15	8,99,850		48,28,647	22,64,590				-	70,93,237	50,99,147	51,83,443
Hostel Equipment	36,04,917	-	-	-	36,04,917	13,28,674	15	1,43,348		14,72,022	7,38,269	5,82,320			5,82,320	27,92,611	8,12,306	9,55,654
Garden Equipment	1,16,666	-	-	-	1,16,666	72,807	15	6,260		79,066	2,129				-	81,195	35,471	41,730
Auditorium	51,000	-	-	-	51,000	10,821	-	-		10,821	40,178					50,999	1	1
Canteen Facilities	6,44,135	-	-	-	6,44,135	2,64,638	10	28,923		2,93,561	90,267				-	3,83,828	2,60,307	2,89,230
A.V. Equipment	7,12,600	-	-	-	7,12,600	2,30,724	-	-		2,30,724	4,81,875					7,12,599	1	1
Solar System	64,90,736		-	-	64,90,736	8,70,765	15	7,12,779		15,83,544	8,68,109					24,51,653	40,39,083	47,51,862
Air Conditioners	1,11,16,585	73,438	-		1,11,90,023	30,35,933	15	9,52,602		39,88,535	4,17,497	13,85,912			13,85,912	57,91,944	53,98,079	62,77,243
EPABX	15,78,830	-	-	-	15,78,830	71,656	15	11		71,667	15,07,101					15,78,768	62	73
DEF I Floor	1,41,18,447	-		-	1,41,18,447	6,10,896	3	34,774		6,45,670	82,23,407	38,93,179			38,93,179	1,27,62,256	13,56,191	13,90,965
Compound Wall	45,55,069	-	-	-	45,55,069	30,500	3	5,144		35,645	43,18,791					43,54,436	2,00,633	2,05,778
Diamond chain fencing	1,55,62,905	-	-	-	1,55,62,905	7,44,588	3	3,70,458		11,15,046						11,15,046	1,44,47,859	1,48,18,317
Dining Halls	1,57,56,180	-	-	-	1,57,56,180	10,74,912	3	2,22,550		12,97,462	57,79,270					70,76,732	86,79,448	89,01,998
CRMA Project	63,960	-	-	-	63,960	-	-	-		-	-	63,960			63,960	63,960	-	-
RCTP Project	5,32,802	-	-	-	5,32,802	-	-	-		-	-	5,32,802			5,32,802	5,32,802	-	-
Gymnasium	5,43,428	-	-	-	5,43,428	12,142	3	4,652		16,795	-	3,45,195			3,45,195	3,61,990	1,81,438	1,86,091
LBI- Plant & Machinary	81,28,427	-	-	-	81,28,427	26,92,245	15	8,15,427		35,07,672	-	-				35,07,672	46,20,755	54,36,182
Poly Green House	4,59,946	-	-	-	4,59,946	-	-	-		-	-	4,59,946			4,59,946	4,59,946	-	-
Football Court	3,87,893	-	-	-	3,87,893	55,246	3	8,316		63,562	-	-			-	63,562	3,24,331	3,32,647
Motor vehicle	9,44,111	-	-	-	9,44,111	5,88,040	15	53,411		6,41,451						6,41,451	3,02,660	3,56,071
Water plant	5,15,840	-	-	-	5,15,840	1,94,025	10	32,181		2,26,207						2,26,207	2,89,633	3,21,815
Parking shed&walk way	43,12,305	-	-	-	43,12,305	4,72,350	3	95,999		5,68,349					-	5,68,349	37,43,956	38,39,955
TOTAL	26,81,07,827	9,22,842	-	-	26,90,30,669	2,45,54,270		50,11,297	-	2,95,65,567	9,94,79,685	6,51,63,924	-	-	6,51,63,924	19,42,09,176	7,48,21,494	7,89,09,949

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Name of the Asset	Gross Block					Depreciation				Total	Capital Fund	Adjustment on account of Grants				Total (9+10+13)	Net Block as on 31.3.2020	Net Block as on 31.3.2019
	As on 1.04.2019	Additions upto 30.9.2019	Additions after 30.9.2019	Sale/ Adjustment	Total	As on 1.4.19	Rate %	For the Year	Adjustment			Upto 31.3.19	For 2019-20	Adjus	Total			
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)	(6)		(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(10)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)
Upgradation of SENDOC																		
Equipment	33,31,751				33,31,751	12,86,047	15	7,099		12,93,145	15,31,420	4,66,959			4,66,959	32,91,524	40,227	47,325
Fur. & Fix.	7,92,299				7,92,299	2,01,427	10	7,950		2,09,377	2,18,821	2,92,547	-		2,92,547	7,20,745	71,554	79,504
Telephone/ Telex	1,16,597				1,16,597	49,074	15	0		49,074	67,522	-	-		-	1,16,596	1	1
Borewell	4,38,588				4,38,588	-	-	-		-	99,138	-	-		-	99,138	3,39,450	3,39,450
Books	50,58,628				50,58,628	6,81,727	8	35,602		7,17,329	26,45,334	12,56,878	-		12,56,878	46,19,541	4,39,087	4,74,689
Periodicals	38,95,144				38,95,144	9,79,134	8	69,317		10,48,452	8,43,758	11,48,019	-		11,48,019	30,40,229	8,54,915	9,24,233
Computers	2,11,56,828				2,11,56,828	1,34,24,941	40	5,53,574		1,39,78,515	32,66,334	30,81,619	-		30,81,619	2,03,26,468	8,30,361	13,83,935
Computers Upgradation	10,88,929				10,88,929	8,08,050	40	13,908		8,21,958	79,136	1,66,973	-		1,66,973	10,68,067	20,862	34,770
Printers for Computers	4,38,103				4,38,103	3,37,673	40	14,183		3,51,856	19,754	45,219	-		45,219	4,16,829	21,274	35,457
Computer Tables	5,51,959				5,51,959	2,65,794	10	15,998		2,81,792	1,26,182	-	-		-	4,07,974	1,43,984	1,59,982
Computer Software	22,87,308	16,999			23,04,307	14,75,098	40	9,263		14,84,361	5,84,771	2,21,280	-		2,21,280	22,90,412	13,895	6,159
Electronic Publications	19,25,915				19,25,915	-	-	-		-	9,17,165	10,08,750	-		10,08,750	19,25,915	-	-
Servers	14,67,391				14,67,391	2,80,565	40	10,330		2,90,896	10,80,200	80,800	-		80,800	14,51,896	15,495	25,826
Networking	21,69,294				21,69,294	12,06,518	40	87,872		12,94,390	3,22,502	4,20,595	-		4,20,595	20,37,487	1,31,808	2,19,680
Website	3,89,118				3,89,118	-	-	-		-	3,52,443	36,675	-		36,675	3,89,118	-	-
Consumables	7,43,579				7,43,579	1,54,766	-	-		1,54,766	2,43,925	3,44,888	-		3,44,888	7,43,579	-	-
Bar Coding	59,500				59,500	-	-	-		-	59,500	-	-		-	59,500	-	-
Bandwidth	13,88,009				13,88,009	5,55,227	40	-		5,55,227	-	8,32,782	-		8,32,782	13,88,009	-	-
TOTAL	**4,72,98,940**	**16,999**		-	**4,73,15,939**	**2,17,06,040**		**8,25,097**	-	**2,25,31,136**	**1,24,57,905**	**94,03,984**	-		**94,03,984**	**4,43,93,026**	**29,22,914**	**37,31,011**
Schedule 8(a) Total	**3,68,92,552**	-	-		**3,68,92,552**	**2,64,39,948**		-	-	**2,64,39,948**	**96,69,419**	-	-		-	**3,61,09,367**	**7,83,185**	**7,83,185**
GRAND TOTAL	**35,22,99,320**	**9,39,841**	-	-	**35,32,39,161**	**7,27,00,257**		**58,36,394**	-	**7,85,36,651**	**12,16,07,009**	**7,45,67,908**	-	-	**7,45,67,908**	**27,47,11,568**	**7,85,27,592**	**8,34,24,145**
Works-in-progress:																		
SME University-PE	**3,59,552**			-	3,59,552	-		-		-	-	-	-	-	-	-	3,59,552	3,59,552
Total WIP	**3,59,552**	-		-	3,59,552	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3,59,552	3,59,552
GRAND TOTAL	35,26,58,872	9,39,841	-	-	35,35,98,713	7,27,00,257		58,36,394		**7,85,36,651**	12,16,07,009	7,45,67,908	-	-	7,45,67,908	27,47,11,568	**7,88,87,144**	8,37,83,697

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
F.R.No. 002370S
HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045

SCHEDULE - 16
Significant Accounting Policies

1 **Method of Accounting:**
The Financial Statements are prepared on the basis of Generally Accepted Accounting Principles in India and the Institute adheres to the accrural system of Accounting system of Accounting on a consistent basis.

2 **Fixed Assets:**
Fixed assets are stated at Cost of acquisition inclusive of transportation and incidental costs,duties and taxes and expenses relating to installation thereof.

3 **Depreciation:**
A. Buildings and Books / Periodicals are subject to Depreciation on their Written Down Values at the rates prescribed under CPWD Rules.

B. All other Assets are subject to Depreciation at the rates and in the manner provided under Rule 5 of the Income Tax Rules.

4 **Government Grants:**
Project and Programme Grants are recognised as revenue and the application thereof are treated as spendings in the year to which they relate, and unutilised grants are recognised and accounted for as such, as on the last day of the accounting year.

5 **Provision for Taxation:**
The Institute is a Registered Society under the Provisions of Section 12AA of the Income tax (Exemptions), Hyderbad, w.e.f 8th June 2007, and is not subject to Income Tax in respect of its Net Surplus for the year.

M.V. NARAYANA REDDY & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
F.R.No. 002370S
HYDERABAD

NATIONAL INSTITUTE FOR MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
8-3-289/4, YOUSUFGUDA, HYDERABAD 500 045
SCHEDULE - 17
NOTES TO ACCOUNTS

1 **GOVERNMENT GRANTS:**

During the year under review, the Institue has received Project and Programme Grants from the Ministry of MSME as well as other Ministries of the Central Government .Details of such Grants received, expended and the unutilized amounts as of 31.03.2020 are summarised as under:-

S.No.	Particulars	Amount
a.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from the Ministry of MSME	6,23,69,600
	Less:Amount spent during the year	2,40,01,800
	Unutilised amount as on 31.03.2020	3,83,67,800
b.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from other Ministries/Departments	2,95,51,608
	Less:Amount spent during the year	2,95,51,608
	Unutilised amount as on 31.03.2020	Nil
c.	Aggregate Projects/ Programme Grants received from State Government	3,77,12,857
	Less:Amount spent during the year	3,77,12,857
	Unutilised amount as on 31.03.2020	Nil

Aggregate unutilized amount as on 31.03.2020 works out to Rs.3,83,67,800. It will be adjustable in due course of time.

2 The Institute has completed the Implementation of several Pojects and Programmes prior to 31.03.2020. The Aggregate of the Grant amount receivable in this regard as on 31.03.2020 works out to Rs.9,78,93,554/- .Necessary steps are to be taken to ensure expeditious realisation of the same.

3 Advances to Employees in respect of Programme implementation, Tours and Travel and Advances of Temporary nature are outstanding. The relevant amounts in this regard are as under:-
i)Programme Advance-Rs. 6,92,985
ii)Staff Advance- Rs.43,467
iii)Study Tour Advance-Rs.2,01,399
iv)Temporary Advance-Rs.5,21,573
v)Tour Advance-Rs.2,75,141

The above Advances must be settled and accounted for on priority, and the Institute has been regulary following up the same.

4 Sundry Debtors amounting to Rs. 4,52,76,440.64/- which are outstanding from various parties in respect of Seminars,Workshop and Events conducted at the Institute as well as relating to collaborative work carried out. The Institute has been regulary following up the same.

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

5 **Contingent Liabilities:**

a) In pursuance of the instructions of the EC, this office has taken up the matter with the Principal Commissioner, Central Tax, Hyderabad Commissionerate and paid Service Tax of Rs.55,41,574/- towards three (3) services viz., Mandap Keeper Services, Management Consultancy Services and Renting of Immovable Property for the period 2015-16 to 2017-18 upto June against a demand of Rs.13,43,88,875/-. **The matter is disposed-off.**

Similarly, the Commissioner, Central Tax Department raised a demand for payment of service tax of Rs.26 crores for the period from 2004-05 to 2014-15. We filed a case in CESTAT and the matter was disposed-off by demanding to Central Tax department to raise service tax against Mandap Keeper Services, Management Consultancy Services and Renting of Immovable Property. Accordingly, the service tax department advised this office to pay service tax amount of Rs.1,15,86,047/- against the earlier demand of 26 crores approx. This office made pre-deposit of Rs.1,78,90,911/- made in different spells during the above period towards service tax and requested the Commissionerate to adjust the service tax demanded against our pre-deposits. **The matter is pending with Commissionerate, Central Tax, Hyderabad.**

b) M/s. Ramanantham & Rao, Chartered Accountants and former Statutory Auditors of the Institute filed a suit claiming a fee of Rs.818203/- towards their charges for the services rendered in the matter of obtaining extension relating to the exemption Oreders relating to the exmption of the Income of the Institute from the Income Tax as has been extended earlier.The City Civil Court in the O.S.No.2507 of 2010 passed decree in their favour.However the Institute has contested before the Honourable High Court.The Honourable High Court passed an Interim direction in CCAMP 290 of 2015 in CCAMP No.210 of 2015 that the interim stay earlier granted is made absolute on condition of respondent(ni - msme) deposting 1/3rd of decretal amount plus costs before the trail Court.Accordingly, an amount of Rs.318525.33 was deposited in the Honourable Court Vide Challan on 14.08.2015. The Matter continues to be sub judice.

c) Intimation received from Income Tax Department for AY 2017-18 for Non/late filing of Income tax return & audit report for the financial year 2016-17 and disallowed the exemption and raised demand of Rs. 22,08,06,769 and the Institute has filed the rectification application before Jurisidictional Assessing Officer and rectification Order is still awaited

6 Schedules 1 to 17 are annexed to and from an integral part of the Balance Sheet as at 31st March 2020 and the Income and Expenditure for the year ended on that date.

7 Previous year figures have been regrouped/ rearranged wherever necessary.

For M V Narayana Reddy & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 002370S

M.V. NARAYANA REDDY & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS F.R.No. 002370S HYDERABAD

Y Subba Rami Reddy
Partner
Membership No: 218248

Place: Hyderabad
Date : 15th September, 2020

S. Glory Swarupa
Director General

Dr. K. Visweswara Reddy
FM(SEM)&Admin Incharge

Name of the Assessee	National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises
Address	8-3-289/4 Yusufguda Hyderabad - 500 045
Status	Charitable Institution
Assessment Year	2020-21
Previous Year ended	31st March, 2020
Date of Registration	27-04-62
P A N	AAAJN0177F
Range	JDIT/ADIT(EXEMPTIONS)

COMPUTATION STATEMENT OF TOTAL INCOME & TAX LIABILITY

PARTICULARS		AMOUNT Rs.	AMOUNT Rs.
Income from other source:			
Capital Grants		3,83,67,800	
Grants / Subsidies		5,62,82,680	
Fee & Subcriptions		5,57,14,245	
Income from Infrastructure facilities		35,26,384	
Bank Interest		2,56,82,576	
Other Income		22,44,155	
	Total Income		18,18,17,839
Less : 15% of Income set apart for future U/s.11(1)(a)			2,15,17,506
			16,03,00,333
Less: Exemption u/s 11(1)(d)			3,83,67,800
			12,19,32,533
Less: Income applied for Charitable Purpose			16,64,86,814
Excess Application over Income out of Corpus Fund			(4,45,54,281)
Taxable Income			NIL
STATEMENT OF TAXES			
Income tax there on			-
Less : TDS Receivable			16,50,114
REFUND			16,50,114

For National Institute For Micro,Small And Medium Enterprises

S. Glory Swarupa
Director General

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprise (ni-msme) - The Premier Institute

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprise (ni-msme), the pioneer institute in the field of MSME is playing a major role in providing pro-business environment to foster the progress of MSME towards success and prosperity. The raison detre of this Institute is to assist the Government in formulating policies for micro, small and medium enterprises and to help the practicing and potential entrepreneurs through a host of services like training, research, consultancy, information, education and extension.

Set up in 1962, **National Institute for Micro, Small and Medium Enterprise (ni-msme)** has made valuable contributions by creating an impressive record of achievements beyond the Indian shores, enabling other developing countries to get the benefit of the Institute's facilities and expertise. The Institute is associated with prestigious world bodies such as UNIDO, UNESCO, ILO, CFTC, UNICEF, AARDO and GIZ.

ni-msme's intellectual activities are pursued by its four Schools of Excellence, viz., School of Enterprise Development (SED), School of Enterprise Management (SEM), School of Entrepreneurship and Extension (SEE) and School of Enterprise Information and Communication (SEIC). The Institute has been publishing Small Enterprise Development and Management Extension (SEDME) Journal since 1974 in the domain of small enterprises, attracting contributors and users not only from every corner of the country but also from other developing as well as developed nations.

The Institute is having theme focused Centers like National Resource Centre for Cluster Development (NRCD) for helping the MSMEs by implementing the Cluster Development Approach. At present, the Institute is involved in development of more than 50 Rural, Artisan, Industry clusters across the nation and supporting to KVIC, Coir Board, NBCFDC, NSFDC and various state Governments for development of Handlooms, Handicrafts, Food Processing and Textiles Clusters. Intellectual Property Facilitation Centre for MSMEs (IPFC) provide IP advisory services to various research and academic institutions, Clusters, SMEs, Start-ups and Individual innovators. Around 350 SMEs & Start-Ups got benefited from IP registrations including 102 Trade Marks, 41 Patents, 4 Copyrights, 6 Industrial Designs and one Geographical Indication. Goods and Services Tax Cell (GSTC) provide GST registrations and tax compliances, Entrepreneur Development Cell (EDC) and Livelihood Business Incubator (LBI) supports MSMEs for creating a favorable ecosystem for entrepreneurial development in the country. The Institute stores and supplies information that helps to make a successful entrepreneur who is well versed in the intricacies of business and can participate in business activities intelligently and diligently through its Small Enterprises National Documentation Centre (SENDOC).

The Institute has trained more than 5,48,815 participants by organizing around 16,198 programmes which includes prospective/existing entrepreneurs and officials from various Ministries of Govt. of India and State Governments. **ni-msme** has also imparted skill training to 1,18,531 educated unemployed youth by conducting 3908 Entrepreneurship and Skill Development Programmes (ESDPs). The Institute is implementing ITEC Scheme of Ministry of External Affairs, Govt. of India since 1967 and trained more than 10,600 International Executives from 143 developing countries. The Institute has also completed more than 947 research and consultancy projects.

The management of the Institute rests with the Governing Council appointed by the Govt. of India. The governing body acts through the Director General. The present Director General is Ms. S. Glory Swarupa.

ni-msme

National Institute for Micro, Small and Medium Enterprises (ni-msme)

(An Organisation of Ministry of MSME, Govt. of India and An ISO 9001:2015 Certified)

Yousufguda, Hyderabad - 500 045 Tel: 91-40-23608544 – 46, 23633202

Website: www.nimsme.org webmaster@nimsme.org